

શેઠ ભુરીઆભાઇ જીવણચંદ જવેરી, સુરત.

જન્મઃ— સં. ૧૯૨૪
ભાદ્રપદ શુકલ ૧૪

મૃત્યુઃ— સં. ૧૯૮૦
ચૈત્ર શુકલ ૧૧

निवेदन.

श्री अध्यात्मज्ञान प्रसारक मंडळ तरफथी जैनधातुप्रतिमा लेख संग्रह भाग बीजो छपाईने मारा मोटो बहार पाडवामां आवे छे. ऐतिहासिक पंडितोने एमांथी घणुं जाणवानुं मळशे अने तेथी जैन इतिहास पर घणो सारो प्रकाश पडशे. आ भागमां टिप्पण लेख पण आप्या छे. हवे जैन पाषाण धातु प्रतिमाओना लखाणो लेवाना बाकी छे. आणंदजी कल्याणजीनी पेढी वगेरे तीर्थरक्षकपेढीओ जो आ बाबतमां सहाय करे तो आ कार्य करवामां आगळ वधी शकाय. धनवंतोए आ तरफ लक्ष आपी मदद करवी जोईए. आ मंडळ तरफथी घणी सस्ती किंमते पुस्तको बहार पडे छे, अने पडशे.

आ ग्रन्थ अने प्रथम प्रगट थएल धातु प्र० लेख संग्रह भा० १ ए बन्ने ग्रंथो योगनिष्ठजैनाचार्य श्रीमद् बुद्धिसागरसूरिजी महाराजना परिश्रम अने प्रेरणाथीज प्रगट थयेल छे, एटलुंज नहीं पण तेओश्रीनी शारीर प्रकृति सारी नहीं छतां पण पुस्तको छपाववानुं काम अविश्रान्त पणे चालु राखेल छे तेथी तेओश्रीनो उपकार वाळवा कोई रीते वाळी शकाय तेम नथी.

धन्यवाद.

आ ग्रंथ छपाववामां सुरतना मर्हुम झवेरी [illegible] तरफथी रू. १०१) नी मदद मळेली छे, ते माटे मंडळ तेमनो आभार मानी तेमने धन्यवाद आपे छे अने तेमना स्मरण चिह्न तरीके तेमनुं जीवन चरित्र अने फोटो आ ग्रंथमां दाखल करवामां आवेल छे

पादरा,
श्रावण वदि ९
वि.सं. १९८०

श्री अध्यात्मज्ञानप्रसारक मंडळ.

वकील मोहनलाल हीमचंद.

प्रस्तावना.



जैनधातु प्रतिमा लेख संग्रह धारवा करतां मोडो बहार पडे छे धातुप्रतिमाओना लेखोथी ते ते कालना आचार्यो, देश, नगर, जैनधर्म वगैरेनी स्थितिनुं ज्ञान थाय छे. बीजा भागना लेखोमां जे जे गामोनां नगरोनां नामो आव्यां छे ते जुदां छापीने जणाववामां आव्यां छे. वि. सं. एक हजार वर्षनी पूर्वना धातुप्रतिमाना लेखो मळ्या नथी. वि. सं. एक हजारथी ते ओगणीससेनी साल सुधीना लेखो मळी शके छे. धातुप्रतिमा लेख संग्रह पहेला भागमां चोपन गामोना लेखोनुं लीस्ट छे अने बीजा भागमां गामनगरनां चार नाम छे. बधां मळी ५८ थाय छे, अमदावाद, पाटण अने सुरत ए शहेरना संपूर्ण लेखो लेवाया नथी, तेमांथी जे जे पोळनां देरासरना लेखो लीधा छे ते ते आ ग्रन्थमां जणाव्या छे. लेखो लखाया ते काळमां जे जे कोमो जैनधर्म पाळती हती तेनुं वर्णन प्रथम भागनी प्रस्तावनामां कर्युं छे तथा ते ते काळे जे जे गच्छो हता तेनुं वर्णन पण प्रथमभागमां आप्युं छे, अने बीजा भागमां पण केटलाक गच्छ अने गच्छना आचार्य तथा सालवार सूचिपत्र आप्युं छे. ते वांचीने वांचको सहेलाइथी लेखोनुं ज्ञान करी शकशे. जैनोनां हजारो देरासरो छे तेमांथी फक्त थोडाक नगरगामना लेखो लेवाया छे. हजी तो हजारो लेखो लेवाना बाकी छे अने तेथी जैन इतिहास उपर सारुं अजवाळुं पडशे. प्रथम भागमां बसो चोवीश लेख छे अने बीजा भागमां अगियारसो पचास लेख छे. तेमांथी घणाखरा केटलाक लेखो (बे भागना मळी छे.) हजी तो हजारो धातुप्रतिमाओना लेखो बाकी छे अने पाषाणनी प्रतिमाओना पण हजारो लेखो बाकी छे. श्रीविजयधर्मसूरिजी तथा श्रीजिनविजयजी, [illegible]

आचार्य श्रीजिनविजयजी, तथा श्रीकांतिविजयजी-प्रवर्तकजी, श्रीकल्याण-
विजयजी, विजयसिद्धिसूरिना प्रशिष्य श्रीधर्मविजयजी तरफथी पाषाण
प्रतिमाओ वगेरेना लेखो लेवाया छे अने केटलाक छपाया छे. श्रावकोमां
एक बाबु तरफथी केटलाक लेखो छपाइने बहार पडया छे. दिगंबर
जैनोए पाषाण धातु प्रतिमाओना लेखो लीधा होय अने छपाव्या होय
एवुं मारा जाणवामां आव्युं नथी. तेओ पण चळवळ करता हशे.
छासठ गाम पैकी अमदावाद, पाटण, सुरतना बाकीना लेखो अने बीजा
सर्व नगर, पुर गामोना लेखो लेवानी अत्यंत जरूर छे धनवंतोनी मदद
विना धातु पाषाण प्रतिमाओना लेखो लेइ शकाय नहीं अने छपावी
शकाय नहीं अने ते विना जैन इतिहासनुं कार्य अपूर्ण रहे तेथी गृहस्थ
धनवंत जैनोए सवेळा मदद करवा लक्ष्य देवुं जोइए. कंइ एक हाथे
ताळी वागती नथी माटे विद्वानोनी अने धनवंतोनी मददनी याचना
करीए छीए. प्रथम भागना अने बीजा भागना लेखो लेवामां जे जे
मुनियोए अने श्रावकोए मदद करी छे तथा लेखो छपाववामां जेओए
मदद करी छे तेओने अंतःकरणथी धन्यवाद आपीए छीए तथा सहा-
यकारक श्रावकोने धर्मलाभाशीः पूर्वक धन्यवाद आपवामां आवे छे.
मुनिश्री जयविजयजी. मुनिश्री कीर्तिसागरजी. पंडित चंदुलाल नानचंद
पंडित लालचंद भगवानदास वगेरेए लेखो लेवामां तथा प्रुफ सुधारवामां
सहाय करी छे, तेथी तेओने धन्यवाद देवामां आवे छे. शासन देवोनी
सहाय अने आयुष्य बळ वगेरेनी सामग्री कायम रहेशे तो धातु प्रतिमा
लेख संग्रहनो त्रीजो भाग बहार पाडवा प्रयत्न करीश. प्रवर्तक श्रीकां-
तिविजयजी तथा मोदी शा. केशवलालभाइ प्रेमचंद वगेरे ऐतिहासिक
[illegible]ना रागी अने ते बाबतमां उंडा उतरनारा छे. तेओ पण आ
[illegible]मां चळवळ करशे एवी आशा राखुं छुं. लेखो लेवामां आवो
[illegible] नहिं वंचाताना कारणे भूलो पड जाय अने एवुं बने तेथी बीजा

भागना लेखोमां जे जे भूलो रही गई हशे ते संबंधी विद्वानो सूचनाओ आपशे तो द्वितीयावृत्तिमां तेओनो सुधारो करवामां आवशे. धातु पाषाण प्रतिमाओना घणा हजारो लेखो लेवाय तो ते उपर प्रस्तावनाओ लखी अजवाळुं पाडी शकाय. अध्यात्मज्ञान प्रसारक मंडलने गृहस्थ धनवंत जैनो मदद करशे तो ते द्वारा आगळ तुर्त कार्य शरु करवामां आवशे.

इत्येवं ॐ अर्हं महावीर शान्तिः ३

मु. पेथापुर (गुजरात)
वि. सं. १९८० श्रावण पूर्णिमा.

ले. बुद्धिसागर.

सुरतवासी जैन झवेरी सुरियाभाई जीवणचंदनुं जीवनचरित्र.



जन्म	मरण
वि. सं. १९२४ भाद्रवा सुदि ११	वि. १९८० चैत्र सुदि ११

उम्र छप्पनमा वर्षे.

झवेरी सुरियाभाई जीवणचंदनुं नाम गुजरात जैन कोममां जाहेर प्रसिद्ध थयुं छे. तेमना नाना भाइयो अने भत्रीजाओथी तेमनुं कुटुंब सुरतमां जाहेरमां आव्युं छे. तेओ स्वभावे दयाळु, सत्यवादी, मिलनसार, परोपकारी अने नीतिना आचरणथी प्रमाणिक व्यापारी तरीके यशकीर्तिने पाम्या छे. देव, गुरु, धर्मनी श्रद्धामां पका हता. जीवदयाना कार्यमां सर्व युवकोने स्वमित्रोने पोतानी साथे मोटी हजारो लाखो रुपैयाना फंडो करीने अग्रगण्य तरीके भाग लेता हता, धर्मशाळो उपावयां तेओ मदद करता हता, तेमणे सुरतमां एक जैनधर्मशाळा बंधावी छे के जे धर्मशाळानी घणी जरुर हती. तेमणे धर्मशाळा बंधाववामां रु. ६५०००) पांसठ हजार रुपैया खर्च्या हता अने धर्मशाळानुं नाम पोताना पिताना नामे जीवन निवास पाड्युं छे. तेमणे पावागढ श्री महावीर प्रभु, देरासर तीर्थ अने धर्मशाळाओ वच्चोवच एक टावर बंधाव्युं छे अने तेनुं नाम सुरियाभाइ टावर पाड्युं छे अने तेमां रु.२००००) आशरे वीसहजार रुपैया खर्च्या छे. झवेरी सुरियाभाइनी इच्छा आदर्श उजमणुं करवानी हती. वि. १९८० ना वैशाख मासमां उजमणुं करवानुं मुहूर्त आव्युं हतुं अने उजमणुं करवानी सर्व सामग्री भेगी करी हती पण पालीताणा सिद्धाचल डुंगर पर जतां तेमना पगे वाग्युं अने एमांथी दर्द वधी पड्युं. ते पर ओपरेशन कराव्युं पण उल्टी तेथी वेदना वधी अने घणुं लोही वही गयुं

तेथी चैत्र सुदि अगियारसे मरण पाम्या. तेमनो विचार एवो हतो के अमने सुरत लेइ जवा अने अमारी रुबरुमां उद्यापन महोत्सव करवो पण तेमनी उमेद पार पडी नहीं. पानसरना टावरमां सारी लायब्रेरीनी व्यवस्था करवानी हती के जे लायब्रेरीनो हजारो यात्राळुओ लाभ उठावी शके. तेमनो उद्यमणुं कर्या बाद एक जैन - बोर्डींग स्थापवानो विचार हतो पण ते विचारने साथे लेइ गया. तेथी बीजा जन्ममां जैन गुरुकुल बोर्डींग उद्यापन करवानी प्रवृत्ति थई शकशे.

मुरियाभाइ बाहोश व्यापारी हता. पोताना संबंधमां आवेला अंगत मनुष्योने तेमणे व्यापारमां हुशियार करी ठेकाणे पाड्या छे. तेमणे गरीबोने खानगीमां अने जाहेरमां हजारो रुपैयानी मदत करी छे. तेओना रुपैया अन्य झवेरी मित्र पासे ल्हेणा रह्या हता पण ते पर आर्थिक संकट पडतां पोताना रुपैयानी मागणी सरखी पण करी नथी. ते अमो खास जाणीए छीए. तेमणे गरीब जैनोने खानगीमां मदत करी ठेकाणे पाड्या छे. तेओ अमारी साथे वि. सं. १९६७मां सुरतथी मुंबाइ जतां विहारमां सात आठ श्रावको लेइने साथे रह्या हता अने अमारी साथे मोटा मागे विहार करता हता. अगाशीमां अमोए प्रतिष्ठा करी हती ते वखते तेमणे घणी सेवाभक्ति करी हती अने अगाशीमां अमोए मूळ नायकनी प्रतिष्ठा वासक्षेप करी विहार कर्यो तोपण दरेक गाममां साथे रहेता हता. तेमणे भजनसंग्रह छठ्ठो भाग छपाववामां आगेवान थई मदतकरी हती. वि. सं. १९६७ मां मुंबाइमां अमारा चोमासा वखते गुजरातना करवरीया वखतथी गुजरातना घणा गामोनी टीपो आवी हैमां तेमणे झवेरी बजारमां जाते उभा रही टीपो भरावी छे. अन्यजीवने दुःख पडतुं ते देखीने तेमनी आंखमां आंसु आवी जतां. तेओ दान करवामां निरभिमानी हता. तेमने आखी जींदगी पर्यंत कोइनी साथे कलेश वैर टंटा झघडा कर्या

नथी. अमो जे जे गाममां चोमासुं करीए छीए त्यां ते आवी जता अने पाठशाळा लायब्रेरी पांजरापोळ गरीब मनुष्यो अने देरासरोमां सेंकडो रुपैया आपी जता. रामनी साथे जेम सीता हती तेम तेमनी साथे तेमनी स्त्री हता, तेमणे पोताना पतिने धर्मदान पुण्यकार्यमां घणी सहाय आपी छे अने धर्मकार्यमां अर्धांगना तरीके श्राविकाधर्म पाळीने सारो भाग लीधो छे. भुरियाभाइ वैरागी मनवाळा हता. अने स्वभावे आनंदी हता. प्रभु जिनेश्वरनी पूजामां गांडा गहेला जेवा भक्तिनी धूनमां थई जता अने दुनियानुं भान भूली जता हता. साधुओने अने साध्वीओने आहारपाणी वहोराववामां अत्यंत रुचिवाळा हता. मांदा साधुओनी सेवा करवामां हजारो रुपैया खर्चे करवामां उत्साही भद्रता भाववाळा हता. तेओ अनेक संतसाधुओना समागममां आव्या हता. दरेक गच्छना साधुओने गुणानुरागे पूजता हता. व्यापारमां प्रमाणिक होइ लक्षाधिपति थया हता. तेओ धर्मकार्यमां अमारी सलाह लेइ प्रवर्तता हता. तेमना समागमथी चंपकलाल तथा तलकचंद वगेरे सारा मार्गे चढ्या छे, तेओ कुटुम्ब सगांव्हालांओनुं हित करवामां सावधान हता. तेमना घरमां कुटुम्ब क्लेशनो अभाव हतो, एम कहेवामां अतिशयोक्ति नथी. स्वभावे शांत हता तेथी तेओना पासमां अनेक मित्रो रहेता हता. झवेरी जीवणचंद धर्मचंद तेमना मित्र हता. झवेरी भुरीयाभाई पोताना मित्रोने यथाशक्ति सहाय करता हता. तेमणे शत्रुंजय वगेरे अनेक तीर्थोनी यात्रा करी हती, प्रतिवर्षे शत्रुंजय तीर्थनी यात्रा करता हता. भुरियाभाइ प्रेमाळ हता. एकवार तेमना समागममां जे आव्यो तेनो तेमना पर प्रेम थइ जतो. झवेरी भुरियाभाइ जीवणचंद्रनो सातधातुनो देह गयो पण तेमनो यशःकीर्तिरूप अक्षरदेह तो घणा वर्ष सुधी जीवतो रही वाचकोने आदर्शजीवन दृष्टांतीभूत थशे. झवेरी भुरियाभाइ दानाररत्न तरीके प्रसिद्ध थइ गया छे, तेमने पुत्र

नहोतो पण तेमनां कार्यो हाल जे मौजुद छे ते पुत्रनी पेठे लोकोने उपकारक थइ पडशे. तेमना आत्मामां अनेक सद्गुणो खीलेला हता. तेओ यशःकीर्तिना भूख्या न होता पण धार्मिक कार्यो करवाना भूख्या हता. जैनधर्मना पूरा आस्तिक हता.

तेमनी पाछळ तेमनी पत्नी छे ते पण आत्मार्थी देवगुरु धर्मसेवा भक्ति करवामां श्रद्धाळु छे. सुश्रावक शा. मणिलाल मोहनलाल पादराकरे झवेरी भुरियाभाइ जीवनचंदनुं विस्तारथी जीवनचरित लख्युं छे. विशेष जिज्ञासुए ते चरित्र वांचवुं. जैनकोममां झवेरी भुरियाभाइनी अन्य सद्गृहस्थोनी यादी साथे यादी रहेवानी. झवेरी भुरियाभाइ ओदावाळवंशी उत्तम नररत्न तरीके गणाशे. सुरतमां झवेरी धर्मचंद उदेचंद. झवेरी नगीनदास कपूरचंद. झवेरी नगीनदास झवेर. झवेरी देवचंद लालचंद नगीनदास मंछुभाइ. झवेरी नेमुभाइ मेलापचंद तथा खीमचंदभाइ मेलापचंद तथा झवेरी तलकचंद माणेकचंद वगेरे अमारा समागममां आव्या हता. एवा अनेक दातार नररत्नोनी जीवनी जळवाइ रहे एवी सुरती झवेरीओ कंइक सारी व्यवस्था करशे एवी सूचना करुं छुं के जेथी भविष्यनी जैनकोमने पोतानो इतिहास उज्वल देखवानो लाभ मळे. हालमां सुरतमां झवेरी जीवणचंद साकेरचंद जैनसाहित्य बहार लाववामां अग्रगण्य भाग ले छे. झवेरी जीवणचंद धर्मचंद पोतानी आर्थिक सारी स्थितिमां अनेक विद्यार्थी जैन गरीब बंधुओने सहाय करी छे सुरत अउनेली नगरी छे ते आवा नर रत्नोने जन्म आप्या करे छे अने भविष्यमां आपशे एम इच्छीए छीए. झवेरी भुरीयाभाइना भत्रीजा भाइचंदभाइ जेचंद तथा दयाचंद जेचंदे अमने जीवनचरित्र लखवामां केटलीक हकीकत लखी मोकली छे तेथी तेमने धन्यवाद घटे छे. छेवटे झवेरी भुरियाभाइ के जे अमारा भक्त श्रावक हता तेमना आत्माने शांति मळो एम इच्छुं छुं.

इत्येवं ॐ अर्ह महावीर शान्तिः ॥

मु. पेथापुर.
श्रावण पूर्णिमा.

श्री अध्यात्मज्ञानप्रसारक मंडळ तरफथी

श्रीमद् बुद्धिसागरसूरिजीग्रन्थमाळामां प्रगट थयेला ग्रन्थो.

ग्रथांक	पृष्ठ	किंमत.
१ भजन संग्रह भाग १ लो.	२००	०–८–०
१ अध्यात्म व्याख्यानमाळा	२०६	०–४–०
* २ भजनसंग्रह भाग २ जो.	३३६	०–८–०
* ३ भजनसंग्रह भाग ३ जो	२१५	०–८–०
* ४ समाधिशतकम्	६१२	०–८–०
५ अनुभवपचिशी	२४८	०–८–०
६ आत्मप्रदीप.	३१५	०–८–०
* ७ भजनसंग्रह भाग ४ थो.	३०४	०–८–०
८ परमात्मदर्शन.	४००	०–१२–०
* ९ परमात्मज्योति	५००	०–१२–०
* १० तत्त्वबिंदु.	२३०	०–४–०
११ गुणानुराग (आवृत्ति बीजी)	२४	०–१–०
* १२–१३ भजनसंग्रह भाग ५ मो तथा ज्ञानदीपिका.	१९०	०–६–०
* १४ तीर्थयात्रानुं विमान (आ बीजी)	६४	०–२–०
१५ अध्यात्मभजनसंग्रह	१९०	०–६–०
१६ गुरुबोध.	१७४	०–४–०
* १७ तत्त्वज्ञानदीपिका	१२४	१–६–०
१८ गहुंलीसंग्रह भा. १	११२	०–३–०

*	१९–२० श्रावकधर्मस्वरूप भाग १–२ (आवृत्ति त्रीजी)		४०–४०–१–०
*	२१ भजनपदसंग्रह भाग ६ ठो	२०८	०-१२-०
	२२ वचनामृत.	८३०	०-१४-०
	२३ योगदीपक.	३०८	०-१४-०
	२४ जैन ऐतिहासिक रासमाळा.	४०८	१–०–०
*	२५ आनन्दघनपद भावार्थ (१०८) संग्रह भावार्थ सहित	८०८	२–०–०
	२६ अध्यात्मशान्ति (आवृत्ति बीजी)	१२२	–३–०
	२७ काव्यसंग्रह भाग ७ मो	१५६	०–८–०
*	२८ जैनधर्मनी प्राचीन अने अर्वाचीन स्थिति.	९६	०–२–०
*	२९ कुमारपाल (हिंदी)	२८७	०–६–०
	३० थी ३४ सुखसागर गुरुगीता	१००	०–४–०
	३५ षड्द्रव्यविचार	२४०	०–४–०
	३६ विजापुरवृत्तांत.	९०	०–४–०
	३७ साबरमतीकाव्य.	१९६	०–६–०
	३८ प्रतिज्ञापालन.	११०	०–५–०
*	३९–४०–४१ जैनगच्छमतप्रबंध, संघप्रगति, जैनगीता.	३०८	१–०–०
	४२ जैनधातुप्रतिमालेखसंग्रह भा. १		१–०–०
	४३ मित्रमैत्री.		०–८–०
*	४४ शिष्योपनिषद्	४८	०–२–०
	४५ जैनोपनिषद्	४८	०–२–०
	४६–४७ धार्मिक गद्यसंग्रह तथा पत्रसदुपदेश भाग १ लो	९०३	१–०–०
	४८ भजनसंग्रह भा. ८	९०३	१–०–०
*	४९ श्रीमद् देवचंद्र भा. १	१०२८	२–०–०
	५० कर्मयोग	१०१२	१–०–०

छपाता ग्रन्थो.

- जैनधर्म अने ख्रीस्ति धर्मनो मुकाबलो.
- जैन अने ख्रीस्ती संवाद.
- मोटुं विजापुर वृत्तांत.
- चिन्तामणि.
- कन्याविक्रयदोष.
- आत्मप्रकाश.
- ध्यानविचार
- अध्यात्मगीता (संस्कृत)
- आत्मसमाधिशतक „
- सत्य स्वरूप.
- मणिचन्द्रकृत २१ सज्झाय भावार्थ (आत्मदर्शन).
- जैनधर्म शंका समाधान
- आत्मशक्ति प्रकाश.
- क्षमापना.
- तत्त्वविचार.
- * यशोविजयजी निबन्ध
- भजनसंग्रह भा.१ चोथी आवृत्ति
- श्रीमद् देवविलास रास (देवचंद्रजी चरित्र)
- मुद्रित श्वेतांबर जैनग्रन्थ नामावलि.

* आ निशानीवाळा ग्रंथो सीलकमां नथी.

उपरनां पुस्तको मळवानुं ठेकाणुं.

वकील मोहनलाल हीमचंद.
(गुजरात) पादरा.

शा. आत्माराम खेमचन्द.
साणंद.

भांखरीया–मोहनलाल नगीनदास.
मुंबाइ कोटबजार गेट नं. १९२–९४

बुकसेलर, मेघजी हीरजी.
पायधुनी–मुंबाइ.

शेठ. नगीनदास रायचंद भांखरीया.
मु. मेसाणा.

विजापुर जैन ज्ञानमन्दिर.
शा. चन्दुलाल गोकळदास.

धातु प्रतिमा लेख संग्रह भा. २ मां आवेलां गाम, नगरनां पोळ, मंदिरनां यादि.

गाम	पोळ	मंदिर
१ पेथापुर		
२ दहेगाम		शांतिनाथना देरो, धर्मनाथना देरासरना देरो
३ वडोदरा		देरासर
	मामानी पोळ,	कल्याणपार्श्वनाथना देरासरना देरो, श्री महावीरदेरासरना देरो.
	कोठीपोळ	शांतिनाथना देरासरना देरो
	पीपळीयापोळ	मनमोहन पार्श्वनाथ देरासर, श्री आदिश्वर देरासर
	जानीशेरी	आदीश्वर देरासर
	दोशीवाडो	चिंतामणी पार्श्वनाथनुं देरासर
	घडीयाळीपोळ	नेमिनाथ देरासर
	नरसिंहपुरा	पार्श्वनाथ देरासर.
	सुलतानपुरा	ऋषभ देरासर.
	कोठीपोळ	शीतलनाथ देरासर.
	वाडी रामदास	आदिजिनालय.
	बाबाजीपुरा देरापोळ	गोडीपार्श्वनाथ जिनालय.

शेठ मगनलाल चुनीलाल वैद्यनुं घरदेरासर.
बापुभाइ हीराचंद वैद्यनुं घरदेरासर.
वैद्य त्रिभुवनदास भोगीभाइनुं घरदेरासर.
सुरचंद मगनलाल भीखाभाइनुं घरदेरासर.
शेठ मोतिलाल हीराचंदनुं घरदेरासर.

शेठ मगनदास वीरचंद भीयानुं घरदेरासर.
शेठ फुलचंद झालाभाइनुं घरदेरासर.
कोठारी नमनादासनुं घरदेरासर.
झवेरी फत्तेहभाइ अमीचंदनुं घरदेरासर.
हिंदविजय प्रेसवाळानुं घरदेरासर.
शेठ छोटालाल करसनदासनुं घरदेरासर.
शेठ लीलाभाइ रायचंदनुं घरदेरासर.
जोगीदास विठ्ठलदासनी पोळनुं घरदेरासर
शेठ मोतीलाल हरखचंदनुं घरदेरासर.

४ छायापुरी– (छाणी)
१ कंथुनाथ देरासरना लेखो
२ शांतिनाथ जिनालयना लेखो.

५ मीयागाम
१ मनमोहन पार्श्वनाथ जिनालयना लेखो.
२ संभवनाथ देरासरना लेखो.
३ श्रीशांतिनाथ जिनालयना लेखो.

६ भरुच
१ आदिनाथ जिनालयना लेखो.
२ अनन्तनाथ जिनालयना लेखो.
३ शांतिनाथ जिनालयना लेखो
४ पार्श्वनाथ जिनालयना लेखो.
५ मुनिसुव्रतस्वामि जिनालयना लेखो.
६ संखेश्वरपार्श्वनाथ देरासरना लेखो.
शांतिनाथ जिनालयना लेखो.
महावीर जिनालयना लेखो.

कबीरपुरा
श्री अजितनाथ जिनालय.
श्री मुनिसुव्रतस्वामी जिनालय.

वेजलपुर
श्री आदिनाथ जिनालय.

		श्री पद्मप्रभ जिनालय.
७ सीनोर		१ सुमतिनाथ जिनालय.
		२ अजितनाथ जिनालय.
		३ विजयलक्ष्मीसूरि देरीना लेखो.
८ दभोई		पहेला भागमां न आवेला एवा चार लेखो.
९ नडियाद (गुजरात)		१ श्री शांतिनाथ जिनालय.
		२ श्री आदिनाथ जिनालय.
		३ श्री अजितनाथ जिनालय.
१० खेडा	१ खारीवाडो	शांतिनाथ जिनालयना लेखो.
	२ परामां	श्री आदिनाथ जिनालय.
	३ लांबी शेरी	श्री मुनिसुव्रतस्वामि जिनालय.
	४ शेठवाडो	शांतिनाथ जिनालय.
	५ दरवाजानो टेकरो.	पद्मप्रभजिनालय.
	६	महावीरजिनालय.
	७	भीडभंजन पार्श्वनाथ जिनालय.
११ मातर	सुमतिनाथ मुख्य बावन जिनालय.	
१२ खंभात	१	चिंतामणि पार्श्वनाथ जिनालय लेखो.
	२ भारी पाडो.	शांतिनाथ जिनालय.
	३ कडाकोटडी	पद्मप्रभ जिनालय.
	४	शांतिनाथ जिनालय.
	५ मांडवी पोळमां	आदिनाथ जिनालय.
	६	नेमिनाथ जिनालय.
	७	मुनिसुव्रतस्वामि जिनालय.
	८	कुंथुनाथ जिनालय.

	९ कुंभारवाडो.	शीतलनाथ जिनालय
	१० शेरडीवाडानीपोळ.	सुविधिनाथ जिनालय.
	११ दंताळपोळ	शांतिनाथ जिनालय.
१२ खंभात	१२ दंताळपोळ	कुंथुनाथ जिनालय
	१३ उंडीपोळ	शांतिनाथ जिनालय.
	१४ दंताळपोळ	शांतिनाथ जिनालय.
	१५	श्री आदिनाथ जिनालय.
	१६ चोळापोळ	सुमतिनाथ चौमुख जिनालय.
	१७ गीमटी	महावीर जिनालय.
	१८	अजितनाथ जिनालय.
	१९ जिरारपाडो	चिंतामणि पार्श्वनाथ जिनालय.
	२०	शांतिनाथ जिनालय.
	२१	अमीजरा पार्श्वनाथ देरासर.
	२२	मनमोहन पार्श्वनाथ.
	२३	अरनाथ जिनालय.
१२ खंभात	२४ संघवीपाडो	सोमपार्श्वनाथ जिनालय.
	२५	विमलनाथ देरासर.
	२६ चोकसीनीपोळ.	विमलनाथ देरासर.
	२७	चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर.
	३८	मनमोहन पार्श्वनाथ मंदिर.
	२९	महावीर जिनालय.
	३०	शांतिनाथ जिनालय.
	३१ अलिंग	सुमतिनाथ मंदिर.
	३२ लाडवाडो	अभिनंदन जिन मंदिर.
	३३ भोंयरापाडो	नवखंडा पार्श्वनाथ मंदिर.
	३४	पादुका शिलालेख.

३५ नेमिनाथ मंदिर.
३६ चंद्रप्रभ जिनालय.
३७ शांतिनाथ जिनालय.
३८ मल्लिनाथ मंदिर.
१२ खभात ३९ शिशिपुर चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर.
४१ माणेकचोक पार्श्वनाथ जिनालय.
४२ धर्मनाथ जिनालय.
४३ महावीरस्वामि जिनालय
४४ पार्श्वनाथ जिनालय.
४५ शांतिनाथ जिनालय.
४६ वासुपूज्य जिनालय.
४७ आदिनाथ जिनालय.
४८ सारवाडो मुनिसुव्रत जिनालय.
४९ महावीरस्वामि जिनालय.
५० कंसारी पार्श्वनाथ मंदिर.
५१ अनन्तनाथ जिनालय.
५२ थंभण पार्श्वनाथ मंदिर.
५३ मनमोहन पार्श्वनाथ जिनालय
५४ सीमंधर स्वामि जिनालय.
५५ नागरवाडो वासुपूज्य जिनालय.
५६ बोळपीपळो नवपल्लव पार्श्वनाथ जिनालय.
५७ मुनि सुव्रत जिनालय.
५८ संभवनाथ जिनालय.
५९ चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर.
६० संभवनाथ मंदिर.

जैन धातु प्रतिमा लेख संग्रह बीजा भागमां आवेलां ग्राम, पुर, नगरनी यादी.

१ स्तंभतीर्थ(खंभात)
२ वीसरोडा
३ पाटरी
४ गोठुआ
५ गंधार
६ कालुपुर
७ पाटण
८ मातर
९ आंतरी
१० मुंझीकपुर
११ वडाल
१२ गुणनाटक
१३ कमरगिरि
१४ वीरमगाम
१५ बीजापुर
१६ सीतापुर
१७ मगोडी
१८ वारेजा
१९ अमदावाद
२० इलराड
२१ श्री क्षेत्र
२२ घणंडी
२३ घोघा
२४ भीमपल्ली
२५ वाघेरा
२६ गमीव
२७ आमलेश्वर
२८ मांडव
२९ आशापल्ली
३० आसापुर
३१ धारणपद्र
३२ चंपकपुर
३३ पेढडा
३४ आनंदपुर
३५ गोघाव (धावा)
३६ ओड
३७ जंबुनगर
३८ कोटडागढ
३९ गोधरा
४० जंटोडा
४१ यामलि(जामलि)
४२ स्यापागाम
४३ सिद्धपुर
४४ रागपुर
४५ गोत्रतरका
४६ बोरसद
४७ अलीणा
४८ जनउआ
४९ धंधुका
५० बालासीण

१ गिरियावी
२ बहाउल
३ पाडला
४ जयतपुर
५ रुद्रालछि
६ भिन्नमाल
७ पाटरी
८ सुरत्राणपुर
९ तलाना
० भृगुकच्छ (भरुच)
१ देवा
२ वटपद्र
३ रुद्रपल्लि
४ सीहुज
५ नडियाद
६ चोटिला
७ मांटल
८ कर्करानगर
९ बालसासण
० मलकीपुर
१ मदहड
२ उंबरहट
३ वडवाण
४ कौडरव
५ शिरोही
६ झालोदा
७ वीसलनगर
८ सापखडा
९ वृद्धनगर
० कारियाणी

८१ रजोडा
८२ मंडुआनगर
८३ उगाण
८४ वडुद्रा
८५ राणपुर
८६ संखीसर
८७ खेटक
८८ जमालपुर
८९ पालनपुर
९० नंदुरबारनगर
९१ कोरंट
९२ मेडुर
९३ गेहडिया
९४ मल्लाडा
९५ नंदिसाला
९६ डहिरवाला
९७ घाडयागाम
९८ उटव
९९ गोवात्री
१०० वडद्रा
१०१ डाभिला
१०२ शेखपुर
१०३ बमाणा
१०४ राडधानपुर
१०५ मंडली
१०६ कालुपुर
१०७ भोइका
१०८ मतबपुर
१०९ तावीगाम
११० मंडवाडा

१११ रोनासर
११२ छनीआरी
११३ हमीरपुर
११४ कादमाणी
११५ वणुद्र
११६ लोहिआणा
११७ माणकुलि
११८ काहिआणा
११९ डहडा
१२० घोळका
१२१ विडाण
१२२ लीवाडी
१२३ सडहल
१२४ निजरार
१२५ कागढा
१२६ मालातीन
१२७ कोरडा
१२८ पालुरुड
१२९ कोहर
१३० लाडोल
१३१ ववाणिया
१३२ पिपलासावारा
१३३ कडी
१३४ आणंद
१३५ दीकावाडा
१३६ अकबरपुर
१३७ डीसा
१३८ खराकोटडी
१३९ खागल
१४० सीगीवाडा

[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

	७ बाबू पन्नालाल पूर्णचंदजीना देरासरना मूळनायकजीनो लेख.
वाघपुर	
माणसा	१ मोटा देरासरनी प्रतिमाओना लेख.
	२ नाना देरासरजीना.
विजापुर	१ पद्मावतीना देरासरना.
	२ चिंतामणी पार्श्वनाथना देराना
	३ महावीर स्वामीना देराना.
	४ श्री शांतिनाथना देराना.
	५ श्री कुंथुनाथना देरासरना.
	६ ऋषभदेवना देरासरना.
	७ श्री अरनाथना देरासरना.
	८ गोडी पार्श्वनाथना देरासरना.
लाडोल	श्री पार्श्वनाथजीना देरासरना.
वामणवाडा	
संडेसर	१ आदिश्वरजीना गभारानी अंदरनी
	२ चंद्रप्रभुजीना गभारानी.
करबटीय पेपरदर	१ अभिनंदन भगवान्‌ना देरासरनी.
	२ पार्श्वनाथजीना देरानी सामे शांतिनाथजीना देरामांनी.
	३ श्री शांतिनाथजीना देरासरनी
श्री वालम तीर्थ	श्री नेमनाथ भगवाननां देरासरनी
वीसनगर	१ श्री कल्याणपार्श्वनाथजीना मेडा उपर श्री गोडीपार्श्वनाथजीना गभारानी.

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

गेरीता

प्रांतीज — दिगंबर मंदिर.

ओराण — १ दिगंबर मंदिर.
२ पाषाणप्रतिमा मूळनायकजीनो लेख

पेथापुर — १ बावन जिनालय देरासर.
२ पानाचंद जेरामनुं देरासर.

रांधेजा — १ शांतिनाथनुं देरु.
२ घर देरु बलाखी दीपचंद

कलोल

कडी — १ चिंतामणि पार्श्वनाथजीना मंडलीवाळा देरासरनो.
२ संभवनाथजी मूलनायकवाळा देरासरजीनो.
३ नीचे भोंयरामां प्रतिमाना लेखो.

मोयणी

ईसरोडा

गेगाडु — १ श्री आदीश्वरजीनुं देरुं.
२ श्री पार्श्वनाथजीनुं देरुं.

वडाद

(जुना) कोबा

[illegible]

उवारसद

अडालज — १ देरासर.
२ [illegible].

[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

ईडर	१ मूळ नायक सन्मुख धातु प्रतिमा मूळ नायक उपर एक सासा पांच लेख
	२ चौमुखजीनी बे प्रतिमाओ जुना नाळा देरासरे
केशरीयाजी	१ केशरीयाजी पादुका लेख
डुंगरपुर	१ डुंगरपुर पार्श्वनाथ जिनालय लेख.
पोशीना	१ पोशीना पार्श्वनाथ देरीओना लेखो.
[illegible]	१ श्री [illegible]नाथजीना देरासर
	२ श्री शांतिनाथजीना देरासर.
दसाडा	दसाडाना देरासर.
[illegible]	१ श्री [illegible] पार्श्वनाथजीना देरासर
	२ श्री [illegible]जीना जुना देरासरनी [illegible] देरीओ उपरना लेखो
पाटण	१ पाटण के [illegible] बाजुनी धर्मशा-ळाना देरानो लेख.

[illegible]

[illegible]

१	[illegible]	[illegible]	[illegible]
२	[illegible]	[illegible]	[illegible]
३	[illegible]	[illegible]	[illegible]
४	[illegible]	[illegible]	[illegible]
५	[illegible]	[illegible]	[illegible]
६	[illegible]	[illegible]	[illegible]
७	[illegible]	[illegible]	[illegible]
८	[illegible]	[illegible]	[illegible]
९	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]
११	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१२	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१३	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१४	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१५	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१६	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१७	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१८	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१९	[illegible]	[illegible]	[illegible]
२०	[illegible]	[illegible]	[illegible]
२१	[illegible]	[illegible]	[illegible]
२२	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible]

४५ उवारसद	५० पोशीना
४६ अडाळज	५१ वीरमगाम
४७ इडर	५२ दशाडा
४८ केशरीयाजी	
४९ डुंगरपुर	५३ संखेश्वर

धातुप्रतिमा लेख संग्रह भाग २. तेमां जे गाम शहेरोना धा. प्र. लेखो लीधा छे ते ग्राम नगरनी यादी.

१ पादरा	८ डभोई
२ दरापरा	९ नडीआद
३ वडोदरा	१० खेडा
४ छाणी	११ मातर
५ मीयांगाम	१२ खंभात
६ भरुच	६५ बे भागना थईने कुल
७ सीनोर	थया छे.

सुरत, अमदावाद अने पाटणना सर्व देरासरोना धातुप्रतिमाओना लेखो लेवाया नथी.

जैनप्रतिमालेखसंग्रह.

पादरा.

श्री [illegible] जिनालयना लेखो.

१. सं० १५०७ वर्षे [illegible] [illegible] सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय [illegible] [illegible]

२. सं० १५१२ वै० व० ११ गुरौ [illegible] [illegible]

३. सं० १५०३ वर्षे [illegible] [illegible] गुरौ [illegible] [illegible]

४. सं० १५११ वर्षे [illegible] ८ गुरौ [illegible] [illegible]

५. सं० १५०६ वर्षे [illegible] ५ सोमे [illegible] [illegible]

बिनःथबिंबं का० श्रीबिंत्रावालगच्छे धारणपद्रीयम० श्रीविनयदेव-
सूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभं भूयात् । पंचतीर्थी ।

६. सं० १५८८ वर्षे ज्येष्टवदि २ रवौ श्रीऊकेशवालज्ञा-
तीयवृद्धशाखायां जगामा० माणिकदे सुतमं० नाकर मं० शेषा मं०
लाखाश्रेयोर्थं लाखामा० रामदे सु० गांगा मांगा पोपट समस्तकुटुंबयुतेन
श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० थं सूरिभिः गोठूभावास्तव्य । पंचतीर्थी ।

७. सं० १६४४ वर्षे ज्येष्टसुदि १२ सोमे श्रीगंधारवास्तव्य
श्रीश्रीमाल्ज्ञा० मामाभामा० कोडाई सु० सांहुनमी मा० ठकराणी
का० श्रीशीतलनाथबिंबं प्र० त श्रीतपागच्छाधिराजजगद्गुरुबिरुद-
धारी [illegible]भट्टारकश्रीहीरविजयसूरिपट्टालंकारश्रीविजयसेनसूरिभिः
शुभं भवतु । पंचतीर्थी ।

८. सं० १५५९ वर्षे वैशाखसुदि २ श्रीप्राग्वाटज्ञातीयश्रे०
[illegible] श्रे० [illegible]सुत श्रे० ठाईआ भा० [illegible]सुत श्रे०
[illegible] भा० [illegible] सु० [illegible]कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअभिनंदन-
[illegible] श्रीआगमगच्छे म० श्रीविवेकरत्नसूरीणामुपदेशेन का०
प्र० [illegible] शुभ [illegible]वास्तव्य । चोविशी ।

९. सं० १४७८ वर्षे पोषसुदि १६ बुधे पोरवाडज्ञातीय ठ०
[illegible] भा० [illegible] पु० ठ० [illegible] भा० राणी सु० ठ० [illegible] भार्या
[illegible]
[illegible] श्री[illegible]
[illegible] श्रीजिनतिलकसूरिभि श्री
[illegible] शुभं भवतु । चोविशी ।

[illegible] महाराजना देरासरना लेखो.

१०. सं० १५८० शाके १४४२ प्र० व० पोषवदि ६ रवौ

श्रीवत्पुरे श्रीओसवंशे रत्नुशाखायां दो० वीरभार्या वमराई पुत्र तथा सं० श्रियादेभार्या भीमाई तथा स्वश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपागच्छे भ० श्रीधर्मरत्नसूरिपट्टे भ० श्रीविद्यामंडनसूरिभिः। देवगीर्यां।

११. सं० १६४१ वर्षे फाल्गुनसुदि ९ बुध स्तंभतीर्थवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय सा० कमपाल भा० मानबाई पुत्र सं० जीवराज सं० कुंरे सु० देवकरण सोमकरण आगमगच्छे श्रीमंदवाल्सूरि तत्पट्टे श्रीकुञ्जरधर्मसूरिणामुपदेशेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीगच्छ। देवगीर्दां।

१२. सं० १४९० वर्षे मार्ग० व० ९ सोमे ऊकेशज्ञा० श्रे० सोगण भा० मेलू पु० धना भा० धारू पु० हीरोकेन भा० सहज प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपा-श्रीसोमसुंदरसूरिभिः।

१३. सं० १५९४ ज्येष्ठसुदि २ शुक्रे श्रीनागर(? गेन्द्र)गच्छे श्रीगुणदेवसूरि सं० नागरज्ञातीयमाणाशाल्गादेवीश्रेयसे सुतनयंतसिंहेन श्रीचन्द्रप्रभबिंबं कारितं।

१४. सं० १४६० आषाढसुदि ६ शुक्रे सौराष्ट्रवाणिज्य ठा० देवासुत ठा० धाटसुतेन ठा० सामंतेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० विप्रग० श्रीधर्मचन्द्रसूरिभिः।

१५. सं० १५१२ वर्षे आषाढसुदि ८ गुरौ पत्तनवास्तव्य ऊकेशज्ञातीय सा. चाहण भा० अमरी हेमाई पुत्र सा० वस्तुपालेन भ्रातृ भा० धना रूपा स्वभा० पार्वती पुत्र पंचानन भ्रातृ भा० अमरादे प्रल्हादिन सुतादिकुटुंबयुतेन श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीतपागच्छे श्रीनिगमप्रादुर्भावकतत्प्रगुरुश्रीइन्द्रनन्दिसूरिभिः।

१६. सं० १५७२ वर्षे ज्येष्ठसुदि ६ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० सालग भा० रनू सु० जना भा० गासलदे सु० समार सिंहकेन मातृपितृश्रेयोर्थं सुविधानार्थं बिंबं श्रीसुमतिनाथस्य कारापितं प्र० पूर्णिमापक्षे भट्टारकश्रीजयसागरसूरिभिः मातरग्रामे शुभं भवतु ।

१७. सं० १५०६ वर्षे फाल्गुनसुदि ९ शुक्रे ऊकेशज्ञातीय सा० लखमसी भा० जेमू पु० भुंभर भा० पानूपुत्रमा० सापकेन भा० कमारे पु० सा० माना भा० माणिकदे सा० मन्हा भा० सिरियादे पौत्र सा० गांगा पाती हांसी प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छनायकश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ।

१८. सं० १५२२ राउलश्रीसोमदासराज्ये ओसवंशे [illegible] गोत्रे सा० साभा भा० कर्पूरी पु० सा० माना सा० साल्हा साभाभा० [illegible] पुत्र सा० रत्ना भा० सिरियादे कोडिमादे [illegible] पु० सिंघा भा० सिंगारदे सहसा भा० [illegible] ओसवाल [illegible] श्रीसुमतिबिंबं का० प्र० [illegible]सूरि [illegible]सूरिभिः ।

१९. सं० १५२९ [illegible] शुक्रे [illegible] ऊकेश सा० [illegible] भा० [illegible] पु० सा० [illegible] भा० सिरियादे पु० सा० [illegible] भा० [illegible] प्रमुखयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० [illegible]सूरिभिः ।

सा० मलाति मा० रंगाई सु० सा० गोविंदभा० गुराइनाम्न्या सु० सुरताण हरिजी शेकर प्रमुखकुटुंबयुतया स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीसुमतिरत्नसूरीणामुपदेशेन का० प्र० प लिखिता।

२८. सं० १५६९ वर्षे माघसुदि १० रवौ स्तंभतीर्थवास्तव्य श्रीपोरवाड ज्ञा० वृद्धशाखायां सा० रिमाभा० कुंवी सु० सा० श्रीरंग भा० मनकाई सु० पारोग भा० पुनाई प्रमुखा० भगिनी सा० उदयकरणेन शांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः। चोवीशी।

वडोदरा.

(मामानी पोळ-कल्याणपार्श्वनाथजी देहराना लेखो).

२९. सं० १५०५ वर्षे [illegible] सु० [illegible] श्रीश्रीमाल ज्ञा० [illegible] श्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे [illegible] श्रीसूरिभिः [illegible]।

३०. सं० १५०६ [illegible] १३ गुरौ श्रीमाल ज्ञा० श्रे० [illegible] सु० [illegible] भा० [illegible] आत्मश्रेयसे [illegible] श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० श्रीजिनचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्र० [illegible]।

[illegible]

[illegible]

[illegible] स्वकुटुंबयुतेन [illegible] श्रीशांतिनाथबिंब
का० प्र० [illegible] श्री[illegible]सूरिभिः ।

२३. सं० १५१५ वर्षे ज्येष्ठ० शु० ९ प्राग्वाट० [illegible] भा०
[illegible] सु० [illegible] भा० [illegible] सु० [illegible]
[illegible] श्री[illegible]बिंबं का० प्र० [illegible]
श्री[illegible]सूरिभिः [illegible] ।

२४. सं० १५३४ वर्षे वैशाख शुदि ९ सोमे श्रीश्रीमाल०
श्रे० [illegible] भा० [illegible] सु० [illegible] भा० [illegible]
[illegible] सु० [illegible] श्री[illegible]बिंबं
का० प्र० [illegible] श्री[illegible]सूरिपट्टे भ० श्री[illegible]सूरि-
[illegible] प्र० [illegible] ।

२५. १५५६ व० वै० शु० ७ [illegible] श्री[illegible]
श्री[illegible]बिंबं का० प्र० श्री[illegible] श्री[illegible]सूरिभिः ।

२६. सं० १५६८ वर्षे फा० व० २ [illegible] प्राग्वा० श्रे०
भा० [illegible] सु० [illegible] भा० [illegible] सु० [illegible]
श्री[illegible]बिंबं का० प्र० [illegible]सूरिभिः । श्री ।

श्रीमहावीरस्वामिना देरासरना लेखो

२७. सं० १५१० वर्षे [illegible] शु० २ [illegible] श्री[illegible]
श्रे० [illegible] भा० [illegible] श्रे० [illegible] श्रे० [illegible] शु०
श्रे० [illegible] भा० [illegible] सु० [illegible] [illegible]
श्री[illegible]बिंबं का० प्र० श्री[illegible] श्री[illegible]सूरिभिः ।

२८. सं० १५८३ वर्षे [illegible] ९ [illegible] श्री[illegible]
[illegible] सु० [illegible] श्री[illegible] का०
प्र० [illegible] श्री[illegible]सूरिभिः ।

३९. सं० १६१६ वर्षे वै० शु० १० रवौ श्रीमरघाईश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीविनयदानसूरिभिः ।

४०. सं० १४४५ वर्षे का० ब० ११ रवौ प्राग्वाटज्ञा० महं० सलषा भा० सलषणदे सु० मं० भादाकेन श्रीआंचलिकश्रीमेरुतुंग-सूरीणामुपदेशेन आत्मश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ।

४१. सं० ....८०२ नी० म० सु० ९ वा मोमे ऋषभदेवजी प्रतिष्ठा भ० हेमसूरि.

४२. सं० १३६३ वर्षे वै० शु० ९ बुधे गूजर श्रेष्ठिनइताप्सु० आल्हण सा० श्रे० भ्रातृआमसाहेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्री सूरिभिः ।

४३. सं० १४६८ वर्षे वैशाख शु० ३ गुरौ प्राग्वाटवं० मं. सामंत भा० ऊमल पु० मं० धर्मसीह भा० धर्मादे पु० मं. राउल मडूयाभ्यां श्रीशांतिनाथस्य बिंबं पंचतीर्थीरूपं श्रीमेरुतुंगसूरीणामुपदेशे-न का० प्र० श्रीसूरिभिः ।

४४. सं० १६६६ वर्षे माहवदि २ रवौ ओशवालज्ञा० छाजहडगोत्रे सा० हरपा भा० संपूरी सु० सा. धरजांग भा० पारवती सु० हेमा कला हचा सोम श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीपल्ली-वालगच्छे भ० उद्योतनसूरिभिः कमरगिरिस्थाने ।

४५. सं० १५४३ व० वै० शु. ५ दिने श्रीश्रीमाल्रज्ञा० मं० अदा भा० वीढू सु० वुच्छराज भा० हूताईनाम्न्या श्रीआदिना-थबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपाक्षीउदयसागरसूरिभिः । श्रीगंधारमंदिरे ॥

४६. सं० १५०९ मामईवप्राग्वाटदो० सांगामा० सिंगारदे पु० दिवाभार्यया श्रे० दूदादेवउदेपुत्र्या धरपूनाम्न्या पु० नाथाश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीजयचंद्रसूरिराजैः ।

४७. सं० १२६९ वर्षे पितृ राना.................पुत्र वीसा अभयसीहाभ्यां बिंबं कारितं चित्रवालीयैः श्रीजिनदत्तसूरिशिष्यैः (!) श्रीआमदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

४८. सं० १२२२..

....

४९. सं० १४९१ माघशु० ६ रवौ श्रीमालज्ञा० पितामह सीहदपितृनोमपालहीरूश्रेयसे पु० ठ० लाखणेन श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे भट्टा० श्रीहरिप्रभसूरिशिष्यश्रीधर्मदेवसूरिभिः ॥

५०. सं० १५०४ वर्षे फागु० व० ९ सोमे उकेशज्ञा० सा० गोपा भा० रूडी पुत्रमल्हाद्राहाभ्यां नदिहेन श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरिणामुपदेशेन श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च ।

५१. सं० १५३५ माघशु० ९ सोमे श्रीओसवंशे मीठडिया-गोत्रे सगशालीय साहदेवापुत्र साहधनापुत्र साहवीरमभार्याधनीपुत्र साहसालिगकेन भा० नाकूयुतेन सा० गंगदासनिमित्तं श्रीसुमतिनाथ-मुख्य...

(गच्छ, आचार्य विगेरेनां नामो कोइ दुष्टोए पाडरूपी पाडी नाख्यां छे.)

कोठीपोळ, श्रीशान्तिजिनालयना लेखो.

५२. संवत् १४२९ वर्षे ज्येष्ठवदि.........प्राग्वाटज्ञातीय व्य० कोकाभार्या रामश्री..................तिहुणदे पुत्र ....अमीपालेन श्रीपार्श्वनाथपञ्चतीर्थी कारिता प्रति० श्रीरत्नाकरसूरिपट्टे श्रीहेमचंद्रसूरिभि. ॥

५३. सं० १५०४ माघशु० ११ गुरु श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० पेथा भार्यारूपापुत्र सं० सरवणकेन भार्यासोमैसहितश्रेयसे श्रीसुमतिनाथ-

३

कुटुंबयुतेन निजश्रेयोथ श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छेश श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

९४. सं० १९११ वर्षे माघव० १ चांगव(?)द्रवासि ऊकेशश्रे० हरिभ्रम भा० मूंनी पुत्रश्रे० रावचेन भ्रातृमहिपाहापामा० करणूंमइतूहीरादेव्यादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे गच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

९५. सं० १९११ वर्षे फागुणवदि २ सोमे उपकेशज्ञा० व्य० दामा (?) भा० सूहवदे पु० राजसी भा० रांभऊदे पुत्र सपारणमल्हदेवाइतयुतेन आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्र० ब्रह्माणीयगच्छे भ० श्रीउदयप्रभसूरिभिः ॥

९६. सं० १९१६ वर्षे आषाढसु० ९ शुक्रे वीजापुरवासिश्री-ओसवालज्ञाति सा० अर्जन भा० अहिवदे सुत गजाकेन भा० माणिकि सुतवर्द्धन प्र० कुटुंबयुतेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीरत्नसिंहसूरिभिः॥

९७. संवत् १९१७ वर्षे पौषवदि ९ गुरू श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठिदेवसीभार्या अरघूसुतमूऊाकेन मातृपितृश्रेयसे श्री सुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबुद्धिसागरसूरिपट्टे श्रीविमलसूरिभिः सीतापुरवास्तव्य ।

९८. संवत् १९२० वर्षे ज्येष्ठसुदि १० बुधवारे श्रीश्रीमाल ज्ञा० सा० साभा भा० रांभ सु० मा० कडूआकेन आत्मश्रेयसे श्री मुनिसुव्रतबिंबं कारापितं प्र० पू० श्रीगुणसुंदरसूरिणामुपदेशेन ॥

९९. स्वस्ति संवत् १९२९ वर्षे ज्येष्ठवदि ७ गुरौ स्तंभतीर्थे उमवाळज्ञातीय साहदेवराज सु० मा० आमपालहा० अमरी सु० हेमराजेन स्वपित्रोः श्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं । प्र० तपापक्षे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ।

६०. सं० १६३४ वर्षे माहसुदि १३ शुक्रे मगोढीवास्त
श्रीश्रीमालीज्ञातीयसा० नरपतिभार्यानागलदेसुतसा० श्रीपालेन भा
सिरिआदे भ्रातृनाथादिकुटुंबयुतेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारित प्रतिष्ठितं
तपाश्रीउदयसागरसूरिभिः ॥ श्रिये भूयात् ॥

६१. संवत् १६६१ वर्षे माघसु० १ बुधे प्र.ग्वाटवंशे सा०
हरदासभार्या करमादे पुत्रसाहवर्द्धमानभार्या वांछदे पुत्रसा० वीरपाल-
सुश्रावकेण भार्याविमलादे लघुभ्रातृसाहमांकासहितेन श्रीमदंचलगच्छेश-
श्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं
प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

६२. संवत् १६ आ० ९१ वर्षे वैशाखवदि २ सोमे श्रीश्री-
मालीज्ञातीयमं० हीरामा० हेमादे पु० मं० लखाकेन भा० रमादे
पु० भाऊआमप्रमुखसमस्तकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथगुरुवचतुर्वि-
शतिपट्टः कारितः । श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लीयभ० श्रीचारित्रचंद्रसूरिपट्टे
श्रीमुनिचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितः धारेजाग्रामवास्तव्य ॥

६३. सं० १६२४ वर्षे मा० शु० ६ सोमे श्रीअहम्मदावा-
दवास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञातीयवृद्धशाखासामा० मागाभार्यारूपीसुतसा० सह-
सवीरेण भार्यासोभाईसुत सा० देवचंद सा० मूल सा० मच्छाराम प्रमु-
खकुटुंबयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छाधिराज
श्रीविजयदानसूरिपट्टे श्रीहीरविजयसूरिभिः शुभं भवतु ।

६४. सं० १६१४ वर्षे माघव० ९ रवौ श्रीअंचलगच्छे श्री
धर्ममूर्तिसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रीमालीज्ञातीय श्रे० हीराभार्याहीरादे-
.सरव भत्रीम श्रे० रूदमी श्रे० भीमजीकेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं प्रतिष्ठा-
पितं नाथीरांग्रामप्रतिष्ठायां कल्याणी १६ वो ।

दासाहीदा सुते पि० श्रे० श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० ज्ञानकी(य) गच्छे श्रीसिद्धसेनसूरिभिः ॥

१९६. सं० १२७३ वर्षे श्रीउपकेशगच्छे श्रीककुदाचार्यसंताने वैद्यशाखायां सा० हसल अरसीहश्रेयसे हसलपुत्र जगत भा० बामें० बाभ्यां श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

१९७. सं० १६७८ वर्षे आश्विनवदि १४ गुरुदिने श्रीऋषिमंडलयंत्रं प्राग्वाटज्ञातीयदोसी नानजी सुत दो० दवजी भार्या आसबाईसुत प्राग्वाटवंशविभूषण दो० केशवजीकेन ऋषिमंडलयंत्रं कारापितं स्वात्मश्रेयसे प्रतिष्ठितं भट्टारकप्रभुश्रीविजयसेनसूरिराज्ये आनंदपुरवास्तव्येन इति मंगलम्। उपाध्यायश्रीविनयराजगणिभिश्चिरं नंदतु ॥

म्हेतापोळ, नेमिनाथजिनालयना लेखो.

१९८. सं० १९१९ वर्षे वै० शु० १२ प्राग्वाट्सं० महिराज भा० धर्मूपुत्र सं० आशानगराजाभ्यां भा० संपूरीसुहासिणिपुराभ्यां स्वमातुः श्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिश्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१९९. सं० १३३८ चैत्रवदि २ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० बनसिंहपुत्र श्रे० रूपसिंहश्रेयोऽर्थं सुतनाजगनिमणाभ्यां श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं। प्रतिष्ठितं श्रीब्रह्माणगच्छे श्री[illegible]

२००. सं० १९१८ वर्षे फागुणवदि १ सोमे श्रीश्रीमाल[illegible] श्रे० [illegible] भा० [illegible] सुत[illegible] श्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्री[illegible]सूरिपट्टे श्री[illegible]सूरिणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना [illegible] ॥

२०१. सं० १५०८ वर्षे माघसुदि ८ गुरौ श्रीश्रीमाली०

के० धर्मा पुत्र के० भना के० भाटा के० कोचर के० रत्ना के० पदि-
मामहप्रमुखकुटुंबेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीआगमगच्छे
श्रीशिवकुमारसूरिभिः । बीजापुर (मारवा.)

१७३. सं० १२......सुदि १० श्रीश्रीमालज्ञा० व्य०
वस्तुपालपीतिलनदेवीसंयोगोर्ध्व द्वि० भार्या मानकदेव्या पुत्र गुन
रा०......श्रीचंद्रप्रभबिंब कारितं प्रति० विनयप्रभाचार्यपट्टे श्रीवादे-
वसूरिशिष्यैः श्रीधर्मघोषसूरिभिः ॥

१७२. सं० १५४९ वर्षे वैशाखसुदि १० गुरौ श्रीश्रीमाल-
ज्ञातीयश्रे० वासदेवभार्यावरणीपुत्रसहसाकेन मनिर्मातामिश्रेयसोऽर्थं
श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः । मंडारमंदिरे ॥

१७४. बोरटीभा ला० भीम भा० भीराई पु० मा० रतना
भा० रंगी पु० लाखा भावड बागड सं० १५७९ ।

१७५. सं० १४११ वर्षे ज्येष्ठसु० ८ शुक्रे श्रीश्रीमाल
ज्ञा० व्य० पांचा भा० मीमदे पु० सीमासी श्रीशांतिनाथबिंबं का०
प्र० पिप्पलगच्छे श्रीधर्मदेवसूरिभिः ॥

१७६. सं० १५१७ वर्षे वै० व० ९ शुक्रे....ज्ञा० व्य०
पेहा भा० रुई सु० सा० भाभाकेन भा० वादपुत्रेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्व-
नाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१७७. सं० १६४१ माघसुदि १० विमलनागदेवमातृमहस-
करदेवीपुण्यार्थ पु० मानकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

१७८. सं० १५९२ वर्षे वै० व० ४ गुरौ ओसवालज्ञाति
प्राग्वाटज्ञा० श्रे० माईआ भा० मेघू सु० श्रे० नापाकेन भा० नाम-
लदे पु० नाकरधनादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्र० तपा
श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीसुमतिसुन्दरसूरिश्रीरत्नमंडनसूरिपरिवृतैः ॥

१७९. सं० १४८० वर्षे ज्येः शु० ९ प्राग्वाटवंशे सा० सहना भा० जाणीसु० नांयाकेन भा० नांयलदे सु० ऊयरणयुतेन श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० तपागच्छनायकश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

१८०. सं० १५१० वर्षे चैत्रवदि ४ तिथौ शनौ छोडागोत्रे जेठूपौत्र कर्मसीपुत्रेण सा० मोलाकेन मातृकर्मसिरिनिमित्तं का० श्रीशीतलनाथबिंबं प्र० तपाभ० श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

१८१. सं० १५८७ वर्षे फाल्गुणव० ३ बुधवारे ओसवाल ज्ञा० पाटडागोत्रे सा० चंउध भा० छीलादे पु० आल्हा कूपा हरपाल ल्पादिभिः आत्मश्रेयोऽर्थं मातृपित्रोः पुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्रीविनयचंद्रसूरिपट्टे भ० श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

१८२. सं० १४०१ वै० व० ३ बुधे प्रा० ज्ञा० श्रे० आंबड भा० आल्हणदे पु० जडासहितपित्रोः तथा मातृनरमदिश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं हंसाकयु० श्रीमाणिक्यसूरीणामुपदेशेन का० प्र०

फतेहपुरा, श्रीपार्श्वनाथजिनालयना लेखो.

१८३. सं० १५०७ मार्गशु० २ मालबिडवास्तव्यः ओसवालज्ञातीयश्रे० जूठिल भा० माकू सुत श्रे० सिवराज भा० मूनी पुत्रसाधाकेन भा० अमरीश्रेयसे श्रीआदिनाथपंचतीर्थी कारिता प्रति० श्रीसुविहितसूरिभिः । पं० शीहा ॥

१८४. संवत् १३८७ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयपितृश्रे० वस्ता मातृधणदेविश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथपंचतीर्थी ठ० सीहडेन श्रीपूर्णिमापक्षे गुरुश्रीकमलप्रभसूरिउपदेशात् कारिता श्रीरिद्धिर्वृद्धिर्भवतु ॥

१८५. सं० १५३१ वर्षे श्रीश्रीमालज्ञा० वोरसिद्धिवास्तव्यः

दे० पुत्रा भा० मेघी पु० दे० पहिराजभा० मददूसुंदरस्मा स्वपुं दे० पहिराजश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंब का० प्र० श्रीवृहत्तपागच्छे श्री पूर्णचन्द्रसूरिभि ॥

१८६. संवत् १५५५ वर्षे माघवदि १ गुरौ श्रीश्रीवंशे मे० कर्मणभार्या आमई पुत्र सं० पानाभार्या अमकूप्रमुख० कुटुंबेन भार्याश्रेयसे पुत्रेरहितेन स्वश्रेयसे श्रीश्रीअंचलगच्छाधिराजश्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन । अहम्मदा ॥

१८७. सं० १६७१ माघसु० ९ ...., श्रीआदिनाथबिंबं का० श्रीरत्नसेनसूरिभिः ॥

१८८. सं० १६१० वर्षे फागुणसु० २ बुधे वा० श्रो० ज्ञा० मे० गहा भा० गहूदे० सु० पानाकेन श्रीमहावीरबिंबं का० प्र० श्रीआनंदविमलसूरिभि ॥

सुलतानपुरा, श्रीचन्द्रप्रभजिनालयना लेखो.

१८९. संवत् १६६२ ज्येष्ठसुदि ११ श्रीवीरवंशे श्रीपत्तने श्रीआशाधरभार्या सरूपदे पुत्रपानाकेन स्वमातुः श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंब कारापितं प्र० श्रीमद्देवसूरिभिः ॥

१९०. सं० १५५४ वर्षे फा० सु० २ गु० प्रा० सा० वना सुता सा० सहिज केन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीउदयसागर-सूरिभि ॥

१९१. संवत् १५६७ वर्षे पोषवदि १ गुरौ देवानंदशाखायां श्रीएमवंशे मे० सोना भा० सीमीपुत्र मह. भावड़श्रावकेण भा० बाई पु० हर्षाय हीरा प्रमुखकुटुंबसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअंच-

१७९. सं० १४८० वर्षे ज्ये० शु० ९ प्राग्वाटवंशे सा० सहजा भा० जाणीसु० नांपाकेन भा० नांपलदे सु० ऊधरणयुतेन श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० तपागच्छनायकश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

१८०. सं० १५१० वर्षे चैत्रवदि ४ तिथौ शनौ लोढागोत्रे जेठूपौत्र कर्मसीपुत्रेण सा० मोलाकेन मातृकर्मसिरिनिमित्तं का० श्रीशीतलनाथबिंबं प्र० तपाभ० श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

१८१. सं० १५८७ वर्षे फाल्गुणव० ३ बुधवारे ओसवाल ज्ञा० पाटडागोत्रे सा० चंडप्र भा० छीत्रादे पु० आल्हा कूपा हरपाल ल्पादिभिः आत्मश्रेयोऽर्थं मातृपित्रोः पुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्रीविजयचंद्रसूरिपट्टे भ० श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

१८२. सं० १४०१ वै० व० ३ बुधे प्रा० ज्ञा० श्रे० आंबड भा० आल्हणदे पु० जडासहितपित्रोः तथा मातृनरमदिश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं हंसाकयु० श्रीमाणिक्यसूरीणामुपदेशेन का० प्र०

फतेहपुरा, श्रीपार्श्वनाथजिनालयना लेखो.

१८३. सं० १५०७ मार्गशु० २ मालबिडवास्तव्यः ओसवालज्ञातीयश्रे० जूठिल भा० माकू सुत श्रे० सिवराज भा० मूली पुत्रसाधाकेन भा० अमरीश्रेयसे श्रीआदिनाथपंचतीर्थी कारिता प्रति० श्रीसुविहितसूरिभिः । पं० शीहा ॥

१८४. संवत् १३८७ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयपितृश्रे० वस्ता मातृपाणदेविश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथपंचतीर्थी ठ० सीहडेन श्रीपूर्णिमापक्षे गुरुश्रीकमलप्रभसूरिउपदेशात् कारिता श्रीरिद्धिर्वृद्धिर्भवतु ॥

१८५. सं० १५३१ वर्षे श्रीश्रीमालज्ञा० बोरसिद्धिवास्तव्यः

दे० बुरा भा० सोनी पु० दे० हरिराजभा० मरहांईनाम्ना स्वपुं दे० हरिराजश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीवृहत्तपापक्षे श्री ज्ञानचन्द्रसूरिभिः ॥

१८६. संवत् १५५६ वर्षे माघवदि ६ गुरौ श्रीश्रीवंशे श्रे० अर्जुनभार्या अहवदे पुत्र श्रे० पासाभार्या अमरूपुत्र श्रे० बाल्हाकेन भार्यादिपरिवारसहितेन स्वश्रेयसे श्रीश्रीअंचलगच्छाधिराजश्रीसिद्धांतसागर-सूरीणामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन । अंबूसरो ॥

१८७. सं० १५७१ माघशु० ९ ....
.... श्रीआदिनाथबिंबं का० श्रीरत्नसेनसूरिभिः ॥

१८८. सं० १५१० वर्षे फागुण शु० २ बुधे वा० ओ० ज्ञा० श्रे० नरपा भा० नाल्हणदे० पु० पाताकेन श्रीमहावीरबिंबं का० प्र० श्रीकमलदेवसूरिभिः ॥

मुलतानपुरा, श्रीचन्द्रप्रभजिनालयना लेखो.

१८९. संवत् १५५२ ज्येष्ठशुदि १३ श्रीकोरण्टकीयगच्छे श्रीनन्नाचार्यसंताने श्रीमालवंशभार्या साहुणि पुत्रगणादेन स्वमातुः श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं प्र० श्रीसर्वदेवसूरिभिः ॥

१९०. सं० १५५४ वर्षे फा० सु० २ गु० प्रा० सा० धना सुता सा० महिपालेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीउदयसागर-सूरिभिः ॥

१९१. संवत् १५६७ वर्षे पोषवदि ९ गुरौ देवानंदशाखायां ओसवंशे मं० सोना भा० रीमीपुत्र महं० भावडश्रावकेण भा० माणिकदे पु० हमीर कीका प्रमुखकुटुंबसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसंभव-

१७९. सं० १४८० वर्षे ज्ये० शु० ९ प्राग्वाटवंशे सा० सहणा भा० जाणीसु० चांपाकेन भा० चांपलदे सु० ऊधरणसुतेन श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० तपागच्छनायकश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

१८०. सं० १५१० वर्षे चैत्रवदि ४ तिथौ शनौ लोढागोत्रे जेठूपौत्र कर्मसीपुत्रेण सा० मोलाकेन मातृकर्मसिरिनिमित्तं का० श्रीशीतलनाथबिंबं प्र० तपाग० श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

१८१. सं० १५८७ वर्षे फाल्गुणव० २ बुधवारे ओसवाल ज्ञा० पाटडागोत्रे सा० चंडप्र मा० लीलादे पु० आल्हा कूपा हरपाउ ल्पादिभिः आत्मश्रेयोऽर्थं मातृपित्रोः पुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० श्रीधर्मघोषगच्छे म० श्रीविजयचंद्रसूरिपट्टे म० श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

१८२. सं० १४०१ वै० व० ३ बुधे प्रा० ज्ञा० श्रे० आंबड मा० आल्हणदे पु० जडासहितपित्रोः तथा मातृकरमदिश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं हंमाकयु० श्रीमाणिक्यसूरीणामुपदेशेन का० प्र०

फतेहपुरा, श्रीपार्श्वनाथजिनालयना लेखो.

१८३. सं० १९०७ मार्गशु० २ मालविड्वासतव्यः ओपवाल्ज्ञातीयश्रे० जुठित्र मा० माळू सुत श्रे० मिवराज भा० मूली पुत्रमावाकेन भा० अमरीश्रेयसे श्रीआदिनाथपंचतीर्थी कारिता प्रति० श्रीसुविहितसूरिभिः । पं० शीहा ॥

१८४. संवत् १२८० वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमाऊज्ञातीयपितृश्रे० वन्ना मातृयाणदेविश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथपंचतीर्थी ठ० मीदेन श्रीपूर्णिमापक्षे गुरुश्रीकमलप्रभसूरिउपदेशात् कारिता श्रीरिद्धिंद्धिर्भवतु ॥

१८५. सं० १५२१ वर्षे श्रीश्रीमालज्ञा० बोरसिद्धिवास्तव्य

हे० हूंगा भा० पोमी पु० हे० धर्मदासभा० मल्हाईनाम्न्या स्वभर्तृ हे० धर्मदासश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्री ज्ञानसागरसूरिभिः ॥

१८६. संवत् १५५६ वर्षे माघवदि १ गुरौ श्रीश्रीवंशे श्रे० अर्जुनभार्या अरघदे पुत्र सा० पासाभार्या आपूपुत्रप्र० कान्हकेन भार्यामाणकदेसहितेन स्वश्रेयसे श्रीश्रीअंचलगच्छाधिराजश्रीसिद्धान्तसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन । अंबुग्रामे ॥

१८७. सं० १५७१ माघशु० ९ .... श्रीआदिनाथबिंबं का० श्रीधर्मसेनसूरिभिः ॥

१८८. सं० १९१० वर्षे फागुणव० २ बुधे श्रा० ओ० ज्ञा० श्रे० गल्हा भा० गाहूश्रे० सु० पानाकेन श्रीमहावीरबिंबं का० प्र० श्रीआमदेवसूरिभिः ॥

सुल्तानपुरा, श्रीचन्द्रप्रभजिनालयना लेखो.

१८९. संवत् १५१२ ज्येष्ठशुदि ११ श्रीकोरेण्टकीयगच्छे श्रीनन्नाचार्यसंताने श्रीभावदेवभार्या सारूणि पुत्रधनाकेन स्वमातुः श्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं कारापितं प्र० श्रीसर्वदेवसूरिभिः ॥

१९०. सं० १५५४ वर्षे फा० शु० २ गु० प्रा० सा० धना भुता भा० सहिजलदे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीउदयसागरसूरिभिः ॥

१९१. संवत् १५६७ वर्षे पोषवदि ६ गुरौ देवानंदशाखायां ओसवंशे मं० सोना भा० रंगीपुत्र महं. मायाश्राद्धश्रावकेण भा० कांदू पु० हमीर कीका प्रमुखकुटुंबसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअंच-

लगच्छेश्वरश्रीमावसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीकोटडादुर्गे ॥

१९२. सं० १४८९ वर्षे वैशाखशुदि १० बुधे प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० लूणाभार्याकामल्देसुतलींबसी भा० देऊयुतेन श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्रति० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिभिः । सत् आसाबोरटवा ॥

१९३. संवत् १९८७ वर्षे पोषवदि ६ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रीजना भा० रूपाई पु० लखा भा० जीवादे स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीआगमगच्छे श्रीसंघदत्तसूरि तत्पट्टे श्रीशिवकुमारसूरिभिः गोघरौ ॥

१९४. सं० १९१९ वर्षे वै० ११ भृगुरेवत्यां झंटोडावासि प्राग्वाटज्ञातीय को० भीलाभार्या ढूमीसुत लुभाकेन भार्यामरगादि भ्रातृकडुआराजादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । पं० पुण्यनंदनगणीनामुपदेशेन ॥

१९५. संवत् १९७६ वर्षे महाशुदि ९ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयम० सुरा भा० राणीसुतजीवाकेन भा० जीवादे सुत ठाकरजीवा आत्रि(तृ)नाकर मातृपितृश्रेयोऽर्थं आत्मश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारापितं श्रीआगमगच्छे श्रीमुनिरत्नसूरिपट्टे श्रीआणंदरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं चिरं जीयात् यामलिवास्तव्यः श्रीरस्तु ॥

१९६. सं० १४९६ वर्षे पोषशुदि ११ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयमं० साभा भा० सुहवदे सुतठाकुरमहेन भ्रातृबालादियुतेन पितृव्यश्रेयोऽर्थं श्रीसुपार्श्वबिंबं कारितं प्र० तपाश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

१९७. सं० १९४८ ज्येष्ठवदि ६ शुक्रे श्रीमालसंघे उ० श्रीजिनचंद्रतत........................शीतपरवाडजातीय-साहाणाचंगोत्रे सं० षीका : भा० रामू सं० का...॥

१९८. सं० १५०९ वर्षे माहासुदि २ गुरौ श्रीब्रह्माणगच्छे
श्रीमा० ब० लाखासुतगोपाभा० मेलूसुतभावाई चाचाभा० मेघू
पर्वतस्वपोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवजूनसूरिभिः ॥

१९९. सं० १५१७ वर्षे माघसुदि १० बुधे श्रीश्रीमाल्ज्ञा०
लाभा० माल्हणदेसु० गुणीउभा०.................................
.....न पित्रोः निमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० चैत्र-
च्छे भारणपद्रीयम० श्रीलक्ष्मीदेवसूरिभि. स्वग्रामग्रामे ॥

२००. संवत् १५२९ वर्षे माघसुदि ७ गुरौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा-
य कडीभा ट० दूधाभा० अपूंगूरकान्हाकेन भा० बकी सुतसिंहरा-
पुत्रेन पितृमातृश्रेयसे श्रीनमिनाथमुख्यपंचतीर्थी का० प्र० पिप्पलगच्छे
० श्रीगुणरत्नसूरिपट्टे श्रीगुणसागरसूरिभिः श्रीगंधारवास्तव्यः ॥

२०१. सं० १५१२ ऊकेश सा० लींबाभा० लीलादे सुत
माकेन भा० रामलदेव्यादिपुत्रेन स्वपितृव्यलालाश्रेयसे श्रीसुमति-
थबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिश्रीउदय-
दिसूरिभिः सिद्धपुरे ॥

२०२. संवत् १५३३ वर्षे पोषवदि १० गुरौ ओसवाल-
तीयवप्पनागगोत्रे व० नरसिंहभा० नयणादे पु० देवा व० श्रीवा-
० सिरीयादे पु० श्रीरत्नपुत्रेन व० श्रीवाकेन आत्मश्रेयसे श्रीअर-
थबिंबं कारितं प्र० उ० ककुदा० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

२०३. संवत् १५०९ ज्येष्ठवदि ९ शुक्रे श्रीकोरंटगच्छे श्री-
नाचार्यसंताने ओ० मंत्री गौगाधिकठाकुरवाउभार्यावाबूश्रेयसे दौहि-
त्रमाणिकेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रति० सावदेवसूरिभिः ॥

२०४. सं० १५१२ वर्षे ज्ये० सु० १३ श्रीकोरण्टकीय....
.....नन्नाचार्यसंताने श्रीमावदेव भा० सांतुणि पु० पासदेन

................मातु. श्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमत्-
(शांति)देवसूरिभिः ॥

नवीपोल, श्रीशीतलनाथजिनालयना लेखो.

२०५. सं० १३७३ वर्षे पोसवदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय पितृव्यना मातृ............श्रेयसे गुणपालेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः । श्रीगुणप्रभसूरीणामुपदेशेन ॥

२०६. सं० १९३९ वर्षे ज्येष्ठ० शु० ११ प्राग्वाट्० मेता भा० सं.री पुत्रहरदासेन भा० हीराईपुत्रवर्द्धमानप्रदार्भगिनीनेताई भ्रातृव्यखीमापर्वतभीमादियुतेन भ्रातृभीमश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः रा-पुरे ॥

२०७. सं० १५११ वर्षे माघसुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रेष्ठिपरबतभार्यापाल्हणदेसुतधनादेवाभ्यां पितृमातृश्रेयोऽर्थं आत्मश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीविमलसूरिभिः ॥ गोत्रतरकाग्रामवास्तव्यः । श्रीश्रीभवतु ॥

२०८. सं० १५४८ वर्षे वैशाखसुदि १० सोमे प्राग्वाटज्ञातीयश्र० चांदा पुत्राः सोमालपुरुषा तत्पुत्रौ गदा माधव ताभ्यां पूर्विवे जश्रेयोऽयं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं भ० गुणसुंदरसूरिभिः ॥

२०९. सं० १६२६ (९) वर्षे वैशाखसुदि ११ दिने बुधवासरे तपगच्छशोभाय श्रीमान् श्री ९ श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं ति [illegible] बिंबं तिष्ठितं श्राविका लाडू ॥

२१० सं० १३७८ वर्षे वैशाखवदि ९ गुरौ श्रीनागरज्ञातीय बाईन गउर्या आत्मश्रेयसे श्री शांतिनाथबिंबं कारितं प्र०श्रीराशिलसूरिभिः॥

वाडी रंगमहाल, श्रीआदिजिनालय.

२११. सं० १६२४ वर्षे वैशाखशुदि २ रवौ ओसविंशा० श्रीश्रीमाल्ज्ञा० ठ० नयना भा० धाऊ सुतवीरमश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृहत्तपापक्षे भट्टा० श्रीश्रीश्रीज्ञानसागरसूरिभिः ॥

पाषाणीपुरा, देरापोल, श्रीगोडीपार्श्वनाथजिनालय.

२१२. सं० १४३३ वैशाखसुदि ९ श्रीमाल्ज्ञातीय. ....मादिश्रेयोऽर्थं सु०.......... ....श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीगुणाकरसूरिभिः ॥

२१३. संवत् १६६७ आषाढशुदि ७ बुधे श्रे० पाल्हणभार्यापाल्हूपुत्रक....शाहा....साहाम्याँ पितृव्य...जनश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं श्रीललितदेवसूरिशिष्य.....................प्रभसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

२१४. सं. १४४० वर्षे पोषसुदि ११ बुधे उपकेशज्ञा०.... ....हरिसु० लखमण सुजउ माल्हउ पितृमातृश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमीरापल्लीश्रीवीरतिलकसूरिपट्टे श्रीसालिभद्रसूरिभिः ॥

२१५. सं० १६३२ वर्षे माघशुदि १० बुधे प्राग्वाटज्ञातीय दाईमघर्मी (?) सा० सहिसकरण भा० सौभाग्यदे तत्पुत्री जीवी आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० श्रीहीरविजयसूरिप्रतिष्ठितं ॥

२१६. संवत् १६७३ वर्षे ज्येष्ठशुदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयठ० शहनाभा० धाउसुत ठ० माणिक भ० मरगदित्री छीछानाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः वृहत्तपापक्षे

श्रीउदयसागरसूरीणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितः श्रीविधिना बोर-सिद्धिग्रामे ॥ श्रीः

२१७. सं० १५३....वर्षे श्रीमालज्ञा० ढोरगोत्रे सा० साधा-सुत सा० मोल्हा (मोला) भा० रूपीपुत्र सा० अपा भा० सा० वीरो-पुन्यार्थं श्रीसुपासनाथबिंबं का० प्र० श्रीखरतरश्रीजिनतिलकसूरिपट्टे श्रीजिनराजसूरिभिः ॥ श्री ॥

२१८. स्वस्ति संवत् १५३० माघशुदि ९ दिने श्रीउपकेशवंशे लघुशाखायां श्रेष्ठि धणपालभार्याअरघूपुत्रवोचरभार्यानाईनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीकोरंटगच्छे श्रीककसूरिपट्टे श्रीसावदेवसू-रिभिः प्रतिष्ठितं अलीणाग्रामे ॥

२१९. सं. १२९८ वर्षे माघशुदि ६....कवडे भार्या पाल्हणि-श्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं ।

शेठ जमनालाल चुनीलाल वैद्यनुं घरदेहरासर.

२२०. संवत् १५०८ वर्षे आसाढशुदि २ रवौ श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयमं० काजाभार्याराजूसुतमं० राजाकेन भा० मल्हीसुत धीरपालप्रमुखकुटुंबयुतेन मातापितृश्रेयसे स्वश्रेयसे च श्रीआगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिणामुपदेशेन श्रीशांतिनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितश्च ॥ श्रीशुभं ॥

२२१. सं० १५०८ वैशा० शु० ९ श्रीउपकेशज्ञातीय सूरूआगोत्रे सा० कउरसींहपु० सं० रउन्ना भा० महणश्रीपु० सं० भीमा भा० भीमश्रीपु० हांसा कान्हा परदेवसहितैः श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० श्रीउपकेशगच्छे कक० श्रीककसूरिभिः ॥

वंथ बापुभाई पेल्लाभाईनुं घरदेरासर.

२२२. संवत् १५६७ वर्षे माघसुदि ९ गुरौ मेद्रामागे श्रीश्रीवंशे श्रे० गुणाति भा० मानूं पुत्री मीठीश्राविकया निजपति श्रुभातृपुण्यार्थं श्रीचंद्रप्रभुबिंबं कारितं श्रीवृहत्तपागच्छे श्रीलब्धिसागरसूरिसंताने श्रीसूरिभिः प्रतिष्ठितं । चिरं नंदतात् ॥

वंथ त्रिभुवनदास भीखाभाईनुं घरदेरासर.

२२३. संवत् १५६६ वर्षे पोषसुदि १९ सोमे श्रीउकेशवंशे श्रीडूद(?)डागोत्रे सा० देल्हाभार्या देल्हणदे पुत्र साधुसीहडभा० धारू पुत्र साधु आंबदसुश्रावकेण भा० पदमाई पुत्रदोकर भा० उदयराज भा० कपूराईप्रमुखपरिवारयुतेन निजमनक्षादिश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेशश्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभि ।

सुटगर जमनादास फीन्नाभाईनुं घरदेरासर.

२२४. सं० १५१८ ज्ये० व० १० वडलीवासी प्र० दो० पीपा भा० रूपिणि पु० मनाकेन भा० रमकूप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

२२५. सं० १५११ वर्षे आषाढसुदि ९ श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० भीमाभा० माल्हणदेसुतगेलाकेन भा० माकूप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥ मनऊआ(?) वास्तव्यः ॥ शुभं ।

२२६. संवत् १५२५ वर्षे वैशाखवदि १ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० पासटसुतपितृदेवा मातृपरसईसु० लखमाभार्या साधू सु० महराजमरूडागणपतियुतेन श्रीशांतिनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः

श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना ॥ धंधूकावास्तव्यः ॥

शेठ मोतीलाल हीमचंदनुं घरदेरासर.

२२७. सं० १५२७ ज्येष्ठशुदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञाति. मं० गांगाभा० गंगादेसुत मं० नाथाकेन भा० नागलदेपुत्रसहसा रहीआप्रमुखकुटुंबयुतेन मं० जिनदासश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्री वृद्धतपापक्षे भट्टा० श्रीज्ञानसागरसूरिभिः वालासीणग्रामे ॥

२२८. सं० १५२८ माहवदि ९ श्रीपल्लीवालगच्छे गगउरीयागोत्रे सा० धारसीपु० चउडाभा० मचकूपु० भोलाकेन श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० श्रीयशोदेवसूरिपट्टे श्रीनन्नसूरिभिः ॥

शेठ गरबडदास वीरचंद घीयानुं घरदेहरासर.

२२९. सं० १५०८ वर्षे ज्येठ० शु० १२ बुधे श्रीश्रीमाळज्ञातीयसा० कर्मणभा० कपूरदेसुतसा० वहिदेनाम्ना मा० मोउ सु० केदावमहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीचंद्रप्रभमूलनायकः अंचलगच्छे श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदेशेन कारित. प्रतिष्ठितश्च विधिना ॥ श्री भूयात् ॥

२३०. सं० १२९४ वर्षे वैशाख ७ शनौ प्रा० श्रे० धरणिगभार्या नागलदेसु० आ..........त्मश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीसूरिभिः ॥

२३१. सं० १५१८ वर्षे आषाढशुदि ८ दिने अहिमदावादकासिथे० जलहभार्यापूरीसुतरुपाभार्यामृगादेनाम्ना स्वसुतसहसुपा श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीनिगमाविर्भावकश्रीइंद्रनंदिसूरिभिः॥

२३२. संवत् १५२४ वर्षे वैशाखसुदि २ शौ श्रीविदि

[illegible]

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible] पादेरासर.

[illegible] ॥

[illegible] नुं पादेरासर.

[illegible] ॥

[illegible] ॥

[illegible] सं० १५१६ वर्षे आ० सु० ९ सोमे श्रीश्रीवाल-

तीयश्रे० परबत भा० बाइ कुतिगदे पु० श्रे० हासा भा० धारा कीका भार्या देई श्रे० सिधराजश्रेयोऽर्थं अंबिकागोत्रदेवी कारापिता श्रीवृद्धसूरिपट्टे श्रीदेवप्रभ(? गुप्त)सूरिभि प्रतिष्ठिता ॥

२३८. सं० १६२० वर्षे वै० सु० ९ बुधे श्रीमालसंघ म० श्री सुमतिकीर्तिगुरूपदेशात् प० मवराम भा० ठ० ह.............................. .... ॥

झवेरी फत्तेहभाई अमीचंदनुं घरदेरासर.

२३९. संवत् १५६६ वर्षे वैशाखशुदि १० गुरौ श्रीपत्तनवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० डाहीआ भा० डाहीनुत आणंदमेघाभ्यां सुतसोमा प्र० परिवारयुताभ्यां स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीहेमविमलसूरिभि ॥ श्रीरस्तु ॥

२४०. संवत् १५६७ वर्षे ज्येष्ठशुदि १३ सोमे राजधिराज श्रीनाभिनरेश्वरमाता श्रीमरुदेवी तत्पुत्रश्री श्री श्री श्री श्री आदिनाथस्य बिंबं कारितं सेवकनरवदभिधेन कर्मक्षयार्थं श्रेयसे ॥

२४१. संवत् १५९२ वर्षे वैशाखशुदि ६ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० सधारण भा० हर्षादेसु० श्रे० जइतं भा० जीवादे भगीनजीवा शाकर वच्छा समस्तस्वकुटुंबयुतेन श्रेयोऽर्थं श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं कारापितं प्रज्ञागच्छे सूरिभिः प्र० वडादनि ॥

हिंदविजय प्रेसवाळानुं घरदेरासर.

२४२. संवत् १६४४ (?) वर्षे ज्येष्ठसित १२ सोमवारे प्राग्वाटज्ञातीयदो० ममवीरभार्याकाकीसुतदो० पत्मीकारितं श्रीशांतिनाथबिंबं प्र० श्रीहीरविजयसूरिशिष्यश्रीश्रीश्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

१६६, संवत् १६५८ वर्षे वैशाखसुदि ११ बुधे श्रीश्रीमाल- [illegible] भ्रातृ [illegible] श्रीहीरविजयसूरि [illegible] प्रतिष्ठितं शुभं भवतु ॥

१६७, सं० १६६६ श्रीविजयसेनसूरि [illegible]

......पार्श्वनाथ श्रीचिंतामणिबिंब का०

[illegible]

१६८ सं० १६५१ वर्षे वैशाखसुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमाल- [illegible] श्रीसुमति- [illegible] ॥

१६९, संवत् १६८७ वर्षे वै० वदि ? गुरौ श्री [illegible] ज्ञा० [illegible] भा० ... . सु० सं० [illegible] श्रीविजयदेवसूरि [illegible] श्री- [illegible] ॥

१७०, सं० १६६६ व० फागुणसुदि ८ शनौ श्रीश्रीमाल० [illegible] श्री [illegible] श्री [illegible] प्रतिष्ठितं ॥

१७१, संवत् १७०१ वर्षे वैशाखसुदि ६ दिने श्रीश्रीमाल- [illegible] प्रतिष्ठितं ॥ [illegible] श्रीसु- [illegible]

१७२, सं० १६४४ गुर्जरज्ञा० सं० भीमा भा० रामति [illegible] भार्या भा० नाथी श्रीपार्श्वनाथबिंबं [illegible] श्रीजिनचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

तीयश्रे० परबत भा० बाइ कुतिगदे पु० श्रे० हासा भा० धारा कीया भार्या देई श्रे० सिवराजश्रेयोऽर्थं अंबिकागोत्रदेवी कारापिता श्रीरत्न-सूरिपट्टे श्रीदेवप्रभ(? गुप्त)सूरिभिः प्रतिष्ठिता ॥

२३८. सं० १६२० वर्षे वै० सु० ९ बुधे श्रीमालसंघ भ० श्री सुमतिकीर्तिगुरूपदेशात् प० सवराम भा० ठ० ह........................... ॥

झवेरी फत्तेहभाई अमीचंदनुं घरदेरासर.

२३९. संवत् १६६६ वर्षे वैशाखशुदि १० गुरौ श्रीपत्तनवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० डाहीआ भा० डाहीसुत आणंदजिताभ्यां सुतसोमा प्र० परिवारयुताभ्यां स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ॥

२४०. संवत् १६६७ वर्षे ज्येष्ठशुदि १२ सोमे रामाविनाम श्रीनाभिनंदनमाता श्रीमरुदेवी तत्पुत्रश्री:श्री:श्री:श्री:श्री:आदिनाथस्य बिंबं कारितं सेवकनागजऋषिणेन कर्मक्षयार्थं श्रेयसे ॥

२४१. संवत् १२९२ वर्षे वैशाखशुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० मयारण भा० हांसिसु० श्रे० जयंत भा० मीरादे भगिनीजीवा प्रमुख मातृ मृत्वा समस्तकुटुंबयुतेन श्रेयोऽर्थं श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं कारितं अंचलगच्छे सूरिभिः प्र० चंद्रप्रभि: ॥

दिग्विजय मेघराजनुं घरदेरासर.

२४२. संवत् १६४४ (?) वर्षे ज्येष्ठसित १२ सोमवारे प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० अमरसिंह भार्यासुहागदे० प्र-मोदितं श्रीशांतिनाथबिंबं प्र० श्रीविजयसूरिपट्टे श्रीश्रीश्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

२४३. संवत् १६२८ वर्षे वैशाखसुदि ११ बुधे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयसा० पासाभा० आषाइ मालुनदेवाभा० देवलदेकेन धर्मनाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभि प्रतिष्ठितं शुभं भवतु ॥

२४४. सं० १३९५ श्रीश्रीमालज्ञातीय सा०..धनपालेन श्रीमहावीरबिंबं का०

शेठ छोटालाल फरसनदासनुं घरदेरासर.

२४५. सं० १४९२ वर्षे वैशाखसुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमाल-ज्ञा० पितृल्पर० सांगा मातृकपूरदेश्रेयोऽर्थं सुतपहिराजकेन श्रीसुमति-नाथबिंबं का० प्र० नागेंद्रगच्छीयश्रीउदयदेवसूरिभिः ॥

२४६. संवत् १५६७ वर्षे वै० वदि १ गुरौ श्रीऊकेशवंशे सं० हीराभा० हांमीपुत्र सं० शिवाकेन भा०......................सु० सं० पामदत्तादिकुटुंबयुतेन संतानार्थं श्रीअजितनाथबिंब कारितं प्रतिष्ठितं श्री-तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीकमलकल[श]सूरिपट्टे श्रीजयकल्या-णसूरिभिः आदापल्ली ॥

२४७. सं० १५१२ व० फागुणसुदि ८ शनौ श्रीश्रीमाल० मं० जेसारकाराभा० देमईसु० सलखा भीमाकेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्री-आदिनाथबिंबं कारितं श्रीवीवल्यागच्छे श्रीगुणरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

२४८. संवत् १५७१ वर्षे वैशाखवदि ९ दिने श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयमहं हाहीआभार्या हीरूपुत्र महं माधवभार्या माणिकदेपुत्रजयवंत-सहितेन श्रीवासुपूज्यबिंबं कारित प्रतिष्ठितं ॥ पाल्हणावास्तव्यः श्रीसु-रिभिः ॥

२४९. सं० १५४४ गूर्जरज्ञा० मं० भोमा भा० रामति सु० नाथा सहिता श्रीरंग कान्हा नाथा मा० नाथी श्रीपार्श्वनाथबिंबं आगमग० श्रीजिनचंद्रसूरिभि. प्रतिष्ठितं ॥

शेठ लीलाभाई रायचंदनुं घरदेरासर.

२५०. संवत् १६३३ वर्षे माघशुदि १० बुधे अहिमदाबा[द]वास्तव्यप्राग्वाटज्ञा[ती]आ वरद्धशापसा० हंसराजभा० हांसलदेपुत्री-रत्नाई आत्मश्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छेशश्री हीरविजयसूरिप्रतिष्ठितं ॥ शुभं ॥

२५१. संवत् १६४४ वर्षे ज्येष्ठसित १२ सोमवासरे प्राग्वाट-ज्ञातीयदो० मयवीरभा० कीकीसुतदो० कुमरजीकारितं श्रीमुनिसुव्रत-बिंबं श्रीहीरविजयसूरिशि० श्रीविजयसेनसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

२५२. सं० १५२५ वर्षे मार्गशु० १० प्राग्वा० मं० चांपा भा० चांपलदे पुत्र मं० साईआकेन भार्या सहिजलदे वइजलदे पुत्रहेम-राज धनराजादिकुटुंबयुतेन मातृश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० तपा-गच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

जोगीदास विठ्ठलदासनी पोळनुं घरदेरासर

२५३. सं० १५०१ महाशुदि १० सोमे....मो..........
....गोत्रे...पुत्र मो-कल श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र०.........................श्रीसुविहि-तसूरिभिः ॥

शेठ मोतीलाल हरखचंदनुं घरदेरासर.

२५४. सं. १६८२ वर्षे का० व० ४ शनौ मंमूपरवास्तव्य-प्राग्वाटज्ञातीय बोरा उदयकरणभार्याबा० उजाशितु० बो० शांति-दासनाम्ना श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपाग० भ० श्रीहीरवि-जयसूरिपट्टे भ० श्रीविजयसेनसूरि तत्पट्टे भ० श्रीविजयतिलकसूरि० भ० श्रीविजयाणंदसूरिभिः ॥

छायापुरी (छाणी).

श्रीकुन्थुनाथजिनालयस्था लेखाः.

१५५. संवत् ११९८ वर्षे फाल्गुनसुदि ११ सोमे श्रीपत्तन-
वास्तव्यश्रीमालज्ञातीयमहं० आमभार्या बाईसूणीपुत्र महं० श्रीवर
श्रीधर्मनाथबिंब कारितं तपागच्छे श्रीश्रीहीरविजयसूरिभि प्रतिष्ठितं
श्रीविजय श्री सह पुत्र० हावजी ॥

श्रीशान्तिनाथजिनालयस्था लेखाः.

१५६. सं० ११९७ माघ ९....श्रीश्रीमालज्ञा० पितृ०
भाग बहुदे ह० सोमपुत्र मन्दे ह० हेमा प्र० पूर्वजश्रे० गुणपाल-
निहित श्रीपार्श्व० बिंबं कारि० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीधनेश्वर-
सूरिभि ॥

१५७. सं० १६६१ वर्षे कार्त्ति० सु० ५ गंधारपुरी वास्तव्य सं०
कर्मण भा० रूपाई पुत्र सं० बच्छा भा० रामापुत्र सं० चांदाणदेवा
श्रीविमलनाम्न्या पुत्रलीला आत्मादिकुटुंबयुतया स्वश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं
१४ पट्ट का० प्र० तपागच्छे श्रीहरभीमसागरसूरिभिः ॥

१५८. संवत् १५०९ वर्षे मार्गशीर्षसुदि ६ दिने श्रीप्राग्व-
ंशे मय(व)णोवे सा० नानिगपुत्र सा० मेघा भा० लीलामणिक्या
श्रीदेविसहितया श्रीविमलनाथबिंबं कारितं श्रीजिनराजसूरिपट्टे श्रीजिन-
भद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभं ॥

१५९. सं० १५८० वर्षे वैशाखसुदि ११ शुक्रे श्रीश्रीमा-
लीज्ञातीयसा० रत्नसा० कद्रू पु० सा० महतापभार्या श्रीबाईनाम्न्या
स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभि. ॥

२६०. संवत् १५२५ वर्षे आणंदवासिवायडज्ञा० श्रे० सियाभा० वारूपुत्रश्रे० राजाकेन भ्रातृठाकुरसी भा० रमादे पुत्र कुरा राणाभाणापोईआलाखा अमरादिकुटुंबयुतेन निजभ्रातृश्रे० कुराश्रेयसे श्रीकुंथुनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने तपागच्छेश श्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

२६१. संवत् १४२२ वर्षे वैशाखशुदि ११ बुधे ओसवाल-ज्ञातीयव्यव० केल्हणसीसुतमुलुश्रेयोऽर्थं सिंघाकेन श्रीपार्श्वनाथ कारा...

२६२. सं० १५३० वर्षे माघवदि २ शुक्रे वडावासि श्रीश्रीमालज्ञातिश्रे० वोडाभा० सूहवदेसुतहरदासेन भार्यासहिजलदे सुतदेवदासदेवाप्रमुखकुटुंबयुतेन आणंदेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं श्रीवृद्धतपापक्षे प्रतिष्ठितं श्रीज्ञानसागरसूरिभिः शुभं भूयात् ॥

२६३. सं० १४८६ वर्षे वैशाखशुदि १० बुधे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० सरवणभार्यामूहवदेसुतदेदाकेन भा० जासूसुत लखमण अमरसी समधर धनादिकुटुंबयुतेन श्रीविमलनाथबिंबं स्वश्रेयोऽर्थं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीश्रीश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

२६४. सं० १५२६ प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० तिहुणसी भा० करणूपुत्र श्रे० मणोरसिंहेन भा० चमकूपुत्रवरसिंहपितृव्यमूहणसीलख-राजादिकु० युतेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसं-ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः मयनपूरे ॥

२६५. सं० १५३३ वर्षे वै० व० ४ गुरौ आणंदग्रामे वा-यडज्ञातिश्रे० मदो भा० पुहवाई पुत्र श्रे० माधा भा० माणकेनाम्न्या भगिनिसहजलदे दौहित्रीसीतिणिसुताया स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

२६६. संवत् १५६९ वर्षे फागुणसुदि ७ बुधे श्रीश्रीमा० ज्ञा० सं० नरपालभा० सुरूदी सुत पु० कुंवरपालनिजदामवीरमनाथवीर-सुतया पुत्र २ पुण्यार्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमच्चाणगच्छे श्रीश्रीश्रीगुणनिधानसूरिभिः ॥

२६७. सं० १४७७ वर्षे वैशाखसु० ९ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० पन्नाभा० प्रिमलदे संग्रामित पा० सेवाद आत्मश्रेयसे सुतपूना श्रीअनंतनाथादिचतुर्विंशतिबिंबं कारितं श्रीचैत्रगच्छे महा० श्रीगुणदेवसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ।

२६८. संवत् १५६१ वर्षे आषाढसुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० मांडण भा० रूपी सु० गमानिमित्तं श्रे० श्रीपालेन आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० पू० पिप्पलगच्छे त्रिभवीआ श्रीधर्मसागरसूरिभिः दगाद्दा ॥

२६९. सं० १४४७ फागुणवदि ८ चं० श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीमालज्ञा० पादृवास्तव्यपितृदेवसीह मातृमणी पितृव्यजूनाश्रेयोऽर्थं सुतवयरा देपा अवसाकेन श्रीवासुपूज्यमुख्यपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता श्रीमुनिचंद्रसूरिभिः ॥

२७०. सं० १६९९ (?) वर्षे महासुदि १२ सा० पदमाइम० नायक श्रीआदिनाथ प्रतिष्ठितं श्रीआनंदविमलसूरिभिः ॥

२७१. सं० १६(?)७ वर्षे पो० व० १ दिने दो० संकर श्रीवज्र(विजय)देवसूरि (?) श्रीआदिनाथ ....

२६०. संवत् १५२९ वर्षे आणंदवासिवायडज्ञा० श्रे० सिवाभा० बारूपुत्रश्रे० रामाकेन भ्रातृठाकुरसी भा० रमादे पुत्र कुरा राणाभाणापोईआलाखा अमरादिकुटुंबयुतेन निजभ्रातृश्रे० कुराश्रेयसे श्रीकुंथुनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने तपागच्छेश श्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

२६१. संवत् १४२२ वर्षे वैशाखशुदि ११ बुधे ओसवाल-ज्ञातीयव्यव० केल्हणसीसुतमूलश्रेयोऽर्थं सिवाकेन श्रीपार्श्वनाथ कारा....

२६२. सं० १५३० वर्षे माघवदि २ शुक्रे वडावलि श्रीश्रीमालज्ञातिश्रे० बोडाभा० सूहवदेसुतहरदासेन भार्यासहितदे सुतदेवदासदेवाप्रमुखकुटुंबयुतेन आणंदेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं श्रीवृद्धतपापक्षे प्रतिष्ठितं श्रीज्ञानसागरसूरिभिः शुभं भूयात् ॥

२६३. सं० १४८६ वर्षे वैशाखशुदि १० बुधे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० सरवणभार्यामूहवदेसुतदेदाकेन भा० नामूसुत लखमण अमरसी समधर धनादिकुटुंबयुतेन श्रीविमलनाथबिंबं स्वश्रेयोऽर्थं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीश्रीश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

२६४. सं० १५२१ प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० तिहुणसी भा० कर्णूपुत्र श्रे० मणोरसिंहेन भा० ममकूपुत्रवाछिगपितृव्यसुहणसीकृत-रामादिकु० युतेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसं-ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः नयनपुरे ॥

२६५. सं० १५२३ वर्षे वै० व० ४ गुरौ आणंदग्रामे प्रा-ग्वाटज्ञातिश्रे० मही भा० सुहवदे पुत्र श्रे० माका भा० मरगदेनाम्न्या निजनिजदृष्टदे दौहित्रीमानसिंगसुतया स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

२६६. संवत् १५२९ वर्षे फागुणसुदि ७ बुधे श्रीश्रीमा० ज्ञा० श्रे० भरमा भा० सुहडा तया पु० सुश्रावकेण सहसाकीर्ति सुतया पुत्र २ पुण्यार्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमागच्छे श्रीश्रीगुणधीरसूरिभिः ॥

२६७. सं० १४९७ वर्षे वैशाखसु० ५ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० पासदत्त भा० प्रिमलदे पुत्र भा० देवाई आत्मश्रेयसे सुश्रावका श्रीअनंतनाथादिचतुर्विंशतिबिंबं कारितं श्रीपिप्पलगच्छे भट्टा० श्रीगुणदेवसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ।

२६८. संवत् १५२१ वर्षे आषाढसुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० मांडण भा० रूपी सु० गमानिमित्तं श्रे० भीमाकेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे त्रिभवीआ श्रीधर्मसागरसूरिभिः दमावा ॥

२६९. सं० १४४७ फागुणवदि ८ सं० श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीमालज्ञा० पादवास्तव्यपितृदेवसीह मातृमघी पितृव्यजनाश्रेयोर्थं सुतधरा देपा मयणाकेन श्रीवासुपूज्यमुख्यपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता श्रीमुनिचंद्रसूरिभिः ॥

२७०. सं० १५९५ (?) वर्षे महासुदि १२ श्रा० पद्माइम० भावड श्रीआदिनाथ प्रतिष्ठितं श्रीआनंदविमलसूरिभिः ॥

२७१. सं० १६१(?)७ वर्षे पो० व० १ दिने दो० संकर श्रीवज्र(विजय)देवसूरि (?) श्रीआदिनाथ ....

मीयागाम.

श्रीमनमोहनपार्श्वनाथजिनालयना लेखो.

२७२. सं० १४८१ वर्षे माघशुदि ९ प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० खेतसिंहभा० खेतलदेसु० देदलभा० हमीरदेसु० पोप (खोल)भा० प्रीमलदेसु० संघपतिसादाभार्यासलखणदे सुत संघवी मुंमुखभार्या कर्मा देव्या निजश्रेयसे श्रीशांतिनाथादिपंचतीर्थीबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्री सूरिभिः ॥

२७३. सं० १५३७ वर्षे वैशाखशुदि १० सोमे श्रीश्रीमाल ज्ञातीय उपमारूराजभा० छाड़सुत ठ० सहसाभा० वस्हादे ठ० सालि गभा० आसीठ० श्रीरामभा० हंसाईठ० सहिमासुतधनदत्तभार्याहीराई ए तैरात्मश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्तपापक्षे श्रीविनयरत्नसूरिभिः श्रीगंधारवास्तव्यः ॥

२७४. सं० १३८४ वर्षे.......................................
..............श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्री...[अम]रचंद्रसूरिशिष्य श्रीवर्धमानसूरिभिः ॥

२७५. संवत् १६०३ वर्षे ज्येष्ठशुदि १३ शनौ श्रीमाल ज्ञातीयव्य० कोडाभा० कुतिगदेसुतव्य० धना गांगा रत्ना एतैः पितृव्य० वाघाश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं पूर्णिमापक्षे भव चंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभं भवतु ॥

२७६. सं० १५९२ वर्षे माघशुदि ८ शनौ श्रीप्राग्वाटज्ञातीय मं० सीमाभा० आसूसु० मं० देमाभा० जानूसु० २ अहमदाबादमा० नाम्यां मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथादिपंचतीर्थी आगमपक्षे श्रीसोमरत्न सूरिउपदेशेन कारिता प्रतिष्ठिता च विधिना खटाउग्राम ॥

२७७. सं. १५६५ वैशाखशु० ५......................
..................श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० आगमिकगच्छीयश्रीअमरसिंह-
सूरिपट्टालंकार प्र०..................भिः ॥

२७८. संवत् १६७० वर्षे कार्त्तिकसितपंचमीतिथौ गुरुवासरे
श्रीमहमदावादवास्तव्य श्रीमालज्ञातीयसा० श्रीवच्छराजभार्याहीरादेव्या
निजश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्री तपागच्छीय भ० श्रीविजयदेव-
सूरिभिः ॥

२७९. संवत् १५५२ वर्षे वैशाखवदि ५ सोमे गुर्जरज्ञातीय
मह. श्रीपसिंहेन निजपितृमह. पाल्हणश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारा-
पितं प्रतिष्ठितं मलधारिश्रीगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिशिष्यश्रीश्रीतिलकसूरिभिः ॥

२८०. सं० १३(२)८९ वर्षे फागुणसुदि..................
............गुणपालभा० पद्मसिरि० मह्म. छाडाभ्यां पितृनिमित्तं श्री-
पार्श्वबिंबं कारितं प्र० श्रीमलयसूरिभिः ॥

२८१. सं. १५४९ वर्षे महावदि २ रवौ श्रीब्रह्माणगच्छे
श्रीश्रीमालज्ञातीयव्य० वोहा सु० हरपाल भा० रूडीसुत ठाकुरसीभा०
अहिवा० सहितेन पितृमातृनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं
प्रतिष्ठितं श्रीपजूनसूरिपट्टे श्रीश्रीविमलसूरिभिः भीनमालवास्तव्यः ॥

२८२. संवत् १५०६ वर्षे चैत्रवदि १ वारगुरु श्रीश्रीमाल-
ज्ञातीयमा० जेसींगह० भामलदेपुत्र २ साहसीहासा० सागरक०
पुत्रीरूपवल्ला पुत्रीकुरमाई सहितेन सा० सागरेण निजपूर्वजश्रेयसे चतु-
र्विंशतिजिनमयश्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे श्रीहर्ष-
तिलकसूरिभिः श्रीसिंहदत्तसूरिभिः ॥

२८३. सं० १४२५ वर्षे वैशाखसुदि १०................

......................देव्या स्वश्रेय० श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारि० प्र० श्रीवयरसेणसूरिभिः ॥

२८४. संवत् १९९९ वर्षे आमलेसरवास्तव्यः आडूभाश्रीमालीज्ञा० श्रे० करमसी भा० तेजूसुत श्रे० आसाकेन भा० कनासुतरंगा धेणाधनागोईआगांगाप्र० कुटुंबश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्र० तपागच्छनायकश्रीहेमविमलसूरिप्रवरैः ॥

श्रीसंभवनाथजिनालयना लेखो.

२८५. सं० १४८८ ज्येष्ठशु० ९ रवौ उकेशज्ञातीय म० नाथू भार्या धरमिणिसुत भ० पूनाभा० पूनादे सुत भ० साईआकेन भार्यासहजलदेहासुसुतमाणिकभार्या डाहीसुत म० थणराप्रमुखकुटुंबयुतेन वृद्धमातुः श्रेयसे श्रीआदिनाथपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

२८६. संवत १४७९ (८) वर्षे माघशुदि ७ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीय पं० महणसिंहभा० रूपलसु० पं० घरणा गदा सोभ्रमा मातृपितृश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं पं० धरणाकेन । प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

२८७. संवत १५८७ वर्षे माहशु० ५ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयडहिरवालीयमं० दालाद्भि० भ्रातृ रेलामं० दालासु० म० भीम मं० अर्जुन मं० जसा मं० लहूआ मातार्धमणिपुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छे श्रीगुणनिधानसूरीणामुपदेशेन श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

श्रीशान्तिनाथजिनालयना लेखो.

२८८. संवत १९१८ वर्षे वैशाखशुदि ५रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसंघवीटीलाभा० सं० ऊ.पूसुतहांसाभार्याहांसलदेसुतरूपा जुठा-

धूहा एतैः पितृमातृश्रेयोऽर्थं चतुर्विंशतिपट्टमुख्यश्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमधुकरगच्छे भट्टा० श्रीधनप्रभसूरिभिः पाटडीवास्तव्यः॥

२८९. सं० १४२३ फागुणसुदि ८ प्राग्वाटज्ञातीयव्य० सादाभा० रूपादेविकुक्ष० वीकमरावणभ्रातृसहजदश्रे० श्रे० सीहदेन पंच० श्रीआदिनाथका० श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

२९०. सं० १५२५ वै० शु० २ बुधवारे श्रीमालीश्रे० फांफाभा० मजूपुत्रश्रे० वेनाभार्यया सं० हीदाभार्याहांसीपुत्र्या मांजूनाम्न्या श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टालंकारश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीरस्तु पूजाकारकस्य ॥

२९१. सं० १५२७ वर्षे वै० शु० १० श्रीश्रीमालज्ञातीयपरीक्षनाथदभा० मराइतरी० गोराकेन स्वभा० हांसाईश्रेयसे श्रीसंभवनाथमूलनायकालंकृतश्रीचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः गंधारवास्तव्यः ॥

भरुच.

श्रीआदिनाथजिनालयना लेखो.

२९२. संवत् १५९१ वर्षे वै० वदि २ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० करणाभा० चट्टनीसु० जेसिंगभा० बीरूपु० राणा रामदास माधव मं० रामदासेकेन भा० रमादेसु० हरदासयुतेन श्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणमेरसूरीणामुपदेशेन विधिना प्रतिष्ठितं मातरग्रामे कल्याणं भूयात् ॥

२९३. सं० १५२२ का० व० १ श्रीमालज्ञातीयश्रे० घगपालभा० हीरादेपुत्रश्रे० रत्नसीभा० सोमीनाम्न्या सुतमाडण सुताहाही

......................देणा राधेन० श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारि० प्र० श्रीरत्नसेनसूरिभिः ॥

२८४. संवत् १३३६ वर्षे आषाढ़ेमरवाहनगत: माष्नुमाश्रीवर्लीज्ञा० श्रे० कामसी भा० तेजूसुत श्रे० आसाकेन मा० कनासुतेन पेणाधनागोईआगानाम० कुटुंबश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छनायकश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

श्रीसंभवनाथजिनालयना लेखो.

२८५. सं० १४८८ ज्येष्ठशु० ९ रवौ उकेशज्ञातीय म० नाथू भार्या धरमिणिसुत म० पूनामा० पूनादे सुत म० माईआकेन भार्यासहजलदेहासूसुतमाणिकभार्या डाहीसुत म० धणराजप्रमुखकुटुंबयुतेन वृद्धमातुः श्रेयसे श्रीआदिनाथपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

२८६. संवत् १४७९ (८) वर्षे माघशुदि ७ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीय पं० महणसिंहभा० रूपलसु० पं० धरणा गदा सोभ्रमा मातृपितृश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं पं० धरणाकेन । प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

२८७. संवत् १९८७ वर्षे माहशु० ५ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयवहिरवालीयमं० दालाद्वि० भ्रातृ रेलामं० दालासु० म० भीम मं० अर्जुन मं० जसा मं० लड्आ माताधर्मणिपुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छे श्रीगुणनिधानसूरीणामुपदेशेन श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

श्रीशान्तिनाथजिनालयना लेखो.

२८८. संवत् १९१८ वर्षे वैशाषशुदि ५रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसंघवीटीलाभा० सं० लापूसुतहांसाभार्याहांसलदेसुतरूपा जुआ-

युता एतैः पितृमातृश्रेयोऽर्थं चतुर्विंशतिपट्टमुख्यश्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमधुकरगच्छे भट्टा० श्रीधनप्रभसूरिभिः पारलीवास्तव्यः॥

२८९. सं० १४२१ फागुणसुदि ८ प्राग्वाटज्ञातीयव्य० झायभा० झलणादेपितृव्य० चीकमराजभ्रातृवृद्धश्रे० श्रे० सीहडेन पंच० श्रीआदिनाथका० श्रीगुणभद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

२९०. सं० १५२९ वै० शु० ५ कुजवारे श्रीमालीश्रे० फांफाभा० मनूपुत्रश्रे० पेताभार्यया मं० हीदाभार्याहांमीपुत्र्या मांजूनाम्न्या श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टालंकारश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीरस्तु पूजाकारकस्य ॥

२९१. सं० १५३७ वर्षे वै० शु० १० श्रीश्रीमालज्ञातीयपरीक्षनाथडभा० चड्डानुनरी० गोराकेन रमा० लाडाईश्रेयसे श्रीसंभवनाथमूलनायकालंकृतश्रीचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः गंधारवास्तव्यः ॥

भरुच.

श्रीआदिनाथजिनालयना लेखो.

२९२. संवत् १६९१ वर्षे वै० वदि २ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० करणाभा० चहूतीसु० जेसिंगभा० वीरूपु० राणा रामदास माधव मं० रामदासकेन भा० रमादेसु० हरदासयुतेन श्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणमेरुसूरीणामुपदेशेन विधिना प्रतिष्ठितं मातरग्रामे कल्याणं भूयात् ॥

२९३. सं० १५२२ का० व० १ श्रीमालज्ञातीयश्रे० चणपालभा० चीडादेपुत्रश्रे० रत्नसीभा० सोमीनाम्न्या सुतमाडा सुताबाही

प्र० कु० सुतया स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः सुरत्राणपुरवास्तव्यः ॥

२९४. सं० १५७८ वर्षे माघवदि ९ गुरौ गंधारवास्तव्य प्राग्वाटज्ञातिय० डूंगरसुतस्य० कान्हाकेन भा० पोपीमेघादिसुतरत्नाराजादियुतेन धर्मनाथचतुर्मुखबिंबं आगमगच्छे श्रीविवेकरत्नसूरीणामुपदेशान्मेघाद्विप्रमोदार्थं कारितं प्रतिष्ठितं ॥

२९५. सं० १४८९ वर्षे ऊकेशज्ञातीयसा० श्रे० हीसरी भा० राणी सु० श्रे० आमासूरा....भा कालामगिनी श्रा० लाडूनाम्ना निजश्रेयसे मूलनायकश्रीशांतिनाथमुख्यचतुर्विंशतिजिनपट्टः का० प्रति० श्रीसूरिभिः ॥

२९६. सं० १४[८]९ वर्षे ऊकेशज्ञातीयश्रे० देता भा० कालीसुतया श्रीमाणास्तव्यश्रे० वस्तामा० वमीसु० डूंगरभार्यया श्रीलाडू(डू)नाम्न्या निजभागश्रेयसे मूलनायकश्रीशांतिनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

२९७. संवत् १५२५ वर्षे फागुणवदि ११ हींगडगोत्रे सा० [illegible] भा० कमलश्रीपु० सं० साल्हाभार्या पुरीपु० सा लोला हेमापु० [illegible] भा० [illegible] पु० महणाद्युतेन श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं उपकेशगच्छे प्र० श्रीककसूरिभिः ॥

श्रीअनन्तनाथजिनालयना लेखो.

२९८. सं० ११(१)८९ वैशाखवदि ९ श्रीनागेन्द्रगच्छे श्री-[illegible] श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता ॥

२९९. सं० १५८९ [illegible] ९ श्रीश्रीमालज्ञातीयवि[illegible]

मातृश्रीलहूश्रेयसे सु० पासदेन श्रीपार्श्वनाथ[बिंबं] कारितं प्र० श्रीब्रह्मा-णगच्छे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः ॥

२००. सं० १४०१ वर्षे वैशाखशुदि ७ सोमे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयपितृदेल्हा मातृ...गारदे....श्रेयसे सुत..........न श्रीपार्श्वना-थबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपार्श्वचंद्रसूरीगच्छउपदेशेन ॥

२०१. सं० १९०१ वर्षे माघशुदि १० सोमे श्रीश्रीमा० ज्ञा० श्रे० सापा (सा) भा० रुपमादेसु० सीहाकेन भ्रातृसारंगनिमित्ते आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं पिप्पलगच्छे श्रीविजय-देवसूरिभिः ॥

२०२. सं० १५१९ फागुणशुदि ७ दिने श्रीश्रीमालीज्ञातीय साहमाणिकभा० अपूरवपु० भाइआकेन स्वमातृपित्रोः श्रेयसे श्रीसंभव-नाथबिंबं कारितं तत्पट्टी भाश्रीशांतिसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

२०३. संवत् १५२१ वर्षे वैशाखवदि १० शनौ प्राग्वाट-ज्ञातिश्रे० नाथाभा० खेतूपुत्रजूठाकेन भा० छाडीभ्रातृसाणावासण माइआप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

२०४. संवत् १४४९ वर्षे फागुणवदि ११ रवौ श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयपितृदेल्हमातृबाईआनाईश्रीआल्हणदेसुतमाणाभ्रातृ तत्सुतैः श्रीसंभव-नाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः श्रीवरा(ब्रह्मा)णगच्छे प्रति० श्रीवि-मलसूरिभिः ॥

श्रीशान्तिनाथजिनालयना लेखो.

२०५. सं० १५७६ वर्षे श्रीश्रीमालज्ञातीयवृद्धशाखीयसा० पासासुतवीरपालभा० अमरी तत्पुत्रसा० सागरेण भा० माकुपुत्र-

श्रीवंतसुतेन श्रीवासुपूज्यबिंबं निजपितृश्रेयोऽर्थं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीसुमतिरत्नसूरीणामुपदेशेन का० प्र० श्रीखंभायतवास्तव्यः ॥

श्रीपार्श्वनाथजिनालयना लेखो.

३०६. संवत् १५५६ वर्षे वैशाखशुदि ४ दिने आम्रदवास्तव्य लाडूआश्रीमालीज्ञातीयश्रे० लावडीमा० रामति सुतमूरामार्या कस्तुरी कुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

३०७. संवत् १५०३ माघवदि २ शुक्रे ओसवालज्ञातीय व्य० सहसा सुतहरपतिभार्या रत्नाई तया स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं श्रीवृहत्तपोगणे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभं ॥

३०८. सं० १५३३ वर्षे माघशुदि ९ रवौ प्राग्वाटज्ञा० व्य० पेथडसंताने व्य० हराजसु० व्य० गुणीआभार्या लाली सु० व्य० भूपतिवरतादेपालाः चतुर्थः सहजपालस्तद्भार्या देमतिस्तया स्वश्रेयसे मर्तृश्रे० श्रीसंभवनाथबिंबं आगमगच्छे श्रीश्रीदेवरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च ॥

३०९. सं० १५२९ वर्षे आषाढशुदि २ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय सं० छपा(रा) तत्सुसं० गुणिआसुतवीराभार्या नाथी देवासं० कालूकेन स्वश्रेयसे श्रीश्रीश्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छाधिराजश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीगंधारमंदिरे ॥

३१०. संवत् १६१९ वर्षे पौषवदि ६ शुक्रे श्रीमंबुसरवास्तव्य सा० सिंहमतीरसुतसा० वच्छराजनाम्ना श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं श्रीविजयदानसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

३११. सं० १६६९ वर्षे का० शु० १२ दिने विवृश्रे०

महणाभार्या मानाभाल्हणदेवीश्रेयसे पुत्रपाल्हाकेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपद्मप्रभसूरिशिष्यश्रीगुणाकरसूरिभिः ॥

२१२. सं० १५२४ वर्षे वैशाखशुदि ६ गुरौ उपकेशज्ञातीय सो० धनाभा० कील्हणदे पु० सो० नरपाल भा० नामल्दे पु० सो० रत्नपालभा० मेलादे भ्रातृकुंरपाल भा० धनाई आत्मपुण्यार्थं श्रीश्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० चैत्रगच्छे श्रीरामचंद्रसूरिभिः शुभं भवतु ॥

२१३. सं० १५३२ वर्षे वैशाखशु० १० सोमे ऊकेशवंशे श्रेष्ठिगोत्रे से० भीमसीपुत्रसेठिपाल्हापुत्रसेठिकर्मसीपु० से० वीरमपु० से० श्रीरंगना भार्या कौरी हंमाई पु० जागा अमरसी तिमसी परिवारसहितेन स्वपुण्यार्थं श्रीकुंथुनाथचतुर्विंशतिजिनपट्टः कारितः प्रति० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः ॥

२१४. संवत् १५१५ वर्षे फागुणशुदि ९ रवौ प्राग्वाटज्ञातीयमं० मोपाभा० माणिकदेसुतभीम भार्याचंगाईसहितेन आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे भ० श्रीजिनरत्नसूरिभिः श्रीपत्तनवास्तव्यः ॥

२१५. सं० १५०८ वर्षे चैत्रशुदि १३ रवौ प्राग्वाटज्ञातीय मं० देवाभा० देवलदेसु० आसाभा० कर्माईसु० मं० जूठा न श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीआगमगच्छे दत्तसूरीणामुपदेशेन विधिना श्राद्धैः श्रीरस्तु ॥

२१६. संवत् १५६(४)७ वर्षे माघसु० वौ श्रीमंडप श्रीमालज्ञातीयसं० उदा भा० हर्षसु० सं० पूंजीपु० सं० जगसी भा० माकूपु० सं० गेल्हाभा० मपाभा० राणी लघुभ्रातृमं० राज....भा० सांगूपु० भा० धनाई जीवादे

श्रीवंतसुतेन श्रीवासुपूज्यबिंबं निजपितृश्रेयोऽर्थं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीसुम-तिरत्नसूरीणामुपदेशेन का० प्र० श्रीखंभायतवास्तव्यः ॥

श्रीपार्श्वनाथजिनालयना लेखो.

३०६. संवत् १६६६ वर्षे वैशाखशुदि ४ दिने आम्रदवास्तव्य लाडूआश्रीमालीज्ञातीयश्रे० लावडीमा० रामति सुतमूराभार्या कस्तुरी कुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

३०७. संवत् १५०२ माघवदि २ शुक्रे ओसवालज्ञातीय व्य० सहसा सुतहरपतिभार्या रत्नाई तया स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं श्रीवृहत्तपोगणे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभं ॥

३०८. सं० १६३३ वर्षे माघशुदि ९ रवौ प्राग्वाटज्ञा० व्य० पेथडसंताने व्य० हरासु० व्य० गुणीआभार्या लाली सु० व्य० भूपतिवस्तादेपालाः चतुर्थः सहजपालस्तद्भार्या देमतिस्तया स्वश्रेयसे भर्तृश्रे० श्रीसंभवनाथबिंबं आगमगच्छे श्रीश्रीदेवरत्नसूरीणा-मुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च ॥

३०९. सं० १५२९ वर्षे आसाढशुदि २ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय सं० रुपा(ता) तत्सं० गुणिभासुतवीराभार्या नाथी देवरसं० कालूकेन स्वश्रेयसे श्रीश्रीश्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं काराधितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपा-गच्छाधिराजश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीगंधारमंदिरे ॥

३१०. संवत् १६१९ वर्षे पौषवदि ६ शुक्रे श्रीभंभुसरवास्तव्य सा० सिंहमवीरसुतमा० वच्छराजनाम्ना श्रीसंभवनाथबिंबं काराधितं श्रीविजयदानसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

३११. सं० १६६१ वर्षे का० शु० १२ दिने वितृश्रे०

मह्णाभार्या मातामाल्हणदेवीश्रेयसे पुत्रपाल्हाकेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपद्मप्रभसूरिशिष्यश्रीगुणाकरसूरिभिः ॥

३१२. सं० १५२४ वर्षे वैशाखशुदि ६ गुरौ उपकेशज्ञातीय सो० धनापा० कीलूणदे पु० सो० नरपाल भा० नामलदे पु० सो० रत्नपालभा० मेलादे भ्रातृकुंरपाल भा० धनाई आत्मपुण्यार्थं श्रीश्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० चैत्रगच्छे श्रीरामचंद्रसूरिभिः शुभं भवतु ॥

३१३. सं० १५२२ वर्षे वैशाखशु० १० सोमे ऊकेशवंशे श्रेष्ठिगोत्रे से० भीमभीपुत्रसेठिपाल्हापुत्रसेठिकर्मसीपु० से० धीकमपु० से० श्रीरंगना भार्या कीकी हंसाई पु० जागा अमरसी विजइसीपरिवारसहितेन स्वपुण्यार्थं श्रीकुंथुनाथचतुर्विंशतिजिनपट्टः कारितः प्रति० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः ॥

३१४. संवत् १५१६ वर्षे फागुणशुदि ९ रवौ प्राग्वाटज्ञातीयसं० मोषाभा० माणिकदेसुतभीम भार्याचंगाईसहितेन आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं काराबितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे भ० श्रीजिनरत्नसूरिभिः श्रीपत्तनवास्तव्यः ॥

३१५. सं० १५०८ वर्षे चैत्रशुदि १३ रवौ प्राग्वाटज्ञातीय मं० देवाभा० देवलदेसु० आसाभा० कर्मादेसु० मं० जूठा शाणाकेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीआगमगच्छे भ० श्रीसिद्दत्तसूरीणामुपदेशेन विधिना श्राद्धैः श्रीरस्तु ॥

३१६. संवत् १५६(४)७ वर्षे माघशु० १३ रवौ श्रीमंडप श्रीमालज्ञातीयसं० ऊदा भा० हर्षुसु० सं० पीमाभा० पूंनीपु० सं० जगसी भा० माकुपु० सं० गेल्हाभा० सापांपु० मेघाभा० शाणी ब्युघ्रातृसं० राम....भा० सांगृपु० सं० जावडभा० धनाई जीवादे

सुहागदे सरनादे धनाई पु० सं० हीराभा० रमाई सं० छांगाछिडी पुत्रेन १०४ बिंबकारयित्रा निजश्रेयसे श्रीपद्मनाभबिंबं कारितं प्रति० श्रीतपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिश्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे सुमतिसाधुसूरिभिः ॥

११७. सं० १५२६ वर्षे श्रीमालश्रेष्ठिगोत्रीय भा० पुत्रेण माणिकश्रे० तेजादिपुत्रेन श्रीआदि[नाथ]बिंबं कारितं प्रति० तपा० लक्ष्मीसागरसूरिशि० श्रीसोमजयसूरिभिः ॥

११८. संवत् १७७९ वर्षे वैशाखसुदि ६ सोमे [illegible] हुंबडज्ञातीयवृद्धशाखा भासामा० कुंभरिसुतराणाकेन भा० [illegible] पुत्रयुतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीधनरत्नसूरिशिष्य सौभाग्यसागरसूरिभिः ॥

११९. संवत् १९१२ वर्षे फागुणसुदि ८ शनौ श्री[illegible] [illegible] सुवर्णोने [illegible] पत्नी [illegible] ....[illegible] तेना भार्या पुत्री एतेना श्रेयोऽर्थं सं० नाकरनाम्ना भार्या० हाहीसुत० [illegible] श्रीजिनचंद्रनाथबिंबं कारितं श्री[illegible] [illegible] भ० श्रीजिनचंद्रसूरि भ० श्रीजिनकुशलसूरि प० श्रीजिन[illegible] [illegible] श्रीजिन[illegible]सूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

श्रीमुनिसुव्रतस्वामिजिनालयना लेखा.

१२०. संवत् १६१५ वर्षे पोषवदि ५ दिने शुक्रवारे [illegible] [illegible] [illegible] मुनिसुव्रत श्रीशांतिनाथबिंबं प्रति[illegible] [illegible] श्रीजिनरत्नसूरिभि प्रतिष्ठितं ॥

१२१. सं० १५३२ वर्षे [illegible] ११ दिने सो० [illegible] [illegible] [illegible] श्रीजिनरत्नसूरिभि प्र०॥

१२२. संवत् १६६१ वर्षे [illegible] श्री[illegible]

म० गोत्रे मं० रूपाभा० रूपलदेपुत्र नगूभार्या नागलदेपु० मेघराज-भा० महिमादेपुत्रसा० जिनदास तद्भ्राता धीरदासेन पुत्रजीवराजादिसपरिकरेण कारितं श्रीविमलनाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्खरतर-गच्छे श्रीजिनमाणिक्यसूरिपट्टालंकारसारपंचनदीसाधकश्रीअकब्बरपातिसाहिप्रतिबोधकसर्वत्रापाढाष्टाह्निकामारिप्रवर्तकपातिदत्तयुगप्रधानपदधारकयुगप्र० श्रीजिनचंद्रसूरिभिः आचार्यश्रीजिनसिंहसूरिसपरिकरैः लिखितं वा० श्रीसुंदरगणिना ॥

३२३. संवत् १४८९ वर्षे वैशाखशुदि ३ बुधे श्रीहुंबडज्ञातीयमहं० सूराभार्या मा० सोमलदेपुत्रमहं० वणसीपत्नीबा० शाणीपु० सं० वीरधवलभार्याबाईचापूयुतेन स्वकुटुंबश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीज्ञानकलशसूरिभिः शुभं भवतु ॥

३२४. सं० १५२१ आ० शु० ८ शुक्रे गंधारवासिश्रीमालज्ञातीयठ० शिवाभा० धारूसुतठ० हाबाकेन भा० हृदीप्रमुखकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० श्रीनयचंद्रसूरिभिः पूर्णिमापक्षे ॥

३२५. संवत् १५१२ वर्षे फागुणशुदि ८ शनौ श्रीहूंबडज्ञाति ऊनेसरगोत्रे म० वणसिंहभार्या धारू तयोः सुतसं० देवराजेन स्वकुटुंबसहितेन मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं श्रीबृहत्तपापक्षे श्रीविजयधर्मसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

३२६. सं० १५०८ वर्षे वैशाखशुदि २ दिने जंहरवारवासिप्राग्वाटज्ञातीयसा० पेताभा० पेतलदेसुतसा० वधमाभा० मदूसुतहरपतिना स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं कारितं प्रति० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

३२७. सं० १५९९ वर्षे वै० शु० १ आमलेसरवासिलाडूआश्रीमालीसा० धे० गमाभा० मदूसुतश्रे० थोपाकेन .मा०

अक्रू सु० अर्चितरानादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

३२८. संवत् १४८८ वर्षे ज्ये० शु० ९ श्रीप्राग्वाटज्ञातीय-परी० कडूआभार्यारूपिणिसुतपरी० सिवाकेन निजमातुः श्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं पंचतीर्थी कारापिता प्रतिष्ठिता श्रीतपागच्छाधिराज-श्रीसोमसुंदरसूरिभिः शुभं ॥

३२९. संवत् १९८४ वर्षे चैत्रवदि ९ सोमे आमलेश्वरवास्तव्य ला० श्रीमाल० ज्ञा० श्रीजिनधर्मनिष्ठिकश्रे० सदाभा० नाथीपुत्रश्रे० जिणदासभा० पूतलिनाम्न्या श्रा० श्रे० डूंगरश्रेष्ठिवर्द्धमान श्रे० हेमादि-सुतेन पुत्रभूपामंगासहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतचतु० का० प्र० तपागच्छे श्रीश्रीश्रीसौभाग्यहर्षसूरिभिः ॥

३३०. स्वस्तिश्री संवत् १५४४ वर्षे वैशाखसुदि ९ गुरौ श्रीमंडपमंदिरवास्तव्यश्रीहूंबडज्ञातीयसं० नरपालभा० पत्नी तत्पुत्र सं० धनेभीभा० धरणु तत्पुत्रसं० नाकरेन भार्या हाहीसुत सं० हानिभा० रत्नादे सं० सहिसाभा० सहजलदे सं० श्रीपतिप्रमुख-पुत्रपौत्रादिसमस्तकुटुंबसहितेन श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिजिनपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीजिनरत्नसूरिपट्टालंकारभ० श्रीधर्म-रत्नसूरिभिः श्रीरस्तु सदा पूजकस्य ॥

३३१. संवत् १५०९ वर्षे वैशाखवदि ५ शनौ प्राग्वाटज्ञातीय ठक्कुर...भार्या कमलादे सुत ठक्कुर हरिराजभार्या ...कुटुंब-युतेन मातृपितृश्रेयसे आत्मश्रेयसे च श्रीआगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरीणामुपदेशेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च ...॥

३३२. सं० १५२१ वर्षे वैशाखसुदि १० रवौ ... श्रीश्रीमालज्ञा० ... भार्या ... सुत ... भार्या ...

सुतेन सं० भोमाकेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितश्च श्रीवृहत्तपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिपट्टे श्रीउदयवल्लभसूरिभिः ॥

३३३. संवत् १६२२ वर्षे माहवदि २ बुधे भृगुकच्छवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीयदो० लाडजुन भा० वा० वच्छोसुतदो० कीका भट्टारकश्रीहीरविजयसूरिप्रतिष्ठितं श्रीअनंतनाथबिंबं कारितं ॥

३३४. संवत् १५९६ वर्षे वैशा० शु० ३ साह्यावासिलाडूआश्रीमालीज्ञातीयश्रे० गङभा० धा० हांसीसुतश्रे० सहिदेभा० गुरीभातृश्रे० माणाभा० कुतिगदे सु० नायाकर्मसीधर्मसीप्रमुखस्वकुटुंबयुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

३३५. संवत् १५४३ वर्षे वैशाखव० १० शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयमं० वीरमभार्या मीठादेसुतपरणभार्याऊमादेभ्रातृभगराभार्यागुरी स्वमातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं पूर्णिमापक्षे श्रीकमलप्रभसूरिपट्टे श्रीउदयप्रभसूरिभिः ॥

३३६. संवत् १५४१ वर्षे माहसुदि ९ गुरु श्रीभावडागच्छे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० धर्मसीसु० मं० जीवणभा० कुअरिसु० मं० शिवदासभा०देमतिसु० स्वश्रे० श्रीशीतलनाथबिंबं का० श्रीजिनदेवसूरिपट्टे प्रति० श्रीभावदेवसूरिभिः देथाग्रामे ॥

३३७. संवत् १५७८ वर्षे माघवदि ९ गुरौ श्रीगंधारवास्तव्यव्य० परबतभा० रूपीसुतव्यव० पाईआकेन भा० पुराईप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीसंभवनाथबिंबं श्रीआगमगच्छेशश्रीविवेकरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं ॥

३३८. सं० १५०१ वर्षे माघवदि ८ बुधे श्रीश्रीमालश्र० षणपालभार्याकडूसुतमाधवेन भार्याबांबूसुतरत्नामालामाईआदियुतेन सि-

अक्र सु० अचितरानादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

३२८. संवत् १४८८ वर्षे ज्ये० शु० ९ श्रीप्राग्वाटज्ञातीय-परी० कडूआभार्यारूपिणिसुतपरी० सिवाकेन निजमातुः श्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं पंचतीर्थी कारापिता प्रतिष्ठिता श्रीतपागच्छाधिराज-श्रीसोमसुंदरसूरिभिः शुभं ॥

३२९. संवत् १९८४ वर्षे चैत्रवदि ९ सोमे आमलेश्वरवास्तव्य श्री० श्रीमाल० ज्ञा० श्रीजिनधर्मनिष्ठिकश्रे० सदामा० नाथीपुत्रश्रे० गिरधरभा० पूतलिनाम्न्या भ्रा० श्रे० डुंगरश्रेष्ठिवर्द्धमान श्रे० हेमादि-सुतेन पुत्रभूरामगंगासहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतप्रभु० का० प्र० तपागच्छे श्रीश्रीश्रीसौभाग्यहर्षसूरिभिः ॥

३३०. स्वस्तिश्री संवत् १९४४ वर्षे वैशाखशुदि ९ गुरौ श्रीगंधारबंदिरवास्तव्यश्रीहूंबडज्ञातीयव्य० नरपालभा० पची तत्पुत्र व्य० वनेभींभा० वरणु तत्पुत्रसं० नाकरकेन भार्या डाहीसुत सं० हरजिवा० रत्नाई सं० सहिमाभा० सहजदे सं० श्रीपतिप्रमुख-पुत्रपौत्रादिपरिवारकुटुंबसहितेन श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिजिनपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीविजयरत्नसूरिपट्टालंकारभ० श्रीधर्म-रत्नसूरिभिः श्रीरस्तु सदा कल्याणम् ॥

३३१. संवत् १५०९ वर्षे वैशाखवदि ९ शनौ प्राग्वाटज्ञातीय [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्रीआगमगच्छे श्री[illegible]सूरि[illegible] [illegible] कारित. प्रतिष्ठितश्च [illegible] ॥

३३२. सं० १५२१ वर्षे वैशाखशुदि १० रवौ [illegible] श्री[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

युतेन सं० भोमाकेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितश्च श्रीबृहत्तपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिपट्टे श्रीउदयवल्लभसूरिभिः ॥

२२३. संवत् १६२२ वर्षे माहवदि २ बुधे भृगुकच्छवास्तव्य पोरवाडज्ञातीयदो० नायासुत मा० बा० वच्छीसुतदो० कीका भट्टारकश्रीहीरविजयसूरिप्रतिष्ठितं श्रीअनंतनाथबिंबं कारितं ॥

२२४. संवत् १५५६ वर्षे वैशा० शु० ३ साइयावासिआद्रुआश्रीमालीज्ञातीयश्रे० गदाभा० धा० हांसीसुतश्रे० सहिदेमा० गुरीभ्रातृश्रे० पाणाभा० कुतिगदे सु० नायाकर्मसीधर्मसीप्रमुखस्वकुटुंबयुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

२२५. संवत् १६४३ वर्षे वैशाखव० १० शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयमं० वीरमभार्यानीनादेसुतवरणभार्याऊमादेभ्रातृअमराभार्यागुरी स्वमातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं पूर्णिमापक्षे श्रीकमलप्रभसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीप्रभसूरिभि. ॥

२२६. संवत् १६४१ वर्षे माहशुदि ९ गुरु श्रीभावडारगच्छे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० वयरसीपु० मं० सीवणभा० कुअरिपु० मं० शिवदासभा०देमतिपु० स्वश्रे० श्रीशीतलनाथबिंबं का० श्रीजिनदेवसूरिपट्टे प्रति० श्रीभावदेवसूरिभिः देवाग्रामे ॥

२२७. संवत् १५७८ वर्षे माघवदि ९ गुरौ श्रीगंधारवास्तव्यपव० परबतभा० रुपीसुतव्यव० पाईआसेन भा० पुराईप्रमुखस्वकुटुंबयुतेन श्रीसंभवनाथबिंबं श्रीआगमगच्छेशश्रीविवेकरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं ॥

२२८. सं० १६०६ वर्षे माघवदि ८ बुधे श्रीश्रीमालश्र० वणपालभार्याफदूसुतपावडेन भार्यानांनूसुतरत्नामाळामाईमादियुतेन वि-

अकू सु० अचितरानादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

३२८. संवत् १४८८ वर्षे ज्येष्ठ० शु० ९ श्रीप्राग्वाटज्ञातीय-परी० कडूआभार्याकपिणिसुतपरी० सिवाकेन निजमातुः श्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं पंचतीर्थी कारापिता प्रतिष्ठिता श्रीतपागच्छाधिराज-श्रीसोमसुंदरसूरिभिः शुभं ॥

३२९. संवत् १९८४ वर्षे चैत्रवदि ९ सोमे आमनेश्वरवास्तव्य सा० श्रीमाल० ज्ञा० श्रीजिनधर्मनिष्ठिकश्रे० मदाभा० नाथीपुत्रश्रे० मिगरासभा० पूतलिनाम्न्या भ्रा० श्रे० डूंगरश्रेष्ठिवर्द्धमान श्रे० हेमजि-सुतेन पुत्रभूरासंगामहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतजिनबिं० का० प्र० तपागच्छे श्रीश्रीश्रीसौभाग्यहर्षसूरिभिः ॥

३३०. स्वस्तिश्री संवत् १९४४ वर्षे वैशाखशुदि ९ गुरौ श्रीगिरनारमंदिरवास्तव्यश्रीहूंबडज्ञातीयव्य० नाथालभा० पची तत्पुत्र व्य० धनैर्गीभा० वरणु तत्पुत्रसं० नाकरेन भार्या दाडीसुत सं० हरजीभा० रतनादे सं० महिमाभा० महमादे सं० श्रीवजिसुत-पुत्रपौत्रादिपरिवारकुटुंबसहितेन श्रीऋषभनाथचतुर्विंशतिजिनपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीविजयरत्नसूरिपट्टालंकारभ० श्रीधर्म-रत्नसूरिभिः श्रीरस्तु सदा पूजयन्तु ॥

३३१. संवत् १५०९ वर्षे वैशाखवदि ५ शनौ प्राग्वाटज्ञातीय [illegible] कमठाइ सुतश्री हरिजनभार्या [illegible] श्रीआगमगच्छे श्रीरत्नसूरीणामुपदेशेन [illegible] ॥

३३२. सं० १५२१ वर्षे वैशाखशुदि १० [illegible] [illegible] [illegible]

सुतेन सं० सोमाकेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितश्च श्रीवृहत्तपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिपट्टे श्रीउदयवल्लभसूरिभिः ॥

३३३. संवत् १६२२ वर्षे माहवदि २ बुधे भृगुकच्छवास्तव्य पोरवाडज्ञातीयदो० लाडामुत भा० बा० वच्छीसुतदो० कीका भट्टारकश्रीहीरविजयसूरिप्रतिष्ठितं श्रीअनंतनाथबिंबं कारितं ॥

३३४. संवत् १६६६ वर्षे वैशा० शु० ३ साहपावासिडाडूआश्रीमाळीज्ञातीयश्रे० गदामा० धा० हांसीसुतश्रे० सहिदेभा० गुरीभ्रातृश्रे० भाणाभा० कुतिगदे सु० नापाकर्मसीधर्मसीप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

३३५. संवत् १५४३ वर्षे वैशाखव० १० शुक्रे श्रीश्रीमाल्ज्ञातीयमं० वीरमभार्याजीवादेसुतधरणभार्याऊमादेभ्रातृअगराभार्यागुरी स्वमातृपितृश्रेयोऽर्थे श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं पूर्णिमापक्षे श्रीकमलप्रभसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीप्रभसूरिभिः ॥

३३६. संवत् १५४१ वर्षे माहशुदि ९ गुरु श्रीभावडारगच्छे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० मं० ववरसीपु० मं० जीवणभा० कुअरिपु० मं० शिवदासभा०देमतिपु० स्वश्रे० श्रीशीतलनाथबिंबं का० श्रीजिनदेवसूरिपट्टे प्रति० श्रीभावदेवसूरिभिः देवाग्रामे ॥

३३७. संवत् १५७८ वर्षे माघवदि ९ गुरौ श्रीगंधारवास्तव्यपव० परवतभा० रूपीसुतव्यव० वाईआरेन भा० पुराईप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीसंभवनाथबिंबं श्रीआगमगच्छेशश्रीविवेकरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं ॥

३३८. सं० १५०१ वर्षे माघवदि ८ बुधे श्रीश्रीमाल्व्य० वणपालभार्याफदूसुतमाववेन भार्यावांरूसुतरत्नामालामाईआदियुतेन वि-

वृतान्नेयमे श्रीसुविधिनाथबिंबं आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरिउपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं ॥

श्रीसंखेश्वरपार्श्वनाथजिनालयना लेखो.

११९. संवत् १५११ वर्षे ज्येष्ठवदि ९ रवौ श्रीअहमदाबाद-नगरवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातिवृद्धशाखायां सा० नरसिंहभार्याश्रा० नामल्देसुत सा० मनाकेन भा० चमाईसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथ-बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे भट्टा० श्रीधर्मरत्नसूरिभिः ॥

१२०. संवत् १५१४ वर्षे फागुणशुदि २ शुक्रे श्रीश्रीमा-[illegible] सा० [illegible] सा० [illegible]पुत्रसा०भार्यापणाईनाम्न्या श्रीशीतल-नाथबिंबं कारितं प्र० [illegible]गच्छे श्रीगुणसागरसूरिप० श्रीशांति-सूरिभि [illegible] ॥

(२) श्रीशान्तिनाथजिनालयना लेखो.

१२१ सं० १५८२ व० फा० ४ शनौ [illegible] [illegible] श्रीमाली [illegible] सा० [illegible] [illegible] [illegible] सहस्रकिरणसुत [illegible] [illegible] [illegible] श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० [illegible] भ० श्रीहीरविजयसूरिपट्ट भ० श्रीविजयसेनसू० प० भ० श्रीविजयदेवसू० भ० श्रीविजयसिंह-सूरि [illegible] श्रीविजयप्रभसूरिभिः ॥

श्रीमहावीरजिनालयना लेखो.

१२२. संवत् १५०८ वर्षे वैशाखवदि ११ [illegible] श्रीश्रीमाल-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

कुंअरद् तया आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्रतिष्ठितं आगमगच्छे श्रीहेमतिलकसूरिभिः शुभं भवतु ॥

२४३. सं० १५१९ वर्षे प्रा० श्रीमालीगो० देवसीभार्या-बाइपुनवपचरमा० कोटू मृ० पोकादिकुटुंबयुतया भगिनीश्रा० मासिनाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथबिं० का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीर-त्नशेखरसूरिभिः ॥

२४४. संवत् १५१६ वर्षे फागुणसुदि १ रवौ ऊकेशवंशे छाजहडगोत्रे मं० कालूर० भवणापा०नामलदे तयोः पुत्रेण मं० सिंघकेन भा० सिंगारदेपु० साहादियरि० स० श्रेयोऽर्थं श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० प्रति० श्रीखरतरश्रीजिनधर्म(? भद्र)सूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

कर्णारपुरा, श्रीअजितनाथजिनालय.

२४५. सं० १५४२ वर्षे वैशाखशु० १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० सा० आमाभा० रंगाईसु० सा० भदाकेन भा० इंद्राणीसुतविंधाधर-गदाधरबदासीयामपुत्रइंद्रकंसयु० श्रीअनंतनाथबिंबं का० प्र० श्रीइंद्रनंदी-श्रीउदयसागरसूरिभिः गंधारवास्तव्यः ॥

२४६. सं० १५११ वर्षे चैत्रवदि ७ बुधे श्रीब्रह्माणगच्छे स्वमातुः पाल्हणदेव्याः श्रेयोऽर्थं.. श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रति०..................श्रीमद(?ज्ज)रसूरिभिः ॥

२४७. सं० १५११ वर्षे वैशाखवदि १२ गुरौ श्रीमालज्ञातीय ....देन का० प्र० श्रीशांतिनाथबिंबं श्रीअमररत्नसूरिभिः ॥

(२) श्रीमुनिसुव्रतस्वामिजिनालय.

२४८. संवत् १५८४ वर्षे वैशाखवदि ५ शुक्रे श्रीश्रीमाल-

ज्ञातीयसा० वाला भा० वल्हादेपुत्रसा० जावडभार्यालाडीसुतधनराजनि-जकुटुंब आत्मश्रेयसे श्रीश्रीश्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे भट्टारकश्रीशिवकुमारसूरिभिः वटपद्रनगरे ॥

३४९. सं० १५३३ वर्षे पौषशुदि १५ सोमे सिद्धपुरे श्राव० साल्हाभा० साकुंसु० वलाकेन भा० अमकूसु० रत्नादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिपट्टे श्रीउदयसागरसूरिभिः ॥

३५०. सं० १५२४ वर्षे वै० शु० ३ विद्यापुरवासिश्रीश्रीमा-लज्ञा० मं० लषमीधरभा० मांगूपुत्रकडूभार्याबीजूनाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं.................[द्विवंदनीक]गच्छे श्री...............सूरिभिः ॥

३५१. संवत् १६१९ वर्षे पौषवदि ६ शुक्रे श्रीगंधारवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञातीयसाहपासवीरभार्यापूतलिसुतमा० वर्द्धमानभार्या विमला-देसुतसा० लहूजीनाम्ना स्वश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारापितं श्रीतपा-गच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

३५२. संवत् १६४७ वर्षे मा० शु० १३ रवौ गंधारवासि-सं० माईयाभार्यामाणिकदेसुतसं० सोनाभा० स० हीरूनाम्न्या निजश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्रति० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥

३५३. संवत् १५०६ वर्षे वैशाखशुदि ६ सोमवारे पर-काय(?)गच्छे उपकेशज्ञातीयवुहरागोत्र देवाभा० [illegible].. ....श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपरमानंदसूरिसंताने प्रति० श्रीशांतिसूरिभि ॥

३५४. संवत् १३९९ वर्षे माहशुदि १२ शुक्रे

हिगु मानी धीना घरमनीमारमा श्रीहाई बिंबं श्रीरातसनाथ तपागच्छ श्रीआणंदविमलसूरिभट्टारकश्री[विनय]दानसूरिप्रतिष्ठितं ॥

पेजल्पुरा, श्रीआदिनाथजिनालय.

१५५. संवत् १५१२ वर्षे वैशाखशुदि १० बुधे प्राग्वाटज्ञातीयव्य० देपडसंताने व्य० हररामभा० हीरादेसुतगुणीयाकेन भा० ताल्हापुत्रभूपतिवस्तादेपालसहजपालादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः श्रीआगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितश्च गंधारवास्तव्यः शुभं भवतु ॥

१५६. सं० १५६० वर्षे ज्येष्ठव० ७ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय दो० भूमणभा० आपूपु० दो० धनदत्तेन भा० पमाईपु० दो० श्रीराम मंगा थांपा प्र० कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीउदयसागरसूरीणां पट्टे श्रीलब्धिसागरसूरिभिः श्रीगंधारवास्तव्यः ॥

१५७. संवत् १६२३ वर्षे वै० शु० ३ शनौ श्रीमहिमग्रामवास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयश्रे० शालाभा० मेघादेपुत्रश्रे० शालाकेन भा० हर्षाईपु० करणावनावीछागांगादिकुटुंबयुतेन स्वपितृव्यश्रे० मूणाश्रेयोऽर्थं श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१५८. सं० १५०३ वर्षे प्राग्वाटज्ञातीय मं० सायरभा० कपूरीसुतमं० महणसिंहेन भा० वर्जूसु० पेतादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीतपागच्छनायकश्रीजयचंद्रसूरिभिः शुभं भवतु ॥

१५९. सं० ११२७ मा० ४...
.....................प्रतिश्रीविजय.. ॥

ज्ञातीयसा० वाछामा० वल्हादेपुत्रसा० जावडभार्यालाडीसुतधनराजनि-जकुटुंब आत्मश्रेयसे श्रीश्रीश्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे भट्टारकश्रीशिवकुमारसूरिभिः वडपद्रनगरे ॥

३४९. सं० १५३३ वर्षे पौषशुदि १५ सोमे सिद्धपुरे भाव० साल्हाभा० साकुंसु० वलाकेन भा० अमकूसु० रत्नादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिपट्टे श्रीउदयसागरसूरिभिः ॥

३५०. सं० १५२४ वर्षे वै० शु० ३ विद्यापुरवासिश्रीश्रीमा-लज्ञा० मं० लषमीधरमा० मांगूपुत्रकडूभार्यावीजूनाम्न्या स्वश्रेयोर्थं श्रीशांमवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं..................[द्विवंदनीक]गच्छे श्री.............सूरिभिः ॥

३५१. संवत् १५१५ वर्षे पौषवदि ६ शुक्रे श्रीगंधारवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञातीयसाहरासवीरभार्यापूतलिसुतमा० वर्द्धमानभार्या विमला-देसुतमा० छकूनीनाम्ना स्वश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारापितं श्रीतपा-गच्छे श्रीविमयदानसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

३५२. संवत् १५४७ वर्षे मा० शु० १३ रवौ गंधारवासि-सं० माईयाभार्यामाणिकदेसुतसं० मोनाभा० सं० हीरूनाम्न्या निजश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्रति० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥

३५३. संवत् १५०६ वर्षे वैशाखशुदि ६ सोमवारे बार-वाड(?)गच्छे उपकेशज्ञातीयवृद्धशाखीय देवाभा० रिम्हार्दे.......... ....श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीवरसोमदसूरिसंताने प्रति० श्रीशांतिसूरिभिः ॥

३५४. संवत् १५६९ वर्षे माघशुदि १२ शुक्रे श्रीगंधारे

हिगु नानी धीना धरमसीभारमा कीलाई बिंबं श्रीपारसनाथ तपागच्छ श्रीआणंदविमलसूरिभट्टारकश्री[विनय]दानसूरिप्रतिष्ठितं ॥

पेथलपुरा, श्रीआदिनाथजिनालय.

२९५. संवत् १५१६ वर्षे वैशाखशुदि १० बुधे प्राग्वाट-ज्ञातीयव्य० पेथडसेनाने व्य० हरराजभा० हीरादेसुतगुणीयाकेन भा० ताल्हापुत्रभूपतिवस्तादेपालसहजपालादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथादि-चतुर्विंशतिपट्टः श्रीआगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितश्च गंधारवास्तव्यः शुभं भवतु ॥

२९६. सं० १५६० वर्षे ज्येष्ठव० ७ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय दो० भूमणभा० आपूपु० दो० धनदत्तेन भा० पमाईपु० दो० श्रीराज पंगा चांपा प्र० कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीउदयसागरसूरीणां पट्टे श्रीलब्धिसागरसूरिभिः श्रीगंधा-रवास्तव्यः ॥

२९७. संवत् १५२१ वर्षे वै० शु० २ शनौ श्रीसींहुजग्राम-वास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयश्रे० लाखाभा० मेघादेपुत्रश्रे० कालाकेन भा० हर्षीपु० करणावतावीछागांगादिकुटुंबयुतेन स्वपितृव्यश्रे० भूणाश्रेयोऽर्थं श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

२९८. सं० १५०२ वर्षे प्राग्वाटज्ञातीय मं० सायरभा० कपूरीसुतमं० महणसिंहेन भा० वर्जूपु० पेतादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीतपागच्छनायकश्रीजयचंद्रसूरिभिः शुभं भवतु ॥

२९९. सं० १११७ मा० ४..
...................प्रतिश्रीविमय..................................... ॥

२६०. सं० १४३– वर्षे माघ........२ सोमे..................
........................श्रीचंद्रप्रभबिंबं..........................श्रीहरिप्रभसूरिपट्टे
श्री...............घोषसूरिभिः ॥

२६१. सं० १४८९ आ० शु० ८ आपलेसरवासिश्रीश्रीमालज्ञा० व्य० धीमजीभा० राणीसुतया लाडूनाम्न्या श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रति० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

२६२. सं० १......वर्षे माघवदि ९ श्रीश्रीमालश्रे० कुंदलपुरश्रे० पाल्हा..............................श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्रति० पिप्पलाचार्यश्रीधर्मचंद्रसूरिभिः ॥

२६३. स्वस्तिश्री संवत् १६०३ वर्षे वैशाखशुदि ९ दिने आमपद्रावास्तव्यमं० नरसिंगभार्यानामजईपुत्रभाणाकेन निजश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीसोमविमलसूरिभिः ॥

श्रीपद्मप्रभजिनालय(परदेहरासर).

२६४. सं० १५४७ वर्षे वैशाखशु० ३ सोमे श्रीगंधारवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञा० ठ० महिराजसु० ठ० महिराभा० सा० माईभार्या० मूलीसुतवनीतानाम्न्या स्वश्रेयोर्थं श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीश्रीधर्मरत्नसूरिभिः ॥

२६५. सं० १५४२ वर्षे वैशाखशु० १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० मदूआ भा० माणिकिसु० नगाभा० मदीसु० महापा० पापसु०धना भा०धनाइ स्वश्रेयोर्थं श्रीशीतलबिंबं का० प्र० श्रीसंघ० श्रीसिद्धांतसागरसूरिभिः श्रीदेवेन नगरमध्ये ॥

सीनोर.

श्रीसुमतिनाथजिनालय.

१६६. सं० १५१९ माघसु० ४ रवौ उकेशज्ञा० पितामह-भयराभा० मेघू द्वि० भा० सारू पु० पाटापा० माणिकदेसु० वर्द्धमानवीरा छकमाभ्यां पित्रोः श्रेयसे श्रीश्रीशान्तिनाथबिंबं का० रुद्रपल्लीयग० श्री देवसुंदरसूरिभिः ॥

१६७. सं० १२७९ वर्षे वैशाखसु० १ बुधे ठ० विजयसिंह श्रेयसे सु० नरपतिना श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा का० प्र० श्रीनयचंद्रसूरिशिष्य श्री........प्रभसूरिभिः ॥

१६८. सं० १५१० वर्षे पौषवदि ९ गुरौ स्तंभतीर्थवास्तव्य प्राग्वाटज्ञा० वृद्धशाखायां रामचाकेन भा० मीनादेसु० एतत्कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छाधिराजश्रीविमल-रामसूरिभिः शुभं भवतु ॥

श्रीअजितनाथजिनालय.

१६९. सं० १५४१ वर्षे फा० व० ८ शनौ देवासिनगरवा-सिप्राग्वाटज्ञा० सा० देवसी भा० गुरीसु० सा० आसा० भा० धाईसु० सं० मनाकेन भा० माणिकदेपुत्रीनाथीप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१७०. सं० १५१७ वर्षे वैशाखव० ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० गांगाभा० गंगादेसु० नरसिंहकेन भा० सोभागिणि प्रमुखकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीकमलतिलकसूरिपट्टे श्रीगुणतिलकसूरिभिः ॥

श्रीविजयलक्ष्मीसूरिजीनी देरीना लेखो.

१७१. सं० १८१९ वर्षे चैत्रशु० १० वीरचंद म० श्रीविजयसौभाग्यसूरीश्वरपादुकेभ्यो नमः सीनोरनगरे समस्तसंघेन का० श्रीकल्याणमस्तु शिवमस्तु ॥

१७२. सं० १८९८ श्रावणव० १२ बुध श्रीसीनोरग्रामे संघसमस्तेन का० श्रीविजयलक्ष्मीसूरिपादुकेभ्यो नमः ॥

डभोई (दर्भावती).

[भाग १ मां न आपेला लेखो].

१७३. संवत् १७४५ वर्षे शाके १६१० प्रवर्तमाने मार्गशीर्षमासे शुक्लपक्षे एकादशीतिथौ त श्रीश्रीहीरविजयसूरीश्वरशिष्य उ। श्रीकल्याणविजयग। शिष्य पं। श्रीलाभविजयग। शिष्य पं। जीतविजयग। सोदर सतीर्थ्य पं। श्रीनयविजयग। शिष्यश्रीजसविजयगणीनां पादुका कारापिता प्रतिष्ठिता चेयं तच्चरणसेवकाय। उ[त्तम]विजयगणिना। श्रीराजनगरे ॥

१७४. सं० १८११ वर्षे शा० १६७६ माघशुदि १ शुक्रे श्रीपं० श्रीकृपासौभाग्यग। पंश्री६श्रीदेवसौभाग्यग। पादुका कृता श्रीसागरगच्छे श्रीरस्तु ॥

१७५. सं० १८०८ व० शा० १६७३ प्र० फाल्गुनवदि ८ गुरौ पं० श्री १०८ देवसौभाग्यग। शिष्य पं० रत्नसौभाग्यगणिपादुका स्थापिता श्रेयोऽस्तु श्रीसंघस्य ॥

१७६. सं० १८३१ शा० १६९६ प्र० पोषशु० ७ रवि पं० श्री ९ रत्नविजय पं० दयाविजयगणिशिष्यपं० लक्ष्मीविजयपादुका का०॥

नडीआद (गूजरात).

श्रीशान्तिनाथजिनालय.

१७७. सं० १५११ वर्षे आसाढशुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयव्य० डूंगरसीभा० गोमतिसुतव्य० वालाभा० वासूसु० व्य० गोव्हाकेन भार्यारहीमहितेन् स्वश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिप्रमुखजिन-पट्टचिंशतिपट्टः श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसागरसूरिपट्टे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामु-पदेशेन कारितः प्रतिष्ठितश्च विधिना पूर्वं स्तंभतीर्थवास्तव्यः ॥

१७८. संवत् १५६३ वर्षे वैशाखवदि ११ शुक्रे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयसा० वाछाभार्यांविमलदेसुतकर्मसीधर्मसीरामाभीमाभार्यामावळदे मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं नागेंद्रगच्छे श्रीरत्नसूरीणा-मुपदेशेन प्रतिष्ठितं पिदिरपुरवास्तव्यः ॥

१७९. सं. १९१९ वर्षे मार्गसिरवदि ९ गुरु श्रीमालवंशे सोव-नगिरागोत्रे सं० धनराज सं० पूना भीना संग्रामसुतेन माताकणकसुहा-गदेपुण्यार्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभि ॥

१८०. सं० १५९१ वर्षे माघवदि २ बुधे श्रीश्रीमालज्ञाती-यसो० भीमाभार्याबाईभरमादेसुतसो० सधूभार्या बाई ईंद्राणीनाम्नी श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं तपागच्छे श्रीआणंदविमलसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

१८१. सं० १७१० व० ज्ये० सि० ६ गुरौ राजनगर० बाईशिवानाम्न्या श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० तपा० आ० श्रीविज-यराजसूरिभि. ॥

१८२. सं० १९२२ वर्षे आषा० व० ७ शनौ ऊमनाबादनि श्रीश्रीमालीयं० आसाभा० धनुपु० साङ्गिन मा० बाईपु० रत्ना

श्रीविजयलक्ष्मीसूरिजीनी देरीना लेखो.

१७१. सं० १८१९ वर्षे चैत्रशु० १० वीरचंद म० श्रीविजयसौभाग्यसूरीश्वरपादुकेभ्यो नमः सीनोरनगरे समस्तसंघेन का० श्रीकल्याणमस्तु शिवमस्तु ॥

१७२. सं० १८९८ श्रावणव० १२ बुध श्रीसीनोरग्रामे संघसमस्तेन का० श्रीविजयलक्ष्मीसूरिपादुकेभ्यो नमः ॥

डभोई (दर्भावती).

[भाग १ मां न आपेला लेखो].

१७३. संवत् १७४९ वर्षे शाके १६१० प्रवर्तमाने मार्गशीर्षमासे शुक्लपक्षे एकादशीतिथौ त श्रीश्रीहीरविजयसूरीश्वरशिष्य उ। श्रीकल्याणविजयग। शिष्य पं। श्रीलाभविजयग। शिष्य पं। श्रीजितविजयग। सोदर सतीर्थ्य पं। श्रीनयविजयग। शिष्यश्रीजसविजयगणीनां पादुका कारापिता प्रतिष्ठिता चेयं तच्चरणसेवकाय। उ[त्तम]विजयगणिना। श्रीराजनगरे ॥

१७४. सं० १८११ वर्षे शा० १६७६ माघशुदि १ शुक्रे श्रीपं० श्रीकृपासौभाग्यग। पंश्री६श्रीदेवसौभाग्यग। पादुका कृता श्रीसागरगच्छे श्रीरस्तु ॥

१७५. सं० १८०८ व० शा० १६७३ प्र० फाल्गुनवदि ८ गुरौ पं० श्री १०८ देवसौभाग्यग। शिष्य पं० रत्नसौभाग्यगणिपादुका स्थापिता श्रेयोऽस्तु श्रीसंघस्य ॥

१७६. सं० १८३१ शा० १६९६ प्र० पोषशु० ७ रवि पं० श्री ९ रत्नविजय पं० दयाविजयगणिशिष्यपं० लक्ष्मीविजयपादुका का०॥

नडिआद (गूजरात).

श्रीशान्तिनाथजिनालय.

१७७. सं० १५११ वर्षे आसाढसुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयव्य० डूंगर्भार्या० सोमतिसुतव्य० वाछाभा० धामूसु० व्य० गोलाकेन भार्यादीमदिनेन् स्वश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिमुख्यजिन-चतुर्विंशतिपट्टः श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसागरसूरिपट्टे श्रीगुणसमुद्रसूरीणा मुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितश्च विधिना पूर्व स्वंमवर्त्तथंवास्तव्यः ॥

१७८. संवत् १५६६ वर्षे वैशाखवदि ११ शुक्रे श्रीश्रीमा ज्ञातीयमा० वाछाभार्याविमलदेसुतकर्मसीधर्मसीरामार्मीमाभार्यामाव मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं नागेंद्रगच्छे श्रीरत्नसूरी मुपदेशेन प्रतिष्ठितं विदिरपुरवास्तव्यः ॥

१७९. सं. १५१९ वर्षे मार्गशिरवदि ९ गुरु श्रीमाल्वंशे सो नगिरागोत्रे सं० धनराज सं० पूना नीना संघामयुतेन माताकणरसुत मदेपुण्यार्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभि

१८०. सं० १६९६ वर्षे माघवदि २ बुधे श्रीश्रीमालज्ञात यमो० भीमाभार्यावाईभरमाईसुतमो० मधूभार्या बाई ईदाणीनाम श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं तपागच्छे श्री आणंदविमलसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

१८१. सं० १७१० व० ज्ये० सि० ६ गुरौ राजनगर बाईदिवालाम्न्या श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० तपा० आ० श्रीवि यराजसूरिभि ॥

१८२. सं० १९२२ वर्षे आषा० व० ७ शनौ ऊमतावार श्रीश्रीमालीबं० आसाभा० धनपु० साहिबेन मा० चाईपु० रत

श्रीविजयलक्ष्मीसूरिजीनी देरीना लेखो.

२७१. सं० १८१९ वर्षे चैत्रशु० १० वीरचंद म० श्रीविजयसौभाग्यसूरीश्वरपादुकेभ्यो नमः सीनोरनगरे समस्तसंघेन का० श्रीकल्याणमस्तु शिवमस्तु ॥

२७२. सं० १८६८ श्रावणव० १२ बुध श्रीसीनोरग्रामे संघसमस्तेन का० श्रीविनयलक्ष्मीसूरिपादुकेभ्यो नमः ॥

डभोई (दर्भावती).

[भाग १ मां न आवेला लेखो].

२७३. संवत् १७४५ वर्षे शाके १६१० प्रवर्तमाने मार्गशीर्षमासे शुक्लपक्षे एकादशीतिथौ त श्रीश्रीहीरविजयसूरीश्वरशिष्य उ। श्रीकल्याणविजयग । शिष्य पं । श्रीलाभविजयग । शिष्य पं । जीतविजयग । सोदर सतीर्थ्य पं । श्रीनयविजयग । शिष्यश्रीजसविजयगणीनां पादुका कारापिता प्रतिष्ठिता चेयं तच्चरणसेवकाय । उ[त्तम]विजयगणिना । श्रीराजनगरे ॥

२७४. सं० १८११ वर्षे शा० १६७६ माघशुदि १ शुके श्रीपं० श्रीकृपासौभाग्यग । पंश्री६श्रीदेवसौभाग्यग । पादुका कृता श्रीसागरगच्छे श्रीरस्तु ॥

२७५. सं० १८०८ व० शा० १६७३ प्र० फाल्गुनवदि ८ गुरौ पं० श्री १०८ देवसौभाग्यग । शिष्य पं० रत्नसौभाग्यगणिपादुका स्थापिता श्रेयोऽस्तु श्रीसंघस्य ॥

२७६. सं० १८३१ शा० १६९६ प्र० पोषशु० ७ रवि पं० श्री ५ रत्नविनय पं० दयाविजयगणिशिष्यपं० लक्ष्मीविजयपादुका का०॥

ज्ञातीय ठ० काला भार्यापूर्वनयणदेवीं आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः पिप्पलगच्छे भ० श्रीव....देवसूरिपट्टे भ०श्रीश्रीरत्नदेवसूरिभिः ॥

१८९. सं० १५१२ वर्षे प्रा०ज्ञा० श्रे० सामंतसिंह० भार्या० पु० राजाभार्यास्थादेपुत्र नाथाभ्यां ता भा० रूपादेपुत्रभामादि-कुटुंबयुताभ्यां श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१९०. सं० १४९८ वर्षे माघशु० ९ श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० धाजिनभार्यानाउनपुत्रपूंजाकेन भार्यादिकुटुंबयुतेनात्मश्रेयोऽर्थं श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं ब्रह्माणगच्छे श्रीमुनिचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीश्रीः॥

१९१. संवत् १४९८ वर्षे वै० शुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रा० मेघाभार्या माघाई तत्सुतसा० ईदाभा० टांकुपुत्ररूपा-युतया स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं सर्वसूरिभिः विधिना चिरं नंदतु ॥

श्रीअजितनाथजिनालय.

१९२ संवत् १४९८ वर्षे वैशाखसुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयश्रेष्ठिमाधवभार्यामीरादे तत्सुतसा० धनजी भा० कुंअरिनाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं सर्वसूरिभि. विधिना शुभं भवतु ॥

१९३. सं० १५२३ वर्षे वै० व० ४ गुरौ श्रीआणंदग्राम-वास्तव्यश्रा० प्रा० श्रे० गुजाभा० वाहीनाम्न्या पतिश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि. श्रीसुधानंदनसूरिश्री सोमजयसूरिप्रमुखपरिवारैः ॥

१९४. सं० १५२२ फा० शु० १० दिने प्राग्वाटज्ञाति०

भ्रातृपालासूत्ताभांपादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिश्रीसोमदेवसूरिभिः ॥

३८३. संवत् १६८७ व० शा० १४९२ प्रवर्त्तमाने पोषवदि ६ रवौ श्रीहलतपुरे श्रीओसवंशे लघुशाखायां श्रे० हर्षाभार्या अजीपुत्री तथा स्वसुरपक्षे मं० सिंघासुतमंत्रिहाराभार्या नाकू तया स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीधर्मरत्नसूरिपट्टे श्रीविद्यामंडनसूरिभिः ॥

३८४. सं० १५२५ वर्षे आणंदवासिवायडज्ञा० श्रे० सिंघाभार्यावीरूपुत्रश्रे० राजाभ्रातृठाकुरसिंहेन भा० पावूपुत्रमहिपादेपाला-दिकुटुंबयुतेन निजभ्रातृकुराश्रेयसे श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

३८५ सं० १६७० व० वै० सि० पंचम्यां बा० तेजबाईनाम्न्या श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्र० अंचलगच्छे श्रीविनयसेनसूरिभिः ॥

३८६. सं० १६९७ फा० शु० श्रीमालीज्ञा० फूलबाईनाम्न्या श्रीशीतलनाथबिंबं प्र० अ० व भ० श्रीविनयदेवसूरिभिः ॥

श्रीआदिनाथजिनालय.

३८७. संवत् १५१८ वर्षे ज्येष्ठमासे शुक्लपक्षे १५ तिथौ ओसवालज्ञातीयघस्नानागोत्रे मं० बालाभा० अमरीपु० मं० जेसा हाला मं० जेमाभार्यातेनाईपु० सहसवीरडूंगराभ्यां निजपितृमातृः श्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहद्गच्छे बोकडीशाखायां श्रीमलयचंद्रसूरिभिः शुभं भवतु पूजकस्य ।

३८८. सं. १५२१ वर्षे माघशुदि १३ गुरु श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० छीवाभा० छजलादेसु० जेसिंगभा० देकू द्वि० भा० आसीभा० समधर भा० श्रीयादे द्वि० भा० सहिमलदे सु० हीराकेशासेशासहितेन भा०

४००. संवत् १५१५ वर्षे फागुणशुदि ९ रवौ श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयदो० फाल्ह(?)भा० हरषूसुतदो० नगासुताप्ततकूनाम्न्या देवसी-भार्यया आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीअनंतनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपा-पक्षे श्रीजिनरत्नसूरिभिः ॥

४०१. सं० १५०९ वर्षे ज्येष्ठवदि ९ गुरौ ओसवालज्ञातीय-मं० सारंगभार्याबा० सरूरी तयोः सुतमं० कुरसीभार्या कुतिगदे तत्सुतागदीनाम्न्या निजपितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे गच्छनायकम० श्रीरत्नसिंहसूरिभिः चतुर्विंश-तिबिंबपट्टः ॥

४०२. संवत् १५६१ वर्षे वैशाखवदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयशाहानाभा० उठीसुतकोईभाभार्यालखाईश्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्य-चतुर्मुखबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः नडीआद-वास्तव्यः ॥

४०३. विक्रमसं० १४९९ वर्षे माक(?)ज्ञातीयश्रा० टबकूभ्रातृमं० महिपाभा० रूपमादेभा० राणीपुत्रमं० बुटाकेन निज-श्रेयोऽर्थं श्रीवर्द्धमानचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसूरिभिः ॥

४०४. सं० १५०८ वर्षे वै० सु० ५ वायडज्ञातीयनटीपद्र-वासिदो० कर्मसीभा० कर्मादेसु० दो० मुठाकेन भा० माणिकदेभा० शिवाभा० राजलदेपु० विरुआजेसिंगादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्व-नाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिपट्टे श्रीमुनिसुंदरसूरिश्रीजय-चंद्रसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

४०५. संवत् १६१५ वर्षे श्रीनटपद्रवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञा-तीयसा० जिणदाससुतसा० अमीपालभार्यावाईमोहणदेसुतसा०

श्रे० अर्जुनमा० तेजूपुत्रश्रे० नामाकेन भा० नांदूपु० धनाभ्रातृ जकुयामतासुताभोलीप्रमुखकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्र० तपागच्छेश्वरश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीसीहुनग्रामे ॥

३९५. संवत् १५१९ वर्षे माघवदि ४ सोमे मृगपल्लीवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० धरदेमा० सुहागदेपुत देवदत्त अद्य देवदत्तभा० देवलदेपु० सीधरलपु० सामलनरसिंगयुतेन स्वमातृश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीलब्धिसागरसूरिभिः ॥

३९६. संवत् १५०६ वर्षे वैशाखशुदि ६ दिने श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० सरवणभार्याटीबूसुतहेमराजेन भा० मरकूसुतजीवा मादाकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

३९७. संवत् १५६१ वर्षे फागणशुदि ११ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० ढोलाभा० माणिकदेसुतसा० गोविंदभार्यालाच्छीसु० सा० वस्ताभा० सोभागिणिसुतरायमलभा० वस्ताकेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं आत्मश्रेयसे प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीश्रीलब्धिसागरसूरिभिः ॥

३९८. संवत् १४७५ वर्षे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० देवडभा० देवलदेसुतचांपाकेन आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीपद्मप्रभबिंबं कारापितं आगमपक्षीयभ० श्रीअमरसिंहसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

३९९. संवत् १५२८ वर्षे चैत्रवदि १० गुरौ श्रीश्रीवंशे सो० मनाभार्यारांमूपुत्रसो० मांडणसुश्रावकेण भा० लहिकूपुत्रसो० नरपति सो० जीवा सो० राजा पौत्रवस्ताकीकामहितेन पुत्रवधूनममांईपुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छाधीश्वरश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० संघेन ॥

४००. संवत् १५१६ वर्षे फाल्गुणसुदि ९ रवौ श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयव्हो० फाहू(?)भा० हापूपुत्रव्हो० नगासुताभटकूनाम्न्या देवमो-भार्यया आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीअनंतनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपा-पक्षे श्रीजिनरत्नसूरिभिः ॥

४०१. सं० १५०९ वर्षे ज्येष्ठवदि ९ गुरौ ओसवाल्ज्ञातीय-मं० मरंगभार्याबा० सपूरी तयोः सुतमं० कूरसीभार्या फुतिगदे तत्सुतागदीनाम्न्या निजपितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे गच्छनायकम० श्रीरत्नसिंहसूरिभिः चतुर्विंशा-तिबिंबपट्टः ॥

४०२. संवत् १५६१ वर्षे वैशाखवदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयसाहानाभा० उत्तीसुतकोईआभार्याल्डाईश्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्य-चतुर्मुखबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः नडीआद-वास्तव्यः ॥

४०३. विक्रमसं० १४९९ वर्षे माह(?)ज्ञातीयश्रा० टबकूश्रातृमं० महिपाभा० ल्पमादेपा० साणीपुत्रमं० बुटाकेन निज-श्रेयोऽर्थं श्रीवर्द्धमानचतुर्विंशतिपट्टः कारित. प्रतिष्ठितः श्रीसूरिभिः ॥

४०४. सं० १५०९ वर्षे वै० शु० ५ कायटज्ञातीयनटीपद्र-वासिव्हो० कर्मसीभा० कर्मादिसु० दो० जूठाकेन भा० माणिकदेभ्रा० शिवाभा० राजलदेपु० विमभाभेमिगादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीधर्म-नाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिपट्टे श्रीमुनिसुंदरसूरिश्रीजय-चंद्रसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

४०५. संवत् १६१५ वर्षे श्रीनटपद्रवास्तव्यश्रीश्रीमाल्ज्ञा-तीयसा० जिणदासमुतसा० अमीपालभार्याबाईमोहणदेसुतसा०

रत्नपालसा० श्रीपाल श्रीशीतलनाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीविजयदेवसूरिभिः वैशाखशुदि ६ ॥

४०६. सं० १६६६ वर्षे फाल्गुनसितैकादश्यां शुक्रवासरे पुनर्वसुनक्षत्रे च नटपद्रवास्तव्य..न स्वश्रेयसे श्रीहीरविजयसूरीश्वरपादुका कारापिता प्रतिष्ठिता च श्रीतपागच्छे पातसाहिश्रीअकब्बरप्रतिबोधदायकश्रीशत्रुंजयादितीर्थकरमुक्तिकारकभट्टारकपरंपरापोलोमीपोलोमीप्राणप्रियभट्टारक-श्रीहीरविजयसूरीश्वरपट्टोदयाचलशिखरसहस्रकिरणसमानपातसाहिश्रीअकब्बरप्रदत्तपद्मल्पस्फुरन्मानसंप्रतिविजयमानभ० श्रीविजयसेनसूरीश्वरशिष्य श्रीविजयदेवसूरिभिरिति श्रेयोऽस्तु ॥

खेडा (गूजरात).

रबारीवाडो, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

४०७. संवत् १५१९ वर्षे फाल्गुनशुदि ८ शनौ गूजरवाडावास्तव्यश्रीश्रीमाळज्ञातीयश्रेष्ठिकडूआभार्यारूदीसुतगंगचप्रवरेण आत्मश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथादिपंचतीर्थी कारिता आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरिसुगुरूपदेशेन प्रतिष्ठिता च ॥

परामां श्रीआदिनाथजिनालय.

४०८. सं० १५२० वर्षे मार्गशीर्ष० ५ गुरौ प्राग्वाटज्ञातिया० दूदाभा० देवळदेपुत्रसा० हरपाकेन भा० देमतिपुत्रदेवदासमुरादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथमुख्यनायकचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० तपागच्छनायकश्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः मेंहरे ॥

४०९. संवत् १५०९ वर्षे पौषवदि ५ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय पितृपद्मं० पेथाकपितृव्य पूर्णसिंहयोः श्रेयसे भ्रातृव्यमामाकेन श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीसाधुरत्नसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ॥

४१०. सं० १५२४ वर्षे फा० शुदि १३ दिने श्रीगूर्जरज्ञा० मालूगोत्रे सा० नरपालभा० धा० मानूपुत्रसा० धीराकेन भा० श्रा० सुहामणिपुत्रश्रीरामसहितेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारित प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

४११. सं० १६४२ वर्षे माघवदि १० गुरौ अहिमदावादवास्तव्यगूर्जरज्ञातीयवृद्धशाखायां दो० मंगलसुतभवसी श्रीवासुपूज्यस्य बिंबं कारितं कर्मक्षयार्थं शुभं भवतु । बाईमाणिकदेसुतगवरश्रीमहिरउत्तम ॥

४१२. संवत् १५०७ वर्षे ज्येष्ठवदि ५ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयसं० महुणसीभा० महगलदे पितृमातृव्यभ्रातृसमधरश्रेयसे सु० वाघाकेन भा० चाईसहितेन श्रीशांतिनाथमुख्यचतुर्विंशतीर्थी कारिता श्री पूर्णिमापक्षे भ० गुणसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ॥

४१३. सं० १५९२ वर्षे ज्येष्ठशुदि १२ बुधे प्राग्वाटज्ञातीय अंबाईगोत्रसामंतश्रे० वीराभा० हाणीपु० पदमादेवाय-तन्निमित्तं पुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं पीपलश्रीदेवप्रभसूरिभिः ॥

४१४. संवत् १६७९ वर्षे वैशाखशुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसं० भूधाभा० भावलदेसु० सं० अर्जुन सं० भावड अर्जुनभार्यावनादेसुतपेतावाराभ्यां आत्मश्रेयोर्थं श्रीश्रीवासुपूज्यबिंबं कारापितं

श्रीआगमगच्छे श्रीसोमरत्नसूरिगुरूपदेशेन प्रतिष्ठितं च विधिना चोटिलायवास्तव्यः ॥

४१९. सं० १५१८ वर्षे ज्येष्ठशुदि ६ बुधे प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० पेनाभार्या साधूसुतमदाभा० माणिकदेसुतजीवा भ्रातृवालाकुटुंबयुतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४१६. संवत् १५३० वर्षे माघवदि २ शुक्रे गोवूवास्तव्य प्राग्० श्रे० राणाभा० राणीपु० नागाभा० रूडीपु० आमराज कुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीश्रेयांसबिंब कारापितं प्रति० तपा० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४१७. संवत् १५१८ ज्येष्ठवदि ९ शनौ खेडाहरीआळावास्तव्यउपकेशज्ञातीयलघुशाखीयश्रेष्ठिनरसिंघभार्यानामलदेपुत्रश्रेष्ठिपांगाकेन भार्याणकूप्रमुखस्वकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीजयचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

४१८. सं० १५२५ वर्षे फा० शु० ७ नीमाज्ञा० दो० वाछाभा० करणूपुत्रदो० महिराजेन भा० रगीपुत्रपासादिकुटुंबयुतेन भ्रातृदो० सहजाश्रेयोऽर्थं श्रीवासुपुज्यबिंब का० प्रतिष्ठित तपागच्छश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४१९. सं० १५६८ वर्षे वै० शु० ७ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० लापासु० श्रे० नगाभा० मानूसु० २ श्रे० रंगा धर्मसी रंगाभा० रूपमाईसु० अमरसी देवदास प्र० कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीसुमतिरत्नसूरीणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना मोढलियावास्तव्यः ॥

४२०. सं. १५९९ वर्षे वैशाखवदि ७ रवौ श्रीवृद्धशाखाय सा० [illegible] [illegible] भार्या० [illegible] [illegible] पुत्रसा० [illegible] [illegible] श्रेयो-ऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० [illegible] श्री-लक्ष्मीसागरसूरिभि ॥

४२१. संवत् १५१८ वर्षे वैशाखसुदि ११ बुधे वृद्धशाखायां श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० [illegible] [illegible] भार्या [illegible] द्वितीयभार्या [illegible] पुत्र० [illegible] [illegible] [illegible] स्वश्रेयसे [illegible] श्रेयोर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीहीरविजयसूरिभि-[illegible] ॥

४२२. संवत् १५१५ वर्षे पोषवदि १० गुरौ ऊकेशवंशे दो० [illegible] [illegible] सहितेन भा० [illegible] निजश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० [illegible] श्रीजिनहर्षसूरिभिः॥

४२३. संवत् १५१७ वर्षे वै०सु० १० ऊकेशज्ञा० [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] भा० [illegible] [illegible] [illegible] श्रेयोऽर्थं श्रीसुविधिबिंबं कारितं प्र० तपा-श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि ॥

४२४. संवत् १५०९ वर्षे मार्गसिरसुदि ९ शनौ ऊकेश-वंशे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] सा० [illegible] सोनाई स्वपुण्यार्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखर-तरगच्छे श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥ शुभं भवतु ॥

४२५. सं० १५२७ ज्ये०व० प्राग्वाटज्ञातीयसं० [illegible] [illegible] सिंहेन भा०[illegible] [illegible]

श्रीआगमगच्छे श्रीसोमरत्नसूरिगुरूपदेशेन प्रतिष्ठितं च विधिना चोरिलायवास्तव्यः ॥

४१५. सं० १५१८ वर्षे ज्येष्ठशुदि ६ बुधे प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० पेतामार्या साधूसुतमदामा० माणिकदेसुतनीवा भ्रातृवालाकुटुंबयुतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४१६. संवत् १५३० वर्षे माघवदि २ शुक्रे गोवूवास्तव्य प्राग्० श्रे० राणामा० शाणीपु० नागामा० रूडीपु० आमराज कुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीश्रेयांसबिंबं कारापितं प्रति० तपा० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४१७. संवत् १५१८ ज्येष्ठवदि ९ शनौ सेडाहरीआला-वास्तव्यउपकेशज्ञातीयवृद्धशाखीयश्रेष्ठिनरसिंहभार्यानामलदेपुत्रश्रेष्ठिमांगाकेन भार्यारणादेप्रमुखस्वकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीजयचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

४१८. सं० १५२९ वर्षे फा० शु० ७ नीमाज्ञा० दो० वाछामा० करणूपुत्रदो० महिराजेन मा० रंगीपुत्रपासादिकुटुंबयुतेन मातृदो० महनाश्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रतिष्ठितं तपागच्छेश० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४१९. सं० १५६८ वर्षे वै० शु० ७ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० लापापु० श्रे० नगामा० मानुपु० २ श्रे० रंगा धर्मसी रंगामा० रमाईपु० अमरसी देवदास प्र० कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीसुमतिरत्नसूरिणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना मांडलिवास्तव्यः ॥

४२०. सं. १५२१ वर्षे वैशाखवदि ७ रवौ सीहुंमवास्तव्य प्रा० ज्ञा० सा० नागाभा० धान्सुनथा० आसाभा० कूमीसुतसा० आणंदेन भा० सुंदरी भातृगेलभा० वलू श्रेष्ठिगणपतिप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४२१. संवत् १६२८ वर्षे वैशाखसुदि ११ बुधे वृद्धशाखायां श्रीश्रीमालज्ञातीयमो० अमरासुतमो० मेघाभार्याश्रीबाईसुतव० सहसवीर भार्या अमरादे द्वितीयभार्या वच्छाईसुतप० पुरजीप० अवजीकेन-स्वपितृमहमसवीरस्वधनप्रतिपालनाय प० मूलजी अवजीकेन पितृपुण्यार्थं स्वकुटुंबयुतेन श्रीअनंतनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीहीरविजयसूरिभिः अहमदाबादनगरे ॥

४२२. संवत् १५३२ वर्षे पौषवदि १० गुरौ ऊकेशवंशे दो० बाबाभा० माईपुत्रदो० समधरेण भा० हाहीपुत्रमाकाधामादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिभिः॥

४२३. संवत् १५३७ वर्षे वै०सु० १० ऊकेशसा० धाऊ-भाभा० धर्मादे कउतिगदेपुत्रसा० मेघाकेन भा० मनाईपुत्रमा० सीधाभा० सीतादेप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसुविधिबिंबं कारितं प्र० तपा-श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४२४. संवत् १९०९ वर्षे मार्गसिरिसुदि ६ शनौ ऊकेश-वंशे काङ्कीगोत्रे काङ्कसा० नेमगभा० धा० गरिनारीपुत्रसा० मीवाभा० सोनाई स्वपुण्यार्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखर-तरगच्छे श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥ शुभं भवतु ॥

४२५. सं० १५२७ ज्ये०व० प्राग्वाटज्ञातीयसं० मोकलभा० रूपणीसुतसं० धर्मसिंहेन भा०रमकूपुत्रसं० धिरपालभार्याबाल्हीप्रमु-

श्रीआगमगच्छे श्रीसोमरत्नसूरिगुरूपदेशेन प्रतिष्ठितं च विधिना चौरि- [illegible]वास्तव्यः ॥

४१५. सं० १५१८ वर्षे ज्येष्ठशुदि ६ बुधे [illegible] श्रे० देनाभार्या [illegible] माणिकदेसुत [illegible] नेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागर- सूरिभिः ॥

४१६. संवत् १५३० वर्षे माघवदि २ शुक्रे [illegible] साधु० श्रे० रामाभा० राणीसु० नागाभा० रूडीसु० आसरा- [illegible]सुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीश्रेयांसबिंबं कारापितं प्रति० तपा० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४१७. संवत् १५१८ ज्येष्ठवदि ९ शनौ [illegible] [illegible] [illegible] श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं श्रीसूरि[illegible] प्रतिष्ठितं ॥

४१८. सं० १५२५ वर्षे का० शु० ७ [illegible] [illegible] [illegible] श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं तपागच्छ- [illegible] ॥

४२०. सं० १५१८ वर्षे [illegible] [illegible] ॥

४२०. सं. १५२१ वर्षे वैशाखवदि ७ रवौ सीहुंमवास्तव्य प्रा० ज्ञा० सा० नागामा० धान्सुतसा० आनाभा० दूमीसुतसा० आणंदेन भा० सेपुरी प्रामुखेनाभा० वजू श्रेष्ठिगणपतिप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रील- क्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४२१. संवत् १६२८ वर्षे वैशाखसुदि ११ बुधे वृद्धशाखायां श्रीश्रीमालज्ञातीयमो० अमासुतमो० मेवाभार्याश्रीवाईसुत० सहसवीर भार्या अमरादे द्वितीयभार्या बच्छाईसुतप० सूरजीप० अवमीकेन- स्वपितृसहसवीरवचनप्रतिपालनाय प० सूरजी अवमीकेन पितृपुण्यार्थं स्वकुटुंबयुतेन श्रीधर्मनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीहीरविजयसूरिभिः अहमदावादनगरे ॥

४२२. संवत् १६३३ वर्षे पौषवदि १० गुरौ ऊकेशवंशे दो० भाषामा० माईपुत्रदो० समधरेण भा० डाहीपुत्रभापापासादिकुटुंबयुतेन निमश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिभिः॥

४२३. संवत् १६३७ वर्षे वै०शु० १० ऊकेशसा० पाऊ- आमा० धर्मादे कउतिगदेपुत्रसा० मेघाकेन भा० ममाईपुत्रमा० सीधरभा० सीतादेप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसुविधिबिंबं कारितं प्र० तपा- श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४२४. संवत् १६०९ वर्षे मार्गशिरसुदि ६ शनौ ऊकेश- वंशे कादीगोत्रे कादामा० नेमगभा० श्रा० गरिनारीपुत्रका० सा० भीवामा० सोनाई स्वपुण्यार्थं श्रीवर्धमानबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखर- तरगच्छे श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥ शुभं भवतु ॥

४२५. सं० १६२७ ज्येष्ठ० प्राग्वाटज्ञातीयसं० मोकलभा० राणीसुतसं० कर्मसिंहेन भा०रमकूपुत्रसं० पिरवालभार्यावाल्हीप्रमु-

सकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्री-लक्ष्मीसागरसूरिभिः कर्कतानगरे ॥

४२६. सं० १६२२ वर्षे पोसवदि १ रवौ अहमदावादे वृद्धशाषीश्रीमालीसा० सदयवंतभार्यया हरषादेनाम्न्या स्वश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं तपापक्षे श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

खांचीशेरी, श्रीमुनिसुव्रतस्वामिजिनालय.

४२७. संवत् १२२९ ज्येष्ठवदि ९ जसवंतकुटुंबसहितसंघेरण ॥

४२८. सं. १५२१ वर्षे माघशु० १३ गुरौ प्राग्वाटज्ञा० सापउमा० आमुसुतदो० धीगाकेन भा० मरमासुतलधारणनाथातागादिकुटुंबयुतेन मातृश्रेयसे श्रीशीतलबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टालंकारश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीअहम्मदावादे ॥

४२९. सं० १३०९ वर्षे फागुणवदि ९ गुरौ व्य० आपड-भार्यापूनिमिश्रेयोर्थं सुतआसदेवेन श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता प्रतिष्ठिता श्री रत्नदेवसूरिभिः ॥

शेठवाडो, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

४३०. सं० १५१३ वर्षे फागुणवदि १२ सोमे मंत्रगोत्रे दडूंगाने सं० पैनापुत्रसं० सीहंगपुत्रैः मानासीदेउरामासो० श्रीपाल्हीरवराजैः निजमाताकोडीपुण्यार्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीदेवरत्नसूरिभिः ॥

४३१. सं० १६८० वर्षे ज्येष्ठवदि ९ गुरौ श्रीमाल्हा-दीवर्ग० सादमा० पूदुजीपु० सं० मेघापुत्रलाडनीपुत्रश्रीपाले: भार्यादेवा-

दियुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

४१२. संवत् १५४३ वर्षे वैशाखवदि १० शुक्रे श्रीमद्गूर्जरज्ञातीयमं० गोपालभा० हाईसुत मं० संग्रामेण भा० रामतिसुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं आगमगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

४१३. सं० १६२४ वर्षे महाशुदि ६ सोमे नागुरमध्ये श्रीश्रीओसवालज्ञातीयसं० श्रीरणभा० अरघादेसं० अमरदासभा० अमरांगदे श्रीवासुपूज्यबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः॥

४१४. सं० १६२० वर्षे माघशुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालवंशे सो० मनाभा० रांभूपु० सो० सामलभा० पांपूपुत्रसो० सिंहाशुश्रावकेण भार्यावाल्ही वृद्धभ्रातृसो० बाबा तत्पत्नी रामतिपुत्रतेजपालप्रमुखसमस्तकुटुंबसहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीगच्छनायकश्रीधर्ममूर्तिसूरिगुरूपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः श्रीसंघेन प्रतिष्ठितः ॥

दलालनो टेकरो, श्रीपद्मप्रभजिनालय.

४१५. सं० १५०९ वर्षे महाशु० २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीश्रे० जेसिंगभा० ललमादे द्वि० भा० सद्गुणदेदाकेन पि० मा० पितृव्यमेघा भ्रातृदेवा स्वपूर्वजश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे भ० श्रीसोमचंद्रसूरिपट्टे श्रीउदयदेवसूरिभिः ॥

४१६. स्वस्तिश्री सं० १६१३ वर्षे वैशाखशुदि ९ सोमे श्रीगूर्जरज्ञातीयमं० सुरदासभार्या बाईसुहडादे तत्पुत्रमं० सारंगभा० सांतूपुत्रेण मं० श्रीरमनाम्ना भा० बाईगोमतीसुत वस्ता तेजा हासा हंसराज वंशादग प्रमुखसमस्तकुटुंबयुतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं श्रीवृद्-

सकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्री-लक्ष्मीसागरसूरिभिः कर्करानगरे ॥

४२६. सं० १६२२ वर्षे पोसवदि १ रवौ अहमदावादे वृद्ध-शाषीश्रीमालीसा० सदयवंतभार्यया हरषादेनाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं तपापक्षे श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

लांबीशेरी, श्रीमुनिसुव्रतस्वामिजिनालय.

४२७. संवत् १२२९ ज्येष्ठवदि ९ जसवंतकुटुंबसहितसंघेण ॥

४२८. सं. १९२१ वर्षे माघशु० १३ गुरौ प्राग्वाटज्ञा० सापलभा० आमूसुतदो० धीगाकेन भा० मरमासुतसधारणनाथातागा-दिकुटुंबयुतेन मातृश्रेयसे श्रीशीतलबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्न-शेखरसूरिपट्टालंकारश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीअहम्मदावादे ॥

४२९. सं० १३०९ वर्षे फागुणवदि ९ गुरौ व्य० आपड-भार्यापूनिणिश्रेयोऽर्थं सुतआसदेवेन श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता प्रति-ष्ठिता श्रीधर्मदेवसूरिभिः ॥

शेठवाडो, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

४३०. सं० १९१३ वर्षे फागुणवदि १२ सोमे जंवडगोत्रे ऐदूयंताने सं० चैतापुत्रसं० सीरंगपुत्रैः मानासीदेउरागासे० श्रीपालवी-रधवलाद्यैः निजमाताकोडीपुण्यार्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

४३१. संवत् १९८० वर्षे ज्येष्ठवदि ९ गुरौ श्रीमाष्ठता-तीयसं० नारदमा० प्रद्युतीपु० सं०मेडाकुरपाळनीसळश्रीपालैः भार्याप्रेमा-

दिपुनेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

४३२. संवत् १५४३ वर्षे वैशाखवदि १० शुक्रे श्रीमद्गुर्जरज्ञातीयमं० गोपालभा० झाईसुत मं० संग्रामेण भा० रामतिसुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं आगमगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

४३३. सं० १६२४ वर्षे महाशुदि ६ सोमे नागुरमध्ये श्रीश्रीओसवाल्ज्ञातीयसं० श्रीकणभा० अरघादेसं० अचलदासभा० अचरंगदे श्रीवासुपूज्यबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

४३४. सं० १५२० वर्षे माघशुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालवंशे सो० मनाभा० रांमूपु० सो० सामलभा० चांपूपुत्रसो० सिंहासुश्रावकेण भार्यावाल्ही वृद्धभ्रातृसो० वाघा तत्पत्नी रामतिपुत्रतेजपालप्रमुखसमस्तकुटुंबसहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीगच्छनायकश्रीजयकेसरिसूरिगुरूपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः श्रीसंघेन प्रतिष्ठितः ॥

दलालनो टेकरो, श्रीपद्मप्रभजिनालय.

४३५. सं० १५०९ वर्षे महाशु० २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातौ श्रे० जेसिंगभा० जसमादे द्वि० भा० स्वसुतवांदाकेन पि० मा० पितृव्यमेघा भ्रातृदेवा स्वपूर्वजश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे भ० श्रीसोमचंद्रसूरिपट्टे श्रीउदयदेवसूरिभिः ॥

४३६. स्वस्तिश्री सं० १५१३ वर्षे वैशाखशुदि २ सोमे श्रीगूर्जरज्ञातीयमं० सुहडाभार्या बाईसुहडादे तत्पुत्रमं० सारंगभा० सांतूपुत्रेण मं० वीरमनाम्ना मा० बाईगांगीसुत वस्ता तेजा हापा हंसराज पंचायण प्रमुखमकुटुंबयुतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं श्रीवृद्द-

- तपागच्छे भ० श्रीविनयधर्मसूरिपट्टे भ० श्रीविनयरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीघोघावास्तव्यः ॥

४३७. संवत् १६१९ वर्षे पोषवदि ९ शुक्रे उ० ज्ञा० कूकुलोलगोत्रे महं०गोपालपु० जावडभा० २ संपूरी जीवादेपु० अदाहरराज सोमाएतैः मं० जावडनिमित्तं पितृनिमित्तं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृहद्गच्छे श्रीजयमंगलसूरिसं० श्रीकमलप्रभसूरिभिः शुभं भवतु ॥

श्रीमहावीरजिनालय.

४३८. संवत् १९०९ वर्षे ज्येष्ठशुदि ११ श्रीश्रीमालीयज्ञातीय सा० सीत्तलभा० सुहागदेपुं० जीदाकेन आ० श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिपट्टे श्रीविजयचंद्रसूरिपट्टे श्रीपद्माणोदयसूरिभिः ॥

४३९. सं० १९४३ वर्षे फा० व० ८ शनौ सीदरसावासि प्रा० सा० सोलाभा० रूडी पु० सा० मांजाभा० धरणूनाम्न्या प्रा(का)कीमा प्रमुखकुटुंबयुतया स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४४०. सं० १९३१ वर्षे वै० वदि ११ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० धनाभा० भरमादेसु० व्य० जेसाभा० कपूरीसु० प० वत्ताकेन भा० गांगीसुतहर्षाभा० अजीप्र० समस्तकुटुंबयुतेन पितृमातृश्रेयसे श्रीशांतिनाथादिच० पू० श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुप० कारितः प्रतिष्ठितश्च विधिना ।

श्रीभीडभंजनपार्श्वनाथजिनालय.

४४१. संवत् १९०७ वर्षे माघशुदि ११ बुधे श्रीश्रीमाल०

ज्ञातीयसं० मूंजाभा० बाछू भा० मचकू सं० मेघाभा० पांमा सं० सालिगभा० सोमलदे एभिः मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णिमापक्षे भ० गुणसमुद्रसूरिभिः । बा० बाव्हसाणा ॥

४४२. संवत् १६८१ ज्येष्ठसुदि ६ गुरौ श्रीश्रीमालीज्ञातीय-पारीखसोनजीकेन श्रीचंद्रप्रभबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं संघेन श्रीअंचलगच्छे भ० श्रीकल्याणसागरसूरीणामुपदेशात् सा० पद्मसीकारितप्रतिष्ठायां श्रीरस्तु ॥

४४३. सं० १५२० वर्षे वैशाखसु० ११ दिने ५ उकेशवंशे साहूसारवादों सा० सिवापु० सा० सदापा० सुहागदेपुत्रसा० श्रीपतेन भा० पदहाईप्रमुखानि पूनार्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीखरतर-गच्छे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः । अहमदावादवास्तव्यः ॥

४४४. संवत् १५११ वर्षे वैशाखसुदि १२ श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयश्रे० सरपालसुतश्रे० सहितावेन भा० धनीसुतहीराहिरदत्तो प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्रति० श्रीविमलसू-रिभिः श्रीमाडूनगरे ॥ .

४४५. सं० १६६० ज्येष्ठवदि.........सोमे सुभावतीवास्त महावीरः कारितः ॥

४४६. संवत् १५७० वर्षे पौषवदि ५ गुरौ श्रीअहमदावाद-नगरे श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० देल्हा० वीरसुतसा० मालजीसा० श्रीवच्छिसुतसो० रत्नाईभार्येण भा० परीसु० सा० भाईदासेन इदंबिंबं कारितश्रीधर्मनाथश्रेयार्थं श्रीअंचलगच्छे श्रीधर्म-मूर्तिसूरिराज्ये पुण्यार्थं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन शुभं भवतु ॥

त्तपागच्छे भ० श्रीविजयधर्मसूरिपट्टे भ० श्रीविजयरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीचोघावास्तव्यः ॥

४३७. संवत् १५१९ वर्षे पोषवदि ९ शुक्रे उ० ज्ञा० कूकूलोलगोत्रे महं०गोपालपु० जावडभा० २ संपुरी जीवादेपु० अदाहरराम सोमाएतैः मं० जावडनिमित्तं पितृनिमित्तं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृहद्गच्छे श्रीजयमंगलसूरिसं० श्रीकमलप्रभसूरिभिः शुभं भवतु ॥

श्रीमहावीरजिनालय.

४३८. संवत् १९०९ वर्षे ज्येष्ठशुदि ११ श्रीश्रीमालीयज्ञातीय सा० सीतउभा० सुहागदेपुं० जीदाकेन आ० श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिपट्टे श्रीविजयचंद्रसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

४३९. सं० १५४६ वर्षे फा० व० ८ शनौ सीदरसावासि प्रा० सा० सोढाभा० रूडी पु० सा० मांगाभा० धरणूनाम्न्या प्रा(का)कीमा प्रमुखकुटुंबयुतया स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

४४०. सं० १५२१ वर्षे वै० वदि ११ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० धनाभा० मरमादेपु० व्य० जेसाभा० कपूरीपु० व० वन्नाकेन भा० गांगीसुतहर्षादि० अमीप्र० समस्तकुटुंबयुतेन पितृमातृश्रेयसे श्रीशांतिनाथादिच० प्र० श्रीपूर्णचंद्रसूरिशिष्य० श्रीहेमहंससूरिभिः लिखिता।

श्रीभीडभंजनपार्श्वनाथजिनालय.

४४१. संवत् १९०७ वर्षे माघशुदि ११ बुधे श्रीश्रीमा०

ज्ञातीयमं० मूंनामा० वाछू भा० मयकू मं० मेगाभा० पीमा मं० साल्हिगभा० सोमलदे एभिः मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णिमापक्षे भ० गुणसमुद्रसूरिभिः । वा० माल्हासण ॥

४४२. संवत् १६८९ ज्येष्ठशुदि ६ गुरौ श्रीश्रीमालीज्ञातीय-पारीखसोनजीकेन श्रीचंद्रप्रभबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं संघेन श्रीअंचलगच्छे भ० श्रीकल्याणसागरसूरीणामुपदेशतः सा० पद्मसीकारितप्रतिष्ठायां श्रीरस्तु ॥

४४३. सं० १५२० वर्षे वैशाखशु० ११ दिने ५ उकेशवंशे साहूशाखायां सा० सिवापु० सा० सद्धाभा० सुहागदेपुत्रसा० श्रीमल्लेन भा० परल्हाईप्रमुखानि पुत्रार्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीखरतर-गच्छे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः । अहमदावादवास्तव्यः ॥

४४४. संवत् १५१२ वर्षे वैशाखशुदि १३ श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयश्रे० नरपालसुतश्रे० जईताकेन भा० धनीसुतहीरसीहर्षा प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्रति० श्रीविमलसू-रिभिः बीसापुरनगरे ॥ ,

४४५. सं० १२२० ज्येष्ठवदि........सोमे सुनावलीकया महावीरः कारितः ॥

४४६. संवत् १६७० वर्षे पौषवदि २ गुरौ श्रीअहम्मदावाद-नगरे श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० डूंगरभा० बीरूसुतसा० नरपतिभा० जीवणिसुतदो० रूपासुश्रावकेण भा० धारीसु० सा० आवडसहितेन स्वपितुः कारितश्रीश्यामलिपार्श्वनाथप्रतिमायाः श्रीअंचलगच्छेशश्रीधर्ममू-र्तसूरीणामुपदेशेन स्वपुण्यार्थं परिकरोऽकारि प्रतिष्ठितः श्रीसंघेन शुभं भवतु॥

४४७. संवत् १६...वर्षे...मासे...पक्षे श्रममरदत्तो श्रीपत्तनज्ञातीयमाण्डलाभार्या हीरादेपुत्रमा० श्रीमालेन तस्येव श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः भद्रम् ॥

४४८. संवत १५७२ वर्षे वैशाखसुदि ३ गुरौ श्रीश्रीमाल० सा० हापाभा० मटकीनाम्न्या पु० श्रीरंगभा० सिरीयादेपु० राजमल श्रीमहादिप्रकुटुंबयुतया स्वश्रेयसे श्रीश्रीविमलनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः श्रीअंचलगच्छे श्रीसोमरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारिता प्रतिष्ठिता च विधिना अहमदावादवास्तव्यः ॥

४४९. सं० १५११ वर्षे वैशाखवदि ११ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० सा० गोआभा० माऊपु० सा० सामणभा० मंदोअरिपु० सा० छाडणभा० सादूपु० साहश्रीराजेन भा० हीराईप्र० कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअरनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः पूर्णिमापक्षे श्रीगुणसागरसूरीणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितश्च विधिना श्रीअहमदावादवास्तव्यः ॥

४५०. सं० १५०१ वर्षे वै०शु० ३ शनौ ऊकेशज्ञातीय तेलहरागोत्रे श्रे० पद्माभा० हस्कूसुतश्रे० पूनाभा० हर्षमंपूरीसुतहीराकेन भा० कपूरीभ्रातृधीराभा० पूरीसु० हादाहाहादिकुटुंबयुतेन स्वश्रिश्रेयोनिमित्तं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमुनिसुंदरसूरिभिः तपागच्छेशैः ॥

४५१. संवत् १५२८ वर्षे माघशुदि १३ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० सा० लीबाभार्यासरूपुतसा० समराभार्यासाधूसुतमेघाकेन भार्यानीविणिसुत असपतिभार्याहरषू द्वितीयसुतचडूयाभा० रमाईसुतहीरादिसमस्तकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

४९२. संवत् १६२८ वर्षे वशाषसुदिशुक्लैकादशीबुधे सकलसंघेन बिंबं कारितं श्रीतपागच्छाधिराजश्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं॥

४९३. सं० १६९६ वर्षे माघवदि २ बुधे बाई करमाईनाम्नी श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं श्रीतपागच्छे श्रीआणंदविमलसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

४९४. सं० १५४७ वर्षे माघशुदि १३ रवौ श्रीमंदपे श्रीमाल्ज्ञातीयसं० ऊदामा० हर्षूपु० सं०धीमामा०पुतसिं० नगसीभा० माकुपु० सं०गोल्हामा० सामापु० सं० मेघापु०शाणी लघुभ्रातृ सं० रामाभा० सागूपु० सं० जावडभा० धनाईमीबादेसुहागदेसकदेधनाईपु० सं०हीराभा० रमाई सं० लालादिकुटुंबयुतेन ४ विवरारापित्रा निजश्रेयसे श्रीनेमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिश्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीश्रीसुमतिसागरसूरिभिः ॥

४९५. सं० १५२१ वर्षे ज्येष्ठशुदि १० बुधे बंठगोत्रे सा० कर्मणपुत्रेल्हणपुत्रहीडाभा० देल्हणीदेपुत्ररामाकेन पुत्रनरसिंहादियुतेन निजपितृहीडापुण्यार्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० कृष्णर्षिगच्छे श्रीनयचंद्रसूरिपट्टे श्रीजयसिंहसूरिभिः ॥

४९६. संवत् १५९६ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे श्रीऊकेशज्ञातीयसो० गोव्यंदभार्यागंगादेसुतसो० मेघाभार्या श्रा०माहल्णदेसो० कीकाभार्याश्रा० धर्म्मादेसो० मेघाल्हदासो० काहनायुतेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः ॥

४९७. संवत् १५२८ वर्षे माघशुदि १९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० म० रामाभार्याअमकूसुतया तथा सा० समराभार्यामापूसुतसा० बहिदेभार्यया श्रा० कुतिगदेनाम्न्या सुतमा० वहिरामरदामसुरदकूं-

मगुनया स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः श्रीअहम्मदावादनगरे ॥

४५८. सं० १७०० वर्षे द्वि० चैत्रसित ८ गुरौ श्रीउमता-वास्तव्य उकेशज्ञातीयदो० करमसीभार्या बाईकरमादेसुतदो० सोमसीनाम्ना श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छाधिराज-भट्टारकश्रीश्रीविजयदेवसूरिभिः...........मलकीपुरे.......॥

मातर.

श्रीसुमतिनाथ मुख्य बावनजिनालय.

४५९. सं० १३४० वर्षे वैशाखवदि १० शुक्रे श्रीमालपितृ० ....मातृसाहिणिश्रेयोऽर्थ सुत जालू....श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं ॥

४६०. सं० १४११ व० ज्येष्ठशुदि १२ शनौ प्रा० ज्ञा० दो० लोलाभा० कुंरदे उभाभ्यां निमित्तं आकाहेन श्रीआदिनाथबिंबं का० मदा(डा)हडीयश्रीमाणिक्यसूरिपट्टे प्र० श्रीमाणदेवसूरिभिः ॥

४६१. सं० १४७७ व० वैशाख,.......उपकेशज्ञातीय दो० गोदाभा० गंगादेसु० साचानिमित्तं वेला सहसा रंगा सामत पांचाकेन श्रीमहावीरबिंबं कारितं श्रीनीरापल्ली[य]गच्छे प्र० भ० श्रीसालिभद्रसूरिभिः ॥

४६२. सं० १५११ वर्षे ज्येष्ठवदि १० सोमे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयश्रे० परबतभा० मरगादिसु० केल्हाकेन भ्रातृमीदायुतेन

[illegible] श्रीविमलनाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरिणामुपदेशेन [illegible] प्रतिष्ठितं ॥

४६३. सं० १५३५ माघवदि १२ ... [illegible] [illegible] प्रि० [illegible] श्रीविमलनाथबिंबं [illegible] श्रीउदयप्रभसूरिभिः ॥

४६४. सं० १५०८ [illegible] [illegible] [illegible] श्रीमुनिसुव्रतबिंबं [illegible] श्रीगुणनिधानसूरि [illegible] ॥

४६५. सं० १५८१ वर्षे वैशाखसुदि ५ गुरौ [illegible] [illegible] श्रीविमलनाथबिंबं [illegible] [illegible] ॥

४६६ सं० १५५४ वर्षे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ।

४६७. संवत् १५८१ वर्षे [illegible] १२ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

४६८. सं० १५६० वर्षे वैशाख [illegible] [illegible] [illegible] ॥

४६९. सं० १५२३ वर्षे वैशाखसु० ३ प्राग्वाटज्ञा० सा० भीमाभा० हीरूपुत्र्या मानूनाम्न्या श्रे० नरसापुत्रहीरामार्यया निज-श्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरि-पट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ऊंवरहटवास्तव्यः श्रीरस्तु ॥

४७०. संवत् १४७६ वर्षे चैत्रवदि ९ रवौ भावसारवहुया-भार्याना० लाडकीसुतेन भा० हरदेवेन स्वश्रेयसे आगमगच्छे श्रीजया-नंदसूरीणामुपदेशेन श्रीशांतिनाथादिपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता श्रीसू रिभिः शुभं भवतु ॥

४७१. संवत् १४६१ वर्षे ज्येष्ठशुदि १० शुक्रे उपकेशज्ञा० श्रे० सांगणभार्यासुहवदेपुत्रधणसीहेन सु० मेघासहितेन पितृपितृव्यराणा-निमित्तं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० काशहृदगच्छे श्रीदेवचंद्रसूरिभिः ॥

४७२. सं० १५०८ वर्षे वैशाखशुदि ९ सोमे ओसवंशे दुसाझगोत्रे सा० राउलपुत्रेण सा० वरताकेन स्वपुण्यार्थं श्रीअजितनाथ-बिंबं का० प्र० श्रीमलधारिश्रीगुणसुंदरसूरिभिः ॥

४७३. ....श्रीशांतिनाथ प्र० श्रीमदनसूरि ॥

४७४. सं० १—२९ वर्षे वैशाखशुदि १०....श्रीमालि० साल्हणभा०....रणह....निमित्तं........पंचतीर्थीबिंबं प्र० उ० श्रीमुनि-चंद्रसूरिभिः ॥

४७५. सं० १५२० वर्षे वैशाखवदि ५ दिने श्रीमालीयज्ञातौ लघुशाखायां मं० ऊदाभार्यावाऊंपु० मं० साईयाकेन भा० पूरीपुत्रमं० खेतावरूआसहितेन श्रीआदिनाथबिंबं कारि० श्रीउप०गच्छे कक्क० संताने प्र० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

४७६. संवत् १५४९ वर्षे कार्तिकशुदि १२ गुरौ श्रीश्रीमा-लज्ञा० श्रे० देवाभा० धर्मिणि पु० गहियाकेन भा० सहितेन स्वमातृ-

पितृनिमित्तं आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीवीरसूरिगुणसूरिभिः वडवाणवास्तव्यः ॥

४७७. सं० १३४९ वैशाखशुदि....श्रीमालज्ञातीयश्रे० क(म)-ऌणसिंहेन भार्या.........श्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्री-पासदेवसूरिभिः ॥

४७८. सं० १५२६ वर्षे मार्गशिरशुदि १० शुक्रे प्राग्वाट-ज्ञातीयमं० मांडणभार्याआमूसुतसोढाकेन भार्यामाणिकदेपुत्रभचातेना-दिसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः कौडरवग्रामे ॥

४७९. सं० १५१९ वर्षे माघशुदि ९ शुक्रे प्राग्वाटज्ञा० परी० गदाभार्याशाहूपुत्रहीराभा० हीरादे पितृमातृश्रेयोऽर्थं आत्मश्रेयसे श्रीअ-जितनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं सीमा० पूर्णिमापक्षीयप० श्रीजयशेखर-सूरीणामुपदेशेन श्रीसूरिभिः ॥

४८०. सं० १५१६ वर्षे वै०व० १ ऊकेशव्य० वाछाभा० प्रमकूपुत्रव्य० देवराजेन भा०नगलदेपुत्रपासडलोलादिकुटुंबयुतेन श्रीन-मिनाथबिंबं का० प्र० प्र० गच्छे श्रीसूरिभिः सीरोहीनगरे ॥

४८१. सं० १५४६ वर्षे मा०शु० ३ शनौ आशापल्लीयप्राग्वाट-ज्ञातीयदो० सापाभार्यागिरसूपुत्रीनाथीकया निजमातृश्रेयोऽर्थं श्रीआदि-नाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीसुमतिसाधुसूरिभि ॥

४८२. सं० १५०९ वर्षे वैशाखशु०३ प्राग्वाटज्ञा० व्य० नरसीभा० पूरीसुतसदाकेन भा० रूपिणिसुतहेमागणीआदिकुटुंबयुतेन निजश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरि-शिष्यश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

पितृपा........श्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता प्रतिष्ठिता श्रीसं-
घसूरिशिष्यश्रीवीरप्रभसूरिशिष्यश्रीरत्नचंद्रसूरिभिः ॥

४९०. संवत् १५९६ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे ६ तिथौ सोमवासरे श्रीअहिम्मदावादवास्तव्य श्रीऊकेशज्ञातीयसा० श्रीवाघा-भार्या कीबूसुतसा० सीपाकेन भार्यामांगूयुतेन आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः ॥

४९१. सं० १५११ वर्षे वैशाखव० २ सोमवारे श्रीश्रीमाल-ज्ञा० श्रे० धांधा भा० पूनीपु० श्रे० घनाभा० श्रीविणिसु० सिवासी-हादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीरत्नशेख-रसूरिभिः ॥

४९२. संवत् १५२२ वर्षे पौषसुदि ११ सोमे प्राग्वा-टज्ञातीयश्रेष्ठिधनाभार्यामिघूपुत्रवराजकेन भार्यामाणूपुत्रश्रीरामसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं द्विवंदनीकगच्छे भट्टारकश्रीसिद्धसू-रिभिः प्रतिष्ठितं शाडोदाग्रामे ॥

४९३. सं० १५१९ वर्षे आषाढसु० ७ गुरौ श्रीपत्तनवा-स्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० मेघाभार्यानिनूसुतसहिताभूंभरान्मा अप-सूरीसुतवासादिकुटुंबयुतेन श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्ध-तपापक्षे श्रीउदयसागरसूरिभिः ॥

४९४. संवत् १५१४ वर्षे माघसुदि अष्टमी शनौ श्रीप्राग्व-ज्ञातीयश्रे० हलाभार्याशिवगदे तत्श्रेयोऽर्थं काल्हीपुत्रेण श्रीआदिना-थबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीरत्नप्रभसूरिभिः ॥

४९५. संवत् १५१४ वर्षे माघसु० ७ गुरौ वीसलनगरवासि-निवासी श्रीमालज्ञा० श्रे० हरराज भा० हर्षूसु० सं०हिमराजेन भा० कीकी

[illegible] सं० [illegible] ॥

१०९. [illegible] १५११ [illegible] [illegible]

११०. [illegible] १५०९ [illegible]

१११. सं० .... [illegible]

११२. सं० १६७० [illegible]

११३. [illegible] १६० .... [illegible]

११४. [illegible]

११५. [illegible]

१०३. संवत् १६४४ व० फा० शु० २ रवौ श्रीअमदावाद-वास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञातीयसा० रहीयाभा० बाईनाकूसुतभीमाभा० अमाईसुतसुश्रावकसा० नाकरभा० मटूसहितेन श्रीअंचलगच्छेश-श्रीधर्ममूर्त्तिसूरीणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं श्रीसंघेन प्रतिष्ठितं स्वश्रेयोऽर्थं श्रीरस्तु ॥

१०४. सं० १६२७ आषाढशुदि १० बुधे श्रीओसवंशे मीठडीयाशाखायां सोनीमहूणसीभार्याकरमाईपुत्रसो० गोराभार्याजोई पुत्रसोनीसकलचंदसुश्रावकेण वृद्धभ्रातृसूरचंदसहितेन पितुः पुण्यार्थं श्री-अंचलगच्छे श्रीसयकल्याणसूरीणामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

१०५. संवत् १६८४ वर्षे ज्येष्ठसुदि ११ श्रीश्रीमालिज्ञातौ श्रीआषडाडियागोत्रे मं० हर्षाभार्याकीकीपुत्रमं० महिपालेन भार्याइंद्रा-णीपु० मं० चांपसीनाकरठाकुरपौत्रश्रीकरणघरणादिपरिवृतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहंससूरिपट्टे श्रीजि-नमाणिक्यसूरिभिः ॥

१०६. संवत् १६११ वर्षे ज्ये० शुदि २ सोमे श्रीविमलनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः प्रतिष्ठितः श्रीनिगमाविर्भावकश्रीइंद्रनंदिसूरिभिः कारितः श्रीश्रीमालीज्ञातीयदो० जुमाभा० पुगीसुतपहिराजेन भार्यासोनाईसुतेन स्वश्रेयोर्थं ॥

१०७. संवत् १९२९ वर्षे ज्येष्ठवदि १ शुक्रे हुंबडज्ञातीय-जेगमलपमसीहभार्याफदूसुतमंगमदेल्हासमा लीलू एतया आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथस्य चतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः वृद्धतपापक्षे भ० श्रीजिनरत्नसूरिभिः । हेमसुंदरगणिश्रेयसे भवतु पूजकस्य श्रीर्भवतु ॥

१०८. सं० १४९२ वर्षे पौषवदि..शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे०

भ्रातृपीमायुतेन श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

४९६. सं० १४२४ वैशाषशुदि २ बुधे प्राग्वाटज्ञा० पितृदेल्हामातृलाछिश्रेयोऽर्थं सुतनरदेवेन श्रीमहावीरबिंबं कारितं श्रीनेमिचंद्रसूरिपट्टे श्रीदेवचंद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

४९७. सं० १६१७ वर्षे पौषवदि १ गुरौ अहमदावादे आगमगच्छीयश्रीमालीसा० तेजामा० मल्हाईसुतहासामा० हर्षाईसुतहरपतिना भा० कोडमदेयुतेन श्रेयोऽर्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

४९८. सं० १२७८ वर्षे श्रे० आ०....ल्हसुतमहआल्हणेन स्वमातृमंदोदरिश्रेयसे श्रीमहावीरबिंबं कारितं ॥

४९९. सं० १५१६ वर्षे ज्येष्ठशुदि २ गुरौ श्रीमालज्ञा० वि० मगसीमा० जासलदेसुतशाणामा० अमकू तया भर्तृश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिगुरूपदेशेन प्रतिष्ठितं च ॥

५००. सं० १४७१ वर्षे माघशु० ७ प्राग्वाटज्ञातीयव्य० सांगाभार्या ऊमलपुत्रवीराकेन स्वमातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीदेवसुंदरसूरिशिष्यश्रीसोमसुंदरसूरिभिः॥

५०१. संवत् १५२७ वर्षे पौषवदि १ सोमे श्रीमा........दाकेन भा० धाईसु० अमीपालमहिलेन पितृनिमित्तं श्रीश्रीकुंथुनाथबिंबं का० वृद्धतपापक्षे भ० श्रीजिनरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभं भवतु ॥

५०२. सं० १४८४ वर्षे वै० शु० २ शनौ श्रीश्रीमालीयव० मिहाभा० मींगारदेसुतवाघाकेन भा० रामूपुत्रमहिराजभोगामुख्यकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकीर्तिसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

१०३. संवत् १६४४ व० फा० शु० २ रवौ श्रीअमुदावाद-वास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञातीयसा० रहीयाभा० बाईनाकूसुतश्रीनामा० अमाईसुतसुश्रावकसा० नाकरभा० मरूसहितेन श्रीअंचलगच्छेश-श्रीधर्ममूर्त्तिसूरीणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं श्रीसंघेन प्रतिष्ठितं स्वश्रेयोऽर्थं श्रीरस्तु ॥

१०४. सं० १५२७ आषाढशुदि १० बुधे श्रीओएसवंशे श्रीउडीयाशाखायां सोनीमहुणसीभार्याकरमाईपुत्रसो० गोराभार्यारमाई पुत्रसोनीसकलचंदसुश्रावकेण वृद्धभ्रातृसूरचंदसहितेन पितुः पुण्यार्थं श्री-अंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

१०५. संवत् १५८४ वर्षे ज्येष्ठशुदि ११ श्रीश्रीमालिज्ञातौ श्रीभाषवाडियागोत्रे मं० रूपाभार्याकीकीपुत्रमं० महिपालेन भार्याइंद्राणीपु० मं० भोपसीनाकरठाकुरपौत्रश्रीकरणधरणादिपरिवृतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहंससूरिपट्टे श्रीजि-नमाणिक्यसूरिभिः ॥

१०६. संवत् १५६१ वर्षे ज्ये० शुदि ९ सोमे श्रीविमलनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः प्रतिष्ठितः श्रीनिगमाविर्भावकश्रीइंद्रनंदिसूरिभिः कारितः श्रीश्रीमालीज्ञातीयदो० जुमाभा० पुतीपुत्रधाहिराजेन भार्यासोनाईयुतेन स्वश्रेयोर्थं ॥

१०७. संवत् १५२५ वर्षे ज्येष्ठवदि १ शुक्रे हुंबडज्ञातीय-मंगमलभसीहभार्यारूडूसुतमंगमरेखराखमा लीलु एतया आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथस्य चतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः वृद्धतपापक्षे भ० श्रीजिनरत्नसूरिभि.। हेमसुंदरगणिश्रेयसे भवतु पूजकस्य श्रीर्भवतु ॥

१०८. सं० १४९२ वर्षे पौषवदि..शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० पे०

सानगभा० सहजलदेसुतर्जाबाभार्याअजलदेसुतदेवराजसहितेन एताभ्यां पितृभ्रातृमातामूलागांगाकोराश्रेयोर्थं तथा भ्रातृरामासहजासागरश्रेयोर्थं श्रीविमलनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० ब्रह्माणगच्छे श्रीवीरसूरिभिः शुभं भवतु ॥

१०९. संवत् १९२१ वर्षे माहादि ८ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय मंत्रिमंडलिकभार्यादाहीपुत्रवरसिंहभार्यावनिजदेपुत्रेण श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीचंद्रनीरगच्छे म० सिद्धसूरिभिः ॥

११०. सं० १७०९ माघे श्रीराजनगरे श्रीसावाजज्ञातीयश्रे० श्रीरायाभा० मनजूपुत्र्या श्रे० समरथभार्यया काचीनाम्न्या श्रीश्रीश्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० तपाश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

१११. सं...बिंबं कारितं प्र० नागेंद्रगच्छे श्रीरत्नचंद्रसूरिभिः ॥

११२. सं० १२७० श्रे० चोखडिभार्या जिनमतिपुत्रीलाछा-श्रेयोर्थं श्रीमहावीर का० प्र० ब्रह्माणगच्छश्रीमदनप्रभसूरिपट्टे श्रीमदेवप्र-सूरिभिः ॥

११३. सं. १४०.................................ये। बिंबं का० प्र० श्रीपूर्णचंद्रसूरिभिः ॥

११४. सं० १४१० वर्षे मार्गशिर ७ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा[illegible] [illegible] बिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमागच्छे श्रीधर्मचंद्रसूरिभिः [illegible] ॥

११५. संवत् १४१९ वर्षे माघसुदि १ गुरौ श्री[illegible] [illegible]

महं. पूनाभार्या पूरी सुतपाल्हाकेन मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारि० प्र० श्रीगुणाकरसूरिभिः ॥

९२३. सं० १....९ कार्तिकवदि ४ शनौ श्रीमालज्ञातिपितृ लोलाश्रेयोऽर्थं मातृवीसलदेविपुनार्थं सुतनगाकेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं॥

९२४. सं० १४४६ वर्षे वैशाखवदि....उपकेशज्ञातीयव्य० छाडाभार्या किल्हणदे पितृमातृश्रेयसे सुतमेनासिंहाभ्यां श्रीआदिनाथबिंबं का० श्रीपू० श्रीदेवचंद्रसूरिप० श्रीपासचंद्रसूरि उपदेशेन ॥

९२५. संवत् १५३१ वर्षे ज्ये० शु० २ रवौ नागरज्ञातीय वृ० सं० सिरनीयाणागोत्रे पा० हापाभार्याराजूसुतमहागोराजाभ्यां कुटुंबयुताभ्यां मातृश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरिभिः वद्धनगरे ॥

९२६. सं० १४२८ वर्षे ज्येष्ठव० ४ शनौ प्राग्वाट० व्य० मेलाः भा० सोमलदेपु० झांझणेन पित्रोः श्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्री गुणसागरसूरिपट्टे श्रीमलयचंद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

९२७. सं० १४(?)२९ वर्षे वैशाखशुदि १० रवौ श्रीमालज्ञा० .. .. , ...नाथबिंबं कारितं श्रीरत्नचंद्रसूरीणा-मुपदेशेन ॥

९२८. संवत् १४१५ ज्येष्ठादि १३ श्रीमालज्ञा० पितृपंडित मातृमाल्हणदेश्रेयसे सुतपाताकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीग च्छसूरिभि. ॥

[illegible] ([illegible]).

[illegible] ।

॥ १० ॥ [illegible] ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

जीमूतैरिव यैर्जगत्पुनरिदं तापं हरद्भिर्भृशं
सश्रीकं विदधे गवां शुचितमैः स्तोमै रसोल्लासिभिः ॥६॥

पद्माश्रयैरलमलंक्रियते स्म तेषां
प्रीणन्मनांसि जगतां कमलोदयेन ।
पट्टः प्रवाह इव निर्जरनिर्झरिण्याः
शुद्धात्मभिर्विजयदानमुनीशहंसैः ॥ ७ ॥

तत्पट्टपूर्वपर्वततपयोजिनीप्राणवल्लभप्रतिमाः ।
श्रीहीरविजयसूरिप्रभवः श्रीधाम शोभंते ॥ ८ ॥

ये श्रीफतेपुरं प्राप्ताः श्रीअकब्बरशाहिना ।
आहूता वत्सरे नंदानलर्त्तुशशिभृ१६३९ न्मिते ॥ ९ ॥

निजाशेषेषु देशेषु शाहिना तेन घोषितः ।
षाण्मासिको यदुक्तयोच्चैरमारिपटह. पटुः ॥ १० ॥

स श्रीशाहिः स्वकीयेषु मंडलेष्वखिलेष्वपि ।
मृतस्वं जीजिआख्यं च करं यद्वचनैर्जहौ ॥ ११ ॥

दुस्त्यजं तत्करं हित्वा तीर्थं शत्रुंजयाभिधं ।
जनसाद्यद्गिरा चक्रे क्ष्माशक्रेणामुना पुनः ॥ १२ ॥

ऋषी(षि)श्रीमेघजीमुख्या लुंपाकामतमात्मनः ।
हित्वा यच्चरणद्वंद्वं भेजुर्भृंगा इवांबुज ॥ १३ ॥

तत्पट्टमब्धिमिव रम्यतमं सृजंतः
स्तोमैर्गवां सकलसंतमसं हरंतः ।
कामोल्लसत्कुवलयप्रणया जयंति
स्फूर्जत्कला विजयसेनमुनींद्रचंद्राः ॥ १४ ॥

यत्प्रतापस्य माहात्म्यं वर्ण्यते कियतः परं ।
अस्वमाध्यक्रिरे येन मीवंतोऽपि हि वादिनः ॥ १५ ॥

तस्याभूत् समराभिधश्च तनयस्तस्यापि पुत्रोऽर्ज्जुन-
स्तस्यासीत्तनयो नयोर्जितमतिर्भीमाभिधानः सुधीः ॥२४॥

लालूरित्यजनिष्ट तस्य गृहिणी पद्मेव पद्मापते-
र्भ्योऽभूत्तनयोऽनयोश्च जसिआसंज्ञः सुपर्वप्रियः ।
पौलोमीसुरराजयोरिव जयः पित्रोर्मनःप्रीतिकृद्
विष्णोः सिंधुसुतेव तस्य जसमादेवीति भार्याऽभवत् ॥२५॥

सद्धर्म्मं सृजतोस्तयोः प्रतिदिनं पुत्रावभूतामुभा-
वस्त्येको वजिआभिधः सदभिधोऽन्यो राजिआह्वः सुधीः ।
पित्रोः प्रेमपरायणौ सुमनसां वृंदेषु वृंदारकौ
शर्व्वाणीस्मरवैरिणोरिव महासेनैकदंताविमौ ॥ २६ ॥

आद्यस्य विमलादेवी देवीव सुभगाकृतिः ।
परस्य कमलादेवी कमलेव मनोहरा ॥ २७ ॥

इत्यभूतामुभे भार्य्ये द्वयोर्बांधवयोस्तयोः ।
ज्यायसो मेघजीत्यासीत् सूनुः कामो हरेरिव ॥२८॥ युग्मम् ॥

सुस्निग्धौ मधुमन्मथाविव मिथो दस्राविव प्रोल्लसद्-
रूपौ ख्यातिभृतौ धनाधिपसतीनाथाविव प्रत्यहं ।
अन्येद्युर्बृहदिभ्यमभ्युपगमं श्रीस्तंभतीर्थं पुरं
प्राप्तौ पुण्यपरंपराप्रणयिनौ तौ द्वावपि भ्रातरौ ॥ २९ ॥

तत्र तौ धर्म्मकर्म्माणि कुर्व्वाणौ स्वभुजार्जितां ।
श्रियं फलवतीं कृत्वा प्रसिद्धिं प्रापतुः परां ॥ ३० ॥

काचित्सुदिक्पतिरकब्बरसार्वभौमः
स्वामी पुनः परतकाब्धनृपः पयोधेः ।

यामं तयोरपि पुरः प्रणिनाविमौ स्त-
स्तद्दिगोरमरदोरनयोः प्रसिद्धिः ॥ २१ ॥

तेषां च हीरविजयप्रतिविधुराणां
तेषां पुनर्विजयसेनगुर्नीधराणां ।
वाग्भिर्मुखाकृतसुधाभिरिमौ सहोदरौ
द्राग् द्रू वपि प्रमुदितौ सुकृते बभूवतु. ॥ २२ ॥

श्रीपार्श्वनाथस्य च वर्द्धमान-
प्रभोः प्रतिष्ठां भगवानभिष्टां ।
धनैर्धनैः कारयतः स्म बंधू तौ
वाद्धिपाथोधिकलाविधेऽब्दे १६४४ ॥ २३ ॥

श्रीविजयसेनसूरिर्निर्ममे निर्ममेश्वरः ।
इमां प्रतिष्ठां श्रीसंघचैरवाकरकौमुदीं ॥ २४ ॥

चिंतामणेरिवात्यर्थं चिंतितार्थविधायिनः ।
नामास्य पार्श्वनाथस्य श्रीचिंतामणिरित्यभूत् ॥ २५ ॥

अंगुलैरेकचत्वारिंशता चिंतामणेः प्रभोः ।
संमिता शोभते मूर्त्तिरेषा शेषाहिसेविता ॥ २६ ॥

सदैव विध्यापयितुं प्रचंड-
भवप्रदीपानिव सप्तसर्पान् ।
योऽत्रस्थितः सप्त फणान् दधानो
विभाति चिंतामणिपार्श्वनाथः ॥ २७ ॥

लोकेषु सप्तस्वपि सुप्रकाशं
किं दीपदीपा युगपद्विधातुं ।
रेजुः फणाः सप्त यदीयमूर्ध्नि
मणित्विषा ध्वस्ततमःसमूहाः ॥ २८ ॥

सहोदराभ्यां मुक्तादराभ्या–
 माभ्यामिदं दत्तबहुप्रमोदं ।
व्यधायि चिंतामणिपार्श्वचैत्य–
 मपत्यमुर्व्वीधरभित्समायाः ॥ ३९ ॥

निकामं कामितं कामं दत्ते कल्पलतेव यत् ।
चैत्यं कामदनामैतत् सुचिरं श्रियमश्नुतां ॥ ४० ॥

उत्तंभा द्वादश स्तंभा भांति यत्रार्हतो गृहे ।
प्रभूपास्त्यै किमभ्येयुः स्तंभरूपभृतोऽशवः ॥ ४१ ॥

यत्र प्रदत्तदक्शैत्ये चैत्ये द्वाराणि भांति षट् ।
षण्णां प्राणभृतां रक्षार्थिनां मार्गा इवागतेः ॥ ४२ ॥

शोभंते देवकुलिकाः सप्त चैत्येऽत्र शोभनाः ।
सप्तर्षीणां प्रभूपास्त्यै सद्विमाना इवेयुषां ॥ ४३ ॥

द्वौ द्वारपालौ यत्रोच्चै. शोभेते जिनवेश्मनि ।
सौधर्म्मेशानयोः पार्श्वसेवार्थं किमितौ पती ॥ ४४ ॥

पंचविंशतिरुत्तुंगा भांति मंगलमूर्त्तयः ।
प्रभुपार्श्वे स्थिताः पंचव्रतानां भावना इव ॥ ४५ ॥

भृशं भूमिगृहं भाति यत्र चैत्ये महत्तरं ।
किं चैत्यश्रीदिदृक्षार्थमितं भवनमासुरं ॥ ४६ ॥

यत्र भूमिगृहे भाति सोपानी पंचविंशतिः ।
मार्गालिरिव दुरितक्रियातिम्रानिहेतवे ॥ ४७ ॥

संमुखो भाति सोपानोत्तारद्वारि द्विपाननः ।
अंतः प्रविशतां विघ्नविध्वंसाय किमीयिवान् ॥ ४८ ॥

यद् भाति दशहस्तोच्चं चतुरस्रं महीगृहं ।
दशदिक्पालसद्गोष्ठीसभायेव मंडपः ॥ ४९ ॥

यद्भित्तिरिंदुमणिबद्धविशोभितैर्वा
  रात्रौ हि देवकुलिका इह भूमिधाम्नि ।
कालद्रुमीपदिशनाथपादिंद्रुदेव्य:
  श्रीशान्तुरा. मधुनमन्त्रपदे विनेता: ॥ १० ॥

द्वाराणि सुवर्णानि यत्र भांतीह भूगृहे ।
निषण्णोऽरोहणिान् धर्म्मनिश्रेणय इव ॥ ११ ॥

द्वौ द्वाग्भौ द्वारदेशस्थौ राजतो भूमिधामनि ।
मूर्तिमंतौ धर्मोद्भवर्णेन्द्राविव स्थिरौ ॥ १२ ॥

अन्तारमनपात्रा राजते यत्र भूगृहे ।
मधुरार्थे समायाता धर्म्मोऽस्त्यगारदय: किमु ॥ १३ ॥

भाति भूमिगृहे भूत्यधर्मागारोऽतिसुंदरे ।
मूर्तिरादिजिनयो: सर्वविश्वसंघुरूपंगिता ॥ १४ ॥

श्रीवीरस्य सर्वविद्याविद्युता मूर्तिरुत्तमा ।
श्रीशांतेश्च समविद्यासंयुक्ता भाति भूगृहे ॥ १५ ॥

यत्रोद्भता सरामपि शोभंते दश दंतिन: ।
कुमारज्जिनसेवायै दिक्पाला इवापत्तु: ॥ १६ ॥

यत्र भूमिगृहे भांति सप्तनद भूमारय: ।
भक्तिभाजनमहरम्मिंगमान् हंद्रुमिशोसुराः ॥ १७ ॥

श्रीमत्पार्श्वीर्थभूमिपविनीमास्थूरगं ।
चैत्यं जिनागमेऽस्य विस्मय: कस्य नाभवत् ॥ १८ ॥

दृष्ट्वौ निरातमनत्तं दक्षत. प्रकारं
  यावद् स्वयं सुमनसां पथि कुर्वंतौ ।

सहोदराभ्यां सुकृतादराभ्या-
माभ्यामिदं दत्तबहुप्रमोदं ।
व्यधायि चिंतामणिपार्श्वचैत्य-
मपत्यमुर्व्वीधरभित्तिमायाः ॥ ३९ ॥

निकामं कामितं कामं दत्ते कल्पलतेव यत् ।
चैत्यं कामदनामैतत् सुचिरं श्रियमश्नुतां ॥ ४० ॥

उत्तंभा द्वादश स्तंभा भांति यत्रार्हतो गृहे ।
प्रभूपास्त्यै किमभ्येयुः स्तंभरूपभृतोंऽशवः ॥ ४१ ॥

यत्र प्रदत्तदक्शैत्ये चैत्ये द्वाराणि भांति षट् ।
षण्णां प्राणभृतां रक्षार्थिनां मार्गा इवागते ॥ ४२ ॥

शोभंते देवकुलिकाः सप्त चैत्येऽत्र शोभनाः ।
सप्तर्षीणां प्रभूपास्त्यै सद्विमाना इवेयुषां ॥ ४३ ॥

द्वौ द्वारपालौ यत्रोच्चैः शोभेते जिनवेश्मनि ।
सौधर्म्मेशानयोः पार्श्वसेवार्थं किमितौ पती ॥ ४४ ॥

पंचविंशतिरुत्तुंगा भांति मंगलमूर्त्तयः ।
प्रभुपार्श्वे स्थिताः पंचव्रतानां भावना इव ॥ ४५ ॥

भृशं भूमिगृहं भाति यत्र चैत्ये महत्तरं ।
किं चैत्यश्रीदिदृक्षार्थमितं भवनमासुरं ॥ ४६ ॥

यत्र भूमिगृहे भाति सौपानी पंचविंशतिः ।
मार्गालिरिव दुरितक्रियातिक्रांतिहेतवे ॥ ४७ ॥

संगुप्तो भाति सोपानोत्तारद्वारि द्विपाननः ।
अंतः प्रविशतां विघ्नविवर्जनाय किमीश्वरन् ॥ ४८ ॥

यद् भाति दशहस्तोच्चं चतुरस्र महीगृहं ।
दशदिक्संपदां कोशोपवरकायेव मंडपः ॥ ४९ ॥

षड्विंशतिर्विबुधवृंदविनीर्लदर्पा
  राजंति देवकुलिका इह भूमिधाम्नि ।
आदद्वितीयदिनकरार्यविदुरेभ्यः
  श्रीशम्भुनाः प्रसुनमम्लये किलैताः ॥ १० ॥

द्वाराणि पुनसंख्यानि यंच भांतीह भूगृहे ।
शिवमार्गोऽहोहरिणन् धर्म्मसिंहमुखा इव ॥ ११ ॥

द्वौ द्वाभ्यौ द्वारदेशस्थौ राजतो भूमिधामनि ।
मूर्तिमंतौ धर्मोद्भवशुक्लाविव स्थितौ ॥ १२ ॥

चत्वारश्चमरधरा राजंते यत्र भूगृहे ।
प्रभुपार्श्वे समायाता धर्म्मास्त्यागादयः किमु ॥ १३ ॥

भाति भूमिगृहे मूल्यगर्भागारेऽतिसुंदरे ।
मूर्तिरादिप्रभोः सप्तविंशत्यंगुलसंमिता ॥ १४ ॥

श्रीवीरस्य चतुर्विंशदंगुला मूर्तिरुत्तमा ।
श्रीशांतेश्च पंचविंशत्यंगुला भाति भूगृहे ॥ १५ ॥

यत्रोद्गता धरायाम्नि शोभंते दश दंतिनः ।
युगपज्जिनसेवायै दिशामीशा इवाययुः ॥ १६ ॥

यत्र भूमिगृहे भांति स्तंभाष्ट भूपतयः ।
भक्तिभाजामष्टकर्म्मगजान् हंतुमिवोत्सुकाः ॥ १७ ॥

श्रीमंधतीर्थपूर्भूमिधामिनीमाद्भुतगं ।
चैत्यं चितामणेरस्य विस्मयः कस्य नाभवत् ॥ १८ ॥

एतौ नितांतमनतुं तरुण. प्रकारौ
  यावत् स्वयं सुमनसां पथि पूरयंतौ ।

[illegible]

[illegible] ॥

ॐ नमः ॥ [illegible] ॥

श्रीचिन्तामणिपार्श्वनाथजिनालयना लेखो.

४३०. सं० १९०९ वर्षे फाल्गुनसुदि ६ दिने [illegible] श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिन[illegible]सूरिभिः ॥

९३१. सं० १२८० वर्षे माहशुदि ६ सोमे श्रीउपकेशगच्छे वेसटगोत्रे सा० गोसलाख्य० जेसंगभा० आसधरश्रे० भ्रातृसंघ० श्रा० देसल तत्पुत्रसा० सहजराढसा० साहणसा० समरसिंहपितृव्यसा० छुणा तत्पुत्रसा० सागतसांगणमनुसेश्वतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीकक्कुदाचार्यसं० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

९३२. सं० १३१० वर्षे माघवदि ९ बुधे............मंदसीहेन स्वपितुः सो०.............पै श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपद्(?)मसूरिसंताने श्रीरानगच्छे श्रीहरिभद्रसूरिभिः ॥

९३३. सं. १९२२ वर्षे फागणशुदि ३ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० हलाभा० रंगाईसु०सा० सदासा० वस्तासा० मदनाख्या सा० सदाभा० धर्माईनाम्न्या सु० मलादिकुटुंबयुतया स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुपदेशेन प्र० विधिना श्रीस्तंभतीर्थे ॥

९३४. सं. १९९८ वर्षे ज्येष्ठवदि ८ रवौ उपकेशज्ञातौ श्रीघटगोत्रे देसलशाखायां सा० सूराभा० रामतिपु० सा० सधारणेन भा० पदमाईपु० सहसकिरणसमरसीसहितेन भाईधारवतीपुण्यार्थं श्रीभरनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीउपकेशगच्छे भ० श्रीदेवगुप्तसूरिपट्टे भ० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

९३५. संवत् १९१७ वर्षे फागणशुदि ३ शुक्रे श्रीभावडार(?) गच्छे श्रीश्रीमालीज्ञातीयपं० हांसाभा० हीराईपु० जिणदत्तदेवसीह स्वकुटुंबेन निजपूर्वजनिमित्तं स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीकालिकाचार्यसंतानीयश्रीभावदेवसूरिभिः स्तंभतीर्थे ॥

९३६. सं० १३९९ वर्षे माघवदि ८ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय

श्रे० पेतामा० पेतलदेसु० पांचाकेन पितृमातृभ्रातृपासापरवतपुत्राश्रेयोर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे श्रीश्रीउदयदेवसूरिभिः ॥

९३७. संवत् १५०७ वर्षे माघसु० १३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० जाल्हाभार्या वाऊनाम्न्या तया भर्तुः श्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरिगुरूणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं कारीयाणीवास्तव्यः ॥

९३८. सं० १५१३ वर्षे माघवदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय गां० देवराजभा० देवलदेसु० गां० गहिगाकेन भा० गुरदेसु० युगपाळसहितेन पितृमातृश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः रजोडाग्रामे ॥

९३९. संवत् १६४४ वर्षे ज्येष्ठशुदि १२ सोमे श्रीगंधारवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयवृद्धशाखायां परी० जसीआभा० जसमदेसु० परी० राजीआभा० छलनादेकारितं श्रीसुमतिनाथबिंबं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छाधिराजजगद्गुरुबिरुदधारिविजयमानश्री५श्रीहीरविजयसूरिपट्टालंकारश्रीविजयसेनसूरिभिः शुभं भवतु ॥

९४०. सं० १५१९ वर्षे वैशाखवदि ११ शुक्रे ओसवालज्ञातीयमं० चाचागु० सं० सारंगसु० सं० आसाभा० वीरसु० संघवी गाइआभार्याबाईमाणिकदेव्या श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमं-डेरगच्छे भ० श्रीशांतिसूरिपट्टे श्रीश्रीईश्वरसूरिभिः ॥

९४१. सं० १४२२ वैशाखसु. ११ बुधे श्रीउकेशवंश....
...............................प्र० श्रीकक्कसूरिसंताने श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

९४२. सं० १५२६ वर्षे आषाढशुदि....आणंदपुरवास्तिव्यप्राग्वाट ज्ञा० श्रे० गोवदभा० मालूनाद सुत.....पुत्र देवराजयुतेन कुत्वा

राना । हरदासाभार्यामहिराजेन पा० वल्हादेभार्यामाना पुत्री मोहणादे कुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१४३. सं० १५५६ ज्येष्ठवदि ८ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठिमहिपाल श्रे० हापूश्रेयोऽर्थं श्रे०...हनामाभिधाभ्यां श्रीशीतल-नाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

१४४. संवत् १६१२ वर्षे वैशाखशु० शीमिदिने श्रीसंबुरा-ग्रामे श्रीप्राग्वाटज्ञातीयवृद्धशाखीय बाई दूना नाम सुताव० भणई पुत्रयु० वेगडकारितं श्रीचंद्रप्रभबिंबं श्रीविमलदानसूरिप्रतिष्ठितं शुभ भवतु ॥

१४५. संवत् १५६६ वर्षे....शु० ५ सोमे श्रीसंभवनाथस्य सं० मूलाभा० मणकाईसु० सं० विमलाभार्या स्व० रामाभा० मापीपुत्री पूराई तथा सु० मेरा सं० मारसिंघ सं० श्रीरत्नसुतयुतेन कुटुंब-सहितया स्वमातृश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपा-गच्छे भ० श्रीपुण्यश्रीधर्मरत्नसूरिभिः ॥

१४६. संवत् १५४६ वर्षे ज्येष्ठसुदि ९ सोमे श्रीपत्तनवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० मोताभार्या रूपनादेसुतसा० वजाभार्या विमलादे-सुतसा० पंचायणनाम्ना पुत्रदेवाप्रमुखपरिवारयुतेन श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं श्रीवृद्धतपागच्छाधिराजश्रीउदयसागरसूरिपट्टे श्रीलब्धिसागर सूरि आचार्यश्रीविमलसेनसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

१४७. सं० १५५८ ज्येष्ठसुदि ९ र० श्रीरत्नपुरवास्तव्य सिंहा० श्रीमदश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीदेवसुंदरसूरिभिः ॥

१४८. सं० १५०७ वर्षे वैशाखवदि ११ बुधवारे श्रा० भावडभा० भरमादेविपुत्रलींबाभार्या विमलादेविपुत्र ....मामी.....................पुत्र हापाक.........देवे

पितृमातृश्रे० श्रीआदिनाथ[:]कारितः प्र० श्रीधर्मघोषसूरिपट्टे श्रीअमरचंद्र-सूरिशिष्यश्रीज्ञानचंद्रसूरिभिः ॥

५४९. सं० १३०९ वर्षे चैत्रवदि ९ गुरू थारापद्रीयगच्छे श्रे० घावाभार्यापद्मलश्रेयसे बिंबं का० प्र० श्रीमदनचंद्रसूरिभिः ॥

५५०. सं० १५०३ वर्षे माघशुदि ६ गुरौ श्रीसंडेरगच्छे श्रीयशोभद्रसूरिसंताने हु० श्रे० पदमप० लीबामा० लीलादे प०.... सांतामा० जसमाई प० रयणीयरमा० श्रीकरणेन्या सीपानिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीशांतिसूरिभिः ॥

५५१. सं० १२८७ वर्षे माहशुदि १०..........श्रीगूर्जर-ज्ञातीयठ० दूबासुतठ० वरणिगेन पितृव्य............................ श्रीअजितनाथस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

५५२. ....
..........का० प्र० श्रीविबुधप्रभसूरिभिः पिप्पलाचार्यगच्छे ॥

५५३. सं० १५४७ व० वैशाखशु० ३ सोमे गंधारवासि-प्राग्वाटज्ञा० सा० महिराजभा० रूडीपु० सं० पासवीरकेन भा० पूरी स्वकुटुंबयुतेन अंबिकामूर्ति[:] का० प्र० श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥

५५४. संवत् १३२८ वैशाखशु० ७ सो० ठ० थाषासील-पुत्र्या हीरीश्राविकया आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीनेमिबिंबं कारितं प्र० श्रीशिष्य-श्रीवर्द्धमानसूरिभिः ॥

५५५. संवत् १२७९ ज्येष्ठशुदि १३ भौमे श्रे० सावाधुत्र-हरिचंद्रेण स्वश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं बृहद्गच्छीय-श्रीहरिभद्रसूरिशिष्यैः श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥

५५६. सं० १४७१ वर्षे माघशुदि १० शनौ श्रीमश्रीमा०

आसधरभा० तिहुणश्रेण सा० हांसाकेन पितुः श्रेयसे श्रीअंचलगच्छे श्रीमहीतिलकसूरीणामुपदेशेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च ॥

९९७. संवत् १५२४ वर्षे चैत्रवदि ९ भूमे श्रीश्रीमालीज्ञा० श्रे० डूंगरभा० देल्हणदेसु० सुमण मांडणसुतेन नमिप्र० कारापि० मूर्ति० प्र० श्रीगुणसुंदरसूरिणा ॥

९९८. सं० १४९७ वर्षे ज्येष्ठसुदि २ सोमे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयव्य० हांसणभार्या रूडीपुत्रव्य० पुत्रामल पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं नागेंद्रगच्छे श्रीपद्मानंदसूरिभिः ॥

९९९. संवत् १५२९ वर्षे फागुणसुदि ९ सोमे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयठ० सुगालभा० मदीसु० चांपाकस्य स्वभर्तुः निमित्तं आत्मश्रेयसे भा० हीला तया श्रीनमिनाथपंचतीर्थीश्रीजीवितस्वामिबिंबं कारितं प्रति० पिप्पलगच्छे श्रीगुणरत्नसूरिभिः । मंडुआनगरे ॥

१६०. संवत् १४६८ वर्षे आषाढसुदि ६ रवौ उपकेशज्ञातौ वेसटान्वये चिंचटगोत्रे सा० श्रीदेसलसुतसाधुश्रीसमरसिंहनंदनसा० श्रीस-ज्जनसिंहसुतसा० श्रीसगरेण पितृमातृश्रेयसे श्रीआदिनाथप्रमुखचतुर्विंशति-जिनपट्टकः कारितः श्रीउपकेशगच्छे श्रीककुदाचार्यसंताने प्रतिष्ठितं श्री-देवगुप्तसूरिभिः ॥

१६१. संवत् १७०६ वर्षे ज्येष्ठवदि १ गुरौ श्रीस्तंभतीर्थ-वास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञातीयवृद्धशाखीयगां० सूराभा० बा० हीराई सुतया दो । वादसुतदो । श्रीरामभार्या रामबाईपुत्रस्य परी । वनिआ-दासनिभाहृतायां भागिनेयाय पांजिसुतस्य च- सकलश्रावकगुणमणिभूषित-गात्रस्य नानाविधधर्मकार्यसमर्थनोद्यमु । कीर्तिसुधारससमस्य वेविदासस्य वनितया दानगुणनिर्मितनिर्मलप्रभया सुकृतिकृतिकृत्यादिःपसम्यक्त्वशीलः-शोभितया बा० नारंगदेनाम्न्या श्रीनारंगपुरास्थश्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं

प्रतिष्ठितं च तत्(? स्तु)त(? रि)मति(? रु)णां तत्पदृप्रभावि(भी)तारा-
नातिमीनदरूत्तरपदस्तमनमगुरुविहृत्तरकमद्दा॰ श्रीहीरविजयसूरिपट्ट-
शृंगारण॰ श्रीविजयसेनसूरिपट्टोद्योतकरण॰ श्रीविजयतिलकसूरिपट्टप्रभा-
करण॰ श्रीविजयाणंदसूरीश्वरैः आचार्यश्रीविजयराजसूरिप्रमुखप-
रिवारैः .... ॥ आचंद्रार्कं नंदतात्
श्रीसंघेनश्रीमहावीरबिंबमिदंलिंगपात् ॥

१६२. संवत् १६७२ वर्षे वैशाखशुदि १५ शुक्रे श्रीस्तंभतीर्थे
श्रीहीरविजयसूरिप्रसादात् श्रीसंघेन श्रीपार्श्वनाथबिंबादि नाथ बिंबं
कारितं श्रीतपागच्छेशश्रीहीरविजयसूरिभिः आचार्यश्रीविजयसेनसू-
रिभिः तत् प्रतिष्ठितं सकलश्रीसंघस्य भद्रं भवतु ॥

१६३. संवत् [illegible] ४६ वर्षे संवत् १६७८ वर्षे माघसित ९
[illegible]

१६४. [illegible] संवत् १७०१ [illegible]
[illegible]

आरीपाडो, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

९६५. संवत् १५९१ वर्षे वै० वदि ६ शुक्रे श्रीगंधारवास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयसा० रुपाभार्यया न्ग० पदमपुत्र्या श्रा० हकूनाम्न्या सुतधर्मसिंहभार्याचंद्रमसुतकुटुंबयुतया श्रीअनंतनाथबिंबं श्रीअंचलगच्छे श्रीगुणनिधानसूरीणामुपदेशतः कारितं प्रतिष्ठितं चिरं नंदतु ॥

९६६. संवत् १७६४ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ गुरौ स्तंभतीर्थबंदिरवास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयवृद्धशाखीयश० मेघराजभा० तेमकूभरिसुत मूलाकेन श्रीपार्श्वनाथपंचतीर्थी कारापिता प्रतिष्ठिता तपागच्छे भ० श्रीज्ञानविमलसूरिभिः ॥

९६७. संवत १७६४ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ गुरौ श्रीस्तंभतीर्थबंदिरवास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयवृद्धशाखीयश० मेघराजभा० तेमकूबरिसुतमूलाकेन स्वद्रव्येण श्रीशांतिनाथपंचतीर्थी कारापिता प्रतिष्ठिता श्रीतपागच्छे भ० श्रीविजयप्रभसूरिपट्टे संविज्ञपक्षीयभ० श्रीज्ञानविमलसूरिभिः ॥

९६८. सं० १५२२ वर्षे वैशाखवदि ११ दिने गुरुवारे श्रीरसिद्धिवास्तव्यश्रीश्रीमाल्ज्ञातीयमोनीमाकरभा० वा० सहिजदेपु० ४ सो० गोल्हणगोविंदगोपामासिंघाभा० पूतलि पु० १ भलाकेन स्ववित्तश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं प्र० श्री० पू० प० भट्टा० श्रीगुणसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्र० विधिना श्राद्धैः ॥

९६९. संवत् १७६४ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ गुरौ श्रीस्तंभतीर्थबंदिरवास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयवृद्धशाखीयशा० मेघराजभा० तेमकूबरिसुतमूलाकेन स्वद्रव्येण श्रीआदिनाथपंचतीर्थीबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं च तपागच्छभ० श्रीविजयप्रभसूरिपट्टे संविज्ञपक्षीयभ० श्रीज्ञानविमलसूरिभिः ॥

प्रतिष्ठितं च तत्त्व(? रस्तुत)कारितप्रति(ष्ठा)यां तपागच्छाधि(धी)शपात-साहिश्रीमदकब्बरप्रदत्तजगद्गुरुबिरुदधारकभट्टा० श्रीहीरविजयसूरिपट्टा-लंकारभ० श्रीविजयसेनसूरिपट्टोद्योतकभ० श्रीविजयतिलकसूरिपट्टांबर-भास्करैर्भट्टा० श्रीविजयाणंदसूरीश्वरैः आचार्यश्रीविजयराजसूरिप्रमुखपरि-करितैः .... ॥ आचंद्रार्कं नंदतादिदं श्रीधरणेंद्रश्रीपद्मावतीदेवीसान्निध्यात् ॥

१६२. संवत् १६३२ वर्षे वैशाखशुदि १३ शुक्रे श्रीस्तंभतीर्थे श्रीहीरविजयसूरिप्रसादात श्रीसंघेन श्रीचिंतामणिपार्श्वनाथेति नाम बिंबं कारापितं श्रीमत्तपागच्छेशश्रीहीरविजयसूरिभिः आचार्यश्रीविजयसेनसूरिभिः सह प्रतिष्ठितं समस्तश्रीसंघस्य भद्रं भवतु ॥

१६३. संवत् इलाही ४६ वर्षे संवत् १६१८ वर्षे माघसित ९ सोमे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञातीयप० वनिआरानिभार्या स्वश्रेयसे श्रीस्तंभनकपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे महाना-प्रतिबोधकप्रतिविहितभ० श्रीहीरविजयसूरिपट्टोद्योतकारकभट्टारकश्री१ श्रीविजयसेनसूरिभिः आचार्यश्री १ श्रीविजयदेवसूरिउ० श्रीविम-र्षगणि० उ० श्रीकल्याणविजयग० उ० श्रीसोमविजयग० प्रमुखपरिवार-परिकरिते. ॥

१६४. श्रीमन्नृपविक्रमसमयातीतसंवत् १४९१ आषाढादि ९२ वर्षे शाके १३५७ प्रवर्तमाने मार्गशीर्षशुक्लपक्षे दशम्यां १३ तिथौ शनिवारे [illegible] घटी २८ [illegible]नक्षत्रे सिद्धियोगे [illegible]० १२ समये [illegible] शुभमुहूर्त[illegible] श्री[illegible] श्री[illegible]सूरिप्रतिष्ठितं ॥ बिंबं [illegible] ॥ [illegible] श्रीमदनंदसूरिप्रतिष्ठितं ॥ ([illegible]) [illegible] ॥

मारवाड़, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

९९५. संवत् १५९१ वर्षे वै० वदि ६ [illegible] श्री[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्री[illegible] [illegible] [illegible] श्रीगुण[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ।

९९६. संवत् १५६४ वर्षे [illegible] ५ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्री[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ।

९९७ संवत् १५६४ [illegible] ५ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्री[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्री[illegible] [illegible] श्री[illegible] [illegible] ॥

९९८. सं० १५९६ वर्षे [illegible] ११ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्री[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्री[illegible] [illegible] ।

९९९. संवत् १५[illegible] वर्षे [illegible] ५ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ॥

१७०. संवत् १७६४ वर्षे ज्येष्ठसुदि ९ गुरौ श्रीस्तंभतीर्थ-वंदिरवास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयवृद्धशाखीयसं० मेघजनमा० तत्पुत्रअमिपुत्र मूलाकेन स्वद्रव्येण श्रीअजितनाथपंचतीर्थीबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च तपागच्छाम० श्रीविजयप्रभसूरिपट्टे संविज्ञाशीयम० श्रीज्ञानविज-सूरिभिः ॥

१७१. संवत् १५६१ वर्षे वैशाखसुदि २ रवौ वटपद्रवासि प्राग्वाटज्ञातिसा० गनामार्यागांगीविणिपुत्रसा०ष्ठाकेन पितृव्यमाश्रा० वेमाश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

१७२. संवत् १६०४ वर्षे वैशाख ७ सोमे श्रीपोरवाडज्ञाति-यु० वीरजीभार्याबा० गौरीपुत्रजेराजजिवण श्रीपद्मनाथबिंबं........ ....ःसूरिभिः ॥

१७३. संवत् १६३७ वर्षे वैशाखसुदि १२ रवौ श्रीस्तंभ-तीर्थवास्तव्यश्रीनागरज्ञातीयसा० पताभार्या लीलादे सुतसा० हांसाभार्या हांसल्देनाम्न्या श्रीआदिनाथपंचतीर्थी कारापिता श्रीमत्तपागच्छे भट्टारक-प्रभुश्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठिता शुभं भवतु ॥

१७४. संवत् १५०७ वर्षे फागणव० ९ प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० कडुआभार्याकमलादेसुतइनाकेन भार्याआल्हणदे सुता राजू कुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसूरिभिः तइरवाडावास्तव्य शुभं भवतु ॥

१७५. सं० १५७६ वर्षे वैशाखशु० ६ सोमे उपकेशवंशे वृद्धशाखायां कर्मदीयागोत्रे सा० देवाभा० देवल्देपु० सा० धीरासा० हीराभा०, हीरादेपु० सा० सोनपालभा० पूनी तयोः पुत्रेण मेघराजेन भा० मटकुपु० जइतपालरत्नपालादिपरिवारयुतेन स्वपुण्यार्थं श्रीकुंथु-

[illegible] कारितं प्र० श्रीतपागच्छे श्रीजि[illegible]सूरि[illegible]
चंद्रसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

१७६. सं० १५७१ वर्षे वैशाखवदि ७ रवौ श्रीश्रीमाल-
ज्ञातीय[illegible]
[illegible] श्री[illegible]
श्री[illegible] कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीरस्तु ॥

१७७. सं० १६१९ [illegible] वर्षे वैशाख[illegible] ७ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] प्र० [illegible]
[illegible] ॥

१७८. सं० १६८१ व० वै० सु० ६ [illegible]
[illegible] कारितं [illegible] च
श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

१७९. सं० १६९६ व० [illegible] ८ [illegible]
[illegible]श्रीविजय[illegible]…. .. ………… .. …[illegible]
…………………… ….. ।

१८०. [illegible] वर्षे [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

१८१. [illegible]
[illegible]

नाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छे जगद्गुरुश्रीहीरविजयसूरिविजयराज्ये पट्टालंकारश्रीविजयसेनसूरिभिः प्रतिष्ठितं च श्रीरस्तु ॥

९८२. सं० ११६० ज्येष्ठवदि २ सांतिदेवेण महावीरबिंबं (? बिंबं) कारापितं ॥

९८३. संवत् १९३७ वर्षे वैशाखसुदि १० सोमे दिने श्रीगंधारमंदिरे श्रीश्रीमाल्ज्ञातीयवृ० सहस्रभार्या बाई वाल्हीतयाः पुत्रीवा० अरधूनाम्न्या स्वसुरश्री सो० गणाभार्यामणकाईपुत्रस्य सा० वसुपाल स्वस्य भर्तुः पुनिततश्रीसुविधि९जिनबिंबं कारितं प्र० श्रीवृद्धतपागच्छे भट्टा० श्रीश्रीश्रीउदयसागरसूरिभिः ॥

९८४. सं० १९१७ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ गुरु प्राग्वाटज्ञातीय पारिषमाराभार्यामाहूसुतश्रीवामूणासहितेन आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथ-श्रीविमलस्वामिबिंबं का० प्र० वृहद्गच्छे सन्यपुरीशाखायां भ० श्रीपासचंद्रसूरिभिः शायणाग्रामे ॥

९८५. संवत् १९२२ वर्षे माघवदि २ बुधे सोनी देवचंद. सोनी भीमजी. बाई मनाई मिद्धचक्राः कारापिताः पुण्यश्रीश्रीहीर-विजयसूरिप्रतिष्ठितं ॥

९८६. सं० ११८९ व. का. व० ४ स्तंभतीर्थवास्तव्य [illegible] श्रीमुनिसुव्रतबिंब का० प्र० भ० श्रीविजय[illegible]सूरिभि ॥

९८७. सं० १९२१ व० वैशाख० ९ [illegible] सं० [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥

१८८. सं० १६५४ मा० व० ७ रवौ श्रीअंचलगच्छे श्रीधर्ममूर्तिसूरि[illegible] [illegible] श्री[illegible]बिंबं प्रतिष्ठितं [illegible] संघप्रतिष्ठायां ॥

१८९. सं० १५१९ वर्षे चा० शु० ५ श्री[illegible] गोत्रे सं० [illegible] [illegible] पुण्यार्थं पुत्रादिपरिवारयुतेन श्री[illegible]बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्री[illegible] श्री[illegible]सूरिभिः ॥

[illegible], श्रीपद्मप्रभस्वामिजिनालय.

१९०. सं० १९०८ वर्षे श्री[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्री[illegible]बिंबं कारितं [illegible] [illegible] १९ ॥

१९१. सं० १९०१ वर्षे माघवदि ११ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] बिंबं कारितं ॥

१९२. सं० १५९२ वर्षे वै० शु० ६ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ।

१९३. सं० १५१५ वर्षे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

१९४. सं० १९०१ [illegible] [illegible]

नेन पितृ० चिलामातृ....तश्रेयोऽर्थं चतुर्विंशतिपट्टः कारितः श्रीचंद्रगच्छे श्रीमुनिचंद्रसूरिशिष्यश्रीनेमिचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितः ॥

९९५. सं० १९२० वर्षे वै० शु० ३ त्रिपुरपाटकवासि प्राग्वाटज्ञा० भीमाभार्याकांऊंपुत्रचूणाकेन भार्यावानूपुत्रधनदत्तझांझणादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीतृतीयतीर्थंकरचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीश्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

९९६. संवत् १६४३ वर्षे ज्येष्ठशुदि २ सोमे श्रीप्राग्वाटज्ञातीयसीहाभृतिभार्यामरमादेपुत्रसाहासिंहिसकरणभार्याविनादेपुत्री वाहालबाई प्रेमाईयुतेन स्ववंशश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमत्तपागच्छाधिराजजगद्गुरुश्रीहीरविजयसूरिपट्टप्रभाकरश्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

९९७. सं० १५४४ वर्षे माघशुदि १३ रवौ उपकेशवंशे कर्म्मदियागोत्रे सा० देवापु०सा० धीरामा०धीरादेपु०सा०सोनपालेन भा० पूलिपु० सा० मेघराजयुतेन स्वपुण्यार्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसागरसूरिपट्टे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टमंडनजिनहर्षसूरिसद्गुरुभिः ॥

९९८. सं० १६१२ वर्षे पौषशुदि ६ बुधे भावणायगोत्रे आदकरणश्रीअजितनाथप्रति० श्रीचं० सूरि ॥

९९९. सं० १४३२ व० फागु० शुदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० विरूणसी धणसी पुनसी रणमीभा० लूणादेसुतसहनानिमित्तं सुतडुंगाकेन श्रीपद्मप्रभपंचतीर्थी का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीरत्नशेखरसूरीणामुपदेशेन ॥

१०००. संवत् १४७६ वर्षे वैशाखशुदि ९ ऊकेशवंशे सो० गोईद । राजलदेसुतसो० वीमऊभार्यासो० वील्हणदेपुत्रेण सो०हरपतिना

[illegible] प्रतिष्ठितं [illegible] ।

६०१. संवत् १५८४ वर्षे [illegible] प्रतिष्ठितं च ॥

[illegible], श्री[illegible]

६०२. सं० १५५५ वर्षे [illegible] ॥

६०३. सं० १५६६ वर्षे [illegible] ॥

६०४. सं० १५५७ [illegible] ॥

६०५. संवत् १५५५ वर्षे [illegible] ॥

६०६. सं० १५०० [illegible]

महं. सोमामा० सूरिठश्रेयसे न० पात....ठरूपि श्रा.........तश्रीशांतिः कारितः प्र० श्रीसूरिभिः ॥

६०७. सं० १५९१ वर्षे पौषवदि ९ गुरौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० सा० नागसीमा० जासुसुतसा० वाच्छामार्यया श्राविकाअमकूनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथनीविनस्वामिर्बिवं सद्गुरूणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः श्रीरस्तु ॥

६०८. सं० १५१२ वर्षे आषाढवदि १ श्रीऊकेशवंशे सा० आमूसंताने म० कर्मासाधूपुत्रसा० वच्छाकेन भार्याहसाईप्रमुखपरिवारसहितेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

६०९. सं० १२५९ ज्येष्ठशु० १९ थारागच्छे श्रीशांतिसूरिसंतानेऽकारिटावडग्रामे पानाश्रेयोऽर्थं पौत्रयशश्चंद्रेण श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं ॥ मः १ ॥

६१०. संवत् १६६७ व० वैशाखमासे कृष्णपक्षे ७ तिथौ भृगुवासरे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यलघुशाखायां श्रीमाल्ज्ञातौ सा०वच्छू भा० अछ्बादेपु० वईलाछि श्रीआगमगच्छे श्रीकल्सेन(?)सूरीणामुपदेशेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं.................................तेषा० श्री.... [हे]मसोमसूरिप्र० ॥

६११. सं० १६६७ वैशाखवदि ७ बुधे श्रीस्तंभतीर्थवास्त०य ऊकेशज्ञातीयवृद्धशाखायां सा०धर्मसीमा०धर्मादेसुतसा०कर्मसीभार्या सपमादेसुतउदयवंतरहीयायुतेन स्वकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं तपागच्छे श्रीसोमविमलसूरिपट्टे श्रीहेमसोमसूरिभिः आचार्यश्रीविमलसोमसूरियुतैः प्रतिष्ठितं स्तंभतीर्थे श्रीप्रतिष्ठाकारि श्रा० पाची ॥

६१२. सं० १५३७ वर्षे ज्ये०व० ११ शुक्रे ·आशापल्ली-

[illegible] उकेशज्ञातीय सं० [illegible] ॥

६१३. सं० १४८९ वर्षे फाल्गुनशुदि ९ रवौ [illegible] सं० [illegible] श्रीश्रीपुनिमापक्षीय [illegible] ॥

६१४. सं० १४४७ वर्षे माघशुदि १३ [illegible] श्रीप्राग्वाटज्ञातीय सं० [illegible] ॥

६१५. संवत् १४०८ वर्षे [illegible] ॥

६१६. सं० १४४४ वर्षे [illegible]

[illegible]

सा०श्रीवतिषनपतिसर्वकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्र० श्री-सोमविमलसूरिविजयराज्ये ॥

मांडवीपोल, श्रीआदिनाथजिनालय.

११७. संवत् १४४७ फाल्गुनसुदि ८ सोमे श्रीवाग्नो वोरगोत्रे ठ० रतनपु० नरदेवभार्यावा० नाल्हीपु० ठ० षिरिधारामकर्म-सीहरीचादिभिः श्रीपार्श्वनाथसहिता पंचतीर्थी का०प्र० खरतरगच्छे श्री-जिनमेरुसूरिपट्टे श्रीजिनहितसूरिभिः ॥

११८. संवत् १५२१ वर्षे ज्येष्ठसुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमा-लज्ञातीयश्रे० लाषाभार्यालाषणदेसुतहीराभार्याहीरादेश्रेयोऽर्थं सु-तमाणकेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षीयशोणापुरागसूरि-पट्टे श्रीजिनपुरसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना ऊणाग्रामवास्तव्यः ॥

११९. संवत् १५१० वर्षे फागु० वदि १ शुक्रे सौराष्ट्र-ज्ञातीय० माधाक० गुन्हीसु० श्रे० दाहाक० नयपु०श्रे०माईया [illegible] एते स्वकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का-रितं प्रतिष्ठितं [illegible] श्रीजिनरत्नसूरीणामुपदेशेन विधिना श्रीस्तु ॥

१२०. संवत् १२१४ माहसुदि ५ [illegible] श्रीवाग-[illegible] श्रे० [illegible] [illegible] श्री-[illegible] कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीधर्मसूरिभिः ॥

१२१. संवत् १५०९ वर्षे माहसुदि १३ शुक्रे श्रीश्रीमाल-[illegible] श्रीआदिनाथ-[illegible] ॥

१२२. संवत् १३५० वर्षे वैशाखसुदि...........

नदेवप............नामा सुश्रा..................श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीदेवसूरिगच्छे श्रीवयरसेणसूरिभिः ॥

१२३. सं० १३७१.......... ....केन....ज श्रीवासु-पूज्यबिंबं कारितं प्र० श्रीविबुधचन्द्रसूरिभिः ॥

१२४. सं० १४३० माहवदि २ सोमे.... .....म........प ....नावडगु०..........मातृधरणापुण्यार्थं पंचतीर्थी का० प्र० श्रीधनदेवसूरिभिः बृहद्गच्छे ॥

१२५. स्वस्ति सं० १५१० वर्षे फागुणवदि ५ शुभे.......... ....पुत्रेण सा० सगरेण भा० का० लाडुसुतमा० गङ्गा श्रीवा-गोरा प्रमुखस्वकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्ध-तपापक्षे भ० श्रीविजयतिलकसूरिपट्टे भ० श्रीविजयधर्मसूरिवरैः शुभम् ॥

१२६. सं० १९८१ वर्षे फा० शु० १० वडूआपदीगच्छे सो । अमीभासुत सो । रतन श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्रतिष्ठापितं सुधावरेण सा । श्री तेजपालेन प्रतिष्ठितं ॥

१२७. सं० १२८१ वैशाखसुदि ५ शनौ सिद्धमदश्रे० साम्बविभूश्रे० जयवीर पातूबापू एतेषां श्रेयोऽर्थं सुतगांधिरगोरचेन बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीचंद्रप्रभसूरिशिष्यैः श्रीजिनेश्वरसूरिभि ॥

१२८. सं० १४९१ वर्षे माघवदि १० सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० लूणाभा० फस्मादे पितृमातृश्रेयसे पितृव्यमोक्लपुत्रक श्रेष्ठ हीरा भा० मावडश्रेयसे मरपालपोमाभ्यां श्रीविमलनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारा-पितः प्र० पिप्पलगच्छे भ० श्रीगोविंदसूरिपट्टे श्रीश्रीउदयदेवसूरिभि. श्रीशुभं भवतु ॥

१२९. सं० १५०२ वर्षे ज्येष्ठ० ६ श्रीश्रीमालज्ञातीय-

व्य० हेमामा० रुदीपुत्रव्य० नरमदभ्रातृराघाकेन भार्याशाणीपुत्र-धनानगराजादिकुटुंबयुतेन श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोम-सुंदरसूरिशिष्यश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

९३०. संवत् १६१२ वर्षे वैशाखशुदि ६ बुधे श्रीश्रीमाली-ज्ञातीयवृद्धशाखायां स्तंभतीर्थे सा० समधरण भार्या टाकूसुतसा०.... ....बुढामा० सोनाई..............श्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीविजयदानसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

मांडवीपोळ, श्रीनेमनाथजिनालय.

९३१. संवत् १४३९ वर्षे पौषवदि ८ रवौ प्राग्वाटज्ञातीय पितृश्रेयसेहे मा० माणिकदेपु० हावाभार्या जीणीपु० चांपा सांगा व्य० हावाकेन मातृपित्रोः श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीज-याणंदसूरिभिः ॥

९३२. संवत् १५१६ वर्षे माहवदि ८ सोमे ओसवालज्ञातीय सा० माकडमा० माल्हणदे द्वि० मा० मेलादे पितृमातृभ्रातृनयणश्रेयसे सु० नाथाकेन मा० धनीपु० पदनापोमायुतेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० पूनिमपक्षे भीमपल्लीयम० श्रीपासचंद्रसूरिपट्टे भ० श्रीजयचंद्रसूरीणामु-पदेशेन प्रतिष्ठितं ॥

९३३. सं० १५२१ वर्षे माघशुदि १३ प्राग्वाटज्ञा० सं० हापामा० हांसलदेसुतसं० नासणमा० नागलदेपुत्रसं० नारदेन मा० कर्माईप्र० कु० निजश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसूरिसंताने श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिश्रीसोमदेव-सूरिभिः अहम्मदावादे ॥

९३४. संवत् १५५६ वर्षे वै० शु० ३ आमलेश्वरवास्तव्य-

ओसवालज्ञातीयवृद्धशाखायां से०कर्मामार्याकरमादे श्रीमुनिसुव्रतस्वामि प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीअमररत्नसूरिभिः ॥

मांडवीपोळ, श्रीकुंथुनाथजिनालय.

६४०. संव० १५०६ वर्षे वै० शुदि प्राग्वाटज्ञातीयव्य० विरुआभार्यावीझसुतव्य० नरसिंहेन स्वश्रेयसे श्रीवीरबिंबं का० प्र० तपाग० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

६४१. सं० १४२० वैशाखशुदि १० शुक्रे उपकेशज्ञातीय ....पितृमातृपूर्वज......................श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीहेमसूरिसंताने श्रीहरिभद्रसूरिभिः ॥

६४२. संवत् १६६७ वर्षे वैशाखवदि ७ बुधे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्य ऊकेशज्ञातीयसा० कर्मसीभा० सषमादे स्वकुटुंबश्रेयसे श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं कारितं तपागच्छे श्रीसोमविमलसूरिपट्टधारिश्रीहेमसोमसूरिभिः आचार्यश्रीविमलसोमसूरियुतैः प्रति० स्थंभतीर्थे प्रतिष्ठाकारि श्रा० पांचीकेन ॥

६४३. सं० १५२९ वर्षे वैशाखशुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालिज्ञातीयसा० पुंजाभार्यालीलूसुतसा० सूंटाकेन भा० रानाईसुतनाथा चांदादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे रत्नमयश्रीपार्श्वनाथबिंबे परिकरः श्रीआगमगच्छेशश्रीदेवरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठापितश्च श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः ॥

६४४. संवत् १४७४ वर्षे ज्ये० व० ११ रवौ डीसावाळज्ञातीयमं० नरसीभा० सुहवदेसुतमं० दूदाकेन भार्याफदीभोलीसुतथापागोवनादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपापक्षे श्रीसोममुंदरसूरिभिः ॥

६४५. संवत् १११८ वर्षे पोसवदि १३ गुरे श्रीमाळज्ञा० रम्यगोत्रे मंत्रिधर्मसीभा० रूपणिसुत राणउ परबत पातु परबत-भा० वाल्हीसुतपोपट गोपउ फाडाभा० पुरीपु० कानउपिजउनहिमा-सहितेन पूर्व० श्रेयो० श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे चांद्र सपी म० श्रीमलयचंद्रसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः पासगीना... . . ॥

६४६. सं० १५८६ वर्षे वैशाखशुदि ११ सा० अरसीभा० पानीपु० हरदेभा० हीरापु० नागण श्रीमागमहमा१दकामणलगा-सांग....पु० शीतउ सकुटुंबेन भ्रातृआपणश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

६४७. सं० १५१० वर्षे ज्येष्ठशुदि ६ गुरौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा-तीयठ० वडजापु० ठ० ग़ाहापु०पाताभा०गापुपु०भीमाभा० रूपाईनाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीविरामादिश्रीशीतलनाथादिजिनचतुर्विंश-तिपट्टः श्रीपूर्णिमापक्षे सद्गुरूणामुपदेशेन कारित. प्रतिष्ठितश्च विधिना श्रीस्तंभतीर्थे श्रीर्भूयात ॥

६४८. संवत् १७०६ वर्षे ज्येष्ठसुदि ११ रवौ श्रीस्तंभतीर्थ-वास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञातीयवृद्धशाखायां सा० हीरापुत्रसा० संघवण-केन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं त० श्रीविजयराजसूरिप्रभ० श्रीविजयराजसूरिभिः ॥

कुंभारवाडो, श्रीशीतलनाथजिनालय.

६४९. संवत् १६६७ वर्षे वैशाखमासे कृष्णपक्षे ७ तिथौ गुरुवासरे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यवृद्धशाखायां श्रीश्रीमालज्ञातीयवृद्ध सद् भार्या बाईरत्नाई....पु० सपरिमणुना० दमणंभार्० कोलंहरा रे०

भदास आगमगच्छे भट्टारकश्रीकुलवर्द्धनसूरीणामुपदेशेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना चिरं नंदतु शुभं ॥

६९०. सं० १४०८ वर्षे वैशाखशुदि ९ गुरौ पल्लीवालज्ञातीय पितृश्रे० श्रीखेताश्रेयोऽर्थं मातृआल्हूपुण्यार्थं सुतसमेतेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीचैत्रगच्छे श्रीपद्मदेवसूरिपट्टे श्रीमानदेवसूरिभिः॥

६९१. संवत् १६०४ वर्षे वैशाखवदि ७ सोमे बटरा ? श्रीश्रीमालज्ञातीयदो० वजिकरणभार्याबा० हांसल्देनाम्न्या परमा श्रीसुमतिनाथ श्रीविजयदानसूरिप्रतिष्ठितं ॥

६९२. संवत् १४९९ वर्षे ज्येष्ठशुदि ७ सोमे श्रीमालज्ञातीय पिताकडूआभा० रूपमादेसुत माकड भूंभा तेऊ पितृमातृश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं प्रतिष्ठितं नागेंद्रगच्छे श्रीरत्न[सूरिभिः] ॥

६९३. संवत् १४........वर्षे फागुणशुदि २....प्राग्वाटज्ञातीय ....तेजपाल श्रे०............,.....घर पितृश्रेयसे सुतयुतेन श्रीसंभवनाथ का० नागेंद्रगच्छे प्रतिष्ठितं श्रीगुणाकरसूरिभिः ॥

६९४. सं० १५११ वर्षे माघशुदि ९ रवौ प्रा० श्रे० पासा भार्यांगुहागमिगुनयोगेनेन भार्यामनकाईसुतवीपाकताकडादिकुटुंबयुतेन पितृश्रेयसे श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० तपागच्छाधिराजश्रीहेमविमलसूरिभि ॥

६९५. सं० १३५१ माघशुदि १२ पल्लीवालज्ञातीयपवि० हरिचंद्रसुतसंघ. तेजपालेन मातापाल्हणदेव्या श्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं स्नपनं कारितं ॥

६९६. सं० १५११ व० ज्येष्ठशु० १२ शनौ ओ० ज्ञा० ल० हेमा सं० मा० मिलापेन श्रीसुपार्श्वबिंबं कारितं श्रीकोरंटगच्छे श्रीकक्कसूरिभिः प्रति० ॥

६९७. संवत् १७६५ व०फा०शु० ९ गुरौ श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यसा०चिंदाकिरणमा० मपूबाईसुतसा० जयकरणकेन स्वद्रव्येण भावीजिनश्रीपद्मनाभबिंबं कारि० प्रति० तपागच्छे संविज्ञपक्षे भ० श्रीज्ञानविमलसूरिभिः ॥

घेरडीवाळानी पोळ, श्रीसुविधिनाथजिनालय.

६९८. सं. १५६९ वर्षे वैशाखव० ३ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयवृद्धशाखायां सं०विहुया भा०कडूसुतमाणिकभा० पूतलि मं०मेघराजभा०मयगलदेअनाईसा०धीरामभा०साहिमलदे तत्पु० सं०रामसा दुर्गा आमराज अजयराजप्रभृतिसमस्तकुटुंबश्रेयोऽर्थं मं० मेघराजेन श्रीसुविधिनाथचतुर्विंशतिपट्टबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे भ० पूज्यश्रीविमलरत्नसूरिपट्टे भ० श्रीधर्मरत्नसूरिभिः ॥

६९९. संवत् १४९० वर्षे वैशाखव० ७ उकेशवंशीयम० परगिणभार्यानामलदेसुतमल्हणसीभा० मल्हणदेसुतम०भावाकेन भातृसीवाकेन भातृमंडलिकसंघादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छनायकश्रीसोमसुंदरसूरिभिः श्रेयोऽस्तु ॥

दंताळे पोळ, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

७००. सं० १५४४ वर्षे श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० धनाभ० मरगादिसुतसा० देवराजेन भा०पुरीसुतवीरमालादिकुटुंबयुत० पुत्रश्रमाश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्रति० श्रीसूरिभिः ॥

७०१. संवत् १५७१ वर्षे माहवदि १ शनौ श्रीमालज्ञातीयव० सोनाभार्याकामीसुतहर्षाम्बाश्रीपालजीवेन कलत्रपुत्रादिकुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं श्रीवृ०श्रीरत्नसिंहसूरिपट्टे श्रीउदयसागरसूरिभिः प्रतिष्ठितं विधिना

बहुदरपुरवास्तव्य ॥

६६२. संवत् १३८४ वर्षे चैत्रवदि ९ गुरौ श्रीमन्नागरज्ञा- नागरज्ञातीयवडीयागगोत्रे श्रे०रामापा० रामदेपु०श्रीगोरभक्ति मां०कुंअरसि० सीतापोगानमुरारिसुतेन श्रीमल्लिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं विधिपसे श्रीगुणनिधानसूरिभिः ॥

६६३. संवत् १५५१ वैशाखशुदि ७ सोमे श्रीऊपकेशज्ञातीय व्य०० कान्हडभा० सहजलदेपुत्रहर्षगभार्या रोजूपु० नगराजमहिराज जांवडनगराजेन भा० रंगीपु० धनादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं श्रीकोरंटगच्छे श्रीसर्वदेवसूरिभि. प्रतिष्ठितं ॥

- ६६४. सं० १२४२ वै० शु० १३ ऊकेशभा० देवाभा० कउतिगदेपु० कान्हाकेन महिराजममरामणोरमा०रंगाइसोमागिणि चं- गाईसोमागिणि चंगाईमल्हाईपु० वांदाकीका वांपा सहसराजादिकुटुंबयु- तेन् श्रीपार्श्वनाथबिंबं का०प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिराजैः चंपक- नेरवासि ॥

६६५. सं० १५४९ वर्षे ज्ये०शु० ९ सोमे श्रीश्रीमालीय बोरसिद्धिश० सो० गोविंदभार्यारूपाईसुतसो० गांगाकेन भार्या लखाई- सुतानदुश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंब का० प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुण- रत्नसूरिभिः ॥

श्रीकुंथुनाथजिनालय.

६६६. सं० १५२० वर्षे आषाढशुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० कोरंटीआश्रे० अमराभा० लाछूसुतकडुआकेन भा०कउतिगदेप्रमुखकु- टुंबयुतेन पितृश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वाम्यादिपंचतीर्थी आगमगच्छे श्रीहेम- रत्नसूरीणामुपदेशेन कारिता प्रतिष्ठिता च विधिना राणपुरवास्तव्यः श्रीः॥

६६७. संवत् १५६७ वर्षे माघशुदि ९ गुरौ श्रीश्रीवंशे सा०

महिराजभा० माल्हणदेपु०सा० श्रीराजभा० देमाई पु०मेघाकेन भा० रमादे भ्रातृसा० रत्ना सा० रीडा सा० लालावाघाक्छाप्रमुखस्वकुटुंबसहितेन स्वश्रेयसे श्रीअंचलगच्छेशश्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीअहम्मदावादनगरे ॥

६६८. संवत् १६३२ वर्षे माघशुदि १० बुधे मोढज्ञातीय ठक्करनागाभार्यावाईइंद्राणीपुत्रीबाईहीराईनाम्न्या श्रीशांतिनाथमूलनायकचतुर्विंशतिपट्टः कारापितः श्रीस्तंभतीर्थे तपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितः स्वहस्तेन श्रीश्रीसंघेन महतादरेण श्रीसंघस्य भद्रं भवतु ॥

६६९. सं. १२२८ ज्ये........श्रीश्रीमालज्ञा०श्रे० रूपमाभा० साधुसु० महिराजभा० पूरीपु० सांगणभार्यापद्माईदेव्या आत्मश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतादिचतुर्विंशतिर्वीर्थी कारापिता श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन मंगूकाबास्तव्यः ॥

ऊंटीपोळ, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

६७०. स्वस्ति संवत् १५११ वर्षे माघशुदि ९ गुरौ श्रीगूर्जरज्ञातीयडूंगरीभागोत्रे सा० समधरभा० माई पांचू तयोः पुत्रेण सा० सालिगनाम्ना स्वकुटुंबश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

६७१. संवत् १५०९ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ शुक्रे श्रीकोरंटगच्छे श्रीनन्नाचार्यसंताने श्रीउपकेशवंशे सौगंधिकसाहपनसी३० साह पाल्हाभार्या पाल्हणदेपु० लींबाभा० रंगाईपुत्रसाहमाणिकनाम्ना सुश्रावकेण आत्मपुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यमूलनायकयुक्तचतुर्विंशतितीर्थंकरपट्टः कारापितः प्रतिष्ठितः पूज्यश्रीककसूरिपट्टे श्रीश्रीश्रीसावदेवसूरिभिः साहमाणिकभार्याहर्षाईपुत्रभान्तिर्भवतु ॥

६७२. संवत् १९२८ वर्षे चैत्रवदि १० गुरौ श्रीवीरवंशे श्रे० मांडणभार्याजयतूपुत्रश्रे० कुंपासुश्रावकेण भा० मनीपुत्रकीकाभ्रा० देवसीसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअंचलगच्छाधीश्वरश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीनेमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

६७३. संवत् १९९१ वर्षे वैशाखव० ६ शुक्रे श्रीगंधारवास्तव्यश्रीप्राग्वाटज्ञातीयव्य० कान्हाभा० पोपीमेलादेसु० व्य० वस्तुपालेन भा० वल्हादे प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीवासुपूज्यबिंबं श्रीआगमगच्छे श्रीसंयमरत्नसूरीणामुपदेशतः कारितं प्रतिष्ठितं पूज्यमानं चिरं नंदतु श्रीरस्तु ॥

६७४. संवत् १९४९ वर्षे आषाढशुदि २ शनौ बोरसिद्धिवास्तव्यश्रीश्रीमाल्ज्ञातीयठ० पासाभार्याराजूसुतठ० हरपतिश्रेयोऽर्थं ठ० सिंहाकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीश्रीश्रीउदयसागरसूरिभिः ॥

६७५. सं० १९८४ वर्षे वै० शुदि ८ रवौ श्रीश्रीमालीज्ञा० सा० डुंगरभा० कुंतुसुतसा० हीराकेन भा० राजूसुतसा० हांसासा० पासवीरसा० भोजासु० मेघासिवरानादिपुत्रपौत्रादिपरिवारयुतेन निजश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

६७६. सं० १९२९ वर्षे ज्येष्ठशुदि ३ रवौ श्रीश्रीमालीज्ञा० सं० देवाभा० षांपूसुतसा० रूपाकेन भार्या धूहलगीसुतमांडणमहादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्रति० श्रीसूरिभिः शुभं भवतु ॥

६७७. सं० १९२२ वैशाखशु० ३ प्रा० श्रे० हेमाभा० हूबीसु० शिवाकेन वृद्धभा० पुंनादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्रतिष्ठितं तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

६७८. संवत् १६६१ वर्षे वैशाखसुदि १३ गुरौ श्रीओए-सवंशे धाणडीआशाखायां सा० सानणभार्याप्रहडादेसुतसा० वयमासुश्रा-वकेण भार्यापदमाईसुतसा० श्रीपतिवृद्धभ्रातृसा० सहिजासहितेन श्रीअंचलगच्छेशश्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीभूयात् श्रीस्तंभतीर्थनगरे ॥

६७९. संवत् १६१७ वर्षे पौषव० १ गुरौ बोरसिद्धिवास्तव्य-श्रीश्रीमाल्ज्ञातीयसा० हापाभार्याकुर्माईपुत्र जयवंतनाम्ना श्रीऋषभ का० प्रतिष्ठितं तपाश्रीश्रीश्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

६८०. सं० १६६४ वर्षे ज्येः शु० १२ शुक्रे श्रीओसवंशे सा० श्रीथावरभा० पुनाईसुतजयवंत....वतक श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीलब्धिसागरसूरिभिः ॥

देवाळवाडो, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

६८१. संवत् १५२१ वर्षे वैशाखशुदि ६ बुधे श्रीप्राग्वाटवंशे रुगुसंताने श्रे० भरमाभा० छालीपुत्रदीनानाम्ना श्रीशासुश्रावकेण भा० कूंभरिभ्रातृसदाचांदाचांगासहितेन निजश्रेयोऽर्थ श्रीअंचलगच्छेश्वर-श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

६८२. संवत् १६०७ वर्षे माघशु० १२ शुक्रे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयश्रे० कर्म्मसीभार्याकर्मादेसुतरुलाभा० फदूसुतधनाकेन भा० हीमतिभ्रातृवद्दूआसुतेन पितृमातृश्रेयोऽर्थ श्रीअभिनंदनस्वामिबिंबं कारितं श्रीआगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरिगुरूपदेशेन प्रतिष्ठितं श्रीपत्तनवास्तव्य शुभं भवतु ॥

६८३. संवत् १६८७ वर्षे वैशाखवदि ७ सोमे श्रीश्रीवंशे दो० जणीयाभार्याजसमाई पु० दो० देवाभा० पीमाईपु० दो०

नाकरमा० दीवी लघुभ्रातृ दो० ठाकुरमा० धनाई स्वपुण्यार्थं पितुः दो.... सहितेन श्रीअंचलगच्छाधिश्वरश्रीगुणनिधानसूरीणामुपदेशेन श्रीआदिनाथ-बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीचंपकदुर्गे ॥

६८४. संवत् १६४८ वर्षे माघशुदि ४ अनंतर ९ सोमे गोघिरावास्तव्यः श्रीमालज्ञातीयलघुसाजनिकमं० धनाभार्यामांकूसुतमं० सादासुश्रावकेण भार्यामोळीसुतमाधवभ्रात्रिमं० सूरामं० परवतमं० सिवासहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअंचलगच्छेशश्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुप-देशेन श्रीआदिनाथमूलनायकचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसंघेन॥

६८५. सं० १६२३ वर्षे वै० व० ४ गुरौ सोजीत्रावासि प्राग्वाटज्ञातीयम्य० हापाभार्या हांसल्देसुतम्य० गुणियाकेन भ्रा० राजामा० रमादेसुतम्यव० आसवीर श्रीपाल श्रीरंगादिकुटुंबयुतेन श्री-कुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छेशश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः॥

श्रीआदिनाथजिनालय.

६८६. सं० १४१९ वर्षे ज्येष्ठवदि १२ रवौ नयराळवास्तव्य प्राग्वाटज्ञातीयव्यव० गाहिसभ्रातृनाळाकेन मातापितृव्य० श्रीश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथपंचतीर्थी कारापिता प्र० नायचशाखायां श्रीसाम(ग)रचंद्र-सूरिभिः ॥ ७४ ॥

६८७. संवत् १६८३ वर्षे ज्येष्ठशुदि २ सोमे कडूआमतीगच्छे ओसवंशे वृद्धशाखायां सोनीसोमसीभार्याबा० इंद्राणीसुत सोनीपनी-आकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं सा० तेजपालेन प्रतिष्ठितं ॥

६८८. सं० १९१० व० श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीश्रीमाळ-ज्ञातीयसा० श्रीपाळदृषमा० शिवाभार्याशृंगारदेव्याः पुत्रकुंरसीसहितेन

स्वश्रेयार्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीआगमीआपूर्णिमापक्षे श्रीहर्षरत्नसूरीश्वरेण ॥

चोळापोळ, श्रीसुमतिनाथ (चौमुख) जिनालय.

६८९. संवत् १५२४ वर्षे चैत्रवदि ६ बुधे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रेष्ठिरामाभार्यारामलदेसुतदेवाभार्या धमकूसुतरत्नदेव-राजकेन मातृपितृश्रेयसे श्रीश्रीसंभरनाथबिंबं का॰ प्रतिष्ठितं श्रीविमलसूरिभिः दसाडाग्रामवास्तव्यः ॥

६९०. सं॰ १५२० वर्षे वैशाखशुदि ११ बुधे उपकेशवंशे साधुशाखायां सा॰ डूंगरभा॰ दूल्हादेसुतसा॰ जीवाकेन भा॰ हंसाईपु॰ साहसदसधीरसहसवीरयुतेन श्रीनमिनाथबिंबं का॰ प्रति॰ श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

६९१. संवत १५६१ वर्षे ज्येष्ठशुदि २ बुधे श्रीप्राग्वंशे वृद्ध-शाखायां संघ॰ कुसाभार्यागुरदेपुत्रसं॰ हंसराजभार्याहांसलदेसुश्राबि-कया पुत्रसं॰ हर्षागुरुयकुटुंबसहितया निजश्रेयोऽर्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं का॰ प्रति॰ श्रीपद्मसूरिभि श्रीमंभतीर्थे ॥

६९२. संवत् १५१७ वर्षे वैशाखशुदि १० सोमे श्रीगंधारवा-स्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयठ॰ महिराजभा॰ खाइपुतठ॰सहसाभा॰ वाल्ही ठ॰ सालिगभा॰ आसीठ॰ श्रीरामभा॰ हेमाईठ॰ सरसासुतठ॰ धनदत्त भा॰ हर्षाई एतैरात्मश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृ-द्धतपापक्षे श्रीविजयरत्नसूरिभिः ॥

६९३. सं॰ १४७९ वर्षे श्रीभावदेवसूरिमूर्तिः ॥

६९४. सं॰ १६२६ वर्षे फागणशुदि ८ सोमे श्रीश्रीमाल-

ज्ञातीयमहराजनाजभार्या मरिया पुत्री श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

१९५. संवत् १५१२ वर्षे फागुणवदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमाल ज्ञातीय व्य० वाघा भा० गेलूसुत व्य० वाजासु० दो० [illegible] भा० लक्ष्मीसुत कर्मसीभा० रामति तया आत्म० नि । श्रेयोर्थं श्रीकुंथुजिनबिंबं कारितं प्र० श्रीआगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

गोवटी, श्रीमहावीरस्वामिजिनालय.

१९६. संवत् १६१२ वर्षे शाके १४७८ प्रवर्तमाने [illegible] श्रीराणा० श्रीवाते पुत्रीबाईल्लाई बिंबं कारितं श्रीशांतिनाथ । श्रेयोर्थं प्रतिष्ठितं च श्रीकोरंटगच्छे भट्टारिक श्रीरत्नसूरिभिः श्रीशांतिनाथबिंबं प्रतिष्ठितं शुभं ॥

१९७. सं० १४१९ पोषवदि सोमे उपकेश..........ज्ञा० [illegible] [illegible] श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० उपकेशगच्छे श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

१९८. संवत् १६४४ वर्षे ज्येष्ठसुदि १२ सोमे श्री[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्रतिष्ठितं च श्री[illegible] [illegible] [illegible] श्रीविजयसेनसूरिभिः [illegible] ॥

२००. सं० १११० व० वैशाखसु० ९ [illegible] श्री[illegible] [illegible] ॥

२०१. संवत् १६०० वर्षे ज्येष्ठसुदि २ [illegible] श्री[illegible]

न्यव० अमीपाल रत्नपाल भ्रातृयु० न्य० वीरपालादिसहितेन श्रीचंद्रप्रभबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे श्रीविवेकरत्नसूरिभिः ॥

७०७. संवत् १५९२ वर्षे माघवदि १२ बुधे श्रीमाल्ज्ञा० संघवीमोटामा० कउतिगदेपुत्रसा० रांघसीमा० जीजीश्राविकया स्वपुण्यार्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

७०८. सं० १५२० प्राग्वाटश्रे० पाल्हामार्यामिनूपुत्रश्रे० घनाकेन भार्यारूडीपुत्रहीराजूठाप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः श्रीतपाः ॥

७०९. संवत् १५९४ वर्षे पौषशुदि ९ गुरौ श्रीनिवाणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रेष्ठिवराईभार्यारत्नादेसु० श्रे०वेलामा० वील्हणदेसु० मूलाकेन भार्यागौरीमातृपितृआत्मश्रेयोऽर्थं श्रीपद्मप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीविमलसूरिपट्टे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः मांडलिवास्तव्यः ॥

७१०. संवत् १५६६ वर्षे माघशुदि ५ सोमे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञातीयसा० सागामा० रूपाईसु० तेजाकेन भ्रातृसा० पहिलासु० मीरानागाहांसाप्र० कुटुंबयुतेन श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्र० आगमगच्छे श्रीशिवकुमारसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

७११. सं० १५७० वर्षे माघवदि २ शुक्रे वडउलिवास्तव्यश्रीश्रीमाल्ज्ञा० दोसीठाकुरसीमा० लाडीपु० मोनामा० लीलादेपु० धरणाहर्षामागामहितेन आत्मपुण्यार्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का०प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे चतुर्थशाखीयश्रीधर्मशेखरसूरिपट्टे श्रीश्रीविशालराजसूरीणामुपदेशेन विधिना ॥

७१२. सं० १५४९ वर्षे फा०शु० २ सोमे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञा० सो०माणिकसु० सो०सीहामा० पूतलिसुत

सो० जीवागमालश्रमीयावीएकैः श्रीनेमिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः सूरिभिः ॥

श्रीअजितनाथजिनालय.

७१३. ....व. मार्गशु० ३ रवौ उ० ज्ञा० महाजनीगोत्रे मं० पदमीपु० देपाभा० मेघाईपु० हेमा अराई का० प्र० श्रीको० नन्न ॥

७१४. संवत् १६१२ वर्षे वैशाखसुदि ६ बुधे ओसवालज्ञातीयवृद्धशाखायां सा० जीवराजभार्याधनाईपुत्रीबुधी श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं तपागच्छे श्रीहेविजयदानसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

७१५. सं० १५४७ वर्षे माघशुदि १६ रवौ ऊकेशज्ञा० देवाभा० धा० कउतिगदेनाम्न्या सुतदो० कान्हामहिराजमयराजमणोरम० कुटुंबयुतया निजश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्रति० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः श्री ॥

७१६. सं० १४०४ वर्षे......................रपाल रूपमसी.....................श्रीआदिनाथपंचतीर्थी श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीविद्यार्णवसूरीणामुपदेशेन कारिता प्र० श्रीसूरिभिः ॥

७१७. संवत् १५१२ वर्षे वैशाखशुदि ६ दिने श्रीमालज्ञातीयनाणगोत्रे सं० धा० दौसी० नाल्हापूर्वजश्रेयोऽर्थं तत्संतानीयसा० धा० धरणपुत्रसा० गुणागुणाकरेण श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

७१८. सं० १५२८ वर्षे वैशाखशुदि ६ शनौ श्रीप्राग्वाटज्ञातीयव्य० रत्नाभा० अपूपुत्रधनाकितिरंगलिखपुत्रेन व्य० रत्नाकेन पुत्रीरजुनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७१९. संवत् १५१२ वर्षे माघवदि १२ गुरौ श्रीमाल्ज्ञा० सं० कमण सं० सारंग पु० सं० पोना भातृसं० मोटामा० सं० रुदिगदेव्या पु० सं० दत्ता सं० जावडप्रमुखपरिवारयुतया स्वपुण्यार्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

जीरारपाडो, श्रीचिन्तामणिपार्श्वनाथजिनालय.

७२०. संवत् १५११ वर्षे महाशुदि ९ गुरौ ओएसवंशे वडालीयागोत्रे साहदेवराज तत्पुत्रसा० गुणिआभा० मोली तत्पुत्रमाहकरणाकेन स्वश्रेयसे श्रीआदिजिनबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिपट्टे भट्टारकश्रीगुणसुंदरसूरिभिः ॥

७२१. संवत् १५८९ वर्षे वैशाखशुदि १२ सोमे प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० गोविंदभा० गौरीपुत्रनरपालभार्या...वीपुत्रनाकरभा०पना...दे कुटुंबयुतेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं द्विवंदनीकगच्छे भ० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

७२२. स्वस्ति संवत् १५०८ वर्षे कार्तिकवदि १० गुरौ वृद्धश्रीमालज्ञातीयभ० नासू तस्य भार्याबा० हामू बा० साडुसुतभ० माईआभार्याबा० कूंअरि ताभ्यां स्वकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षीयभ० श्रीविजयधर्मसूरिभिः ॥

७२३. सं० १५१२ वर्षे ज्येष्ठव० ३ रवौ ऊकेशज्ञातीयसीरोहीवा० खाटडगोत्रे पितृपेतामातृनयणूसुततोलाभ्रातृमीदाभा० रूपाईनाम्न्या सुतसिंहदत्तभुणबदूर्जनसल्लसहितया स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं धर्मघोषगच्छे प्रतिष्ठितं श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

७२४. संवत् १५२१ वर्षे वैशाखशुदि ३ दिने सिद्धपुरवासिऊकेशश्रे० धाणिगभार्या० सारूपुत्रगदागणपतिना भा० महूपुत्रहेमा

सामादिपुत्रेन श्रीशांतिबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७२५. संवत् १५६० वर्षे वैशाखसुदि ६ दिने ओसवाल्ज्ञा० वृद्धसंताने मं० ईश्वाभा० मंदूरीपु० मं० गोविंदभा० संपादेसुतसहितेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० श्रीवृद्धतपागच्छे सिद्धाचार्यसंताने प्रतिष्ठितं श्रीवत्सूरिभिः पेटलापवास्तव्यः ॥

७२६. संवत् १६७७ वर्षे कार्त्तिकासितपंचमीगुरौ श्रीपार्श्व पुष्ये संभवनाथे वृद्धशालीय ओसवालज्ञातीयसा० श्रीमल्लभार्या श्रा० सम्पादेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं प्रतिष्ठापितं पातशाहिश्रीसलिम-शाहिराज्ये प्रतिष्ठितं च तपागच्छाधिराजभट्टारकप्रभुश्रीविजयसेनसूरि-पट्टोदयाचलसहस्रकिरणायमानभट्टारकश्रीविजयदेवसूरीश्वरैः स्वपरिवारैः श्रीपादाश्चंद्रार्कं श्रेयोऽर्थं तत्करोमित्य ॥ (पाषाणप्रतिमा) ॥

श्रीशान्तिनाथ जिनालय.

७२७. संवत् १५९० वर्षे वैशाखसु० १२ बुधे ओसवाल-ज्ञातीयश्रे० लाडणभा० टीबुसुतवनाकेन भा० वमादेसुतवालाद्युतेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं कारापितं प्र० श्रीवृद्धतपागच्छे भ० श्रीजिनर-त्नसूरिभिः महानुरवास्तव्यः ॥

७२८. सं० १५९१ वर्षे वैशाखसुदि १२ बुधे.........प्राग्वाटव्यवहारकसुत. श०.........कुंवराप्रमुखेन कारितं प्रतिष्ठितं ....श्रीपार्श्वचन्द्रसूरिभिः ॥

७२९. सं० १५९९ वर्षे वैशाखसुदि ६ सोमे श्रीओसवाल ज्ञातीयगोत्रे सा० वीरपालपुत्रे सा० देवदत्त० धनदत्त० श्रे० ... सा० हरपालभार्याजिनदेवीप्रमुख० ... ... सा० देवसी सा० धन्नी० ... ...

कारापितानि श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनेश्वरसूरिश्रीजिनचंद्रसूरिश्रीअभय-देवसूरिश्रीजिनवल्लभसूरिश्रीजिनदत्तसूरिपट्टानुक्रमे श्रीजिनमाणिक्यसूरि-पट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिप्रतिष्ठितानि सुखं भवतु ॥

७३०. सं० १९२४ वर्षे वै० शु० ९ शनौ श्रीस्तंभतीर्थे प्राग्वाटज्ञा० श्रे० गोधाभा० कूअरिसुतकालाकेन भा० कुतिगदे भ्रातृ मला गेना राजा भा० भावल्दे मर्झादे रंगी सुतवईगासहनामांकाश्रीपाला-दियुतेन स्वपितृव्यश्रे० लांपापुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

भोंयरामां.

७३१. सं० १५०२ डीसावालज्ञातीय जामलिआ गोगन चमकूपुत्रसूराभा० शाणी सूरानुजनरपालगांगीपुत्रसमधरेण भ्रातृमाधवशिव-दाससूराखभा० सोहीपुत्रजसराजहंसराजादियुतेन श्रीआदिनाथचतुर्विंश-तिपट्टः का० प्र० तपाश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

७३२. संवत १६६१ वर्षे वै० शुदि ८ शनौ श्रीओसवाल-ज्ञातीयसा० वीरासुतसा० हकाभार्यालीलीपुत्रीबाईचांदूपितृव्यसा० जिणदत्तभार्याइंद्राणीसुत ४ सिवदास पचा कुरा जयचंद ससुरपक्षे भ्रातृसा० काहनागो० श्रीराजभा० सोमाईसुतसुभगिरभार्यया श्रा० चांदू-नाम्न्या श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे श्रीलब्धिसागर-सूरिभिः श्रीचारित्रसागरसूरियुतैः शुभं भवतु ॥

७३३. सं० १३४६ वर्षे वैशाखशुदि ७ सोमे दिने श्रीसंडेर-.........पुत्रदेवकुमारसुत........ ... .जिनबिंबं कारापितं ॥

७३४. सं० १३९१ माघवदि १ श्रीप्रल्हादनपुरे श्रीयुगादि-देवविधिचैत्ये श्रीजिनप्रबोधसूरिशिष्यश्रीजिनचंद्रसूरिभिः श्रीजिनप्रबो-

षमूरिमूर्तिः प्रतिष्ठिता कारिता...रामसिंहसुताभ्यां सा० मोहाकर्मण श्रावकाभ्यां स्वमातृराईमईश्रेयोऽर्थं ॥ (पाषाणमूर्ति) ॥

७३५. संवत् १३१९ वर्षे वैशाखसुदि ११ रवावद्येह स्तंभतीर्थे थारापद्रीयगच्छे श्रीउदावसहिकायां श्रीमत्पत्तनवास्तव्यश्रीश्रीमाल्ज्ञातीय महं० श्रीआंबूसुतमहं० श्रीयशोराजांगजमहं० श्रीपृथ्वीपालप्रसुतमहं० श्रीउदामहं० श्रीउदयमतिकुक्षिसं....महं० श्रीदेवसिंहस्य मार्यया महं० श्रीप्रिया देव्या स्वश्रेयोऽर्थं भविष्यचतुर्विंशतिजिनप्रतिमाः कारिताः प्रतिष्ठिताः श्रीविजयसिंहसूरिभिः ॥ श्रीपद्मनाभ ॥ १ ॥

७३६. संवत् १६४४ वर्षे ज्येष्ठसुदि १२ सोमे श्रीश्रीमाल्ज्ञातीयसोंढ्वनीभार्याठकराणीपुत्रीमीबाइ श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं श्रीतपागच्छे जगद्गुरुबिरुदधारकश्रीहीरविजयसूरिपट्टालंकार आचार्यश्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

७३७. संवत् १६३७ वर्षे वैशाखसुदि १० सोमे गंधारवास्तव्यश्रीश्रीमाल्ज्ञातीयठ० महिराजभा० सुतठ० सहसाभा० बाल्हीठ० सालिगभा० आसीठ० श्रीराजभा० हंसाईठ० सहिसासुत धनदत्तभा० हर्षाई एतैरात्मश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीविजयरत्नसूरिभिः ॥

७३८. सं० १६१२ वर्षे वैशा०शु० १२ रवौ प्राग्वाटज्ञातीयदो० श्रीशालणभा० कमलीसुतदो० कान्हा भीमा आत्मश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतनाथबिंबं कारापितं तपगच्छनायकश्रीविजयदानसूरीश्वरविजयराज्ये आचार्यश्रीहीरविजयसूरिसुवराज्ये शिष्यपंडितधर्मविमलगणिना प्रतिष्ठितं नंदरबारनगरे ॥

७३९. सं० १५०९ वर्षे पौषसुदि १९ दिने ऊकेशवंशे सा० पुण्यभा० सरूपणदेसुतसा०षलाकेन भा०पंपाईसु० सहसकरणश्रीकरणादि-

कुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यानामेषां ऋद्धिर्वृद्धिर्भवतु कल्याणं भवतु ॥

७४०. संवत १४९१ वर्षे माघशुदि १० सोमे उपकेशज्ञातीयसा० अदामार्याबा० रूपादे तत्सुतेन सा०पोपटाह्वयेन भा०श्रा० धरमाईसहितेन पितृमातृश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकोरंटगच्छे श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

७४१. सं० १५०९ माघे ऊकेशको० नरपतिभा०देमाईपु० को० पूनसीभा० को०मनाभ्रातृनाम्ना सा०वीरपालभा०वाछूपु०नेनाईनाम्न्या पु०, हेमाईयुतया श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः वेडुरवास्तव्यः ॥

७४२. सं० १४९१ वर्षे द्वितीयज्येष्ठवदि ८ रवौ उपकेशज्ञातौ मोचू (?) गोत्रे च साहजेसलभा०साऊंपु०सा० देइयाभा०देवलदेपु० सा०नींबाकेन पित्रोः श्रेयसे पूर्वजनिमित्तं च सुविधिनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० धर्मघोषगच्छे भ० श्रीमलयचंद्रसूरिपट्टे भ०श्रीपद्मशेखरसूरिभिः शुभं भवतु ॥

७४३. सं० १५१९ वर्षे कार्त्तिकवदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० गां० तिहुणासुतमेघाभा० सांपूसुतसारंगभा० अरघूभ्रातृमहसापुत्र मांगणसहितेन पितृमातृभ्रातृआत्मश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीकुंथुनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० श्रीपूर्णि०प्रधानशाखायां श्रीजयसिंहसूरिपट्टे श्रीजयप्रभसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं गेहडीया ॥

७४४. सं० १३८९ वर्षे प्र० आषाढवदि १ रवौ श्रीआंचलगच्छे सा० समधरपुत्र० मसदेव्र धणसीहसुतमजयसीहपुनसीहेन कुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं ॥

७४५. सं० १५३० व० माघशुदि ४ शुक्रे सांघोमगग्रामग्य प्राग्वाटज्ञा० व्य० रामसीभा० सोमीपु० व्य० लालाभा० भटकूनाम्न्या भ्रातृव्य० कालादिकुटुंबयुतया निजश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपाग० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७४६. संवत् १६२२ वर्षे पौषवदि १ रवौ श्रीप्राग्वाटज्ञाति-वृद्धशाखायां सा० पद्माभा० मूलाईसुतसं० मघाभा० हरषादे सुतसं० जिवंद कीका श्रीधर्मनाथबिंबं तपागच्छे गुरुश्रीहीरविजयसूरि प्रतिष्ठितं ॥

७४७. सं० १९१८ वर्षे माघवदि ९ तपागच्छे प्राग्वाटज्ञा-तीयपंचाणेचागोत्रे सा० सारंगभा० गुरदादेपु० देल्हभा० देल्हदे-पु० नापा धना आत्मश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीलक्ष्मी-सागरसूरिभिः ॥

७४८. संवत् १९२१ वैशाखशुदि ९ सोमे श्रीओसवंशे वृद्धशाखीयश्रे० धरणसुतश्रे० सारंगभा० सहजलदेपुत्रश्रे० हरा-भा० मटकूपुत्रश्रे० माणिकजीवाभ्यां पुत्रपौत्रशृंगारिताभ्यां स्वश्रे-यसे श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं श्रीकोरंटगच्छे श्रीनन्नाचार्यसंताने श्रीकक-सूरिपट्टे प्रभुश्रीसावदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितं भलाडाग्रामे ॥

७४९. सं० १९०१ वर्षे ले० मातृभावार्थमणिकदेपुत्र-चरणरामस्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरि-शिष्यश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

७५०. सं० १९११ वर्षे वैशाखशुदि १० शनौ श्रीश्रीमा० श्रे० भीमाभा० रांगु० लालामहाभ्यां पितृश्रे० पवाश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं श्रीपूर्णि० श्रीश्रीश्रीगुणधीरसूरीणामुप० कारितं प्र० विधिना मंडीसटग्रामे ॥

७९१. संवत् १९०८ वर्षे माहशुदि ऊ० टपगो० गो० अं० (!)सा० हेमामा० हेमादेपु० सहिसा मा० डाहीपु० नाथासहितैः सा० मेघानि० श्रीअजितनाथबिंबं कारापितं श्रीसंडेरगच्छे प्र० श्रीशांतिसूरिभिः ॥

जीरारवाडो, श्रीअमीजरापार्श्वनाथजिनालय.

७९२. संवत् १६२२ वर्षे माघवदि २ बुधे श्रीश्रीमाल्ज्ञातीयवृद्धशाखायां सा० मावडभार्यावा० सवूसुतदोसीन(!)नपात्रभार्या बा० जीवादेसुतदो० जयवंतेन श्रीश्रीचतुर्विंशतिपट्टः कारापितः : श्रीतपागच्छे श्री ९ सोमविमलसूरिप्रतिष्ठितं श्री१हीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः ॥

७९३. संवत् १९२० वर्षे मार्ग०शुदि ९ शनौ श्रीप्राग्वाटवंशे सं० कटशामा० गुलदेपु० सिघराजसुश्रावकेण भार्या ठगकुपुत्र श्रीतराजभ्रा० हंमराजभ्रातृव्यपोमराजमं० जसराजसहितेन मातुः श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीश्रीओसवालगच्छे श्रीपद्मसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

७९४. संवत् १९०९ वर्षे माघशुदि १२ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयमा० मेघामा० करमादेसुतश्रीरंगमा० अमरी स्वश्रेयोर्हेतो श्रीश्रीचंद्रप्रभनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः चतुर्दशीपक्षे चैत्रगच्छे श्रीगुणदेवसूरिसंताने श्रीजिनदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितः शुभं भवतु ॥

७९५. संवत् १९९९ वर्षे माघशुदि १२ शनौ श्रीवृद्ध श्रीश्रीवंशे मं० तेजपालभा० गांगीपनीपुत्रमं० कान्हासुश्रावकेण भार्या रमादेपुत्रमं० देवसहितेन श्रेयोर्थं श्रीनमिनाथमुख्यश्रीचतुर्विंशतिपट्टः कारित श्रीविद्याधरगच्छे श्रीधर्मदेवसूरिभिः प्रतिष्ठित ।

७१६. संवत् १५२८ वर्षे फा० व० १२ शे० श्रीमालज्ञा० व्यौ० देवाभा० वाल्ही द्वि० पु० देवसी प्र० पु० श्रीअंबिका का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७१७. सं. १६६० वर्षे वैशाखशु० १२ दि० श्रीश्रीमाल-ज्ञा० श्रा० विमलादेपुत्री श्रा० वीरा श्रीसंभवनाथबिं० का० प्रति० तपाश्रीविजयसेन म० प्रग० श्रीजयविजयग० ॥

७१८. संवत् १६७७ वर्षे मार्गशीर्ष ९ रवौ श्रीहीरविजय-सूरिपट्टप्रभाकरभट्टारकश्रीविजयसेनसूरीश्वराणां मूर्तिः भट्टारकश्री.......
.... ॥

जीरारवाडो, श्रीमनमोहनपार्श्वनाथजिनालय.

७१९. सं० १४८९ वर्षे वै० शु० ३ उकेशज्ञा० व्य० माला पुण्यनाभा० .... भ्रा० मेघाभा० कमलादेपु० माणिक हीरा वीरा भा० भीविणिप्र० कुटुंबयुतेनात्मश्रेयसे श्रीसुमति-नाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीदेवसुंदरसूरिपट्टभूषणश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्य-श्रीमुनिसुंदरसूरिभिः ॥

७२०. संवत् १५१९ वर्षे ज्येष्ठवदि ९ बुधे स्तंभतीर्थे श्रीपोरवाडवंशे देवश्रीआदिनाथ.......के श्रीआगमगच्छे आचार्यश्री-गुणसेनसूरिसंताने आचार्यश्रीमित्र...........सूरिभिः स्वश्रेयसे श्रीदा-दामूर्तिः कारापिता स्वयं प्रतिष्ठिता शुभं ॥ (पाषाणमूर्ति)

जीरारवाडो, श्रीअरनाथजिनालय.

७२१. संवत् १५१६ वर्षे चैत्रवदि ९ सोमे श्रीवृद्धश० वास्तव्य उकेशज्ञातीयसं० वद्भाभा० कुंअरिपुत्रसं० कालाकेन स०

७९१. संवत् १९०८ वर्षे माहशुदि ३० टगो० गे० अं० (!) सा० हेमाभा० हेमादेपु० सहिमा मा० डाहीपु० नायासहितैः सा० मेयानि० श्रीअजितनाथबिंबं कारापितं श्रीसंडेरगच्छे प्र० श्रीशांतिसूरिभिः ॥

जीरारवाडो, श्रीअमीजरापार्श्वनाथजिनालय.

७९२. संवत् १६२२ वर्षे माघवदि २ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीयवृद्धशाखायां सा० मावडभार्यावा० सवूसुतदोसीन(!)नयाभार्या बा० जीवादेसुतदो० जयवंतेन श्रीश्रीचतुर्विंशतिपट्टः कारापितः. श्रीतपागच्छे श्री ५ सोमविमलसूरिप्रतिष्ठितं श्री५हीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः ॥

७९३. संवत् १९२० वर्षे मार्ग० शुदि ९ शनौ श्रीप्राग्वाटवंशे सं० कल्हाभा० गुरूदेपु० सिवरामसुश्रावकेण भार्या टणकूपुत्र जीवराजभ्रा० हंसराजभ्रातृव्यमोनराजसं० जसराजसहितेन मातुः श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीश्रीओसवालगच्छे श्रीककसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

७९४. संवत् १९०६ वर्षे माघशुदि १३ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० मेहाभा० करमादेसुतश्रीरंगभा० अमरी स्वश्रेयोहेतवे श्रीश्रीचंद्रप्रभनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः चतुर्दशीपक्षे चैत्रगच्छे श्रीगुणदेवसूरिसंताने श्रीजिनदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितः शुभं भवतु ॥"

७९५. संवत् १९९३ वर्षे माघशुदि १२ शनौ श्रीधंधूके श्रीश्रीवंशे मं० तेजपालभार्यागोमतीसुतमं० कान्हासुश्रावकेण भार्या धरमादेपुत्रमं० देवासहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीनमिनाथमुख्यश्रीचतुर्विंशतिपट्टः कारितः श्रीपिप्पलगच्छेशश्रीधर्मवल्लभसूरिभिः प्रतिष्ठितः ।

७१६. संवत् १५२८ वर्षे फा० व० ११ श्रे० मांमणभा० रुपीपु० देवाभा० मल्ही द्वि० पु० देवसी प्र० सु० श्रीजेविरा का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७१७. सं. १६६० वर्षे वैशाखशु० १२ दि० श्रीश्रीमाल-ज्ञा० श्रा० बिमडादेपुत्री श्रा० वीरा श्रीसंभवनाथबिं० का० प्रति० तपाश्रीविजयसेन म० प्रग० श्रीनयविजयग० ॥

७१८. संवत् १६७७ वर्षे मार्गशीर्ष ९ रवौ श्रीहीरविजय-सूरिपट्टप्रभाकरभट्टारकश्रीविजयसेनसूरीश्वराणां मूर्तिः भट्टारकश्री........ .... ॥

जीरारवाडो, श्रीमनमोहनपार्श्वनाथजिनालय.

७१९. सं० १४८९ वर्षे वै० शु० ५ उकेशज्ञा० म० मालासुतधनामा० राजूसुतमलाकेन भा० गेपामा० कमलादेपु० माणिक हीरा वीरा भा० जीविणि० कुटुंबयुतेनात्मश्रेयसे श्रीसुमति-नाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीदेवसुंदरसूरिपट्टभूषणश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्य-श्रीमुनिसुंदरसूरिभिः ॥

७२०. संवत् १६४९ वर्षे वदेशवदि ९ बुधे स्तंभतीर्थे श्रीओसवालैज्ञाते देवश्रीआदिनाथ.......वो श्रीतपागच्छे आचार्यश्री-गुणरत्नसूरिसंताने आचार्यश्रीजिन..........सूरिभिः स्वश्रेयसे श्रीशार-दामूर्तिः कारापिता स्वयं प्रतिष्ठिता शुभं ॥ (पाषाणमूर्ति)

जीरारवाडो, श्रीचन्द्रनाथजिनालय.

७२१. संवत् १५६६ वर्षे चैत्रवदि ५ सोमे श्रीउकेश-ज्ञातीय उकेशगोत्रे सं० वडुआमा० पूर्तिसुत सं० ...केन का०

माकूपुत्रसहदेलटकणादिपंचपुत्रयुतेन श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

७६२. सं० १६९३ वर्षे का० सित० ८ दिने प्राग्वाट-ज्ञातीयसा० पोपटभार्या वीरा तत्सुतसा० अर्जुनकेन श्रीवासुपूज्यबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छाधिराजश्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

७६३. संवत् १४२१ वर्षे चैत्रशु० १३ शुक्रे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयश्रे० वीरमभा० हीमादे भ्रा० नानु बानु • पु० मेवाकेन श्रीपार्श्व-नाथबिंबं का० श्रीरत्नशेखरसूरि उप................ ॥

७६४. सं० १४९९ आषाढशुदि ३ गुरौ श्रीश्रीमालीज्ञा० वृद्धशाखीयम० ठाकुरसीपु० म० मणोरसीभा० हर्षूपुत्रमहं० सहणकेन समस्तपूर्वजमातृपितृश्रेयोऽर्थं मूलनायकश्रीश्रीअभिनंदनजिन-चतुर्विंशतिपट्टः कारितः प० श्रीकोरंटगच्छे नन्नाचार्यसंताने श्रीकक्कसूरि-पट्टे श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

७६५. सं० १५१८ वर्षे ज्येष्ठशुदि २ शनौ उपकेशज्ञातौ कुकुटगोत्रे साह ऊदापुत्रसाहल्लापुत्रसाहगणपतिपु० सा० हरिराजेन भा० हमीरदेपु० समरसी जमणसी रत्नसी विजयसी पु० सा० धर्मसी श्रे० श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीउपकेशगच्छे ककुदाचार्यसंताने श्रीकक्कसूरिभिः श्रीः ॥

७६६. सं० १५९२ वर्षे वैशाखवदि १२ सोमे प्राग्वाट-ज्ञातीयश्रे० हरपाछ भापर मं० धनाभा० धरमादे पु० जागुभूपति-नाथाभा० करमादे भीवाभा० छीठादे मातृ० भ्रातृश्रेयोऽर्थं श्रीशीतल-नाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीनागेंद्रगच्छे भ० श्रीसोमरत्नसूरि तत्पट्टे श्रीहेमसिंहसूरिगुरुरे वा(ण) ॥

७६७. सं० १५०७ वर्षे वैशाखवदि ६ गुरु श्रीमाल्ज्ञातीय-श्रे० देपलभा० साल्हूपुत्रछीबावेन भा० पूरीसहितेन आत्मश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० सिद्धांतीयगच्छेशश्रीसोमचंद्रसूरिभिः ॥

७६८. सं० १५९१ प्राग्वाटीयश्रे० हांसगभा० देल्हणदे पु० धरणिरोला पुत्रश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीरत्नाकर-सूरिशिष्यश्रीसोमतिलकसूरिभिः ॥

७६९. संवत् १५७६ वर्षे आसाढसुदि ९ गुरौ ओसवालज्ञा० वृद्धशाखीयसा० धर्मणभा० धर्मादेपुत्र्या तथा सा० सहसकिरणभार्यया सोनाईनाम्न्या श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं कोरंटगच्छे श्रीनन्नसूरिभिः मातरग्रामे ॥

७७०. संवत् १५७१ वर्षे वैशाखसुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालीज्ञा० श्रे० सांइयाभा० भरघूसुतश्रेष्ठिसा० उजाभा० रत्नादेपुत्रमयधनगाहितेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीनागेंद्रगच्छे प्र० श्रीपद्मरत्नसूरिभिः ।

७७१. संवत् १७२१ वर्षे ज्येष्ठसुदि २ रवौ स्तंभतीर्थवास्तव्य-प्राग्वाटज्ञातीयवृद्धशाखीयसा० नागसुतसा० कालमसीभार्याबाईवाघट-नाम्न्या श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं च तपागच्छीयप० श्रीविजयाणंदसूरिपट्टालंकारभट्टारकश्रीविजयराजसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

संघवीपाडो, श्रीसोमपार्श्वनाथजिनालय.

७७२. सं० १५६२ वर्षे वैशाखसुदि ६ शनौ श्रीवृद्धशाखीय उकेशज्ञा० सा० गुणिआभार्यापजबाईसुतसा० समरसिंहेन भार्या रूपाई प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीओसवालगच्छे श्रीसूरिभिः ॥

७७३. संवत् १६०४ वर्षे वैशाखवदि ७ सोमे श्रीश्रीमाली-

ज्ञातिसा० गणपतिपुत्रगोविंदभार्या बा० गोराई सा० नारायण सा० हरजी सा० देवा बा० रूडी .१६ श्रीशांतिनाथबिंबं श्रीविनयदानसूरिप्रतिष्ठितं ॥

७७४. संवत् १५६० वर्षे ज्येष्ठवदि ७ बुधे श्रीश्रीमाल्ज्ञातीय साहगणपतिभार्या रंगाई तत्सुत सा० जगा सा० राजा सा० गोविंद जगाभार्याजासल्देनाम्न्या निजकुटुंबयुतया श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुपदेशेन स्तंभतीर्थे श्रीरस्तु ॥

७७५. संवत् १५२१ वर्षे आषाढशुदि २ गुरौ ओसवंशे सा० सीमाभा० सीमादेपुत्रसं० करणाभा० सोमीपुत्रसं० श्रीवंतेन भा० पव्हाईप्रमुखकुटुंबसहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्वपितृपूर्वजश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीरस्तु ॥

७७६. सं० १५५३ वैशा० व० १० शुक्रे श्रीवायडीयश्रे० रूणासुतश्रे० वीसलेन पितृमातृ आत्म....प्रभृतिश्रेयसे श्रीवायडगच्छीयश्रीजीवदेवसूरिभिः श्रीचतुर्विंशतिपट्टः कारित प्रतिष्ठितः ॥

७७७. संवत् १५२२ वर्षे माघशु० ६ सोमे उकेशवंशे सा० सरवणभा० वाछूसुतसा० वाघाभा० तेजूदेसुतसा० राणाकेन भा० आपूप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीसुमतिनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० स्वश्रेयोऽर्थं प्र० तपागच्छेशश्रीश्रीश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थनगरे ॥

७७८. संवत् १५११ वर्षे वैशाखवदि ९ बुधे श्रीओसवंशे सा० हांसाभा० हर्पूपुत्रसा० गुणीआभा० गमाईप्रमुखसा० मेघाभा० ....सुश्रावकेण भार्या वीराई वृद्धभ्रातृसा० कुंआ लघुभ्रातृदेपालप्रमुख

गुरुयकुटुंबसहितेन स्वमातुः श्रेयोऽर्थं श्रीअंचलगच्छे श्रीभावसागरसूरिगा-
सुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन श्रीपत्तने ॥

७७९. सं. १५२८ आषाढसुदि २ दिने श्रीउकेशवंशे सा०
सायरपुत्रसा० मांडाभार्याभावलदेवीपुत्रेण सा० पूनाश्रावकेण भ्रातृ-
सा० चोगाप्रमुखपरिवारसहितेन श्रीचंद्रप्रभबिंबं कारितं प्र० श्रीखरतर-
गच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

७८०. संवत् १६२२ वर्षे माहवदि ९ बुधे वहदगावास्तव्य
प्राग्वाटज्ञातिशृंगारमंत्रिजिणदासभार्याहीरूपुत्रमं० कीकाभार्याकर्मादेवी-
पुत्रहंसराजभार्याइंद्राणीपुत्रधनराजमहीराजीहरजीप्रमुखसमस्तकुटुंबयुतेन स्व-
श्रेयोऽर्थं श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं श्रीतपागच्छे श्रीआणंदविमलसूरि तत्पट्टे
श्रीविजयदानसूरि तत्पट्टे भट्टारकप्रभुश्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं
खंभायतीयें शुभं भवतु ॥

७८१. सं. १९१० उकेशज्ञातीयगोत्रे सं. साल्हभार्या बल्हादे
पुत्रसं. वासदेवपत्न्या सो. सिंगारदेपुत्र्या सं. बा. सिरिमल्दा
पुत्रसं. रणपति संमारठंई आसा रामा जयता पौम हीरा काला बीरा ठाकुर
जयसिंघ मगरी रत्नादिपुत्रया श्रीपार्श्वबिंबं कारितं प्रतिष्ठित श्रीसूरिभि ॥

संघवीपाडो, श्रीविमलनाथजिनालय.

७८२. संवत् १६११ वर्षे फागुणसुदि अष्टमी सोमवासरे
श्रीमत्तपागच्छाधिराजश्री५श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीश्रीमाल
ज्ञातीयमहरानभार्या बाई बयराई सुत कुंभरजी श्रीमजी रायजी
देवजी युतेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं स्वश्रेयसे ॥

७८३. संवत् १६११ वर्षे वैशाखसुदि १० रवौ श्रीश्रीमा-
लज्ञातीयवृद्धशाखायां सा०...पुत्रसा०...श्रीवाला० ...देपुत्री...

रतनपाल श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छगुरुश्रीविनयदानसूरि
प्रतिष्ठितं ॥

७८४. संवत् १९१७ वर्षे माघशुदि १ शुक्रे श्रीश्रीवंशे ल्य
सालिगभार्या ठहिकूपुत्रव्य० वेलासुश्रावकेण. भार्याकुंअरिपुत्रदेवदा
गंगदाससहितेन श्रीश्रीश्रीअंचलगच्छेश्वरश्रीश्रीश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदे
शेन पितृमातृपुण्यार्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघे
श्रीरस्तु डहिरवालाग्रामवास्तव्यः ॥

७८५. संवत् १६३१ वर्षे पौषमासे. कृष्णपक्षे षष्ठीदिने
रविवासरे श्रीस्तंभतीर्थनगरे श्रीओसवंशे वृद्धशाखीयसा० जिइतसी
भार्याजिइतलदे सुनी वनाई श्रीविमलनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीतपा-
गच्छनायकश्रीश्रीहीरविजयसूरीश्वरैः प्रतिष्ठितं शुभं भवतु ॥

७८६. संवत् १४८९ वर्षे माहशुदि १० शनौ ऊकेशज्ञातीय
श्रे० नाथाभार्या धानू पु० सा० मडुणाकेन भार्यापूरीप्रमुखकुटुंबयुतेन
स्वश्रेयसे श्रीजिनश्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीदेव-
सुंदरसूरिपट्टधरश्रीसोमसुंदरसूरिराजैः सुविहितचूडामणिभिः ॥

चोकसीनी पोळ, श्रीविमलनाथजिनालय.

७८७. संवत् १९४४ वर्षे माघशुदि १६ रवौ ओसवालज्ञातीय-
लघुशाखायां सा० भवा भा० हांसूसुतवीरपालेन. भा० गीआरे-
प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीपूर्वनायकश्रीसुमतिनाथमुखचतुर्विंशतिपट्टः कारितः
प्रतिष्ठितः श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीधर्मरत्नसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः ॥

७८८. संवत १९२१ वर्षे वैशाखशुदि ३ प्राग्वाटज्ञातीय-
व्य० राउउभार्यागीसुपुत्रसपाकेन भार्यागउरीपुत्रवनावनादयादिकुटुंब-
युतेन. स्वश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः

तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः शुभं भवतु ॥

७८९. संवत् १६२० वर्षे पौषवदिचतुर्थीदिने सोमवासरे श्रीमालीज्ञातीयदो० रीडामा० बाईजीबाईसुतदो० मेघजीनाम्ना श्रीवासुपूज्यप्रतिमा कारिता सकुटुंबनिजश्रेयोऽर्थं प्रतिष्ठिता च श्रीतपागच्छनायकभट्टारकप्रभुश्री५श्रीहीरविजयसूरिभिः श्रीपत्तननगरे श्रीरस्तु ॥

७९०. संवत् १५१३ वर्षे पौषव० २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय-संघवीगोगाभार्यारतनादेसुतधीराभार्यारांकुसुतसिवाकेन मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षीयश्रीसाधुरत्नसूरीणामुपदेशेन श्रीसंघेन विधिना धाव्याग्रामवास्तव्यः ॥

७९१. संवत् १६८७ वर्षे पौषशुदि १३ श्रीवीसलनगरवास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयवृ० हरपतिभा० हीरादेपुत्रपटुआहेमराजकेन भगिनीरत्नूभा०ममकीप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीश्रीश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

७९२. सं० १५५२ वर्षे माघव० ८ शनौ ऊकेशवंशे सा० देवा पु० सा० कोंपाभा० वीजूपु० धामिणधर्माभा० जीवादेसं० कुरपालभा० कमलादेपुत्रसं० गोइंदभा० गांगीपु० सं० देवाभा० देवलदेपु० सा० रामाभा० रमाईपुत्रसं० हेमाकेन भ्रातृसं० तोमासं० लापासं० हेमापुत्रमगमाउ जिणराज सं० धीराभार्याधिंगारदेपु० महिपालसं० टाटाभार्या छाजलदेपुत्रमयाराजप्रमुखकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीश्रीश्रीअजितनाथबिंबं चतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीमंडा(डे)रगच्छे श्रीशांतिसूरिभिः ॥

७९३. सं० १४१० माघव० १ रवौ उपकेशज्ञा० श्रे० सलखाभा० सलखणदेपुत्रगुणराजभा० [illegible] श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीनाणकीयगच्छे श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥

७९४. संवत् १६१७ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ सोमे श्रीपत्तनवास्तव्ये

श्रीओसवालज्ञातीयपरी० माल्हाभार्यावाईमरघाईपुत्रनयवंतभार्याकोवाई श्रीवंतभार्याटांकूपुत्रीकसतुराई बिंबं श्रीअनंतनाथ कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीतपापक्षे श्रीविजयदानसूरिभिः कल्याणं शुभं भवतु ॥

चोकसीनी पोळ, श्रीचिन्तामणिपार्श्वनाथजिनालय.

७९५. संवत् १२०५ वर्षे ज्येष्ठशुदि ३ रवौ कान्हाभार्या सा....श्रेयोऽर्थं चांदलालाकयोः कारापिता ना" (इ)लगच्छे ॥

७९६. संवत् १५१७ वर्षे माहशुदि १० सोमे श्रीश्रीवंशे श्रे० मांडणभा० फदूपु० राजासुश्रावकेण भा० हर्षूभ्रा० मनामहालाषा-सहितेन श्रीअंचलगच्छेश्वरश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन पितृमातृश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

७९७. संवत् १५२२ वर्षे वैशाखशुदि १३ गुरौ श्रीश्रीमा-लीज्ञातीयश्राविकागांगीनाम्न्या भ्रातृव्यपुत्रनिटहीत(!) श्रे० कर्मसी-मा०नामल तया स्वश्रूनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्र० पूर्णिमागच्छे श्रीराजतिलकसूरिभिः ॥

७९८. संवत् १५०५ वर्षे प्राग्वाटज्ञातीयव्य० मल्लाकेन निज-भगिनीव्य० घनाभार्याचांपूश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीजयचंद्रसूरिभिः उदवावास्तव्यः ॥

७९९. सं० १५०३ वर्षे आषाढवदि ७ सोमे ऊकेशवंशीय-गोठीचांपाभार्या श्रा०चांपल्दे तयोः सुतगोठीसोनपालेन स्वकुटुंबश्रेयसे श्रीशांतिबिंबं कारितं प्र० श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

८००. संवत् १५१३ वर्षे माघवदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा-तीयश्रे० पाताभा०माणिकिश्रे० चापूक० चांपल्देसुताकोईश्रेयोऽर्थं पातासुतेन वर्द्धमानेन क० वउल्देयुतेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः सोपलीवास्तव्यः ॥

८०१. सं० १२०.........शु.......................सीहमार्या नायकपुत्रनयना.......................मातृपितृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीअमरप्रभसूरिशिष्यैः श्रीज्ञानचंद्रसूरिभिः॥

८०२. संव० १६१२ वैशाखमासे शुदि ९ प्राग्. ज्ञातीय श्रे० पासडसु० पचामा० पूजापु० श्रे० अर्भनसं० सहमाभार्यातिलो तयोः आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनंदनाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीविजयधर्मसूरिभिः ॥

८०३. सं० १३६६ ज्येष्ठ वदि ८ श्रे० दीणासुतश्रे० आमाश्रे० बीकमाभ्यां मातृआछिश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं बृहद्गच्छे श्रीहेमप्रभसूरिशिष्यैः श्रीपद्मचंद्रसूरिभिः ॥

८०४. सं० १५०७ वर्षे ज्येष्ठसुदि १० सोमे श्रीस्तंभतीर्थीय-सौवर्णिकज्ञातीयसो० कर्मसीभा० रांऊंपुत्रावाल्हनाम्न्या श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

८०५. सं० १४७९ वर्षे..........श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० वईआमा० वनीसुतडूंगरेण भा० लालूसुतसमधरादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीश्रीधर्मनाथचंवतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता श्रीसूरिभिः ॥

८०६. संवत् १५१२ वर्षे वैशाखसु० १० गुरौ गूर्जरज्ञातीय वि. जेसाभार्यानाल्हपुत्रविमानाधामार्यामकीसुतआइयाभिधानेन निजपितुः श्रेयसे श्रीआदिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारापितः श्रीआगमगच्छे श्रीजिनराजसूरि तत्पट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं कल्याणं भूयात् घोघाबास्तव्यः॥

८०७. सं० १४७७ वर्षे मार्गव० ४ उकेशवंशीयमं० कालामा० रणादेसुतमं० सिंहाकेन भा० देवलदेपुत्रमं० लांपा सत्मा भामरदेवाआदिपुत्रेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिगुरराजैः श्रीः श्रीः ॥

श्रीओसवालज्ञातीयपरी० मालाभार्याबाईमरगाईपुत्रमयांतभार्याकोदां श्रीवंतभार्यांक्रूपुत्रीकस्तुराई बिंबं श्रीअनंतनाथ कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीतपापक्षे श्रीविजयदानसूरिभिः कल्याणं शुभं भवतु ॥

चोकसीनी पोळ, श्रीचिन्तामणिपार्श्वनाथजिनालय.

७९५. संवत् १२०१ वर्षे ज्येष्ठशुदि ३ रवौ कान्हाभार्या सा....श्रेयोऽर्थं मांदणठाकुरयोः कारापिता ना" (?)गच्छे ॥

७९६. संवत् १५१७ वर्षे माहशुदि १० सोमे श्रीश्रीमाले० मांडणभा० फडूपु० राजासुश्रावकेण भा० हर्पूभा० मनामेहाजा-सहितेन श्रीअंचलगच्छेधराधीशजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन पितृमातृश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

७९७. संवत् १५२१ वर्षे वैशाखशुदि १३ गुरौ श्रीश्रीमालीज्ञातीयश्राविकागांगीनाम्न्या आत्मपुत्रनिःहीन(!) श्रे० कर्मसी भा०नायक तथा दातूनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्र० पूर्णिमागच्छे श्रीराजतिलकसूरिभिः ॥

७९८. संवत् १३०३ वर्षे प्राग्वाटज्ञातीयठ० मदनेन निज-[illegible] भार्याधांधूश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं [illegible]श्रीनयचन्द्रसूरिभिः [illegible] ॥

७९९. सं० १५०१ वर्षे आषाढवदि ७ सोमे [illegible] [illegible] भा० [illegible] [illegible] श्री[illegible]बिंबं कारित प्र० श्री[illegible]सूरिभिः ॥

८००. संवत् १५११ वर्षे माघवदि १ शुक्र श्रीश्रीमाल-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्री[illegible] [illegible] [illegible] श्री[illegible]सूरिभि [illegible] ॥

८०१. सं० १६०........सु......................सीहभार्या नायकपुत्रमदना.........................मातृपितृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीअमरप्रभसूरिशिष्यैः श्रीज्ञानचंद्रसूरिभिः॥

८०२. संव० १५१२ वैशाखमासे शुदि ९ प्राग्. ज्ञातीय श्रे० पासदसु० पचाभा० पूजापु० श्रे० अर्जुनमं० सहजाभार्यातिली तयोः आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनन्दनार्थबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीविजयधर्मसूरिभिः ॥

८०३. सं० १३६६ ज्येष्ठ वदि ८ श्रे० दीणासुतश्रे० आभाश्रे० वीकमाभ्यां मातृपितृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं बृहद्गच्छे श्रीहेमप्रभसूरिशिष्यै. श्रीपद्मचंद्रसूरिभिः ॥

८०४. सं० १५०७ वर्षे ज्येष्ठशुदि १० सोमे श्रीस्तंभतीर्थीय-सौवर्णिकज्ञातीयसो० कर्मसीभा० रांऊंपुतावाछूनाम्न्या श्रीसंभव-नाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

८०५. सं० १४७९ वर्षे..... ......श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० वईनाभा० वनीपुत्रडूंगरेण भा० लालुसुतसमधरादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीश्रीधर्मनाथपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता श्रीसूरिभिः ॥

८०६. संवत् १५४२ वर्षे वैशाखशु० १० गुरौ गूर्जरज्ञातीय वि. जेसाभार्यानारूपुत्रविसानापामार्यामकीसुतलाडयाभिधानेन निमपितुः श्रेयसे श्रीआदिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारापितः श्रीआगमगच्छे श्रीजिनराज-सूरि तत्पट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं कल्याणं भूयात् घोघावास्तव्यः॥

८०७. सं० १४७७ वर्षे मार्गव० ४ ऊकेशवंशीयमं० काला-भा० रणादेसुतमं० सिंहाकेन भा० देवलदेपुत्रमं० लापा सहसा आसधर-देवराजादियुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरि-गुरुराजैः श्रीः श्रीः ॥

श्रीओसवालज्ञातीयवरी० मालामार्यावाईमरगाईपुत्रनयपांनभार्याही श्रीवंनभार्यायोक्तपुत्रीकस्तुराई विंबं श्रीअनेतनाथ कारापितं प्रति श्रीतपागच्छे श्रीविनयदानसूरिभिः कल्याणं शुभं भवतु ॥

चोकसीनी पोळ, श्रीचिन्तामणिपार्श्वनाथजिनालय.

७९५. संवत् १२०९ वर्षे ज्येष्ठशुदि ३ रवौ ...
सा....श्रेयोऽर्थं मातृपितृभ्यां कारापिता ना° (?)गच्छे ॥

७९६. संवत् १५१७ वर्षे माहशुदि १० सोमे श्रीश्री श्रे० मांडणभा० फदू पु० रामासुश्रावकेण भा० हर्षूभा० मनामेहाजा सहितेन श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन पितृव्यश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

७९७. संवत् १५२५ वर्षे वैशाखशुदि १३ गुरौ श्रीश्री श्रीमालीयधारिकामाणिकनाम्न्या भ्रातृव्यपुत्रनिजहीर(?) श्रे० कर्मसी भा० नायक तथा शत्रुनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्र० पूर्णिमागच्छे श्रीराजतिलकसूरिभिः ॥

७९८. संवत् १५०३ वर्षे प्राग्वाटज्ञातीयश्र० मनाकेन निज भगिनि म० मनामार्याभातृश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीजयचंद्रसूरिभिः उसमापुरे(?) ॥

७९९. सं० १५०१ वर्षे आषाढशुदि ० सोमे [illegible] [illegible] भा० [illegible] [illegible] [illegible] श्री[illegible]बिंबं कारितं प्र० श्री[illegible]सूरिभि. ॥

८००. संवत् १५११ वर्षे माघशुदि २ शुक्र श्रीश्रीमाल [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्री[illegible]नाथबिंबं कारि [illegible]

८०१. सं० १६०........मु........................सीहभार्या नापाकुप्रमनयना..........................मातृपितृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीअमरप्रभसूरिशिष्यैः श्रीज्ञानचंद्रसूरिभिः॥

८०२. संव० १५१२ वैशाखमासे शुदि ९ प्राग्. ज्ञातीय श्रे० पामडसु० पताभा० कूमासु० श्रे० अर्जुनसं० सहजाभार्यातिलो तयोः आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीविजयधर्मसूरिभिः ॥

८०३. सं० १२९६ ज्येष्ठ वदि ८ श्रे० दीणासुतश्रे० आसाश्रे० श्रीरमाभ्यां मातृभ्रातृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं बृहद्गच्छे श्रीहेमप्रभसूरिशिष्यैः श्रीपद्मचंद्रसूरिभिः ॥

८०४. सं० १५०७ वर्षे ज्येष्ठशुदि १० सोमे श्रीस्तंभतीर्थीयसौवर्णिकज्ञातीयसो० कर्मसीभा० रांऊंसुताभाल्हनाम्न्या श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

८०५. सं० १४७९ वर्षे...........श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० वईनामा० वनीसुतडूंगरेण भा० लाढूसुतमधरादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीश्रीधर्मनाथपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता श्रीसूरिभिः ॥

८०६. संवत् १५४२ वर्षे वैशाखशु० १० गुरौ गूर्जरज्ञातीय वि. जेसाभार्यानाल्हपुत्रविसानाथाभार्यामकीसुतलाइयाभिधानेन निजपितुः श्रेयसे श्रीआदिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारापितः श्रीआगमगच्छे श्रीजिनराजसूरि तत्पट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं कल्याणं भूयात् पोधावास्तव्यः॥

८०७. सं० १४७७ वर्षे मार्गशि० ४ ऊकेशवंशीयमं० कालाभा० रणादेसुतमं० सिंहाकेन भा० देवलदेपुत्रमं० लांपा सहसा आसधरदेवराजादियुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिगुरुराजैः श्रीः श्रीः ॥

श्रीओसवालज्ञातीयपरी० मालाभार्याबाईमरघाईपुत्रनयवंतभार्याकोबाई श्रीवंतभार्याटांकूपुत्रीकसतूराई बिंबं श्रीअनंतनाथ कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीतपापक्षे श्रीविजयदानसूरिभिः कल्याणं शुभं भवतु ॥

चोकसीनी पोळ, श्रीचिन्तामणिपार्श्वनाथजिनालय.

७९५. संवत् १२०९ वर्षे ज्येष्ठशुदि ३ रवौ कान्हाभार्या सा....श्रेयोऽर्थं चांदलालाकयोः कारापिता ना" (इ)लगच्छे ॥

७९६. संवत् १५१७ वर्षे माहशुदि १० सोमे श्रीश्रीवंशे श्रे० मांडणभा० फदूपु० रामासुश्रावकेण भा० हर्षूप्रा० मनामेहालापा- सहितेन श्रीअंचलगच्छेश्वरश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन पितृमातृश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

७९७. संवत् १५२३ वर्षे वैशाखशुदि १३ गुरौ श्रीश्रीमा- लीज्ञातीयश्राविकागांगीनाम्न्या भ्रातृव्यपुत्रनिटहीत(!) श्रे० कर्मसी- मा०नामल तया स्वश्रूनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्र० पूर्णिमागच्छे श्रीराजतिलकसूरिभिः ॥

७९८. संवत् १५०९ वर्षे प्राग्वाटज्ञातीयव्य० मलाकेन निज- भगिनीव्य० धनाभार्याचांपूश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीजयचंद्रसूरिभिः उत्सवालव्यः ॥

७९९. सं० १५०१ वर्षे आषाढवदि ७ सोमे ऊकेशवंशीय- गोठीचांपाभार्या श्रा०चांपल्दे तयोः सुतगोठीसोनपालेन स्वकुटुंबश्रेयसे श्रीशांतिबिंबं कारितं प्र० श्रीब्रह्मसिंहसूरिभिः ॥

८००. संवत् १५१२ वर्षे माघवदि २ शुक्रे श्रीश्रीमाडज्ञा- तीयश्रे० पाताभा०माणिकिश्रे० चापूक० चांपलदेसुताकोईश्रेयोऽर्थं पातासुतेन वर्द्धमानेन क० वउलदेसुतेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे श्रीसागुरत्नसूरिभिः गोघावीवास्तव्यः ॥

८०१. सं० ११०.........पु......................सीहभार्या नायकपुत्रनयता.........———मातृपितृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीअमरप्रभसूरिशिष्यैः श्रीज्ञानचंद्रसूरिभिः॥

८०२. संद० १६१२ वैशाखमासे शुति ९ प्राग्. ज्ञातीय श्रे० पासदपु० पचामा० पूनापु० श्रे० अमनमं० सहनाभार्यातिलो तयोः आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीविजयधर्मसूरिभिः ॥

८०३. सं० १६५६ ज्येष्ठ वदि ८ श्रे० दीणासुतश्रे० भाणाश्रे० बीकमाभ्यां मातृआछिश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्गच्छे श्रीहेमप्रभसूरिशिष्यैः श्रीपद्मचंद्रसूरिभिः ॥

८०४. सं० १५०७ वर्षे ज्येष्ठशुदि १० सोमे श्रीस्तंभतीर्थीय-सौवर्णिकज्ञातीयसो० कर्मसीभा० रांऊंसुतावारूनाम्न्या श्रीसंभव-नाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

८०५. सं० १४७९ वर्षे............श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० षर्हमाभा० वनीसुतहूंगरेण भा० लाडूसुतसमधरादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीश्रीधर्मनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारिता प्रतिष्ठिता श्रीसूरिभिः ॥

८०६. संवत् १५४२ वर्षे वैशाखशु० १० गुरौ गूर्जरज्ञातीय वि. जेसाभार्यानाल्सुपुत्रविसालाभार्याभक्तीसुतक्ताऽपाभिधानेन निजपितुः श्रेयसे श्रीआदिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारापितः श्रीआगमगच्छे श्रीजिनराज-सूरि तत्पट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं कल्याणं भूयात् घोघावास्तव्यः॥

८०७. सं० १४७७ वर्षे मार्गव० ४ ऊकेशवंशीयमं० काला-भा० रणादेसुतमं० सिंहाकेन भा० देवलदेपुत्रगो० सोना सहजा आसधर-देवराजादियुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरि-गुरुराजैः श्रीः श्रीः ॥

८०८. संवत् १५०६ वर्षे चैत्रवदि १ रवौ ब्रह्माणगच्छे श्रीमालज्ञातीयश्रे० कर्मणभार्याबाऊंसुतपितृपर्वतमातृलाछूश्रेयोऽर्थं सुत नासण वचा गेला एतैः श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः ॥ वडद्रावास्तव्यः ॥

८०९. संवत् १४८६ वर्षे वैशाखशुदि ३ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयम० धणपालभार्या धांधल्दे तयोः सुतम० अर्जन स्वपितुः श्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथस्य बिंबं श्रीमुनिसिंहसूरीणामुपदेशेन कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीशीलरत्नसूरिभिः पूर्वं डाभिलावास्तव्यः सांप्रतः अरणी ओडावास्तव्य ॥

८१०. संवत् १५०८ वर्षे वैशाखवदि १० रवौ ओसवंशे सिंघामा० मचकूपु० सामनभार्यया बा० वीरूश्राविकया पुत्र रत्ना धर्मा कर्मासहितया श्रीअंचलगच्छे श्रीगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुप-देशेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

८११. संवत् १५१६ वर्षे मार्गशुदि ३ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० मूलूभार्या अरघूसुतश्रे० गोईआश्रेयोऽर्थं श्रे० रत्ना श्रे० राणा श्रे० चांदाकेन कारितं श्रीसुमतिनाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

८१२. सं० १५०५ वर्षे माघशुदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० आसाभा० राजूसु० माणिकभा० रामतिसु० पद्मलेन स्वपितृश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रति-ष्ठितं च विधिना श्रीस्तंभतीर्थपुरे ॥

८१३. सं० १४९१ फा० व० ९ श्रीश्रीमालज्ञातीयम० पोता भा० पेथल्देपुत्रमं० जेसाकेन भा० चमकूपुत्रीराजु तत्सुतश्रीपालयुतेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० तपागच्छप्रभुश्रीसोमसुंदरसूरिभि. ॥

८१४. सं० १५३७ वर्षे पौषव० १० गुरौ उकेशज्ञातीय

ना० नरसिंगभा० नायकदेपुत्रवनगांगेन भा०सूलेसरि भ्रा० हर्षासिंघपुत्र वीरारत्नागदादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

८१९. सं० १५७३ व० वै० शु० ८ बुधे गिरपुरे हुंबड्ज्ञा- तीयमंत्रीश्वरगोत्रे गां० शिवाभार्याभूवदेसुतगां. तेजा नाईआ तेजाभा० कामीसु० वाघाशिवरांगानाईआभा० मरघीनायकहेतु०केशवप्रमुखकुटुंब- श्रियोर्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं सुरेनिमित्तं श्रीवृ० तपापक्षे भ० श्रीधनर- त्नसूरिश्रीसौभाग्यसागरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

८१६. संवत् १५२० वर्षे माघवदि १० गुरु श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीमालज्ञातीयश्रेष्ठिनाईआभार्याअरधूसुतवांईयाकेन भा० मीरूसु० मीनाराजासुतेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविमलसूरि- भिः नाडीयारास्तव्यः ॥

८१७. सं० १४९० वर्षे वैशाखशुदि ७ गुरु श्रीमोढज्ञा० श्रे० सरमाभा० मूल्हीसुतदो० सायरेण पित्रोः श्रेयसे श्रीसुविधिनाथ- बिंबं का० प्रति० श्रीविद्याधरगच्छे श्रीदेवप्रभसूरिभि ॥

८१८. सं० १३–१ ज्येष्ठवदि ३ गुरौ.........शांतिश्रे- यसे.......................श्रीशांतिनाथ. कारितः श्रीविबुधप्रभसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

८१९. सं० १३९१ वर्षे आषाढशुदि ९ सोमे श्रीमालज्ञा० ठ०... जासु० ठ० देवसीश्रेयसे ठ० ल्गारेन श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीमेरुतुंगसूरिशिष्यश्रीमेरुप्रभसूरिभिः ॥

८२०. सं० १३०९ व० फागुनशुदि ८ मानवाश्रेयो० नट- ग्रपा० नयाकुअपात्हारेन पिता श्रे० श्रीपार्श्वबिंबं कारितं श्रीमेरु- तिलकसूरीणाम० ॥

८०८. संवत् १५०६ वर्षे चैत्रवदि १ रवौ ब्रह्माणगच्छे श्रीमालज्ञातीयश्रे० कर्मणभार्याकाउंसुतपितृसर्वतमातृझाळूश्रेयोऽर्थं छु[illegible] नासण वना मेत्रा एतैः श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः ॥ वडद्रावास्तव्यः ॥

८०९. संवत् १४८६ वर्षे वैशाखशुदि २ सोमे श्रीश्रीमाळज्ञातीयम० धणपालभार्या धांधल्दे तयोः सुतमं० अर्जुन स्वपितुः श्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथस्य बिंबं श्रीमुनिसिंहसूरीणामुपदेशेन कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीशीलरत्नसूरिभिः पूर्वं डाभिलावास्तव्यः सांप्रतः अरणी ओडावास्तव्य ॥

८१०. संवत् १५०८ वर्षे वैशाखवदि १० रवौ ओसवंशे सिंघाभा० मचकूबु० सामनभार्यया भा० धीरूश्राविकया पुत्र रत्ना धर्मा कर्मासहितया श्रीअंचलगच्छे श्रीगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

८११. संवत् १५१६ वर्षे मार्गशुदि ३ रवौ श्रीश्रीमाळज्ञातीय श्रे० मूलूभार्या अरघुसुतश्रे० गोईआश्रेयोऽर्थं श्रे० रत्ना श्रे० राणा श्रे० वांदाकेन कारितं श्रीसुमतिनाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभि ॥

८१२. सं० १५०५ वर्षे माघशुदि ९ रवौ श्रीश्रीमाळज्ञातीय व्य० आणाभा० राजूसु० माणिकभा० रामतिसु० धरामकेन स्वपितृश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना श्रीस्तंभतीर्थपुर ॥

८१३. सं० १४९१ फा० व० ९ श्रीश्रीमाळज्ञातीयम० वीर भा० [illegible] मेघाकेन भा० [illegible] [illegible] स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० [illegible] श्री[illegible] सूरिभिः ॥

८१४. सं० १५३० वर्षे वैशा[illegible] [illegible] [illegible]

सा० नरसिंगभा० नायकदेपुत्रवनागेन भा०पूर्णमति भ्रा० हर्षसिंहपुत्र
पौत्रादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं
तपागच्छनायकश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

८१५. सं० १५७१ व० वै० सु० ८ बुधे [illegible]
श्रीवर्धमानगोत्रे सा० [illegible] भा० [illegible]
नाथीपु० [illegible] भार्या [illegible] स्वश्रेयसे
श्री[illegible]बिंबं पुत्रनिमित्त श्री[illegible] तपागच्छे भ० श्रीधना-
प्रभसूरि[illegible] प्रतिष्ठितं ॥

८१६. संवत् १९१० वर्षे माघवदि १० गुरु [illegible]
श्री[illegible]भार्याश्रीपुत्र[illegible] सा० [illegible]
श्रीमाताप्राणेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्री[illegible]
भिः शांतिसागरस्य व. ॥

८१७. सं० १४९० वर्षे वैशाखसुदि ० गुरु [illegible]
दो० [illegible] पुत्र[illegible] श्रेयोर्थं [illegible]
बिंबं का० प्रति० श्रीविजयगच्छे श्रीदेवप्रभसूरिभिः ॥

८१८. सं० १६-१ [illegible] ९ गुरौ [illegible]
वर्षे...... .. .. श्रीशांतिनाथ कारितं श्रीविजयदेवसूरि
प्रतिष्ठितं ॥

८१९. सं० १५६१ वर्षे [illegible] ९ [illegible]
[illegible] आगु० [illegible] देवसिंहदो [illegible] बिंबं का० प्र०
श्री[illegible]सूरि[illegible]सूरिभिः ॥

८२०. सं० १५०९ व० [illegible] ८ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

८२७. संवत् १९१८ वर्षे ज्येष्ठसुदि २ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० राणाभार्याराणीसुतश्रे० लाडगेन भार्यालाषणदेप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिगुरूणामुपदेशेन प्रतिष्ठापितश्च मंडलीवास्तव्यः ॥

८२८. सं० १६२७ वर्षे पौषशुदि १९ गुरु ओसवालज्ञातीयवृद्धशाखायां साह्हांमासुनसा० धरवा श्रीसंभवनाथबिंब कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदानसूरि तत्पट्टे श्रीहीरविजयसूरिभिः स्वहस्तेन रांमतीर्थे ॥

चोकसीपोळ, श्रीशांतिनाथजिनालय.

८२९. सं० १३७१ श्रीनाणगच्छे श्रीमालज्ञातीयभ्रातृ भीमा समस्तपूर्वजानां श्रेयसे श्रा०मदृणाकेन पंचपरमेष्ठि कारितः प्र० विमलसूरिभिः ॥

८३०. सं० १४७२ वर्षे फागुणवदि ११ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयपितृश्रे० महिया मातृमीमीश्रेयसे सुतमेघाकेन श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं पूर्णिमापक्षे श्रीजयतिलकसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं सूरिभि.॥

८३१. संवत् १९२१ वर्षे वैशाखसुदि ९ शनौ श्रीश्रीमा० श्रेपोमा०पोमादेसुतमहिराजभार्यारातीचा श्रा० स्वभर्तृश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीश्रीश्रीकमलचंद्रसूरीणामुपदे० श्रीश्रीहेमरत्नसूरिभिः ॥

८३२. संवत् १९२१ वर्षे माघवदि ८ सोमे श्रीओसवंशे सा०कुजामा० कुतिगदेपुत्रसा० वाघासुश्रावकेण भा० कर्माईपुत्रभीमासहितेन पत्नीपुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीस्तंभतीर्थे ॥

चोकसीपोळ, श्रीमनमोहनपार्श्वनाथजिनालय.

८२१. संवत् १३८८ वैशाखवदि ६ शुक्रे पं० रोताश्रेयोऽर्थं मं० रागाकेन श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता ॥

८२२. सं० १६१९ वर्षे वैशाखवदि ११ शुक्रे श्रीश्रीमाळज्ञा० व्य० निरूआभा० राणीसु० व्य० मोनाभा० फालुसु० ठाईआ॰केन स्वकुटुंबयुतेन पितृमातृश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं पू० श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुप० कारितं प्रति० विधिना द्वीपपुरग्रामे ॥

८२३. सं० १३१४ वैशाखवदि १२ श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीपद्म॰नु(पज्जुन)सूरिसंताने श्रे० जाळासुतश्रे० आल्हणेन श्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं ॥

८२४. सं० १५२० वर्षे वैशाखवदि ७ शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० [illegible] श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे श्रीआणंदप्रभसूरि उपदेशेन श्रीगुणरत्नसूरिभिः [illegible] ॥

८२५. सं० १४९९ वर्षे फागुण सु० २ उपकेश० ज्ञातीय सा० [illegible] देवाभा० [illegible] श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० उपकेशगच्छे ककुदाचार्य० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

चोकसीपोळ, श्रीमहावीरजिनालय.

८२६. संवत् १५८१ वर्षे माघवदि १० शुक्रे श्रीश्रीमाल॰ [illegible] ॥

८२७. संवत् १९१८ वर्षे ज्येष्ठशुदि २ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० राणाभार्याराणीसुतश्रे० लाडणेन भार्यालाषणदेप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिगुरूणामुपदेशेन प्रतिष्ठापितश्च मंडलीवास्तव्यः ॥

८२८. सं० १६२७ वर्षे पौषशुदि १९ गुरु ओसवालज्ञातीयवृद्धशाखायां साह्हांसासुतवा० वरना श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदानसूरि तत्पट्टे श्रीहीरविजयसूरिभिः स्वहस्तेन स्तंभतीर्थे ॥

चोकसीपोळ, श्रीशांतिनाथजिनालय.

८२९. सं० १३७१ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीमालज्ञातीयभ्रातृभीमा समस्तपूर्वजानां श्रेयसे श्रा०मदूणाकेन पंचपरमेष्ठि कारितः प्र० विमलसूरिभिः ॥

८३०. सं० १४७२ वर्षे फागुणवदि ११ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयपितृश्रे० महिपा मातृप्रीमीश्रेयसे सुतमेघाकेन श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं पूर्णिमापक्षे श्रीजयतिलकसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं सूरिभिः॥

८३१. संवत् १५३१ वर्षे वैशाखशुदि ६ शनौ श्रीश्रीमा० पेमाभा०पोमादेसुतमहिराजभार्यारातीना श्रा० स्वभर्तृश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीश्रीश्रीकमलचंद्रसूरीणामुपदे० श्रीश्रीहेमरत्नसूरिभिः ॥

८३२. संवत् १५३१ वर्षे माघवदि ८ सोमे श्रीओरमवंशे सा०कुनाभा० कुतिगदेपुत्रना० बाघासुश्रावकेण भा० कर्माईपुत्रभीमासहितेन पत्नीपुण्यार्थं श्रीभावडगच्छेशश्रीमयकेसरिसूरिणामुपदेशेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीस्तंभतीर्थे ॥

चोकसीपोळ, श्रीमनमोहनपार्श्वनाथजिनालय.

८२१. संवत् १३८८ वैशाखवदि ६ शुक्रे पं० रोताश्रेयोऽर्थं मं० रागाकेन श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता ॥

८२२. सं० १५१९ वर्षे वैशाखवदि ११ शुक्रे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० व्य० निरूभाभा० शाणीसु० व्य० भोजाभा० फालुसु० ठाईआकेन स्वकुटुंबयुतेन पितृमातृश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं पू० श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुप० कारितं प्रति० विधिना शेषपुरग्रामे ॥

८२३. सं० १३१४ वैशाखवदि १३ श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीवन(पज्जुन)सूरिसंताने श्रे० आलासुतश्रे० आल्हणेन श्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं ॥

८२४. सं० १५२० वर्षे वैशाखवदि ७ शनौ श्रीश्रीमाल्ज्ञातीयदो० हीराभा० हरषूहेन स्वमतृश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे श्रीआणंदप्रभसूरि उपदेशेन श्रीगुणरत्नसूरिभिः [illegible] ॥

८२५. सं० १५९९ वर्षे फागुण० ९ उपकेश० [illegible] सा० [illegible]भा० माउ[illegible] देवाभा० [illegible] श्रीजिनदत्तनाथबिंबं का० प्र० उपकेशगच्छे [illegible] श्री[illegible]सूरिभिः ॥

चोकसीपोळ, श्रीमहावीरजिनालय.

८२६. संवत् १५८१ वर्षे माघवदि १० शुक्रे श्रीश्रीमाल्[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ॥

८२७. संवत् १५१८ वर्षे ज्येष्ठसुदि २ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० राणाभार्याराणीसुतश्रे० लाडणेन भार्यालापणदेप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिगुरूणामुपदेशेन प्रतिष्ठापितश्च मंडलीवास्तव्य. ॥

८२८. सं० १६२७ वर्षे पौषसुदि १९ गुरु ओसवालज्ञातीयवृद्धशाखायां साहहांसासुतवा० वरवा श्रीसभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदानसूरि तत्पट्टे श्रीहीरविजयसूरिभिः स्वहस्तेन स्तंभतीर्थे ॥

चोकसीपोळ, श्रीशांतिनाथजिनालय.

८२९. सं० १३७१ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीमालज्ञातीयभ्रातृ भीमा समस्तपूर्वजानां श्रेयसे भ्रा०मदूणाकेन पंचपरमेष्ठि कारितः प्र० विमलसूरिभिः ॥

८३०. सं० १४७२ वर्षे फागुणवदि ११ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीयपितृश्रे० महिरा मातृप्रीमीश्रेयसे सुतमेघाकेन श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं पूर्णिमापक्षे श्रीजयतिलकसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं सूरिभिः॥

८३१. संवत् १५२१ वर्षे वैशाखसुदि ३ शनौ श्रीश्रीमा० पोमामा०पोमादेसुतमहिराजभार्यापातीना धा० स्वभर्तृश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीश्रीश्रीकमलचंद्रसूरीणामुपदे० श्रीश्रीहेमरत्नसूरिभि. ॥

८३२. संवत् १५२१ वर्षे माघवदि ८ सोमे श्रीमोढवंशे सा०कुमाभा० कुतिगदेपुत्रसा० वाघासुश्रावकेण भा० वर्माईपुत्रभीमासहितेन पत्नीपुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरिणामुपदेशेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीस्तंभतीर्थे ॥

८३३. सं० १२.........शुदि १३.....................
श्रीपार्श्वबिंबं..................श्रीविनयसेनसूरिभिः ॥

८३४. संवत् १५४८ वर्षे वैशाख०शु० २ शनौ गंधारवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीयप० लूणसीसु० गोपालसु० सारिगमा० धारूसु० मोजामा० वारूसु० पद्मसिंहेन श्रीशीतलनाथबिंबं कारापितं. आगमगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

८३५. संवत् १४८१ वर्षे माघशुदि ९ शनौ ऊकेशवंशीय सा० नागपालभार्याश्रा० नागलदेसुतया मल्हाईनाम्न्या श्रीजीवितस्वामिश्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीरत्नसिंहसूरिभिः श्रीवृद्धतपापक्षे॥

८३६. सं० १५३१ वर्षे ज्ये०शु० २ रवौ महिसाणावासिप्राग्वाटज्ञा०सा० गोयामा० डाहीसुतसा० कर्मणेन मा० पतीनाम्न्या श्रेयोऽर्थं श्रीनमिबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीसुमतिसुंदरसूरीणामुपदेशेन श्रीरस्तु ॥

८३७. सं० १५०६ वर्षे फागुणवदि ९ सोमे सा० डूंडाभार्या मरमादेपुत्रसालाभार्यासातदेपुत्रसवपापोपारूपाचाचासहितेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं ब्रह्माणगच्छे म०श्रीउदयप्रभसूरिभिः॥

८३८. संवत् १३८९ (?) वर्षे फागुणशुदि २ सोमे वीरा(?)पुरीयगूर्जरज्ञातीयश्रे० राजडभा.........पितामहपीमामा० सरसई श्रीश्रीशांतिनाथबिंबं ॥

८३९. सं० १४९० श्रीपू० सोनीसालिगकारितं श्रीआदिनाथः ॥

८४०. सं० १२६१ ज्येष्ठशुदि २ श्रीपार्श्वनाथबिंबं सु० देदाराजार्पचाजयन्.............श्रीध.........सूरिशिष्यैः श्रीजय....सूरिणा प्रतिष्ठितं ॥

८४१. सं० १५६३ वर्षे वैशाखशु० ६ दाने श्रीसंघनीर्थे-वा० श्रीउकेशज्ञा० सो० मिणीभाभार्या माणीसुतसो० भईतभार्या भईतप्रेमान्या पुत्रसहदेवादियुतया श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रति० श्रीतपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभि ॥

८४२. सं० १५०८ वर्षे चैत्रसुदि १५ रवौ प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० पंचामा० भईविरेसु० आपाणी भ्रा० कमलसीमा० षमदुर० देवाकेन भा० देल्हाप्रेरहितेन स्वपूर्वजश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे भट्टारकश्रीसिद्धदत्तसूरिभि ॥

८४३. सं० १५१४ वै० व० ७ प्रा० श्रे० भाल्हण० भार्यासु० श्रे० लाईना भा० कुंरपालेन भा० मानादिसु० सुरदास वर्द्धमानादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं प्र० श्रीतपागच्छा-धिराजश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीवाडुग्रामे ।

८४४. सं० १५११ माघशु० ४ प्राग्वाटज्ञातिश्रेष्ठि० सलखणसुतश्रे० रामभा० लाडीसुतहराकेन भा० भावलदे० सहितेन श्रीवाहेसुतभाखाहामाडणादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

८४५. सं० १५१४ वर्षे माघसुदि १० दिने उकेशज्ञा० सवाभा० माल्हणदेव्या सुतसा० वरपालादि सहितेन टोवडुंगा सुश्रा-वकेन स्वश्रेयसे लक्ष्मीकुटुंबयुतया श्रीशीतलबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्री लक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीशकपुरे ।

८४६. सं० १५११ वर्षे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

८३३. सं० १२...........शुदि १२......................
श्रीपार्श्वबिंबं......................श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

८३४. संवत् १५४८ वर्षे वैशाख०शु० २ शनौ गंधारवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीयप० लूणसीसु० गोपालसु० सारिंगभा० घारूसु० मोनाभा० वारूसु० पद्मसिंहेन श्रीशीतलनाथबिंबं कारापितं. आगमगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

८३५. संवत् १४८१ वर्षे माघशुदि ९ शनौ ऊकेशवंशीय सा० नागपालभार्याश्रा० नागलदेसुतया मल्हाईनाम्न्या श्रीजीवितस्वामि-श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीरत्नसिंहसूरिभिः श्रीवृद्धतपापक्षे॥

८३६. सं० १५३१ वर्षे ज्येष्ठशु० २ रवौ महिसाणावासि-प्राग्वाटज्ञा०सा० गोराभा० डाहीसुतसा० कर्मणेन भा० पतीनाम्न्या श्रेयोऽर्थं श्रीनमिबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीसुमतिसुंदरसूरीणामुपदेशेन श्रीरस्तु ॥

८३७. सं० १५०६ वर्षे फागुणवदि ९ सोमे सा० हूंडाभार्या मरमादेपुत्रसालाभार्यामातदेपुत्रसवपापोपाकूपाचाचासहितेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं ब्रह्माणगच्छे भ०श्रीउदयप्रभसूरिभिः॥

८३८. संवत् १३८९ (?) वर्षे फागुणशुदि २ सोमे वीरा(?)-पुरीयगूर्जरज्ञातीयश्रे० राजडभा. ......पितामहपीमाभा० सरसई श्री-श्रीशांतिनाथबिंबं ॥

८३९. सं० १४९० श्रीपू० सोनीमाल्हिगकारितं श्रीआ-दिनाथः ॥

८४०. सं० १३६१ ज्येष्ठशुदि २ श्रीपार्श्वनाथबिंबं सु० देदागनापंचानयन........ ...श्रीध........सूरिशिष्यैः श्रीजग....सूरिणा प्रतिष्ठितं ॥

८४१. सं० १६६३ वर्षे वैशाखशु० ६ शनौ श्रीस्तंभतीर्थ-वा० श्रीऊकेशज्ञा० सो० मिणीआभार्या भावीसुतसो० अर्हतभार्या अईतलदेनाम्न्या पुत्रजयवंतादियुतया श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रति० श्रीतपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

८४२. सं० १५०८ वर्षे चैत्रशुदि १३ रवौ प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० पेथामा० अहिविदेपु० अमरसी भा० कमलसीमा० धमकपु० देवाकेन भा० देल्हणादेसहितेन स्वपूर्वजश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे भट्टारकश्रीसिंहदत्तसूरिभिः ॥

८४३. सं० १५२४ वै० व० ७ प्रा० व्य० नारदभा० करमीसु० व्य० लाईया भा० कुंरपालेन भा० मरगादिपु० सुरदास वर्द्धमानादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं प्र० श्रीतपागच्छा-धिराजश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिराजैः श्रीकालुपुरनगरे ॥

८४४. सं० १९११ माघशु० ४ श्रीगच्छवासिऊकेशवंश० सखलणसुतवं० रायमा० लाडीसुतलखाकेन भा० कापामा० धमडु श्रीआदिसुतभापाहानाहरमादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

८४५. सं० १५१४ वर्षे माघशुदि १० दिने ऊकेशमा० महामा० माल्हणदेव्या सुतसा० धारामाभदे धर्मण धौधुपुत्र समरा वच्छा प्रपौत्रसिंघदत्तादिकुटुंबयुतया श्रीशीतलबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीमल्लनगरे ॥

८४६. सं० १५११ वर्षे माघशुदि १० सोमे श्रीश्रीमाल श्रेष्ठिमोल्हामा० माणिकदेसु० सहिसाभार्या धरणी स्वभर्त्तारनिमित्तं आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीविधिपक्षविधिश्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रति० पिप्पलगच्छे त्रिभ० श्रीधर्मसागरसूरिभिः ॥

८३३. सं० १२............सुदि १२......................
श्रीपार्श्वबिंबं....................श्रीविनयसेनसूरिभिः ॥

८३४. संवत् १२४८ वर्षे वैशाख०शु० २ शनौ [illegible]
श्रीश्रीमालज्ञातीय[illegible]० ठुणसीसु० गोपालसु० सारिगभा० धरूसु०
मोनाभा० वाल्हसु० पदमसिंहेन श्रीशीतलनाथबिंबं कारापितं. अंचल-
गच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

८३५. संवत् १४८१ वर्षे माघसुदि ९ शनौ ऊकेशवंशीय
सा० नागपालभार्याश्रा० नागलदेसुतया मल्हाईनाम्न्या श्रीनेमि[illegible]
श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीरत्नसिंहसूरिभिः श्रीवृद्धगच्छे ॥

८३६. सं० १५३१ वर्षे ज्येष्ठशु० २ रवौ महिषाणाग्रामि
प्राग्वाटज्ञा० सा० गोगाभा० हांसीसुतसा० कर्मसीन भा० पांचीनाम्न्या
श्रेयोर्थं श्रीनमिबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरि-
श्रीसुमतिसुंदरसूरीणामुपदेशेन श्रीरस्तु ॥

८३७. सं० १९०६ वर्षे फागुणवदि ७ सोमे सा० [illegible]
[illegible] अंचलगच्छे
श्रीआदिनाथबिंबं कारि० प्रतिष्ठि० [illegible]गच्छे भ० श्रीउदयसागरसूरिभि: ॥

८३८. संवत् १३८९ (?) वर्षे फागुणसुदि २ सोमे श्री[illegible]
[illegible]० [illegible] ....[illegible]भार्या० [illegible] श्री
[illegible] ॥

८३९. सं० १९४० [illegible] श्री[illegible]
[illegible] ॥

८४० सं० १३११ [illegible] ७ [illegible] शु०
[illegible] .. ..श्री ....सूरि[illegible] [illegible]...
[illegible] ॥

८४१. सं० १५६२ वर्षे वैशाखसु० ६ शनौ श्रीस्तंभतीर्थ-वा० श्रीऊकेशज्ञा० सो० जिणीआभार्या भाचीसुतसो० मईनभार्या मईतछदेनाम्न्या पुत्रमयवंनादियुतया श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रति० श्रीतपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

८४२. सं० १५०८ वर्षे चैत्रसुदि ११ रवौ प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० पंचामा० अहविदेपु० अमरसी भा० कमलसीभा० चमकूपु० देवाकेन भा० देल्हागदेमहितेन स्वपूर्वजश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे भट्टारकश्रीसिंहदत्तसूरिभिः ॥

८४३. सं० १५२४ वै० व० ७ प्रा० व्य० नारदभा० करमीसु० व्य० लाईया भा० कूंरपालेन भा० मरगदिपु० सुरदास वर्द्धमानादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं प्र० श्रीतपागच्छा-धिराजश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीकालूपुरनगरे ॥

८४४. सं० १५११ माघसु० ४ प्राग्वट्वासिऊकेशवं० सलखणसुतवं० रामभा० लाडीसुतलुणाकेन भा० नाथाभा० चमकू लीलादेसुतभाषाहानाहरामादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

८४५. सं० १५३४ वर्षे माघसुदि १० दिने उकेशमा० महाथा० माल्हणदेव्या सुतमा० पहापाणापदे वर्षेण चौवटुंया समरा वच्छा प्रपौत्रसिंघदत्तादिकुटुंबयुतया श्रीशीतलबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीमलनगरे ॥

८४६. सं० १५११ वर्षे माहसुदि १० सोमे श्रीश्रीमाल मंत्रिवादिआभा० पालिदेसु० सहिणाभार्या बरबी स्वभर्तारनिमित्तं आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रति० पिप्पलगच्छे त्रिभ० श्रीधर्मसागरसूरिभिः ॥

८३३. सं० १२..........सुदि १२.....................
श्रीपार्श्वबिंबं....................श्रीविनयसेनसूरिभिः ॥

८३४. संवत् १५४८ वर्षे वैशाख०शु० २ शनौ गंधारवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीयव० लूणसीसु० गोपालसु० सारिगभा० धारूसु० मोनाभा० वारूसु० पदमसिंहेन श्रीशीतलनाथबिंबं कारापितं. आगमगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

८३५. संवत् १४८१ वर्षे माघशुदि ९ शनौ ऊकेशवंशीय सा० नागपालभार्याश्रा० नागलदेसुतया मरहाईनाम्या श्रीनीतिसाधि श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीरत्नसिंहसूरिभिः श्रीवृद्धतपापक्षे॥

८३६. सं० १५३१ वर्षे ज्ये०शु० २ रवौ महिमाणावासि प्राग्वाटज्ञा०सा० गोनाभा० हालीसुतभा० कर्मणेन भा० पतीनाम्या श्रेयोऽर्थं श्रीनमिबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीसुमतिसुंदरसूरीणामुपदेशेन श्रीरस्तु ॥

८३७. सं० १५०६ वर्षे फागुणवदि ९ सोमे सा० डुंगरभार्या मरमादेपुत्रमालाभार्यानानादेपुत्रपवतादिसहितया नानाभिधेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारि। प्रतिष्ठि। प्रमाणगच्छे भ०श्रीउदयप्रभसूरिभि.॥

८३८. संवत् १३८९ (?) वर्षे फागुणशुदि २ सोमे श्रीत(?)पूर्णिमपूर्णसाज्ञातीयश्रे० सालखा ......पितामहश्रीमाता० साल्हे श्री श्रीशांतिनाथबिंबं ॥

८३९. सं० १४९० श्रीपू० सोनीपाल्हिणकारित श्रीआदिनाथ ॥

८४०. सं० १३११ वैशाखशुदि २ श्रीपार्श्वनाथबिं पू० देदागजपालसहत.... ... ...श्रीय .....सूरिशिष्य श्रीसत.... सूरिणा प्रतिष्ठितं !!

८४१. सं० १५६३ वर्षे वैशाखशु० ६ शनौ श्रीस्तंभतीर्थवा० श्रीऊकेशज्ञा० सो० जिणीआभार्या भावीसुतसो० भईनभार्या भईतलदेनाम्न्या पुत्रजयवंतादियुतया श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रति० श्रीतपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

८४२. सं० १५०८ वर्षे चैत्रशुदि १३ रवौ प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० पंचामा० अहविदेपु० अमरसी भा० कमलसीभा० धमकूपु० देवाकेन भा० देल्हागदेसहितेन स्वपुण्यश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे भट्टारकश्रीसिंहदत्तसूरिभिः ॥

८४३. सं० १५२४ वै० व० ७ मा० व्य० नारदभा० करमीसु० व्य० लाईया भा० कूंरपालेन भा० मरगादिपु० सुरदास वर्द्धमानादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं प्र० श्रीतपागच्छाधिराजश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीकाकपुरनगरे ॥

८४४. सं० १५११ माघशु० ५ चोगपद्रवासिऊकेशवं० सलखणसुतवं० रामभा० लाडीसुतधुराकेन भा० चापाभा० चमकू छीलाईसुतभापाहानाहरामादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

८४५. सं० १५१४ वर्षे माघशुदि १० दिने उकेशज्ञा० मनाभा० माल्हणदेव्या सुतमा० पदापाभार्या वर्मण चौमसुंदर सपरिवारया प्रपौत्रसिघदत्तादिकुटुंबयुतया श्रीशीतलबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्री० लक्ष्मीसागरसूरिभिः बीसलनगरे ॥

८४६. सं० १५११ वर्षे माघशुदि १० सोमे श्रीश्रीमाल मंत्रिवीरमभार्या० मालिणदेसु० सहिजाभार्या बरणी स्वभर्त्तारनिमित्त आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीविमलादिश्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रति० पिप्पलगच्छे त्रिभ० श्रीधर्मसागरसूरिभिः ॥

८३३. सं० १२..........शुदि १३........................
श्रीपार्श्वबिंबं..........................श्रीविनयसेनसूरिभिः ॥

८३४. संवत् १५४८ वर्षे वैशाख० शु० ३ शनौ गंधारवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीयप० लूणसीसु० गोपालसु० सारिगमा० धारूसु० मोनामा० वारूसु० पद्मसिंहेन श्रीशीतलनाथबिंबं कारापितं. आगमगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

८३५. संवत् १४८१ वर्षे माघशुदि ९ शनौ ऊकेशवंशीय सा० नागपालभार्याश्रा० नागलदेसुतया मल्हाईनाम्न्या श्रीजीवितस्वामिश्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीरत्नसिंहसूरिभिः श्रीवृद्धतपापक्षे॥

८३६. सं० १९३१ वर्षे ज्ये०शु० २ रवौ महिसाणावासिप्राग्वाटज्ञा०सा० गोवामा० डाहीसुतसा० कर्मणेन भा० पतीनाम्न्या श्रेयोऽर्थं श्रीनमिबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीसुमतिसुंदरसूरीणामुपदेशेन श्रीरस्तु ॥

८३७. सं० १५०६ वर्षे फागुणवदि ९ सोमे सा० डूंडाभार्या मरमादेपुत्रसालाभार्यासातदेपुत्रसवपापोपाकुपाचाचासहितेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं ब्रह्माणगच्छे भ०श्रीउदयप्रभसूरिभिः॥

८३८. संवत् १३८९ (?) वर्षे फागुणशुदि २ सोमे वीरा(?) पुरीयगूर्जरज्ञातीयश्रे० राजडभा.......पितामहपीमाभा० सरसई श्रीश्रीशांतिनाथबिंबं ॥

८३९. सं० १४९० श्रीपू० सोनीसालिगकारितं श्रीआदिनाथः ॥

८४०. सं० १२९१ ज्येष्ठशुदि २ श्रीपार्श्वनाथबिंबं सु० देदाराभापंचाजयन्............ ....श्रीध........सूरिशिष्यैः श्रीजय.... सूरिणा प्रतिष्ठितं !!

८४१. सं० १५६२ वर्षे वैशाखसु० ६ शनौ श्रीस्तंभतीर्थ-वा० श्रीऊकेशज्ञा० सो० मिणोभाभार्या भाचीसुतसो० अर्हतभार्या अर्हतदेनाम्न्या पुत्रनयणादियुतया श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रति० श्रीतपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभि ॥

८४२. सं० १५०८ वर्षे चैत्रसुदि ११ रवौ प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० पंचामा० अहविदेपु० अमरसी भ्रा० कमलसीभा० धमकूपु० देषाकेन भा० देल्हागदेमहितेन स्वपूर्वजश्रेयोऽर्थ श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आगमगच्छे भट्टारकश्रीसिंहदत्तसूरिभिः ॥

८४३. सं० १५२४ वै० व० ७ प्रा० व्य० नारदभा० करमीसु० व्य० लाईया भ्रा० कूंपोलेन भा० मरगादिपु० सूरदास वर्द्धमानादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं प्र० श्रीतपागच्छाधिराजश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिराजैः श्रीकालूपुरनगरे ॥

८४४. सं० १५११ माघसु० ४ थांगपद्रवासिऊकेशवं० सखणसुतवं० रामभा० लाडीसुतलुराकेन भ्रा० षापाभा० धमकू श्रीआदेसुतभापाहानाहरामादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

८४५. सं० १५३४ वर्षे माघसुदि १० दिने ऊकेशसा० मकाभा० माल्हणदेव्या सुतसा० पहापासामदे धर्मण पौत्रसुंदा समरा वच्छा प्रपौत्रसिंघदत्तादिकुटुंबयुतया श्रीशीतलबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः वीसलनगरे ॥

८४६. सं० १५२१ वर्षे माहसुदि १० सोमे श्रीश्रीमाल मंत्रिमांडणभा० माणिकदेसु० सहिताभार्या बड्घी स्वभर्त्तारनिमित्तं आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीजीवितस्वामिश्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रति० पिप्पलगच्छे त्रिभ० श्रीधर्म्मसागरसूरिभि ॥

८३३. सं० १२..........शुदि १३.................
श्रीपार्श्वबिंबं........ ......श्रीविनयसेनसूरिभिः ॥

८३४. संवत् १३४८ वर्षे वैशाख० शु० २ शनौ गंधारवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीयपु० लूणसीसु० गोपालसु० मारिगमा० वाल्हसु० मोनामा० वाल्हसु० पदमसिंहेन श्रीशीतलनाथबिंबं कारापितं, आगमगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

८३५. संवत् १४८१ वर्षे माघशुदि ९ शनौ ऊकेशवंशीय सा० नागपालभार्याश्रा० नागलदेसुतया मल्हाईनाम्न्या श्रीजीवितस्वामिश्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीरत्नसिंहसूरिभिः श्रीवृद्धतपापक्षे॥

८३६. सं० १५३१ वर्षे ज्ये० शु० २ रवौ महिमाणावासिप्राग्वाटज्ञा० सा० गोनामा० डाहीसुतमा० कर्मणेन भा० पत्नीनाम्न्या श्रेयोऽर्थं श्रीनमिबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीसुमतिसुंदरसूरीणामुपदेशेन श्रीरस्तु ॥

८३७. सं० १६०१ वर्षे फागुणवदि ९ सोमे मा० हूंढामपर्या मरमादेपुत्रसालाभार्यामानदेपुत्रमवपापोशाकुपाचाचामहितेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं ब्रह्माणगच्छे भ० श्रीउदयप्रभसूरिभिः॥

८३८. संवत् १३८९ (?) वर्षे फागुणशुदि २ सोमे वीरग(?)पुरीयगूर्जरज्ञातीयश्रे० गलडमा .....पितामहसोभामा० सरसई श्रीश्रीशांतिनाथबिंबं ॥

८३९. सं० १८०० श्रीपू० सोनीमालिगकारितं श्रीआदिनाथ० ॥

८४०. सं० १३३१ ज्येष्ठशुदि ४ श्रीपार्श्वनाथबिंबं सु० देदागमापचामयन्तु .. ..श्रीच ....मुर्गशिष्य श्रीजय.... सूरिणा प्रतिष्ठितं ॥



८४७. संवत् १६३९ वर्षे चैत्रवदि ११ सूमे प्राग्वटमा० मीऊ पुत्र सोमापुत्रमहम स्वश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्री[illegible]सि[illegible])सू[illegible]भि [illegible]गच्छे ॥

८४८ सं० १४८६ श्रीमाल ज्ञातीय सा० मोहणसुतमा० [illegible] मा० [illegible]पु० [illegible] वच्छराजेन भा० जमण भ्रातृमनधरादि-कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपापक्षे श्रीभट्टारक-श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥ सं० १४८६ श्रीमालसा० हरपालपु० वच्छराजेन चतुर्विंशतिपट्टः का०

अलिग, श्रीमुनिसुव्रतजिनालय.

८४९. संवत् १६१६ चैत्रवदि ९ गुरौ प्राग्वाटश्रे० कर्मसी भा० पदकुपुत्रमहिराजेन भा० सोहीयुतेन पितृश्रेयसे श्रीवासुपूज्य-बिंबं कारापितं श्रीवृद्धतपापक्षीयभ० श्रीविजयरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

८५०. संवत् १६१७ वर्षे माघशुदि १० सोमे स्तंभतीर्थ-वास्तव्य ओसवालज्ञातीयमा० वरसिंगभार्यामिघूपुत्तवीराकेन भार्या चंपाई भ्रातृहीरादिकुटुंबयुतेन श्रीश्रेयांसचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः संडेरगच्छे श्रीईसरसूरिभिः ॥

८५१. सं० १५०६ व० कार्तिकव० ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० सा० कर्मणभा० कामलदेपु० गमाकेन भा० जीविणिपु० देवदत्तस० श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसाधुपूर्णिमाप० श्रीरामचंद्रसूरि० श्रीपूर्णचंद्रसूरीणामुपदेशेन विधिना श्राद्धैः ॥

८५२. संवत् १६२८ वर्षे फा० शुदि ७ डीसावालज्ञातीय सं० मीमाभार्या अरघूनामातृम्य० सोपामा० गुरीनाम्न्या श्रीपद्मप्रभ-बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः शुभं भवतु कारकस्य ॥

लाडनाडो, श्रीअभिनंदनजिनालय.

८१९. संवत् १६७७ वर्षे कार्तिकासित ६ रवौ स्तंभतीर्थे मोढज्ञातीयहानाश्राविकया अनंतनाथबिंबं स्वप्रतिष्ठायां प्रतिष्ठापितप्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारकपुरंदरश्री विजयदेवसूरिभिः ॥

८९०. पातसाही ४१ फा० शु० ८ ओसवालवृद्धशा० साह जगपालभार्या बाई रूपाई कारितं श्रीशांतिबिंबं प्र० तपाश्रीविजयसेनसूरिभिः १६९२ ॥

८९१. संवत् १९१९ वर्षे फागुणशुदि १२ बुधे श्रीकोरंटगच्छे उपकेशज्ञातीयसाहधर्मसीभार्याधर्म्मादेपुत्रश्रेष्ठिधाराश्रेष्ठिलाइआ श्रे० लाइआकेन भ्रातृवलश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीसोमदेवसूरिभिः ॥

भोंयरापाडो, श्रीनवखण्डापार्श्वनाथजिनालय.

८९२. सं० १९१७ वर्षे माघशु० १० सोमे बोरसिद्धिवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञातीयठ० मणोरसीभा० शाणीसुतामनीनाम्न्या श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

८९३. सं० १९१८ वर्षे फागुणवदि १ सोमे चंडालियागोत्रे उपकेशज्ञातीयसाहगुणीआभा० भोलीनाम्न्या पुत्रकमलामोनासहितया स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीमलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिपट्टे भट्टारकश्रीगुणसुंदरसूरिभिः ॥

८९४. संवत् १६७७ वर्षे कार्त्तिकासितप्रतिपदनंतरद्वितीयायां बुधवासरे स्तंभतीर्थे उ०ज्ञातीयसा० चप(?)भा०धीराईनाम्न्या श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छभ० श्रीविजयसेनसूरिपट्टालंकारभट्टारकश्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

८६५. सं० १५१० व० वदि १० गुरौ....................
पाल्हणेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं श्रीनागेंद्रसूरिभि

८६६. सं० १४६९ वर्षे वैशाखशुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमाल-
ज्ञा० श्रे० वालाभा० पाल्हणदेसु० वीराकेन वृद्धभ्रातृचांपाश्रेयोऽर्थं
पंचतीर्थी श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीपू०श्रीविद्याशेखरसूरीणामुप-
देशेन ॥

८६७. सं० १४६९ वर्षे वैशाखशुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय
श्रे०भा...भार्याभावलदे पितृमातृश्रेयसे कारितं ब्रह्माणगच्छे श्रीवीरसू-
रिभिः प्रतिष्ठितं श्रीदेवेंद्रसूरि आदि.......... ॥

८६८. संवत् १५३७ वैशाखशुदि २ दिने श्रीओसवंशे सुरा-
णागोत्रे संघवीवीरदेवपुत्रसं०गोसलभार्यारंगाईपुत्रसं० जीवणभा० जीवि-
णिपु०सं० विद्याधरसाहाभ्यां संघ० रंगाईपुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं
कारितं श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिपट्टे श्रीपद्मानंदसूरिभिः ॥

८६९. सं० १६१७ वर्षे पोषव०१ दिने बोरसिद्धि प्रतिष्ठितं
प० सिंघीभा० रामलदेनाम्न्या श्रीशीतलनाथबिंबं तपापक्षे श्रीविजय-
दानसूरिपट्टे श्रीहीरविजयसूरिभिः भद्रं भवतु ॥

८७०. संवत् १५२७ वर्षे वैशाखवदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा-
तीयव्य० पांचाभा० भीमलदेसुतपरसीभा०रंगीभ्रातृपेथासह पितृमातृनि-
मित्तं आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीगु-
णसमुद्रसूरिपट्टे श्रीगुणदेवसूरिभिः विरूराणा मोईकाग्रामे ॥

८७१. संवत् १५२१ वर्षे माघवदि ८ सोमे श्रीश्रीवंशे मं०
रत्नसीभार्याहिरकूपुत्रमं०वीराभार्यानाईपुत्रसिवरामसुश्रावकेण भा०मटकू-
पुत्रमं० हंसराजयु०भा०नगराजयुभ्रातृगोपुरहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसु-

विधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थमहानगरे श्रीरस्तु ॥

८७२. सं० १५२६ वर्षे आषाढशु० ९ रवौ प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० वाछाभार्या धनीसुतश्रे० मांगाकेन भा० रूडसुतवीर जेसिंगादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः कतपुरवास्तव्यः ॥

८७३. सं. १५३२ वैशाखशुद ३ प्रा० श्रे० नरपालभा० वरजूपु० झांझणेन भार्याजीविणिसु० विरूआभा० हांसीप्र० कु० युतेन स्वश्रेयसे श्रीनमिबिंबं का० प्रतिष्ठितं तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

८७४. सं० १४६८ वर्षे वैशाखवदि ३ शुक्रे उपकेशज्ञा० ठ० रामभार्यादेईसुतमाधवेन स्वमातु श्रेयसे श्रीश्रेयांसपंचतीर्थी का० प्र० श्रीजीरापल्लीयगच्छे भ० श्रीसालिभद्रसूरिपट्टे श्रीवीरभद्रसूरिभिः ॥

८७५. संवत् १५१४ वर्षे माहशुदि १ शुक्रे उकेशज्ञातौ नाहरगोत्रे सा० मलूपु० गोपाल कापा पु० अमराकेन भार्या अहिवदे तयोः पु० जिणदत्तयुतेन आत्मपुण्यार्थं श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीविनयचंद्रसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ।

८७६. सं० १५९१ वर्षे वैशाखव० ३ रवौ श्रीमंबूसरवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयवृद्धशाखायां व्य० रागाभार्यारांमलदेसु० व्य० कालूभा० धर्माईसु० व्य० राणाभा० रही तया स्वभर्तुः श्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे भट्टा० श्रीधर्मरत्नसूरिभिः श्रेयसे ॥

८७७. संवत् १५१२ वर्षे वैशाखशुदि..................... बा..मलोभ्यां पितृमातृभ्रातृप्रमुखपूर्वजश्रेयोऽर्थं श्रीश्रेयांसबिंबं कारि० प्रति० पिप्पलगच्छे भ० श्रीसोमचंद्रसूरिपट्टे भ० श्रीउदयदेवसूरिभिः तामीग्रामे ॥

८७८. सं० १४५५ वर्षे फा० वदि ११ रवौ मोढज्ञा० पितृ० देल्हाभा० पितृ० लाडी श्रे० सु कपूआकेन श्रीपार्श्वनाथः का० श्रीविद्याधरगच्छे भ० श्रीगुणप्रभसूरिभि. ॥

८७९. सं-त् १३४.... ..... ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय ठ० पामू ठ० प्रथमदेविश्रेयोऽर्थं सुत रणसिंहेन श्रीपार्श्वनाथबिंब कारितं प्रतिष्ठितं श्रीचैत्रगच्छे श्रीरत्नप्रभसूरिशिष्यैः श्रीपद्मप्रभसूरिभिः ॥

पादुका शिलालेख ।

८८०. संवत् १७१२ वर्षे माहशुदि ६ तिथौ भट्टारकश्रीजिनसिंहसूरिशि० पट्टे श्रीयुगप्रधानश्रीजिनराजसूरिपादुके भट्टारकयुगप्रधानश्रीजिनरंगसूरिप्रतिष्ठिते संघवी भाटीरा........त्द्भार्याबीरमदेकारिते संघकल्याणाय ॥

८८१. सं० १६९४ वैशाखशुदि ५ दिने शुभवारे वा० श्रीहर्षविशालगणिपादुके प्रतिष्ठित भट्टारकयुग०..श्रीजिनरंगसूरिवचनैः महामहोपाध्यायश्रीज्ञानसमुद्रगणिशिष्यवा० ज्ञानराजगणिभिः ॥

८८२. सं० १६७७ वर्षे मार्गवदि १० दिने गुरुवारे युगप्रधानश्रीजिनचंद्रसूरीणां पादुके कारिते खरतरगच्छे ओसवंशे..........कै सं० भसरामभार्यामनरंदेपुत्रने० मोहणकेन प्रति० युगप्र० श्रीजिनसिंहसूरिवरैः ॥

८८३. सं० १७८९ वर्षे शाके १६६१....प्रवर्त्तमाने स्तंभतीर्थे श्रीखरतरग० श्रीपीपलीयागच्छे भाद्रवशुदि ९....गुरुवारे भट्टारकयुगप्रधानश्रीजिनवर्द्धमानसूरि तत्शिष्यभट्टारकश्रीजिनधर्मसूरि पट्टे...भट्टारकयुगप्रधानश्रीप्रभाविकश्रीजिनचंद्रसूरिसूरीश्वराणां प्रसिद्धनामश्रीजिनचंद्रसू-

ज्ञातीयश्रे० धरणाभा० मांमूसुतमेघाभार्या सोनाईसु० अमीपालादि-स्वकुटुंबयुतेन आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं श्रीआगमपक्षे श्रीसोमरत्न-सूरिगुरूपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना छनीआरिवास्तव्यः ॥

८९५. संवत् १५४८ वर्षे वैशाखवदि १० रवौ श्रीश्रीमाल-ज्ञा० सिद्धशा० श्रे० लष्मसीभा० मांजूसु० मटाभा० माकूसु० कर्म्मणकेन भा० सोभागिणिसहितेन पितृभा० श्रा० नि० आत्मश्रे० श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं का० प्र० पिप्पलग० श्रीरत्नदेवसूरिपट्टे श्रीपद्माणंदसूरिभिः ॥ पत्तनवास्तव्यः ॥

८९६. संवत् १५५३ वर्षे भाद्रवाशुदि ९ वीरखुद्रश्रीगौतम-स्वामि हेमकारापितं ॥

भोंयरापाडो, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

८९७. संवत् १५७६ वर्षे चैत्रवदि ९ शनौ श्रीश्रीवंशे सा० वीराभा० नाईसु० सिंहराजभा० मटकीसु० हंसराजसुश्रावकेण भा० इंद्राणीपुत्रसाहनमरा[?]मशांतिदासप्रमुखकुटुंबसहितेन इंद्राणीश्रेयोऽर्थं श्रीअ-रनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं सर्वसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थनगरे ॥

८९८. सं० १५९६ वर्षे मा० शु० षष्ठ्यां श्रीश्रीमालिज्ञाति षा० देवाभार्याराणीसुतसा० मीहाकेन भार्याधनाईप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारि० प्र० तपागच्छेशश्रीइंद्रनंदिसूरिभिः ॥

८९९. संवत् १९८१ वर्षे माहशुदि १०-सोमे श्रीउपकेश-ज्ञातीयसा० देपाभा० प्रथमदेपुत्रभोगाभा०लक्ष्मादेपुत्रसमरापक्षाभा० पूर्वजश्रेयोऽर्थं [पार्श्व]बिंबं कारा० प्र० श्रीपल्लीवालगच्छीयश्रीमहेश्वरसूरि-शिष्यश्रीअभयदेवसूरिभिः ॥

९००. संवत् १५२८ वर्षे मागसिरशुदि २ गुरु श्रीश्रीमाल-

ईआ नरवदा भ्रात्रि श्रीरतिमा० रूपाई स्वकुटुंबश्रेयसे ... का० प्र० श्री....णव(?)पक्षसूरिभिः ॥

९०६. सं० १५२८ वर्षे आषाढशुदि २ सोमे श्रीऊकेशवंशे साधुशाखायां सा० पर्वतभा० मणकीपु० मा० तेजमीहश्रावकेण भा० डाही भ्रातृहर्षतिप्रमुखपरिवारसहितेन श्रीसंभवबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

९०७. सं० १३९३ वैशा०व०१० शुके श्रीवायटीयमहं० सोमसुतवयराकेन पितृव्यऊदाश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवायटगच्छे श्रीजीवदेवसूरिभिः ॥

९०८. संवत् १५५३ वर्षे वै०व०११ शुक्रे ओसवं० सा० साघाभा० कर्माईसुतसा० भीमाभार्याभिरमाईसुतमा० शांतिदत्तश्रा० पासदत्तसहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

शक्रोपुर, श्रीचिन्तामणिपार्श्वनाथजिनालय.

९०९. संवत् १९०८ वर्षे चैत्रशुदि १३ रवौ प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० मेघाभा० अमकुसु० राजा मामत मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीआगमगच्छे श्रीसिंहदत्तसूरिभि श्रीरस्तु ॥

९१०. सं० १६७७ वर्षे मार्गशीर्षशुक्र २ रवौ स्तंभतीर्थे लघुशाखीयश्रीश्रीमालीज्ञातीयमा० नाकरपु० भा० रहिआकेन का० श्रीसुविधिनाथबिंबं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीभट्टारकश्री विजयदेवसूरिभि ॥

९११. संवत् १७८४ मागसिरवदि ५ दिन बुधवासर श्रीस्तंभतीर्थबंदिरे श्रीतपागच्छे सुविहितभट्टारकश्री आणंदविमलसूरिपट्टप्रभावक श्रीविजयदानसूरि तत्पट्टे भ० श्रीहीरविजयसूरिपट्टे भट्....विजयसेनसू-

रिपट्टे भ० श्रीविजयदेवसूरिपट्टप्रभावकसकलभ० पुरंदरभ० श्रीविजयप्रभसूरिपट्टे संविज्ञपक्षे भट्टारकप्रभुश्रीज्ञानविमलसूरीश्वरचरणपादुकाः शुभं भवतु ॥

९१२. संवत् १८४८ वर्षे माहशुदि १० गुरौ भट्टारकश्री १०८श्रीज्ञानविमलसूरि तत्पट्टे श्रीलक्ष्मीविमलसरि तत्पट्टे श्रीमहिमाविमलसूरिचरणपादुका कारापिता खंभायतनगरे ॥

माणेकचोक, श्रीपार्श्वनाथजिनालय.

९१३. स० ईलाही ४८ सं० १६५९ वर्षे वैशाखवदि ६ गुरौ श्रीस्तंभतीर्थबंदिरे श्रीओसवालज्ञातौ वृद्धशाखायां आतुरागोत्रे सौवर्णिकसा० वछिआभार्यासोहागिणिसुतसो० तेजपालनाम्ना भार्यातेजलदेप्रमुखपरिवारयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छे भ० श्रीहेमविमलसूरिपट्टप्रभाकरभ० श्रीआणंदविमलसूरि[पट्ट]मुकुटमणिभ० श्रीविजयदानसूरिपट्टपूर्वपर्वतपद्मपाणि(?)भट्टारककोटीरहीरभ० श्रीहीरविजयसूरिपट्टपायोनिधिपीयूषमयूख(?)स्ववचनचातुरीचमत्कृतचित्तशाहिश्रीअकब्बरदत्तबहुमानभट्टारकपरंपरापुरंदरसुविहितसाधुशिरोमणिभट्टारकप्रभुश्रीविजयसेनसूरिभिः श्रीरस्तु ॥ (पाषाणप्रतिमा भोंयरामां)

९१४. स० १६६१ व० वै० शु० ७ सोमे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारि० सा० नाथुसुतसा० विनयकर्ण प्र० तपाश्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

९१५. सं० १६६१ वर्षे वै० शु० ७ सोमे सो० तेजपालभार्यातेजलदेकारितं श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्र० तपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

९१६. स० १६१० वर्षे ज्येष्ठशु० २ दिने [illegible] सा-

ईआ नरबदा भ्रात्रि श्रीपतिमा०रूपाई स्वकुटुंबश्रेयसे श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० श्री....णम(?)मत्रसूरिभिः ॥

९०६. सं० १५२८ वर्षे आषाढशुदि २ सोमे श्रीऊकेशवंशे साधुशाखायां सा० पर्वतभा०मणकीपु०सा०तेजसीहश्रावकेण भा०डाही भ्रातृहर्षपतिप्रमुखपरिवारसहितेन श्रीसंभवबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

९०७. सं० १३९३ वैशा०व०१० शुक्रे श्रीवायटीयमहं० सोमसुतवयराकेन पितृव्यऊदाश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवायटगच्छे श्रीजीवदेवसूरिभिः ॥

९०८. संवत् १५९३ वर्षे वै०व०११ शुक्रे ओसवं० सा० षाषाभा० कर्माईसुतसा०मीमाभार्यामिरगाईसुतसा० शांतिदत्तभ्रा० पासदत्तसहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

शकोपुर, श्रीचिन्तामणिपार्श्वनाथजिनालय.

९०९. संवत् १५०८ वर्षे चैत्रशुदि १३ रवौ प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० मेघाभा० अमकूसु० राजा सामंत मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीआगमगच्छे श्रीसिंहदत्तसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

९१०. सं० १६७७ वर्षे मार्गशीर्षशुक्ल ९ रवौ स्तंभतीर्थे लघुशाखीयश्रीश्रीमालीज्ञातीयसा०नाकरपु०मा०रहिआकेन का० श्रीसुविधिनाथबिंबं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीभट्टारकश्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

९११. संवत् १७८४ मागसिरवदि ६ दिने बुधवासरे श्रीस्तंभतीर्थबंदिरे श्रीतपागच्छे सुविहितभट्टारकश्रीआणंदविमलसूरिपट्टप्रभाकरश्रीविजयदानसूरि तत्पट्टे भ० श्रीहीरविजयसूरिपट्टे सद....विमयाँकसु·

रिपट्टे भ० श्रीविजयदेवसूरिपट्टप्रभावकसकलभ० पुरंदरभ० श्रीविजयप्रभसूरिपट्टे संविज्ञपक्षे भट्टारकप्रभुश्रीज्ञानविमलसूरीश्वरचरणपादुकाः शुभं भवतु ॥

९१२. संवत् १८४८ वर्षे माहशुदि १० गुरौ भट्टारकश्री १०८श्रीज्ञानविमलसूरि तत्पट्टे श्रीलक्ष्मीविमलसरि तत्पट्टे श्रीमहिमाविमलसूरिचरणपादुका कारापिता खंभायतनगरे ॥

माणेकचोक, श्रीपार्श्वनाथजिनालय.

९१३. सं० ईलाही ४८ सं० १६५९ वर्षे वैशाखवदि ९ गुरौ श्रीस्तंभतीर्थबंदिरे श्रीओसवालवंशे वृद्धशाखायां आतुरागोत्रे सौवर्णिकसा० वछिआभार्यासोहामिणिसुतसो० तेजपालनाम्ना भार्यातेजलदेप्रमुखपरिवारयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छे भ० श्रीहेमविमलसूरिपट्टप्रभाकरभ० श्रीआणंदविमलसूरिप्रमु[पट्ट]मुकुटमणिभ० श्रीविजयदानसूरिपट्टपूर्वपर्वतपद्मपाधि(?)भट्टारककोटीरहीरभ० श्रीहीरविजयसूरिपट्टपाथोनिधिपीयूषमज्ज(?)स्ववचनचातुरीचमत्कृतचित्तशाहिश्रीअकब्बरदत्तबहुमानभट्टारकपरंपरापुरंदरसुविहितसाधुशिरोमणिभट्टारकप्रभुश्रीविजयसेनसूरिभिः श्रीरस्तु ॥ (पाषाणप्रतिमा भोंयरामां)

९१४. सं० १६६१ व० वै० शु० ७ सोमे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारि० सा० नाथुसुतसा० विमण्कर्ण प्र० तपाश्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

९१५. सं० १६६१ वर्षे वै० शु० ७ सोमे सो० तेजपालभार्यातेजलदेकारितं श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्र० तपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

९१६. सं० १६१० वर्षे ज्येष्ठशु० २ दिने [illegible] ठा-

जहड़सा० हस्तिरामसा० नरसिंहसा० -सिवाप्र०-सा० सहजपालेन सा० खराजपुत्रसा० महिपालयुतेन सा० अदादिपूर्वजपुण्यार्थ श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० श्रीखरतर. श्रीजिनसागरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

९१७. सं० ११७२ फाल्गुनशुदि ७ सोमे श्रीऊकेशीय-सावदे्वपत्न्या आम्रदेव्या कारिता ककुदाचार्यैः प्रतिष्ठिता ॥

९१८. सं० १५२५ वर्षे माघव० ६ प्राग्वाट्य० पर्वत-भार्याफलीपुत्रव्य० गेपाभ्रातृव्य० पीमाकेन भार्यारत्नादेप्र० कुटुंबयुतेन श्रीअनंतनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

९१९. सं० १५२९ वर्षे ज्येष्ठवदि १ चिचटगोत्रे सा० श्रीरत्नभा० अमरादेपुत्रसा० श्रीसूरपालेन भा० रामतिपु० सिधराज सुधारण श्रीवंतसहितेन मातृपित्रोः श्रेयसे श्रीसुमतिबिंबं का० प्र० श्रीक्कसूरिभिः ॥

९२०. सं० १३.................................श्रे० वासभुव महं० भीमेन श्रीमहावीरः कारापितः.................श्रीमदनसूरिभिः ॥

९२१. सं० १३७१...
श्रीशांतिनाथबिंबं कारित प्रतिष्ठितं श्रीमुकवि(ति)सूरिभिः ॥

९२२. सं० १४२३ फागुणसु० ९ चं० श्रीश्रीमालज्ञा० पितृसाल्हाभार्याहीरादेविश्रेयसे सुतदेउदाकेन श्रीपद्मप्रभस्वामिबिंबं का० श्रीपूर्णि० प्र० श्रीसुमतिसिंहसूरीणामुपदेशेन ॥

९२३. सं० १५३६ वर्षे पोषवदि २ गुरू श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रेष्ठिमूलाभा० नाईपुतधामई भार्याराणीश्रेयोऽर्थं श्रीविमलस्वामिश्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठि० श्रीवीरसूरिभिः काद्राआणीवास्तव्यः ॥

९२४. सं० १०२४ वर्षे...

....महं पितामहीश्रे० श्रीमार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीसागरचंद्रसूरिभिः ॥

९२५. सं० १२२८ वर्षे माघवदि ९ बुधे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० रावामा० माणिकिदेसुतगोनागोभ्यद एतैः पितृपितृव्यसरवणशाल्हा-श्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीब्रह्माणगच्छेशश्रीवीरसूरिभिः वणुद्रवास्तव्यः ॥

९२६. सं० १२५४ वर्षे माघव० ९ पत्तनस्यश्रे० हरिपाल्ह-भार्यासीतपु०ठ० अजयपाहभार्याल्पमसुतगोनामूनापप्रधानिग पित्रोः श्रेयसे [पार्श्व]बिंबं का० प्रति० चैत्रगच्छे श्रीधर्मदेवसूरिभिः ॥

९२७. सं० १२६२ वर्षे वैशाखशु० ६ गुरौ श्रीब्रह्माणगच्छे ठ० जयतसीहश्रेयोऽर्थं पद्मसीहेन श्रीमहावीरप्रतिमा कारिता प्रतिष्ठिता श्रीविमलसूरिभिः ॥

९२८. सं० १२६६ ज्येष्ठशुदि २ धारापद्रीयगच्छे श्रीजिन-दत्तसूरौ पितृराणामातृशिवादेविश्रेयोऽर्थं अ(श्र)णनूकेन कारितः ॥

९२९. सं० १२२९ वर्षे वैशाखवदि ९ शुक्रे श्रीमाल्ज्ञातीय-देपाल्हभार्यानुरूदेविश्रेयोऽर्थं सुतमहं आल्हणेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीभावदेवसूरिभिः श्रीभावडारगच्छे ॥

९३०. सं० १२९२ ज्येष्ठवदि १० श्रीमहावीरदेवप्रतिमा ठ० अभयराजश्रेयोऽर्थं पुत्रभोमदेवेन कारिता प्रतिष्ठिता जिनचंद्रसूरिभिः ॥

९३१. संवत् १४१७ वर्षे द्वि० वैशाखवदि ११ सोमे श्रीश्री-माल्ज्ञातीयश्र० पूजा(?)भार्याकुंवारदेश्रेयसे सुतभादाकेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० पिप्पलाचार्यश्रीधर्मतिलकसूरिभिः ॥

९३२. सं० १२७० वैशा० शु० ६ रवौ ब्रह्माणगच्छे पितृ-यशोधर.......निमित्तं ठ० पालाकेन श्रीनेमिनाथबिंबं कारितं श्रीप्रद्यु-म्नसूरिसंताने ॥

सहितेन पूर्वजपुण्यार्थं श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभि. ॥

९४०. संव० १५५० वर्षे वैशाखशु० ३ उपकेशज्ञातीय गोवर्द्धनगोत्रे　　साहमूलाभार्यामूलीसुतशवाप्रथमभार्यासोनलदेनिमित्तं स्तपुण्यदेवा अपरभार्याकुंअरिपुत्रनगराजपौत्रछाजूयुतेन श्रीअभिनंदन-बिंबं का० प्र० श्रीउपकेशगच्छे ककुदाचार्यसंताने श्रीदेवगुप्तसूरिभिः श्रीपत्तने ॥

९४१. सं० १४२९ वर्षे माघवदि ७ सोमे श्रीमालज्ञातीय ठ० फूरसीहभार्या आल्हणदेव्या सुतावानूश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीपू० श्रीगुणभद्रसूरीणामुपदेशेन प्र० श्रीसूरिभिः ॥

९४२. सं० १६....वर्षे वैशाखशुदि ९ शुक्रे श्रीवासुपूज्यबिंबं बाईलांपू प्रणमति ॥

९४३. सं० १४९? वर्षे माघशुदि ९ बुधे श्रीअंचलगच्छेश-श्रीजयकीर्त्तिसूरीणामुपदेशेन ऊकेशवंशे सं० गोपाभा० साधूव्या रमाई-श्राविकया निजश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च समग्र-श्रीसंघेन ॥

९४४. सं० १९८४ ज्येष्ठशुदि १६ ऊकेशवंशे कांकरीया-गोत्रे सा० रत्नाभार्यापीमाईपुत्रनाहराजपालेन भार्यावीराईपुत्रविद्याधरादि-सहितेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्र० खरतरगच्छे श्रीजिन-माणिक्यसूरिभिः ॥

९४५. सं० १४३४ वर्षे आषाढशु० ६ गुरु श्रीमालज्ञा० पितृमहंमांगणभा०　　नीसलभा०महालक्ष्मयालदेमाहण........श्रे०महं० देवसिंहेन श्रीमहावीरपंचतीर्थी कारिता श्रीश्रीकमलचंद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

22

९३३. सं० १५१३ प्राग्वाटसा० छीबाभार्यासिरीपुत्रसा० जगाकेन भा० पूरीभ्रातृआपापुत्रछांछाल्पपादियुतेन श्रीधर्मनाथबिंबं कारि० प्रतिष्ठितं तपाश्रीसोमसुंदरसूरिश्रीजयचंद्रसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभि० श्रीलोहिआणावास्तव्यः ॥

९३४. सं० १२७० वर्षे माघवदि १ गुरौ श्रीमालज्ञातीय० पितृमहं श्रीआहुडमातृजयतल्देश्रेयसे........हाभ्यां श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं ॥

९३५. सं० १६१७ वर्षे पोषव० १ दिने चोरासयसा० जगुभा०कीकापुत्रसा० वस्ता पामा कारापितं श्रीसुमतिनाथबिंबं श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

९३६. संवत् १५६८ वर्षे वैशाखशुदि ३ शुक्रे दिने प्रागवाटज्ञातीयमं० सोमाभा० मटकूपुत्रजुठाकेन भार्यावल्हादेपुत्र वच्छाहर्षादिसकलकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीहेमविमलसूरिभिश्चिरं जीयात् आचंद्रार्कं नंद्याद् बिंबं कर्त्ता च ॥

९३७. सं० १५२५ वर्षे माघशु० १३ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० श्र० पांचाभा० पोमीसुतमं० आल्हणसिंहेन भा० जीविणिसुत हेमादिकुटुंबयुतेन पुत्रीघनीश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं श्रीआगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिगुरूपदेशेन का० प्रतिष्ठापितं च माणकुलिवास्तव्यः ॥

९३८. सं० १४९९ वर्षे माघवदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय० व्य० नरीआभा० देमूपु० देपालभा० हीरादेशांति(?)पु० माणिके पि० म० श्रीसुमतिनाथबिंबं का० नागेंद्रगच्छे प्रति० श्रीपद्माणंदसूरिभिः॥

९३९. सं० १५२८ वर्षे आषाढशुदि २ सोमे प्राग्वाटवंशे मं० साहूलपुत्रसा० सिवाकेन भार्यारत्नाईपुत्रश्रीराजगेईयादि०

सहितेन पूर्वजपुण्यार्थं श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

९४०. संवत् १५३० वर्षे वैशाखशु० ३ उपकेशज्ञातीय गोवर्द्धनगोत्रे साहमूलाभार्यामूलीसुतशवाप्रथमभार्यामानल्देनिमित्तं साधुश्रदेवा अपरभार्याकुंअरिपुत्रनगराजपौत्रछाजूयुतेन श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० श्रीउपकेशगच्छे ककुदाचार्यसंताने श्रीदेवगुप्तसूरिभिः श्रीपत्तने ॥

९४१. सं० १४२९ वर्षे माघवदि ७ सोमे श्रीमालज्ञातीय ठ० कुरसीहभार्या आल्हणदेव्या सुतावानूश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीपु० श्रीगुणभद्रसूरीणामुपदेशेन प्र० श्रीसूरिभि. ॥

९४२. सं० १३....वर्षे वैशाखसुदि ९ शुक्रे श्रीवासुपूज्यबिंबं बाईल्हांपू प्रणमति ॥

९४३. सं० १४९? वर्षे माघसुदि ९ बुधे श्रीअंचलगच्छेश-श्रीजयकीर्त्तिसूरीणामुपदेशेन ऊकेशवंशे स० गोपाभा० साधूदेव्या रमाई-श्राविकया निजश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च समग्र-श्रीसंघेन ॥

९४४. सं० १५८४ ज्येष्ठसुदि १२ ऊकेशवंशे कांकरीवा-गोत्रे सा० रत्नाभार्यापीमाईपुत्रसाहाराजलाकेन भार्यावीराईपुत्रविद्याधरादि-सहितेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्र० खरतरगच्छे श्रीजिन-माणिक्यसूरिभिः ॥

९४५. सं० १४२४ वर्षे आषाढशु० ६ गुरु श्रीमालज्ञा० पितृमहंमांगणभा० नीसिलभा०महाहस्म्यालदेमाल्हण............श्रे०महं० देवसिंहेन श्रीमहावीरपंचतीर्थी कारिता श्रीश्रीरूपचंद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

९४६. सं० १५३९ वर्षे पोषवदि २ गुरु श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० वाघाभा० वीजलदेसुतपाईभाभा० माणिकिदेसुतत्र-स्तावीरासहितेन स्वपूर्वजश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारापितं प्र० श्रीविमलसूरिपट्टे भट्टारकश्रीबुद्धिसागरसूरिभिः काहीआणावास्तव्यः ॥

९४७. सं० १५२९ वर्षे वै० शुदि ५ शुक्रे श्रीमालज्ञातीय-सा० पुजाभा० लीलूसुतशाणाकेन भार्याहीराईपुत्रहर्षादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे मत्रा० श्रीअभिनंदनबिंबं श्रीआगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठापितं च स्तंभतीर्थे ॥

९४८. संवत् १७१३ वर्षे कार्त्तिकवदि २ दिने पातिसाह श्रीसाहिजिहांविजयमानस्तंभतीर्थबंदिरवास्तव्य ओसवालज्ञातीय वृद्धशाखीयसा० धुलासुतसा० पीमसीभार्यासिपाईपुत्रीबाईसोनाई पीमाईइं स्वकुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीवीरपरंपरागततपागच्छाधिराजपातिसाहि श्रीअकब्बरप्रदत्तबहुमानभट्टारकश्रीहीरविजयसूरि तस पाटवी पातिसाहि श्रीअकब्बरसभाप्राप्तजयवादभ० श्रीविजयसेनसूरि तस पाटवी पाति-साहिश्रीजिहांगीरप्रदत्तमहातपाबिरुदधारकभट्टारकश्रीविजयदेवसूरि तस पाटवी २ हवा आचारय श्रीविजयसिंहसूरि भ० श्रीविजयप्रभसूरि ते मध्ये प्रथम पाटवी मेवाडदेशाधिपतिराणाजगतसिंहादिअनेक राजप्रतिबोधक श्रीश्रीविजयसिंहसूरि ते थाप्या. पछी २८ वरसे सुरलोकि पधार्या तेहनी पादुका करावी छे ते तदनन्तर श्रीविजयदेवसूरि स्वहस्त स्थापित औदार्यधैर्यगांभीर्यादिगुणविराजमान वाणीविशाल भट्टारक श्रीविजयप्रभसूरि प्रतिष्ठावी छइ ॥ इति मंगलम् ॥

माणेकचोक, श्रीधर्मनाथजिनालय.

९४९. सं० १५१५ व० माघशु० १ शु० श्रीमालज्ञा०

महं० मालाभार्यामाल्हणदेसुतधारकेन मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं पूर्णिमाप० श्रीसाधुरत्नसूरीणामुपदेशेन घूद्ग्रामे ॥

९९०. सं० १५१९ वर्षे ज्येष्ठवदि २ सोमे श्रीश्रीमा० कानूगोत्रशाखायां व्यव० कुंराभार्याकुंअरिसुतचूपाभिधानेन जगाकेन श्रीश्रीश्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं नागेंद्रगच्छे श्रीगुणसमुद्रसूरिपट्टे श्रीगुणदेवसूरिभिः ॥

९९१. संवत् १५९६ वर्षे वै० व० ११ शुभे श्रीश्रीमालीय मे० हीराभा० सिणारदेपुत्रश्रे० पुनाभा० मरकुसु० श्रे० गोरधन भा० गुरदेकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंब कारित प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिपट्टे श्रीउदयसागरसूरिभि ॥ श्री ददहाग्रामे ॥

९९२. सं० १५६९ वर्षे मार्गशु० १० प्राग्वाटश्रे० भीमाभा० रमाइसुतकालाभा० दूबीनाम्न्या पुत्रसिवदास देवदास सिवदास प्र० कुटुंबयुतया श्रीआदिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठित श्रीसूरिभिः पत्तनके ॥

९९३. सं० १५६९ वर्षे मा० शु० ९ गु० श्रीमाल० सुराभार्याभरमाइसुतश्रे० भीमाकेन भा० बहुभा स० भा० सरूप सुतनाथादियुटुंबश्रेयसे श्रीधर्मबिंबं का० प्र० तपा० श्रीहेमविमलसूरिप० श्रीआनंदविमलसूरिभि ॥

९९४. संवत् १५५४ वर्षे फागुणसुदि ९ शुभे श्रीऊकेशवंशे सा० शुभकराभा० कोडाइ० सा० भवमालसुश्रावकेण भा० देवलदेपु० सा० श्रीवच्छभा० सूमाई एतुअ सुताः० श्रीवृष० हरीगुरदेकुटुंबसहितेन श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीआनंदप्रभसूरिभिः श्री देवदेव सुराष्ट्र पुर. ॥

९९५. सं० १३०४ वैशाखशु० १० श्रीमन्दुद्वेदगच्छे

श्रीमालज्ञातीयश्रे० बाहडश्रेयोऽर्थं सु....न चतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीपुरुषोत्तमसूरिभिः ॥

९९६. संवत् १९१२ वर्षे फागुणशुदि ८ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० सिंगाभार्या ब० सिंगारदेसुतसा० वाछाभार्या ब० राजूसुतसा० जोणकेन भार्या ब० मांजूपुत्र मा० रींडा मा० सांडा गोधाभ्रातृमा० महिराजभ्रातृव्यमा० हापाप्रमुखसमस्तकुटुंबसहितेन स्वश्रेयोऽथ त्रयोविंशतिजिनसहितश्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीरस्तु ॥

९९७. सं० १९०८ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसं० कडूयाभा० सं० कुंतिगदेसु० सं० सालिगभा० सं० सुल्हीसु० सं० भोजाकेन भा० सं० पार्वतीसहितेन स्वभार्याश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथजीवितस्वामिबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीश्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना श्रीस्तंभतीर्थे ॥

९९८. संवत् १९१३ वै० वदि २ श्रीश्रीमालीज्ञातीयसर्द० शालीयपरीक्षकसारंगभार्याहाकूपुत्रप० गजाकेन भा० माणिकपुत्रजइतावीराहीरासुतेन श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः आशापल्लीनगरे ॥

९९९. सं० १९३७ वर्षे ज्येष्ठवदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय ठ० जइताभा० पाउंसुतठ० मांमटेन भा० नागिणिद्वि० भा० कुतिगदेप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं वृद्धतपापक्षे श्रीउदयसागरसूरिभिः प्रतिष्ठितं बोरसिद्धिग्रामे ॥

माणेकचोक, श्रीमहावीरस्वामिजिनालय.

९९०. सं० १९१२ वर्षे माघसु० १२ सोमे श्रीमालीज्ञातीय

श्रे० लापामा० लाडीपुत्र्या गांगीनाम्न्या सं० हरीयाभार्यया सुतदेवा-युतया श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीभट्टा० श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

९६१. सं० १५०६ वर्षे........श्रीश्रीमालज्ञातीयव्य० विजपालभा० पातूसुतघीघाकेन पितृव्यचांपामा०साऊपितृव्यनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीशीतलनाथपंचतीर्थी कारापिता पूर्णिमाप० श्रीरामतिलकसूरिभिः प्रतिष्ठितः ॥

माणेकचोक, श्रीपार्श्वनाथजिनालय.

९६२. सं० १५२९ व० वैशाखवदि ११ र० प्राग्वाटज्ञातीयश्रीश्री० ज्ञा० वडागोत्रे दो० वाउउभा०फतू पु० परवतनायउ-भार्याहांसीपुत्रफडूआसहितेन स्वपु० श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० पू० श्रीधर्मशेखरसूरिपट्टे श्रीविशालराजसूरीणामुपदेशेन ॥

९६३. सं० १५१२ वर्षे माघशुदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयव्यव० रामणभा० रमादे समस्तकुटुंबेन व्यव० देपानिमित्तं श्रीशांतिनाथबिंबं का० श्रीपूर्णिमापक्षे प्रधानश्रीजयप्रभसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विहाणे ॥

९६४. सं० १५१० वर्षे फागु०शु०११ शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० सं० देवाईतभा०सं०कर्मादेसु०सं०धीराभा०सं०लापूनाम्न्या सु० मूलायुतया स्वश्रेयोऽर्थं जीवितस्वामिश्रीशांतिनाथबिंबं श्रीपूर्णिमा० श्रीगुणसमुद्रसूरीणामु० का० प्र० ॥

९६५. सं० १५१३ वर्षे वैशाखशुदि ३ दिने श्रीश्रीमालज्ञा० सं० हासाभा० हदूपु०हीराकेन भा० तेजूपुत्रसं० विद्याधरादियुतेन श्रीश्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः घोघावास्तव्य शुभं भवतु ॥

९९६. सं० १५१५ वर्षे माघशुदि ७ दिने गंधारवासिसं० वयरसीभा० भइतूसुतसं० नरपालेन भा० भरमादेसुतवर्द्धमानभ्रातृसं० शिवराजभा० कर्मादेसुतवस्तुपालादिसुतेन मातृश्रेयोऽर्थं श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्र० तपागच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिभिः प्राग्वाटज्ञातीयेन शुभं भवतु ॥

९९७. संवत् १५९१ वर्षे वैशाखशुदि १३ गुरौ श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयसं० मोटाभा० मं० कुंअरिपुत्रमं० पोनासुश्रावकेण भा० राजूंपु० धावरभ्रातृरंगाभा० रंगादेसुखपकुटुंबयुतेन सं० णनाश्रेयोऽर्थं श्रीसुवि-धिनाथबिंबं कारितं श्रीअंचलगच्छे श्रीसिद्धान्तसागरसूरीणामुपदेशेन प्रति-ष्ठितं श्रीसंघेन धंधूकानगरे ॥

९९८. संवत् १५६७ वर्षे वैशाखशुदि १० दिने ओसवाल-ज्ञातीयमं० समधरभा० कीकीपु० मं० नायाभा० नंगीपु० मं० नादम० नर-बद् द्वितीयाभा० पुतली पु० रामपाल महिमपाल तृतीयाभा० रहीपु० वस्तुपालमहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीश्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीद्विवंदनीकगच्छे सिद्धाचार्यसं० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः महलग्रामे वास्तव्यः॥

९९९. संवत् १६७३ व० फागुणशु० २ रवौ श्रीपावइहा-म० ओसवालज्ञा० पाटडगो० मा० [illegible] विमिहमा० वगु दन्या पु०ळखमायुक्तया स्वश्रेयसे श्रीवद्ध[illegible]बिंब [illegible] श्रीविजय सिंहसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

९०० [illegible] १६७ [illegible] फागुणशुदि [illegible] म० सिवाभा० [illegible] सहितेन स्वपुण्यार्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं [illegible] श्रीविजयदत्तसूरिभिः ठीकामि ॥

९०१. सं. १५०९ वैशाखवदि ११ शुक्रे श्रीउपकेशवंशे चोरवेडगोत्रे देवपहराकुले साहसी [illegible] श्रीजिन-

दत्तनाम्ना श्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथमुख्यदेवयुतः चतुर्विंशतिजिनपट्टः कारितः प्रति० श्रीउकेशगच्छे श्रीकक्कसूरिभिः ॥

९७२. संवत् १९१२ वर्षे माघवदि ९ सोमे श्रीस्तंभतीर्थ-वास्तव्यश्रीओसवालज्ञातीय सो० नरसिंगभा० नागलदेसुतसो० शिवरभा० हर्षसुतसो० सहसकिरणसो० पोमसीहाख्या श्रीअभि-नंदनमूलनायकयुतचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसुविहितसूरिभिः ॥

९७३. संवत १६७७ वर्षे मार्गशीर्षसित ९ रविवासरे स्तंभतीर्थे वृद्धशाखीय ओसवालज्ञातीयदो० माईयासुतदो० हीरामार्याबा० हर्षमदेसुतया सा० मेघभार्यामयगलदेसुतसा० सहसराजभार्यया बा० फूलानाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथजिनबिंबं स्वप्रतिष्ठायां प्रतिष्ठापितं प्रतिष्ठितं च तपागच्छालंकारभ० श्रीविजयसेनसूरीश्वरपट्टालंकारभ० श्रीविजयदेवसूरिभिः जीयादाचंद्रार्कः ॥

९७४. सं. १६३० वर्षे माघशुदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठिगणपतिभार्याबासुसुतवस्ताकेन पितृमातृनिमित्तं आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारापितं श्री ्णिमापक्षे श्रीवीरप्रभसूरिपट्टे श्रीकमल-प्रभसूरिणा प्रतिष्ठितं विधिभिः पहहलग्रामे ॥

९७५. संवत् १९१७ वर्षे वैशाखशुक्लपक्षे प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० बादामा० मनीसुतश्रे० नाथाकेन भा० माहादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीरत्नशेखर-सूरिभिः श्रीअहमदाबादनगरे ॥

९७६. संवत १९०८ वर्षे वैशाखशु० ६ श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० नागसीभा० अमृतसुतवाछाकेन भार्याभमकूसुतश्रीरंगपरापसीयुतेन स्वश्रे-योऽर्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः संभाइवास्तव्य ॥

९७७. संव० १९११ वर्षे माघशु० ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे०सांगाभार्यासहिजलदेसुतलापाकेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं ब्रह्माणगच्छे श्रीमुनिचंद्रसूरिभिः नीमरारवास्तव्यः ॥

९७८. संवत् १९१९ ज्ये०शु०१९ प्रा० श्रे० कर्मणभार्याकपूरीपुत्रवडूआकेन भार्यामानू स्वभ्रातृवडूआ भा०लीलाईप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

९७९. सं० १९०६ वर्षे मा०शु०१३ कर्पटवाणिज्यवासि उकेशज्ञातीयश्रे० नरपालभा०नामलदेपुत्रधर्मसिंगेन भार्याकर्मादेभ्रातृनभोगादियुतेन स्वभ्रातृश्रे० आसाश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० वृहत्तपाश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

९८०. सं० १६६८ वर्षे आषाढशुदि २ शनौ सा० जसराज कारितचैत्ये श्रीसोमचिंतामणिपार्श्वनाथपरिकरः प्र० त० श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

९८१. सं० १४४७ वर्षे फा० शु० ८ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० गोला वृद्धभ्रातृव्य० चेतलसुतव्य० धरणभार्यासहसवरसुत व्य० भीलाकेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथमुख्यनाथकसमाधा पंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता च श्रीसूरिभिः शुभं भवतु ॥

माणेकचोक, श्रीशान्तिनाथजिनालय.

९८२. सं० १४९८ वर्षे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रेष्ठिपोपाभार्या मधकू तया भर्तृश्रेयोऽर्थं आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः श्रीमीरपुरवास्तव्यः ॥

९८३. संवत् १९१७ वर्षे फागणशुदि ३ शुक्रे श्रीश्रीमाल-

ज्ञातीयमंत्रवीरमसीभा० वर्मादेसु०पितृरामामा० मनुश्रेयोऽर्थं सु० रामा मूल् शिवा एतैः श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं पूर्णिमापक्षीयश्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्र० श्रीसंघेन कागदवासृतपः ॥

९८४. संवत् १६५२ वर्षे माघव० ९ शुक्रे मोढज्ञातीयठ० कीकाभार्या....बाईपुत्रठ०नाइआख्यस्य भगिनीबा०जीबाईनाम्न्या श्रीधर्मनाथबिंबं कारापितं स्वप्रतिष्ठायां तपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं स्वहस्तेन श्रीसंघेन महतादरेण । श्रीसंघस्य भद्रं भवतु ॥

९८५. संवत् १५२२ वर्षे पौषवदि १ दिने ऊकेशवंशे.... ....कारितं प्र०खरतरगच्छे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे जिनहर्षसूरिभिः शुभं भवतु ॥

९८६. संवत १५०८ वर्षे ज्येष्ठशुदि ११ सोमे श्रीमालज्ञातीयश्रे०कर्मसीभार्यागुरीसुतवाच्छाकेन भ्रातृकान्हाभार्यामागिणि द्वयोर्निमित्तं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं श्रीब्रह्माणगच्छे प्रतिष्ठितं विमलसूरिभि ॥

९८७. सं० १५२८ वर्षे वैशाखशुदि १२ सोमे श्रीमालज्ञातीयश्रे० जयताभार्यादेवकूसुतभावडभार्याअमरी मांनाभार्यावीरूसुतेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीसुविधिनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीगुणरत्नसूरिपट्टे श्रीगुणसागरसूरिभिः ॥

९८८. संवत १५१० वर्षे फागुणवदि २ शुक्रे श्रीगूर्जरज्ञातीयमं० सहदेभा० समकूसुतमं०शिवासीहामूंमाकर्माई तयोः आत्मश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीआगमगच्छे श्रीहर्षतिलकसूरिभिः श्रीर्भूयात् ॥

९८९. सं० १५०८ वर्षे वै०व०१० रवौ प्राग्वाटज्ञातीय धाङ्गावासिश्रे० मामाभार्याफकूसुतगलाकेन भार्याप्रहतीप्रभृतिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

९९०. संवत् १५०४ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ श्रीअंचल-गच्छे गच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीऊकेशवंशे मणीयरीशा-भार्यासिरूपुत्रम० काइयासुश्रावकेण भार्याहीरूसहितेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

९९१. सं० १५६३ वर्षे वैशाखशु० ६ दिने ऊकेशवंशे भंडारीगोत्रे मं० मोजापुत्र० मं० आसापुत्रमं० सूधरानभा० कस्तूराईपुत्रमं० छटकणसुश्रावकेण पुत्रपौत्रसपरिवारेण स्वभार्याश्रा० नाकूश्रेयोऽर्थं श्रीकुं-थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजि-नहंससूरिभिः ॥

९९२. संवत् १५९९ वर्षे माहशुदि १२ शुक्रे....ज्ञातीय साहश्रीसामा० नाकू कारापितं श्रीसुमतिनाथ तपागच्छे श्रीआणंदविमल-सूरिभट्टारकश्रीविजयदानसूरिप्रतिष्ठितं । शुभ भवतु ॥

९९३. संवत् १४८८ वर्षे ज्येष्ठवदि ४ शनौ उपकेशज्ञातीय साहसामलसुतसिंघाकेन कुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छाधिराजश्रीसोमसुंदरसूरिभिः शुभम्भं ॥

९९४. सं० १५३० वर्षे चैत्रवदि ९ गुरु श्रीश्रीमालज्ञा० महंवीरासुतम० माइआभा० माणिकदेसुतनाथासहितेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीश्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीदेवेंद्रसूरीणा-मुपदेशेन मोआसिजग्रामे ॥

९९५. सं० १४१७ वर्षे ज्येष्ठसुदि ९ शुक्रे श्रीगौर्जरज्ञा० पिं० मसा भा० लाछलदेश्रे० सुतम० पाल्हणसीहेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीधर्मचंद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

९९६. सं० १५४४ वैशाखशुदि १० आसपालभा०

मल्हणदेपुत्रसोलाछ्रमदाभ्यां श्रीआदिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीगुणाकरसूरि उपदेशेन ॥

९९७. संवत् १६६१ वर्षे कार्तिकवदिपंचम्यां बुधे पत्तननगरवास्तव्यमा० वच्छूमार्गा धा० श्रीबाईपुत्रसाहकान्हजीनाम्ना पुत्रसा० मेघजी सा० भीमजी सा० सींगजी प्रभृतिकुटुंबयुतेन श्रीशत्रुंजयोज्जयंतादितीर्थोद्धारपट्टः कारितः तपागच्छाधिराजभट्टारकश्रीविजयसेनसूरि आचार्यश्रीविजयदेवसूरिशिष्य उपाध्यायश्रीनयविजयगणिभिः प्रतिष्ठितः सकलसंघश्रेयसे स्तात् शुभाय भवतु ॥

माणेकचोक, श्रीवासुपूज्यजिनालय.

९९८. संवत १६४६ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ सोमे ऊकेशज्ञातीय सोनीतेजपालेन कारितं श्रीअनंतनाथबिंबं प्रति० श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

माणेकचोक, श्रीआदिनाथजिनालय.

९९९. सं० १९०८ वर्षे चैत्रशुदि ९ बुधे........गोत्रे ओसवंशे सं० पासड़ तत्पुत्र सं० परहपतिमा० र........तत्पुत्रसं० हीराकेन पुत्रसहितेन मातुः श्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपल्लीवालगच्छे श्रीगुणसुंदरसूरिभिः ॥

१०००. सं० १५४७(९) माघशु० १ गुरौ प्राग्वाटज्ञा० विभुम्य० पु(?)तनसीह............हंसहणसीहेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसुनिरत्नसूरिभिः ॥

१००१. संवत् १९२८ आषाढशुदि २ ऊकेशवंशे दीकगोत्रे मं० सिरामार्याहर्षुपुत्रमं० हीरामार्यारंगाईपुत्रलड्डुयाकेन सपरिवारेण श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

९९०. संवत् १५०४ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ श्रीअंचल-गच्छे गच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीऊकेशवंशे मणीयर्जीवा-भार्यावाछूपुत्रमं०फाइयासुश्रावकेण भार्याहीरूसहितेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

९९१. सं० १९६३ वर्षे वैशाखशु० ६ दिने ऊकेशवंशे भंडारीगोत्रे मं० मोजापुत्र०मं०आसापुत्रमं०भूधराजभा०कस्तूराईपुत्रमं० रूटकणसुश्रावकेण पुत्रपौत्रसपरिवारेण स्वभार्याश्रा०नाकूश्रेयोऽर्थं श्रीकुं-थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजि-नहंससूरिभिः ॥

९९२. संवत् १९९९ वर्षे माहशुदि १२ शुक्रे....शज्ञातीय साहश्रीसामा० नाकू करापितं श्रीसुमतिनाथ तपागच्छे श्रीआणंदविमल-सूरिभट्टारकश्रीविजयदानसूरिप्रतिष्ठितं । शुभं भवतु ॥

९९३. संवत् १४८८ वर्षे ज्येष्ठवदि ४ शनौ उपकेशज्ञातीय साहसामलसुतसिंघाकेन कुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छाधिराजश्रीसोमसुंदरसूरिभिः शुभमस्तु ॥

९९४. सं० १९१० वर्षे चैत्रवदि ९ गुरु श्रीश्रीमाल्ज्ञा० महंवीरासुतम० माइआभा०माणिकदेसुतनाथासहितेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीश्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीदेवेंद्रसूरीणा-मुपदेशेन माछातिजग्रामे ॥

९९५. सं० १४१७ वर्षे ज्येष्ठसुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमंतज्ञा० पि० ममा मा० आल्हदेश्रे० सुतम०पाल्हणमीहेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीधर्मचंद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

९९६. सं० १६४४ वैशाखसुदि १० आसपाकभा०

मल्हणदेपुत्रसोजाछनदाभ्यां श्रीआदिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीगुणाकरसूरि उपदेशेन ॥

९९७. संवत् १६६९ वर्षे कार्तिकवदि पंचम्यां बुधे पत्तननगरवास्तव्यप्रा० वच्छूभार्या श्रा० श्रीबाईपुत्रसाहकान्हजीनाम्ना पुत्रसा० मेघजी सा० भीमजी सा० सीरंगजी प्रभृतिकुटुंबयुतेन श्रीशत्रुंजयोज्जयंतादितीर्थोवतारपट्टः कारितः तपागच्छाधिराजभट्टारकश्रीविजयसेनसूरि आचार्यश्रीविजयदेवसूरिशिष्य उपाध्यायश्रीनयविजयगणिभिः प्रतिष्ठित. सकलसंघश्रेयसे स्तात् शुभाय भवतु ॥

माणेकचोक, श्रीवासुपूज्यजिनालय.

९९८. संवत १६४६ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ सोमे ऊकेशज्ञातीय सोनीतेजपालेन कारितं श्रीअनंतनाथबिंबं प्रति० श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

माणेकचोक, श्रीआदिनाथजिनालय.

९९९. सं० १५०८ वर्षे चैत्रशुदि ९ बुधे........गोत्रे ओसवंशे सं० पासदे तत्पुत्र सं० परबतभा० र........तत्पुत्रसं० हीराकेन पुत्रसहितेन मातुः श्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमलधारिश्रीगुणसुंदरसूरिभिः ॥

१०००. सं० १३४७(९) माघशु० १ गुरौ प्राग्वाटज्ञा० पितृव्य० ग(र)ननसीह............हंमहणसीहेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमुनिरत्नसूरिभिः ॥

१००१. संवत् १५२८ आषाढशुदि २ ऊकेशवंशे दोंकगोत्रे मं० सिवाभार्याहर्षूपुत्रमं० हीराभार्यारंगाईपुत्रलद्दुयाकेन सपरिवारेण श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

९९०. संवत् १५०४ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ ...
गच्छे गच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीऊकेशवंशे मणीयर्लीबा-
भार्याबाछूपुत्रम० फाइयासुश्रावकेण भार्याहीलूसहितेन श्रीसुमतिनाथबिंबं
कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

९९१. सं० १६६३ वर्षे वैशाखशु० ६ दिने ऊकेशवंशे
भंडारीगोत्रे मं० मोनापुत्र० मं० आसापुत्रमं० भूधराजभा० कस्तूराईपुत्रमं०
लटकणसुश्रावकेण पुत्रपौत्रसपरिवारेण स्वभार्याश्रा० नाकूश्रेयोऽर्थं श्रीकुं-
थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजि-
नहंससूरिभिः ॥

९९२. संवत् १५९९ वर्षे माहशुदि १२ शुक्रे....श्रज्ञातीय
साहश्रीसामा० नाकू कारापितं श्रीसुमतिनाथ तपागच्छे श्रीआणंदविमल-
सूरिभट्टारकश्रीविजयदानसूरिप्रतिष्ठितं । शुभं भवतु ॥

९९३. संवत् १४८८ वर्षे ज्येष्ठवदि ४ शनौ उपकेशज्ञातीय
साहसामळसुतसिंघाकेन कुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं
श्रीतपागच्छाधिराजश्रीसोमसुंदरसूरिभिः शुभमस्तु ॥

९९४. सं० १५२० वर्षे चैत्रवदि ५ गुरु श्रीश्रीमालज्ञा०
महंवीरासुतम० माइआभा० माणिकदेसुतनाथासहितेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं
श्रीश्रीश्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीदेवेंद्रसूरीणा-
मुपदेशेन माळातिग्रामे ॥

९९५. सं० १४१७ वर्षे ज्येष्ठसुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा०
पि० ममा मा० ...श्रे० सुतम० पाल्हणगीहेन श्रीशांतिनाथबिंबं
का० प्रतिष्ठितं श्रीधर्मचंद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

९९६. सं० १५४४ वैशाखसुदि १० भावसारभा०

मल्हणदेपुत्रसोलाकनहाभ्यां श्रीआदिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीगुणाकरसूरि उपदेशेन ॥

९९७. संवत् १६६१ वर्षे कार्त्तिकवदि पंचम्यां बुधे पत्तननगरवास्तव्यमा० वच्छूभार्या श्रा० श्रीबाईपुत्रसाहकान्हजीनाम्ना पुत्रसा० मेघजी सा० भीमजी सा० सीरंगजी प्रभृतिकुटुंबयुतेन श्रीशत्रुंजयोज्जयंतादितीर्थोद्धारपट्टः कारितः तपागच्छाधिराजभट्टारकश्रीविजयसेनसूरि आचार्यश्रीविजयदेवसूरिशिष्य उपाध्यायश्रीनयविजयगणिभिः प्रतिष्ठितः सकलसंघश्रेयसे स्तात् शुभाय भवतु ॥

माणेकचोक, श्रीवासुपूज्यजिनालय.

९९८. संवत् १६४६ वर्षे ज्येष्ठसुदि ९ सोमे ऊकेशज्ञातीय सोनीतेजपालेन कारितं श्रीअनंतनाथबिंबं प्रति० श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

माणेकचोक, श्रीआदिनाथजिनालय.

९९९. सं० १५०८ वर्षे चैत्रसुदि ९ बुधे........गोत्रे ओसवंशे सं० पासदे तत्पुत्र सं० परहतिभा० र........तत्पुत्रसं० हीराकेन पुत्रसहितेन मातुः श्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमलधारिश्रीगुणसुंदरसूरिभिः ॥

१०००. सं० १२४७(९) माघशु० १ गुरौ प्राग्वाटज्ञा० पितृव्य० पू(?)नसीह...........हंमहणसीहेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमुनिरत्नसूरिभिः ॥

१००१. संवत् १५२८ आषाढसुदि २ ऊकेशवंशे दोसीगोत्रे सं० सिवाभार्याहर्षूपुत्रसं० हीराभार्यारंगाईपुत्रकडुयाकेन सपरिवारेण श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनपद्मसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

१००२. सं० १९३१ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ
श्रे० देपामा० कर्मणिसुतमाणिकभार्यामाणिकदेसहितेन
मातृश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे
सूरीणां पट्टे श्रीहेमरत्नसूरिभिः ॥

१००३. संवत् १४८१ वर्षे माघशुदि ९ शनौ
ज्ञातीयव्य० विनाणंदव्य० मेहाव्य० पोनाभार्यापितल्देसुतव्य०
जीवितस्वामिश्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीरत्नसिंह
वृद्धतपापक्षे शुभं भवतु ॥

१००४. संवत् १९२२ वर्षे माघवदि १ गुरौ
श्रे० अर्जुनभा० अहवदेपुत्रश्रे० पाताभा० अरघूपुत्रश्रे०
भा० माघल्देसहितेन लघुभ्रातृश्रे० हीराश्रेयसे श्रीअंचलगच्छे श्रीज
केसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

१००५. सं० १९२३ वर्षे कार्तिकवदि ५ सोमे कालुपुरवा०
श्रीवायडज्ञातिदो० डूंगरभा० लाडिकि तया स्वमातृभ० देपाभा०
गांगीश्रेयसे आगमगच्छे श्रीमुनिरत्नसूरिगुरूपदेशेन श्रीशांतिनाथादि-
पंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता च ॥

१००६. सं० १९१३ वैशाखव० ५ शनौ वीरवंशे श्रे०
हांपाभार्याकांऊपुत्र्या श्रे० ठेपणभार्यया पूरीश्राविकया भ्रातृश्रे० केसव
नरसिंह जेसा प्रमुखकुटुंबसहितया श्रीअंचलगच्छनायकश्रीजयकेसरि-
सूरि उपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

१००७. सं० १४८८ वर्षे वैशा० शु० १० गुरौ ऊकेशवंशे
सा०.दोलाभार्याहीरादेसुतसा० अजेसीभार्याविजादेसुतवाछाकेन निजमातुः
श्रेयसे श्रीअभिनंदनदेवबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपापक्षे श्रीरत्न-
सिंहसूरिभिः ॥

१००८. संवत् १५५१ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे १३ तिथौ गुरुवासरे आणंदग्रामे श्रीवायडज्ञातीयश्रे० गोवडभा० कुतिगदे पुत्री पुगी बिंबं सुतसं० देवदासभा० मांईसु० श्रे० जनाभा० जसमादे सुतश्रे० पांचाचांदादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथप्रतिमा कारिता प्रतिष्ठिता वृद्धशालीयतपागच्छाधिराजश्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे गच्छनायक श्रीसुमतिसाधुसूरि तत्पट्टालंकारगच्छनायकश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

१००९. संवत् १९९८ वर्षे वैशाखशुदि १३ गुरौ मोढवंशे गांधीसधारणभार्यादेवदिपुत्रदेवचंद्रभार्यासंगाईपुत्रउदयचंदसमस्तपरिवारयुतेन श्राविका पुण्यप्रभाविका संगाई स्वपुण्यार्थे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छश्रीविजयदानसूरिभिः ॥

१०१०. सं० १६६० वर्षे माघशुदि १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयसं० वाछासुतसं० पूनाभा० लीलुसु० साहसूरजभार्या सताई तया सुतनाथाचांदासुतया स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं श्रीआगमगच्छाधीशश्रीश्वरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारितं प्रतिष्ठापितं च श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः ॥

१०११. सं० १२२९ माहशुदि १३ रवौ श्रे० सरणदेवेन सांतिय० जसयानिमित्तं कारिता प्रतिष्ठिता श्रीहरिभद्रसूरिभिः ॥ (पार्श्वनाथप्रतिमा)

१०१२. सं० [११]१२ वर्षे फागुणवदि १ सोमे धारापद्रीयगच्छे श्रे० नागाश्रेयोऽर्थं तस्य भार्या तिहुणदेवि श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं श्रीमाणिभद्रसूरिप्रतिष्ठितं ॥

१०१३. सं० १५०९ माघे शुदि ९ गुरौ डाभिलाग्रामे प्राग्वाटव्य० लाडणभार्याचंपीपुत्रव्य० हीराकेन भार्यानिजपुत्र हावड

सोपागिणि स्वपुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीविमलदानसूरिभिः प्रतिष्ठितं तपागच्छे ॥

१०२०. संवत् १४८८ फा०शुदि ८ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठिगोषाभार्यागंगादेपितृव्यनायाभा० नागलदेसुतनाइया तस्य मह अमय-सीहेन मातृपितृआत्मश्रेयसे श्रीशांतिनाथपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता तपापक्षे श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

१०२१. संवत् १५२० वर्षे चैत्रवदि ८ शुक्रे उप० श्रीऊ-र्दगो० सचारिसतगो०सा०धरणाभा०धांघलदेसु०तोलाकेन आत्मश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं श्रीनाणावाल० प्रति० श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥

१०२२. संवत् १६७७ वर्षे मार्गशीर्षसित ९ रविवासरे स्तंभतीर्थे श्रा० नयणीनाम्न्या श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च तपागच्छालंकारभ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

खारवाडो, श्रीमुनिसुव्रतजिनालय.

१०२३. संवत् १३४....आषाढ.................हारीय(?)गच्छे महं० कुता भा०...............थासें श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसुमतिसूरिभिः ॥

१०२४. सं० १५०४ वर्षे फा० शु० १३ शनौ प्रा० श्रे० गोवलभा० करमादे तयोः पुत्रपांचाभा० नाथी एतैः मातृपितृः श्रीपद्म-प्रभुबिंबं कारापितं प्रति० उके० सिद्धा० भट्टारि० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

१०२५. सं० १४८७ वर्षे मार्गशु० ९ शुक्रे श्रीओसवालज्ञा० पितृ० सूरा मातृसील्हणदेश्रेयसे सुतवस्ताकेन श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं श्रीचैत्रगच्छे प्रतिष्ठितं श्रीजिनदेवसूरिभिः ॥

१०२६. संवत् १५१९ वर्षे फागुणशुदि ८ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयपि० साहदेसलभा० देवलदेसु० पितृडोसा मातृकामलदेश्रेयोऽर्थं सु० सूंटाकेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं पूर्णिमापक्षीयश्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन कोरड़ावास्तव्यः ॥

१०२७. सं० १५०९ वर्षे माघे गूर्जरज्ञातीयमं० देवसीभा० कपूरीपुत्र्या मं० तर्नदपुत्रमं०सूराभा०श्रा०कुतीनाम्न्या श्रीशांतिनाथबिंबं का०प्रति० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थे॥

१०२८. [१३....] शुदि ९ श्रीनेर्वत(?)गच्छीय पुंगीसांगाकेन पितृव्यपातीहट..........सीहेन........श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं मलधारिश्रीश्रीतिलकसूरिभिः ॥

खारवाडो, श्रीमहावीरस्वामिजिनालय.

१०२९. संवत् १५४९ वर्षे आषाढशु० २ शनौ बोरसिद्धिवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयठ०पासाभा० टबकूसुतठ० नरपतिभार्यावल्हादेसुतठकरसिंहाकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठित श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीश्रीश्रीउदयसागरसूरिभिः श्रीटबकूश्रेयसे ॥

१०३०. सं० १५२१ वर्षे माघवदि ९ सोमे गांधीगोत्रे ओसवालज्ञा० सं० पासदेभा० चांपासिरीपुत्रसं०संसारचंद्रभा०सीतादेपुत्रसं०वीराकेन पित्रोः श्रेयसे मूलश्रेयसे स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीमलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिपट्टे श्रीगुणसुंदरसूरिभिः .....पैवासि ॥

१०३१. स्वस्तिसं० १५१० वर्षे फागुणवदि

श्रीहुंबडज्ञातीयठ० चनाया० बा० रान् तयोः पुत्रठ० पेथाभा० बा०
कर्मादे तयोः पुत्री मटिरागवृद्धंरनामानौ ताभ्यां स्वपितृ श्रेयसे श्रीचंद्र-
प्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीविमलनिष्ट-
सूरिपट्टे भ० श्रीविमलधर्मसूरिभिः श्रीः ॥

१०२२. सं० १५१८ वर्षे कार्तिकसु० १५ रवौ श्रीश्रीमाल-
ज्ञातीयमा० मरवदसुतमाणिकसोमाक० बा० वजूप० पचन सचन
भार्या० रमाईपु० सहिता एतैः आत्मश्रेयसे श्रीवासु पूज्यबिंबं कारितं
प्रति० श्रीआगमगच्छे श्रीसिंहदत्तसूरिभिः स्तंभतीर्थे ॥

१०२३. संवत् १५७९ वर्षे चैत्रव० ८ बुधे श्रीचांपकनेर-
वास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० रत्नाभार्यापर्विणिसुतप० कालाभातृ
धूमाकेन भा० गंगादेसुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्ध-
तपापक्षे श्रीधनरत्नसूरिभिः ॥

१०२४. सं० १५०९ वर्षे ज्येष्ठसुदि १० गुरौ श्रीश्रीमाल-
ज्ञातीयव्य० पीमसीसु० व्य० अमरदेभा० रत्नीसु० व्य० आल्हे-
णीभा० रापूसु० व्य० लाडणाकेन स्वभ्रातृमाडआसहितेन स्वपितृ
श्रेयसे श्रीशांतिनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरीणा-
मुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितश्च विधिना ॥

१०२५. सं० १५२१ वर्षे माघसुदि ५ शुक्रे प्राग्वा० श्रे०
भा० गूजरिसुश्रेनारदेन भा० मचकूबदभातृश्रे० मीपादिसुतेन
श्रेयसे श्रीश्रीमुनिसुव्रतनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीश्रीश्री-
सागरसूरिभि. ॥

१०२६. सं० १५१० वर्षे माघमासे देकावाटकीयप्राग्वाटव्य०
० सम्भूगिसुश्रसिवाकेन भा० रामतिपुत्रप्रमुखपरिवृतेन श्रीआदि-

१०२६. संवत् १५१५ वर्षे फागुणशुदि ८ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयवि० साहदेसलभा० देवलदेसु० पितृडोसा मातृकामल्देश्रेयोऽर्थं सु० सूंटाकेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं पूर्णिमापक्षीयश्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन कोरडावास्तव्यः ॥

१०२७. सं० १५०९ वर्षे माघे गूर्जरज्ञातीयमं० देवसीभा० कपूरीपुत्र्या मं० तर्नदपुत्रमं० सूरामा० श्रा० कुतीनाम्न्या श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्रति० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थे॥

१०२८. [१३....] शुदि ९ श्रीनेर्वत(?)गच्छीय पूंगीसांगाकेन पितृव्यवसीहड...........सीहेन.........श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं मलधारिश्रीश्रीतिलकसूरिभिः ॥

खारवाडो, श्रीमहावीरस्वामिजिनालय.

१०२९. संवत् १५४९ वर्षे आषाढशु० २ शनौ बोरसिद्धिवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयठ० पासाभा० टवकूसुतठ० सरपतिभार्यावल्हादेसुतठकरसिंहाकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीश्रीश्रीउदयसागरसूरिभिः श्रीटवकूश्रेयसे ॥

१०३०. सं० १५२१ वर्षे माघवदि ९ सोमे गांधीगोत्रे ओसवालज्ञा० सं० पासवेभा० चांपासिरीपुत्रसं० संसारचंद्रभा० सीतादेपुत्रसं० बीराकेन पित्रोः श्रेयसे मूलाश्रेयसे स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीमलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिपट्टे श्रीगुणसुंदरसूरिभिः स्तंभतीर्थवासि ॥

१०३१. स्वस्तिसं० १५१० वर्षे फागुणवदि ९ शुक्रे

श्रीहूंबडज्ञातीयठ० धनाभा० षा० रतनू तयोः पुत्रठ० पेथाभा० षा० कर्माई तयोः पुत्रौ महिरामगुरुचन्दनामानौ ताभ्यां स्वपितुः श्रेयसे श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीविमलप्रतिष्ठासूरिपट्टे भ० श्रीविमलधर्मसूरिवरैः श्री. ॥

१०१२. सं० १९१९ वर्षे कार्तिकशु० १९ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीयभा० मरकतुराभाहिलमोमाद० भा० वरजुपु० पवन सवन भार्याद० रमाईपु० सहिमा एतैः आत्मश्रेयसे श्रीवासु पूज्यबिंबं कारितं प्रति० श्रीआगमगच्छे श्रीसिंहदत्तसूरिभिः स्तंभतीर्थे ॥

१०१३. संवत् १९७९ वर्षे चैत्र० ८ बुधे श्रीबीकानेरवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयवृ० रत्नाभार्याधर्मिणिपुत्रप० काळाभातृधूराकेन भा० गंगादेपुत्रेन श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीधनरत्नसूरिभिः ॥

१०१४. सं० १९०९ वर्षे ज्येष्ठशुदि १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीयव्य० श्रीमलीसु० व्य० अमरदेभा० रत्नीसु० व्य० आल्हणसीभा० रामूसु० व्य० लाडआकेन लघुभ्रातृमाडआसहितेन स्वपितृश्रेयसे श्रीशांतिनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितश्च विधिना ॥

१०१५. सं० १९११ वर्षे माघशुदि ५ शुक्रे प्राग्वा० श्रे० रामाभा० गुरुदेपुत्रनारदेन भा० मनकूसुतभ्रातृश्रे० मीमादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रीमुनिसुव्रतनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीश्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१०१६. सं० १९१० वर्षे माघमासे देकावाटकीयप्राग्वाटव्य० नभा० सहूणिपुत्रसिवाकेन भा० रामतिपुत्रमनुलपरिवृतेन श्रीआदि-

नाथबिंबं कारितं प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः श्रेयो भवतु पूनकस्य ॥

खारवाडो, श्रीकंसारीपार्श्वनाथजिनालय.

१०३७. सं० १६७७ वर्षे कार्तिकसित ६ दिने स्तंभतीर्थवा० वृ० ओसवंशज्ञातीयसा० छंकाभार्या बाई मेघाई सुतसा० कान्हजीभार्यया श्रा० मरघादेनाम्न्या स्वकीयवरशोभाजितशशांकबिंबं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छभट्टारकप्रभुश्रीश्रीश्रीहीरविजयसूरिपट्टप्रभावकभट्टारकश्रीविजयसेनसूरिपट्टप्राचीनाचलचूलसहस्रकिरणायमाण(न)भट्टारकश्रीविजयदेवसूरिभिः सपरिकरैरानंदार्कं चिरं जीयात् ॥

खारवाडो, श्रीअनन्तनाथजिनालय.

१०३८. सं० १४२४ वर्षे वैशाखवदि २ बुधे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयमं०..............सीहभार्या धणदेवि..........महं० थाहाकेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं मलूकाश्रीगुणपभसूरिभिः ॥

१०३९. संवत् १५२२ वर्षे कार्तिकवदि १ सोमे श्रीमाल-ज्ञातीयश्रे० पितृदेल्हामातृरूपी सु० नाथाभार्या रामति भातृ काजाभा० कहीसुतवरसिंगेन स्वपितृ श्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीसाधुसुंदरसूरीणा गुपदेशेन बालुकडग्रामवास्तव्यः श्रीरस्तु ॥

१०४०. संवत् १५२९ वर्षे आषाढवदि २ (मद्वावदि १२ सोमे) श्रीप्राग्वाटज्ञातीयदो० कालिदास० भानुसुतदो० देवाभा० राजू तयोः पुत्र दो० टाइआदो० लीलाभार्या पूतलयोः पुत्र दो० गोपालप्रमुखकुटुंबश्रेयसे श्रीकुथुनाथबिंबं कारितं वृद्धतपागच्छे श्रीविजयरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीरस्तु ॥

१०४१. सं० १२८७ वर्षे माघसुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयपितृश्रे० फूंरसीह भ्रातृआ० कपूरदेवि मातृकील्हणदेविश्रेयोऽर्थं सुतमहिपालेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीचैत्रगच्छे श्रीपद्मदेव-सूरिपट्टे श्रीआनंदसूरिभि ॥

१०४२. संवत् १६१८ वर्षे माहसुदि ९ सोमे श्रीसुधर्मगच्छे भ०श्रीविनयकीर्त्तिसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रीमालज्ञातीयहरबाईकया श्रीवि-मलनाथः प्रतिष्ठितः ॥

१०४३. संवत् १६७७ वर्षे कार्त्तिकमासिरवतिदिने द्वितीयायां बुधवासरे स्तंभतीर्थे ओशवालज्ञातीयसा० जगसीभार्यातिमलदेपुत्रीबाई-धर्माईनाम्न्या कारितानि श्रीसुमतिनाथचतुर्मुखबिंबानि प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

खारवाडा, श्रीस्तंभनपार्श्वनाथजिनालय.

१०४४. सं० १३१९ ज्येष्ठ० ८ श्रीउकेशगच्छे श्रीकक-सूरिसंताने ठ० माल्हणभा० सुहवदेविपुत्रपाल्हणेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं पित्रोः श्रे० प्रति० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

१०४५. सं० १६९१ वर्षे ज्येष्ठसुदि ९ शुक्रे सौम० प्राग्वाट-ज्ञातीयठ० सज्जननिमित्तं ठ० गणपतेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीरत्नचंद्रसूरिभिः ॥

१०४६. सं० १५१८ वर्षे शाके १३ प्रवर्त्तमाने चैत्रसुदि तृतीयादिने श्रीश्रीमालज्ञातीयसाह पञ्च सुता० माङ्कुप्रभृतीभ्य माङ्क आत्मपुण्यार्थं श्रीअभिनंदनबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं धर्मघोषगच्छे श्रीवि-जयचंद्रसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

१०४७. सं० १६०७ माहसुदि ९ शुक्रे ठ० ज्ञातीय०

हरसिंहभा० रूपाईपुत्रश्री० सिंघराजभा० सिंगारदेव्यांसु० महिराजभा० हर्षूसुतया श्रीकुंथुनाथबिंबं का०प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१०४८. सं० १५०८ वर्षे वैशाखसु० ३ प्राग्वाट्ज्ञा० म० सूराभा० सीतादेसुतसाजणसिंहेन भा० वरजूसुतसहसकरणभा० रामतिश्रेयोऽर्थं श्रीअनंतनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१०४९. संवत् १५७१ वर्षे माघवदि १ सोमे वीसलनगरवास्तव्य ऊकेशज्ञातीयसा० रत्नाभा० तारूसु०हीरानाथाकेन भा० माणिकिसाप्रमुखकुटुंबयुतेन पितृव्यसाहदेवाभार्याल्हाडिकिश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः सुविहितगच्छे श्रीसुविहितसूरिभिः ॥

१०५०. संवत् १६२६ वर्षे फाल्गुनशुदि अष्टमीदिने विमलनाथबिंबं कारितं श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० साधुसुत विमलसी प्रतिष्ठितं श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

१०५१. सं० १५२९ वर्षे माघशुदि ५ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० सो० पांचाभा० टीबूसु० समधरभा०कूयरि द्वि० भा० कमली पितृमातृभ्रातृश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं पिप्पलगच्छे म० श्रीअमरचंद्रसूरि उपदेशेन सर्वसूरिभिः कोइग्रामे ॥

१०५२. सं० १५०८ चैत्रसु० ७ ऊकेशवंश० पातषभा० पोमादेपुत्रमं० आसाकेन भा० कपूरीपुत्रमं० काउाभा० रामतिप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः लाडउलिग्रामे ॥

१०५३. संवत् १६०० व० वइ० सु० २ गुरु चांपानेरवास्तव्य ओसवालज्ञातिसा० धरमासु० सा० रूटाजा नाम भार्या बा०

ल्लतादे तत्पुत्र० स० रीडा राजपाल रतनपाल चोपडागोत्रे खरतरगच्छे श्रीसूरिभिः उपाध्यायश्रीविद्यासागरप्रतिष्ठितं श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं षा०ल्लतादेश्रेयोर्थं शुभं भवतु ॥

शिलालेखः ।

१०५४. ॐ अर्हं ॥ संवत् १३६६ वर्षे प्रतापाक्रांतभूतल-श्रीअल्लावदीनसुरत्राणप्रतिशरीरश्रीअल्पखानविजयराज्ये श्रीस्तंभतीर्थे श्रीसुधर्मस्वामिसंतानननभोनभोमणिसुविहितचूडामणिप्रभुश्रीजिनेश्वरसूरिपट्टालंकारप्रभुश्रीजिनप्रबोधसूरिशिष्यचूडामणियुगप्रधानप्रभुश्रीजिनचंद्रसूरिसुगुरूपदेशेन ऊकेशवंशीयसाहजिनदेवसाहसहदेवकुलमंडनस्य श्रीजेसलमेरौ श्रीपार्श्वनाथविधिचैत्ये कारितश्रीसंमेतशिखरप्रासादस्य साहकेसवस्य पुत्र-रत्नेन श्रीस्तंभतीर्थे निर्मापितसकलस्वपक्षपरपक्षचमत्कारकारिनानाविधमार्गणलोकदारिद्रयमुद्रापहारिगुणरत्नाकरस्वगुरुसुगुरुप्रवेशकमहोत्सवेन संपादितश्रीशत्रुंजयोज्जयंतमहातीर्थयात्रासमुपार्जितपुण्यप्राग्भारेण श्रीपत्तनसंस्थापितरोहडिकालंकारश्रीशांतिनाथविधिचैत्यालयश्रीश्रावकपौषधशालाकारापणोपचितप्रसमरयशःसंभारेण भ्रातृसाहराजदेवसाहबोलिय साहजेहडसाहलषपतिसाहगुणधरपुत्ररत्नसाहजयसिंहसाहजगधरसाह सड-पणसाहरत्नसिंहप्रमुखपरिवारसारेण श्रीजिनशासनप्रभावकेण सकलसाधर्मिकवत्सलेन साहजेसलसुश्रावकेण कोद्दडिकास्थापनपूर्वं श्रीश्रावकपौषधशालासहितः सकलविधिलक्ष्मीविलासालयः श्रीअजितस्वामिदेवविधिचैत्यालयः कारित आचंद्रार्कं यावद् नंदतात् शुभमस्तु श्रीर्भूयात् श्रीश्रमणसंघस्य ॥ छ ॥ श्रीः ॥

खारवाडा, श्रीमनमोहनपार्श्वनाथजिनालय.

१०५५. संवत् १५०९ वर्षे माघशुदि १० शनौ प्राग्वाट-

ज्ञातीयश्रेष्ठिराणासंताने श्रेष्ठिमांडणभार्यापचूपुत्र सूटाभार्यारत्नपुत्र-उन्नाकेन भा० हरषुपु० महिपालसहितेन आत्मश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्र० साधूपूर्णिमापक्षे श्रीरामचंद्रसूरिपट्टे श्रीपुण्यचंद्रसूरीणामुपदेशेन विधिना श्राद्धैः ॥

खारवाडा, श्रीसीमंधरस्वामिजिनालय.

१०९६. सं० १४८३ वर्षे वै० शु० ३ शनौ प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० पेथाभार्याप्रीमल्देसुतमांडणेन भार्या हर्षूसुतसहिसा भ्राता कर्मण धर्मण भार्या आमूसुत महिराजप्रमुखकुटुंबसहितेन पितृश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं नागेंद्रगच्छनायकैः श्रीगुणसागर-सूरिभिः ॥

१०९७. संवत् १९९६ वर्षे माघशुदि ५ सोमे ओसवंशे अंबि-कागोत्रे सा० सिवाभा० कतीपु० सा० राजाभा० सीपाभा० सिरूदेपु० हीरजी पद्मसी स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं श्रीभावडारगच्छे श्रीकालिकाचार्यसंताने श्रीविजयसिंहसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीस्तंभतीर्थे ॥

१०९८. संवत् १९७७ वर्षे कार्तिककृष्ण २ (प्रतिपदनंतर द्वितीयायां) बुधे स्तंभतीर्थे वद्धशास्त्रीय ओसवालज्ञातीयसा० श्रीमल्ल-भार्यया तत्प्रथमभार्या बाईशिवादे पुत्रीबाईधनाईपुत्रया द्वितीयाभार्या बाई वल्हादेपुत्रया सा० रहिआमातृश्रा० शृंगारदेनाम्न्या श्रीअनंतनाथ-बिंबं स्वप्रतिष्ठायां प्रतिष्ठापितं च तपागच्छालंकारभट्टारकश्रीविजयसेन-सूरीश्वरपट्टोदयाचलसहस्रकिरणायमानभट्टारकश्रीविजयदेवसूरिभिः सप-रिकरैराचंद्रार्कं चिरं श्रेयसे ॥

१०९९. सं० १९२२ वर्षे फागुणशुदि ३ सोमे श्रीडहरवाला-वास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० गोगनभार्याकउतिगदेसुतश्रे० आसा

भार्यासांउंसुश्राविकया सुतश्रे० कडूआश्रे० भीबाश्रे० चांगाप्रमुख-कुटुंबसहितया आत्मनः कुटुंबस्य च श्रेयोऽर्थे श्रीअंचलगच्छेश्वर-श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीः ॥

१०६०. सं० १४१८ वर्षे वैशाखशु० ६ बुधे श्रीमाल्ला-तीयठ० छाडा छाडा धरणि सु० हाडा ठ० सारामा० धरीसु० देपाठश्रे० सुतसांकआकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० पू० श्रीविद्याधर-सूरीणामुपदेशेन ॥

१०६१. सं० १५८९ वर्षे वैशाखसुदि ९ गुरु श्रीमाल्ला-तीयश्रे० धनासुतमाधवभार्यासुरवदेसुतलखमणभार्यागोरीसुतयोना केल्हा-भार्याकामदेसुतरणागर आत्मश्रेयोऽथ श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीम-खागगच्छे श्रीबुद्धिसागरसूरिपट्टे श्रीविमलसूरिभि. बवाणीभावास्तव्य ॥

१०६२. संवत् १५१९ वर्षे ज्येष्ठसुदि ११ सोमे प्राग्वाटज्ञा० व्य० पारवतभा० कुतिगदे पुत्र २ हादा नेमा हादाभा० लीलादेपु० श्रीआदिनाथबिंबं का० श्रीसंडेरगच्छे श्रीयशोभद्रसूरिसंता० श्रीसालिभद्र सूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीविपलामावान० ॥

१०६३. संवत् १६१७ वर्षे ज्येष्ठसुदि ९ सोमे श्रीचंद्रनाथ-बिंबं श्रीविजयदानसूरिभि वाईराइमदेसुतलखमणेन कराषितं ॥

१०६४. संवत् १५१७ वर्षे माहसुदि १ शुक्रे उपकेशज्ञा० डंडोरागोत्रे सं० देपुसु० महिपालसु० मदनसिंहभा० मदनदेपु० वरदास-भा० वर्जुकेन निजपत्नीपुण्यार्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीचंद्रप्रभसूरि पट्टे भ० श्रीविजयचंद्रसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

१०६१. संवत् १५१२ वर्षे मार्ग सुदि १२ गुरौ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्रीपार्श्वनाथबिंबं [illegible] [illegible] [illegible] ॥

१०६२. सं० १५६९ वर्षे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ॥

१०६३. सं० १५८६ वर्षे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ॥

१०६४. सं० १६०२(?) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ॥

[illegible]

[illegible]

१०७१. सं० १९२१ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ श्रीश्रीमा० व्यव०देपामा० कर्मणिपुत्रमाणिकभा० माणिकिदेसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारा० प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीकमलचंद्रसूरीणां पट्टे श्रीहेमरत्नसूरिभिः ॥

१०७२. संवत् १९२० वर्षे मार्ग.शुदि ९ शनौ श्रीओएस-वंशे सा० अदाभा० हीरूपुत्रसा० हांसासुश्रावकेण भा० करमाईपुत्रसाह सहिपकिरण द्वितीयभार्याकपूराईसहितेन स्वश्रेयसे श्रीअंचलगच्छाधिराज श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीस्तंभतीर्थे ॥

१०७३. सं० १३ (!) ९३ (!) वै० व० ११ रवौ श्रीचंद्र-गच्छे पितृव्यनरपति पितृव्यालनुश्रेयसे........तेन श्रीपार्श्वनाथः कारितः ....श्रीगुणाकरसूरिभिः प्रतिष्ठितः ॥

१०७४. सं० १९२३ वर्षे वै० व० ५ गुरौ आनंदग्रामे वायडज्ञातीयश्रे० सादाभा० सुहवदेपुत्रश्रे० मादाभा० कुअरिपुत्रमं० भोजाकेन भार्याटबकूभ्रातृश्रे० जूठाभा० रत्नादेश्रे० वरसाभा० वनादे-पुत्रपूनादाऊभाशाणादिकुटुंबयुतेन श्रीमुनिसुव्रतस्वामिचतुर्विंशतिपट्टः का-रित. प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

१०७५. सं० १९२९ वर्षे वैशाखशुदि ६ सोमे ओसवाल-ज्ञातीयमंडोवरागोत्रे सा० नाथाभार्यानागलदेपुत्रसा० वीरपालसा० पासवीरसा० वीरपालभार्याविमलादेपुत्रसा० मयणपालेन भ्रातृवत्साश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीविजयचंद्रसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

१०७६. सं० १४०० वर्षे वैशाखशुदि ३ उपकेशवंशे चोप-टगोत्रे संघपतिसा० देमलात्मजसा० सहजपालभार्यानागदेव्या संघ०

१०६५. संवत् १५९३ वर्षे माघशुदि १२ शनौ श्रीधंधूका नगरे श्रीश्रीवंशे महं. नगामा० मानूपु० महं० धीरासुश्रावकेण भा० माल्हूसु० महं कामासहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपीपलगच्छे श्रीधर्मवल्लभसूरिभिः ॥

१०६६. सं० १५६९ वर्षे ज्येष्ठमासे शुक्लपक्षे त्रयोदशीतिथौ भौमवारे श्रीमाळीज्ञातीयलघुशाखीयसा० हादामा० हेमादेपु०सा० बलिराजेन भा० पीमाईपु० जयचंद्रयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं कारित प्रतिष्ठितं श्रीकोरंटगच्छे भट्टारकश्रीनन्नसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थनगरे ॥

१०६७. सं० १४८६ वर्षे वै० शु० ३ श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० डूंगरसीभा० गोमतिसुतगंधूभा० लाडूनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीश्रीश्रीगुणसागरसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं विधिना ॥

१०६८. सं० १३९२(३) माघवदि ११ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीयठ० अजयसीहेन सुतकेसवश्रेयोऽर्थं श्रीनेमिनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीचैत्रगच्छे श्रीपद्मदेवसूरिपट्टे श्रीमानदेवसूरिभि ॥

१०६९. संवत् १५११ वर्षे वै० वदि ८ उकेशज्ञातीयमा० जिणीयाभार्या नाल्हणदेसुतमा० पामाकेन भा० [illegible] कुटुंबयुतेन स्वपितृनाम्ना कुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० [illegible] साधुपूर्णिमापक्षे श्रीउदयचंद्रसूरिभिः कडीग्रामवास्तव्यः ॥

१०७०. संवत् १५०० वर्षे ज्येष्ठसुदि २ शनौ श्रीमालज्ञातीयलघुशाखायां सा० भीमाभार्या रमाईसुतमा० [illegible] छकिमादेपुत्रीमनाईसुश्राविकया श्रीअंचलगच्छे श्रीगुणनिधानसूरीणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीसंघेन ॥

१०७१. सं० १५११ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ श्रीश्रीमा० ज्ञा०व्य०देपामा० कर्मणिपुत्रमाणिकभा० माणिकिदेसहितेन स्वश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारा० प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीकमलचंद्रसूरीणां पट्टे श्रीहेमरत्नसूरिभिः ॥

१०७२. संवत् १५२० वर्षे मार्ग.शुदि ९ शनौ श्रीओएस-वंशे सा० अदामा० हीरूपुत्रसा० हांसासुश्रावकेण भा० करमाईपुत्रसाह सहिमकिरण द्वितीयभार्याऋपुराईसहितेन स्वश्रेयसे श्रीअंचलगच्छाधिराज श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीस्तंभतीर्थे ॥

१०७३. सं० १३ (?) ९३ (?) वै० व० ११ रवौ श्रीचंद्र-गच्छे पितृव्यनरपति पितृवाल्हश्रेयसे........तेन श्रीपार्श्वनाथः कारितः ....श्रीगुणाकरसूरिभिः प्रतिष्ठितः ॥

१०७४. सं० १५२२ वर्षे वै० व० ९ गुरौ आनंदग्रामे वायडज्ञातीयश्रे० सादाभा० पुहत्तदेपुत्रश्रे० भादाभा० कुअरिपुत्रश्रे० मोनाकेन भार्याटबकूभ्रातृश्रे० जूठाभा० रत्नादेश्रे० वरसाभा० धनादे-पुत्रपूनादाऊआशाणादिकुटुंबयुतेन श्रीमुनिसुव्रतस्वामिचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

१०७५. सं० १५२५ वर्षे वैशाखशुदि ६ सोमे ओसवाल-ज्ञातीयवंडोवरागोत्रे सा० नाथाभार्यानागलदेपुत्रसा० वीरपालभा० पामवीरसा० वीरपालभार्याविमलादेपुत्रसा० मयणपालेन भ्रातृवस्ताश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीविमलचंद्रसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

१०७६. सं० १४०० वर्षे वैशाखशुदि ३ उपकेशवंशे चोव-टगोत्रे संघपतिसा० देमणसमसा० सदमसाटभार्यानानणदेव्या संघ०

१०६५. संवत् १५५२ वर्षे माघसुदि १२ शनौ श्रीचंपक नगरे श्रीश्रीवंशे मह. नगामा० मानुसु० मह० धीरासुश्रावकेण भा० माल्हूसु० मह० कामासहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपीपलगच्छे श्रीधर्मरत्नसूरिभिः ॥

१०६६. सं० १५६९ वर्षे ज्येष्ठमासे शुक्लपक्षे त्रयोदशीतिथौ भौमवारे श्रीमाळीज्ञातीयलघुशाखीयसा० हरराजा० हेमाई० सा० वस्तिराजेन भा० पीमाईसु० गगवंतसुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकोरंटगच्छे भट्टारकश्रीनन्नसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थनगरे ॥

१०६७. सं० १४८९ वर्षे वै० शु० ३ श्रीश्रीवालज्ञातीय व्य० डूंगरसीभा० गोमतिसुतगंगा० छाडूनाम्ना स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीश्रीश्रीगुणसागरसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं विधिना ॥

१०६८. सं० १३९२(३) माघवदि ११ शुक्रे प्राग्वाट ज्ञातीय० [illegible] श्रीनेमिनाथबिंबं कारितं प्र० श्री[illegible]गच्छे श्री[illegible] ॥

१०६९. संवत् १५११ वर्षे वै० [illegible] ॥

१०७०. संवत् १६०० [illegible] ॥

१०७१. सं० १५११ वर्षे वैशाखशुदि २ शनौ श्रीश्रीमा० व्यव०देपामा० कर्मणिपुत्रमाणिकभा० माणिकिदेसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारा० प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीकमलचंद्रसूरीणां पट्टे श्रीहेमरत्नसूरिभिः ॥

१०७२. संवत् १५२० वर्षे मार्ग.शुदि ९ शनौ श्रीओएस-वंशे सा० अदामा० हीरूपुत्रसा० हांसासुश्रावकेण भा० करमाईपुत्रसाह सहिसकिरण द्वितीयभार्याकपूराईसहितेन स्वश्रेयसे श्रीअंचलगच्छाधिराज श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीस्तंभतीर्थे ॥

१०७३. सं० ११ (!) ९२ (!) वै० व० ११ रवौ श्रीचंद्र-गच्छे पितृव्यनरपति पितृवाल्हश्रेयसे........तेन श्रीपार्श्वनाथः कारितः ....श्रीगुणाकरसूरिभिः प्रतिष्ठितः ॥

१०७४. सं० १५२३ वर्षे वै० व० ९ गुरौ आनंदग्रामे वायडज्ञातीयश्रे० साडामा० सुहवदेपुत्रश्रे० मादामा० कुअरिपुत्रश्रे० भोभाकेन भार्याटबकूभ्रातृश्रे० जूठामा० रत्नादेश्रे० वरसामा० वनादे-पुत्रपूमादाऊभाखाणादिकुटुंबयुतेन श्रीमुनिसुव्रतस्वामिचतुर्विंशतिपट्टः का-रितः प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

१०७५. सं० १५२५ वर्षे वैशाखशुदि १ सोमे ओसवाल-ज्ञातीयमंडोवरागोत्रे सा० नाथाभार्यानागलदेपुत्रसा० वीरपालसा० पासवीरसा० वीरपालभार्याविमलादेपुत्रसा० मयणपालेन भ्रातृवस्ताश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीविमयचंद्रसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

१०७६. सं० १५०० वर्षे वैशाखशुदि ३ उपकेशवंशे चोच-टगोत्रे संरपतिसा० देमलारमनमा० सहमपालभार्यानगणदेम्या संघ०

१०६५. संवत् १५५२ वर्षे माघशुदि १२
नगरे श्रीश्रीवंशे महं. नगामा० मानूसु० महं०
माल्हूसु० महं कामासहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशी
प्रतिष्ठितं श्रीपीपलगच्छे श्रीधर्मवल्लभसूरिभिः ॥

१०६६. सं० १५६९ वर्षे ज्येष्ठमासे शु
भौमवारे श्रीमाळीज्ञातीयलघुशाखीयसा० हादा
बलिराजेन भा० पीमाईसु० जयचंद्रयुतेन स्वश्रे
कारित प्रतिष्ठितं श्रीकोरंटगच्छे भट्टारकश्रीनन्नसूरिभि

१०६७. सं० १४८६ वर्षे वै० शु०
व्य० डूंगरसीभा० गोमतिसुतगंधूभा० लाडूनाम्
नाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीश्रीश्रीगुणसागरसू
प्रतिष्ठितं विधिना ॥

१०६८. सं० १३९२(?) माघशु
ज्ञातीयठ० अमरसीहेन सुतकेसरश्रेयोऽर्थं श्री
प्रति० श्रीचैत्रगच्छे श्रीअमरदेवसूरिपट्टे श्रीमान

१०६९. संवत १५११ वर्षे वै० वदि
मिणीबाभार्या माल्हणदेसुतमा० पीमाकेन
कुडासुतेन स्वपितृनामेन कुटुंबश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथ
मागपूर्णिमापक्षे श्रीउदयचंद्रसूरिभिः कडीग्रामवास्त

१०७०. संवत् १५०० वर्षे ज्येष्ठशुदि २
ज्ञातीयठक्कुरनामाभार्या सा० मीणाभार्या रमाईसुतमा० हरिअ
हरिअदेसुपीमनाईसुधारिदना श्रीअंचलगच्छे श्रीगुणनिधानसूरि
देशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीविधिना ॥

श्रीमालज्ञातीयश्रे० कडूयटसुतसो० मूलुभार्याबा० सुकादेसुतसो० शिवाकेन स्वपितुः मातृश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपागच्छे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः श्रीः ॥

१०८३. सं० ११९८ वैशाखशुदि १० श्रीभावदेवाचार्यगच्छे वर्द्धमानपुत्रिकया पापई(?)श्राविकया श्रीमहावीरप्रतिमा आत्मश्रेयोऽर्थं कारिता ॥

१०८४. संवत् १६६७ वर्षे श्रावणशुदि २ बुधे श्रीअंचलगच्छे पूज्यगच्छाधिराजश्री५श्रीधर्म्ममूर्त्तिसूरींद्र आचार्यश्रीः ॥ १ ॥ श्रीकल्याणसागरसूरीश्वर[म]नुपदेशेन श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयसोनीमिचंदभार्याविमलदेपुत्रसोनीमीवराजभ्रातृसोनीसंवजीलघुभ्रातासोनीदेवकरणयुतेन चतुर्विंशतिपट्टः कारापितः आत्मश्रेयोऽर्थे प्रतिष्ठितः श्रीसंघेन चिरं जीयात् । चातुर्मासिकश्रीविद्यासागरोपाध्यायैः सपरिवारैः श्रीरस्तु कल्याणं भूयात् ॥

१०८५. संवत् १५२५ वर्षे वैशाखशुदि ६ दिने वायडज्ञातीयश्रे० सादाभा० सूहवदेपुत्रश्रे०भादाभा०कुंअरिपुत्रसा०भोजाभ्रातृ जूठाकेन भा०रत्नादेव्यादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीशांतिनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः आणंदवास्तव्यः ॥

बोलपीपळो, श्रीनवपल्लवपार्श्वनाथजिनालय.

१०८६. संवत् १४९६ वर्षे फागुणवदि २ शुक्रे स्तंभतीर्थवास्तव्यमोढज्ञातिवृद्धशाखायां ठकुरहीराभार्यासंपूरीपुत्रेण ठ० माहवेन भार्यावजूसुतजीवाजिनदत्तसहितेन स्वमातृपितृश्रेयसे स्वश्रेयोऽर्थं च आगमगच्छे श्रीजयानंदसूरीणामुपदेशेन श्रीविमलनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसूरिभि. शुभं भवतु ॥

श्रीमीरग सत्र०......सिंह सं० मूग सं० दादूमाहाय्येन श्रीस्तमतीर्थे संत्र० घनपत्य......समवसरणं प्रति० श्रीरक्तसूरिभिः ॥

१०७७. सं० १५२९ फागुणवदि त्रीज सोमे श्रीश्रीमालीज्ञा० व्य० देवदासभा० कूयरिपु० आंबाकेन भा० हेमाइसुतशिवराजप्रमु० कुटुंबयुतेन स्वपूर्वजश्रेयसे स्वपुण्यार्थ च श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रति० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थे ॥

१०७८. संवत् १६३२ वर्षे वैशाखसुदि ७ रवौ श्रीप्राग्वाट- ज्ञातीयपरीक्षकीकाभार्याबाईमहिमलदेसुतदेवराज तस्य भार्या बाई वीराई तत्पुत्रतेजपालकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छे श्रीश्रीश्रीश्री- श्रीश्रीश्रीहीरविजयसूरिभिः स्वहस्तेन श्रीस्तंभतीर्थे प्रतिष्ठितं शुभं भवतु॥

नागरवाडो, श्रीवासुपूज्यजिनालय.

१०७९. सं० १५०६ वर्षे माघवदि ७ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा- तीयव्य० भामाभा० राजूसुतव्य० मूलाभा० रंगाईनाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन कारितं [illegible] ॥

१०८० संवत् १५१० वर्षे [illegible] २ दिने [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्रीसंभवनाथबिंबं कारि[illegible] ।

१०८१ संवत् [illegible] वर्षे वैशाख [illegible] सोमे श्रीश्रीमाल- ज्ञातीयव्य० [illegible] श्री- [illegible] श्रीआदिनाथबिंबं श्रीपूर्णिमा० श्री[illegible] [illegible] ॥

१०८२. संवत् १४८९ वर्षे वै० सुदि १९ सोमे श्रीओस-

वाज्ञातीयश्रे० रडूप्रटपुत्रसो० मूठूभार्याबा० मुक्तादेसुतसो० शिवाकेन स्वपितुः मातृश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः श्रीः ॥

१०८३. सं० ११६८ वैशाखशुदि १० श्रीसावदेवाचार्यगच्छे वर्द्धमानपुत्रिकया पाषई(?)श्राविकया श्रीमहावीरप्रतिमा आत्मश्रेयोऽर्थं कारिता ॥

१०८४. संवत् १६६७ वर्षे श्रावणशुदि २ बुधे श्रीअंचलगच्छे पूज्यगच्छाधिराजश्री५श्रीधर्ममूर्तिसूरींद्र आचार्यश्रीः ॥ १ ॥ श्रीकल्याणसागरसूरीश्वर[म]पुपदेशेन श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीश्रीमाल-ज्ञातीयसोनीनिचंदभार्याविमलदेपुत्रसोनीजीवराजभ्रातृसोनीसंवजीलघुभ्राता-सोनीदेवकरणयुतेन चतुर्विंशतिपट्टः कारापितः आत्मश्रेयोऽर्थं प्रतिष्ठितः श्रीसंघेन चिरं जीयात् । चातुर्मासिकश्रीविद्यासागरोपाध्यायैः सपरिवारैः श्रीरस्तु कल्याणं भूयात् ॥

१०८५. संवत् १५२५ वर्षे वैशाखशुदि ६ दिने वायडज्ञातीयश्रे० सादाभा० सूहवदेपुत्रश्रे०भादामा०कुंअरिपुत्रसा०भोजाभ्रातृ जूठाकेन भा०रत्नादेयादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीशांतिनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः आणंदवास्तव्यः ॥

बोलपीपळो, श्रीनवपल्लवपार्श्वनाथजिनालय.

१०८६. संवत् १४९६ वर्षे फागुणवदि २ शुक्रे स्तंभतीर्थवास्तव्यमोढज्ञातिवृद्धशाखायां ठकुरहीराभार्यासंपूरीपुत्रेण ठ० माहवेन भार्याराजूपुत्रजीवाजिनदत्तसहितेन स्वमातृपितृश्रेयसे स्वश्रेयोऽर्थं च आगमगच्छे श्रीजयानंदसूरीणामुपदेशेन श्रीविमलनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसूरिभिः शुभं भवतु ॥

१०८७. सं० १५१७ वर्षे माघवदि ९, सोमे माल[illegible]... हाणूनिवासी श्रीजिनजिनदत्तसूरि उपकेशवंशे [illegible] मनुपितृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिं० का० प्रतिष्ठितं सूरिभिः ॥

१०८८. संवत् १३४१ वर्षे माघशु० ९ गुरु श्रीपाटण[illegible] श्रीश्रीमालज्ञा० सं० नागपाल० सं० नगाभार्या० सं० [illegible] मा० हर्षदेवि[illegible] श्रेयोऽर्थं श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं का० श्रीजिनचंद्रसूरि प्र० श्रीमानदेवसूरिभिः श्रीचंद्रगच्छे ॥

१०८९. सं० १५१९ वर्षे वैशाखवदि ११ शुक्रे कापडवा- सीवर्ष०. भीमाभार्यारजूपुत्रनानाभा० संपूरीपुत्रगोऽश्राकेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथादिचतुर्विंशति आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारिता प्रतिष्ठापिता च वीरवाटकवास्तव्यः ॥

१०९०. सं० १५१२ वर्षे वै० शुदि १० गुरु उपकेशज्ञा० मंडोवरागोत्रे सा० नगसीहपुत्रसा० नगराजभार्यालूणश्रीपुत्रहरराजपाउ- पिरियाश्रीरानैः मातुः पुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिं० का० प्र० श्रीधर्मघोषग० श्रीविनयचंद्रसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

१०९१. सं० १५२३ वर्षे वैशाखशु० २ वीरपुरवास्तव्य नीमाज्ञातीयश्रे० तेजामा० वाहीपुत्रश्रे० सादाकेन भार्यामंदोदरिपुत्रप्रभा.... टबापार्नीपादिकुटुंबयुतेन श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीलक्ष्मी- सागरसूरिभिः ॥

१०९२. सं० १३११ वर्षे वैशाखशुदि ३ सोमे श्रे० महि- पालभार्यामाल्हणिदेवितचसापई(?)श्रेयोऽर्थं सुतवीरमेन श्रीमहावीरबिंबं कारापितं ॥

१०९३. सं० १३८२ वैशाखशु० १४ गुरौ श्रीब्रह्माणगच्छे

श्रीमाल्ज्ञा० उ० अमीपाळमार्यारतनछ पितृमातृश्रेयोऽर्थं सुतकडूआकेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीजज्ञगसूरिभिः ॥

१०९४. संवत् १९२९ वर्षे आषाढादि २० वर्षे महावदि १३ सोमे श्रीप्राग्वाटज्ञातीयदेपामार्याराजूपुत्रदो० गांगाभा० आमूसुतदो० गंगरामभा० माकूणदेप्रमुखस्वकुटुंबश्रेयसे श्रीश्रीवासुपूज्यबिंबं कारि० च श्रीविजयरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं वृहत्तपापक्षे ॥

१०९५. सं० १४...वर्षे वैशाखसु० १० बुधे श्रीश्रीमाळज्ञा० व्य० वीरमभा० सामणिभ्रा० मूमागोवलाभ्यां पित्रोः क० श्रे० श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं प्र० पिप्पलगच्छेशश्रीधर्मशेखरसूरिभिः ॥

१०९६. सं० १९९४ वर्षे ज्येष्ठसुदि १२ शुक्रे वार्लीववास्तव्यप्राग्वाटज्ञातीयव्य० गदाभा० हलीसुतआपूकेन भा० अहवदेसु० वरूआसरूआप्रमु० कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे श्रीउदयसागरसूरि तत्पट्टे श्रीलब्धिसागरसूरिभिः ॥

१०९७. सं० १९२१ वै० शु० ३ पत्तने प्राग्वाटव्य० जुठाभा० चकूपु० वेलाकेन भा० धनाईभ्रातृभीमामांमापासादिकुटुंबयुतेन भ्रातृपोषश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१०९८. सं० १९१३ वर्षे आषाढसुदि २ गुरौ श्रीश्रीमाळज्ञा० श्रे० राणाभा० राणीसुतश्रे० छाडणेन भा० छापणदेसुतनारदप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरीणामुपदेशेन का० प्रतिष्ठापितं च ॥

१०९९. सं० १२७१ माघसुदि १० श्री......रकगच्छे श्रीयशोभद्रसूरिसंताने श्रे० रामापु० दूणापु० वीरमसु०, सोमाकेन स्वपितुः श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्री...सूरिभिः ॥

१०८७. सं० १४९० वर्षे माघवदि ९ सोमे तपागच्छ(?)... हरसूरिपक्षे श्रीजयतिलकसूरि. उपकेशवंशे ठ० सिंहाभा० फतूसुत कर्णसिंहेन मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिं० का० प्रतिष्ठितं सूरिभिः॥

१०८८. संवत् १४९१ वर्षे माहशु० ९ गुरु श्रीमालडाराच्छे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० सं० नाथासु० सं० जगाभार्यासं० संपू भा० जयतसीपु० तेजसी भा० हर्षाईपु० स्वश्रेयसे स्वपु० श्रीसुमतिनाथबिंबं का० श्रीजिनदेवसूरिपट्टे प्र० श्रीभावदेवसूरिभिः श्रीस्तंभतीर्थे ॥

१०८९. सं० १५१९ वर्षे वैशाखवदि ११ शुक्रे बापडज्ञा० तीगपं०. भीमाभार्याराजूसुतवागामा० संपूरीसुतगोइआकेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथादिपंचतीर्थी आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारिता प्रतिष्ठापिता च दीहावाडास्तव्य ॥

१०९०. सं० १५१२ वर्षे वै० शुदि १० गुरु उपकेशज्ञा० मंत्रीवरागोत्रे सा० भगसीहपुत्रसा० नगराजभार्यालूणश्रीपुत्रदेवराजपाल० विल्हाश्रीराजे मातुःपुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिं० का० प्र० श्रीधर्मघोषग० श्रीविजयचंद्रसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

१०९१. सं० १५२३ वर्षे वैशाखशु० ५ श्रीगूर्जरज्ञातीय श्रीमालज्ञातीयश्रे० वेलाभा० चांडीपुत्रश्रे० नागाकेन भार्यामंदोदरिपुत्रसमस्त.... टस्यापानीयादिकुटुंबयुतेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्री रत्नशे- खरसूरिभिः ॥

१०९२. सं० १५११ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ सा० मदि० पत्नभार्यामल्हादेपुत्रनरपालश्रेयोऽर्थं कारितं। श्रीशांतिबिंबं प्रतिष्ठितं ॥

१०९३. सं० १५८१ वैशाखशु० १० गुरौ श्रीउकेशवंशे

श्रीमालज्ञा० उ० श्रमीपालभार्यापनक पितृमातृश्रेयोर्थं सुतवद्दूमादेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीमलयगसूरिभिः ॥

१०९४. संवत् १९२९ वर्षे आषाढादि ६० वर्षे महावदि ११ सोमे श्रीप्राग्वाटज्ञातीयव्यवहारामापांगसुतदो० गांगापा० कापूतदो० गंगारामभा० मातृपितृसमुदायश्रेयसे श्रीश्रीशत्रुंजयबिंब कारि० च श्रीविजयानंदसूरिभिः प्रतिष्ठितं वृहत्तपापक्षे ॥

१०९५. सं० १४...वर्षे वैशाखसु० १० बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० श्रीरमपा० सामलिश्रा० मृगाणीपुत्ररत्ना पितृ० श्रे० श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं प्र० पिप्पलगच्छेशश्रीधर्मशेखरसूरिभिः ॥

१०९६. सं० १५६४ वर्षे ज्येष्ठसुदि १२ शुभे श्रीविक्रमनगरवास्तव्यश्रीमाली० गदामा० हरषीसुतआवूदेव भा० अमरंयु० स्वकुटुंबसहितेन स्वश्रेयसे श्रीश्रीमत्तनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे श्रीउदयसागरसूरि तत्पट्टे श्रीलब्धिसागरसूरिभिः ॥

१०९७. सं० १५९१ वै. सु० ६ शनौ प्राग्वाट० ज्ञातीय० भहूय० वेलविजभा० धनाईसुतश्रीमालभावसारव्यवहारकुटुंबेन आतुर्पत्रश्रेयोर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीहर्षविमलसूरिभिः ॥

१०९८. सं० १६११ वर्षे आषाढसुदि ६ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० से० रामाभा० रायीपुत्रसे० कान्हदेव भा० रूपाई प्रमुखकुटुंबसहितेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं तपागच्छे श्रीविजयदानसूरि-पट्टालंकारेण का० प्रतिष्ठितं च ॥

१०९९. सं० १६०१ फाल्गुनसुदि १० श्री... ...वास्तव्यश्रीमालज्ञातीय से० राघव० हरराज० जोगराज० भार्यायुक्तेन स्वपितृः श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्री...सूरिभिः ॥

११००. संवत् १६३८ वर्षे माघशुदि १३ सोमे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीओसवंशज्ञातीयसो० वच्छामार्यावसादेसुतसो० अमीपाछभार्याअमराईनाम्न्या श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारापितं श्रीमत्तपागच्छे भट्टारकप्रभुश्री ५ श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभं भवतु ॥

११०१. सं० १४२२ वैशाखशुदि ११ बुधे श्रीश्रीमाळज्ञा० पितृआसडभा० आसलदेभ्रा० आल्हणसीहभ्रा० सेगाश्रेयसे व्य० वस्ताकेन श्रीचंद्रप्रभपंचतीर्थी कारिता श्रीपू० श्रीउदयाणंदसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठिता च ॥

११०२. सं० १५२९ वै० शु० ३ अहम्मदावादे दोसावाड श्रे० मेघाभा० रानूसु० प्रथमाभा० वानूसु० सिगाकेन भ्रातृसुराखडुभा० माणिकभा० माणिकिसुहवरंगसु० मेणादिकुटुंबयुतेन पितुः श्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीभैरव पूनाकर्णुः ॥

११०३. संवत् १५९० वर्षे ज्येष्ठादि ७ बुधे श्रीश्रीमाळज्ञातीयसाहशिवाभा० हीलूसुतसा० पासाभार्यासा० वरूभा० श्रीबाई तत्पुत्रीमंघाईनाम्न्या श्रीधर्मनाथबिंब कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना शत्रुंजयागुपदेशेन श्रीस्तंभतीर्थे ॥

११०४. सं० अकाई ४१ सं० १६९९ वर्षे वैशाखशुदि ७ बुधे प० कारासा० छाजबाईनाम्न्या श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० च तपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभि. ॥

११०५. सं० १७८३ वर्षे ज्येष्ठशुदि १२ सोमे श्रीवीरवि- [illegible] श्रीश्रीमा [illegible] श्री [illegible] [illegible] [illegible] कारितं [illegible] सूरिभिः प्र० ॥

११०६. संव० १६६२ वर्षे पौष० ६ गुरौ श्रीश्रीमाल्ज्ञातीयमाल्याणाक० रूपाईपुत्रेन स्वकुटुंबश्रेयसे श्री...धर्मनाथप्रतिमा कारिता ॥

११०७. सं० १६१२ वर्षे वैशाखसुदि ६ बुधे वृद्धशाखीय ओसवाल्ज्ञातीयश्रीमंत्रीश्रीवर्धमानसोमासोमजगसुतमा०रूपचंद्रभार्या छि-नाई श्रीशीतलनाथः प्रतिष्ठितः तपागच्छश्रीविजयदानसूरिभिः ॥

बोरुपीपळो, श्रीमुनिसुव्रतस्वामिजिनालय

११०८. संवत् १६८१ वर्षे आषाढसुदि ७ रवौ श्रीअंचलगच्छे पूज्यश्री५श्रीकल्याणसागरसूरीश्वरविजयराज्ये शिष्यवंदिवाचकस्य श्रीउदयसागरगणिश्रीसहजविमलसुशिष्यश्रीसहजसागरगणिसहकारीस्वरुपश्रीरत्नसागरकारिता श्रीजिनप्रतिमा श्रेयोर्थं ... ... श्रीअ-कब्बरपुरीप्रत्यये श्री: ॥

११०९. सं० १५४९ वर्षे आषा० शु० ९ शनौ बोरसिद्धिवास्तव्यश्रीश्रीमाल्ज्ञातीयश्रे० गुणभार्याशोभागणिसुतश्रे० वच्छा ......श्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणरत्नसूरिभिः ॥

१११०. संवत् १५४१ वर्षे वैशाखवदि ९ गुरौ श्रीओसवाल्ज्ञातीयश्रे० हरपालभार्याशिरिदे० सुतकान्हेन भार्याहांसिलदेपुत्रहरदासप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथस्य चतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीरत्नसिंहसूरिपट्टे श्रीउदयसागरसूरिभिः भ० श्री................।

बोरुपीपळो, श्रीसंभवनाथजिनालय.

११११. संवत् १६६४ वर्षे फागुणसुदि १० सोमे श्रीस्तंभ-

११००. संवत् १६३८ वर्षे माघशुदि १३ सोमे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीओसवंशज्ञातीयसो० वच्छाभार्यावसादेसुतसो० अमीपाळभार्याअमरादेनाम्न्या श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारापितं श्रीमत्तपागच्छे भट्टारकप्रभुश्री ५ श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभं भवतु ॥

११०१. सं० १४२२ वैशाखशुदि ११ बुधे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० पितृआसलभा० आसलदेभ्रा० आल्हणसीहभ्रा० सेगाश्रेयसे व्य० वस्ताकेन श्रीचंद्रप्रभपंचतीर्थी कारिता श्रीपू० श्रीउदयाणंदसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठिता च ॥

११०२. सं० १५२६ वै० शु० ३ अहम्मदावादे दोसावाल श्रे० मेघाभा० राजूपु० प्रथमाभा० वानूपु० सिवाकेन भ्रातृसुराल्हुआमाणिकभा० माणिकिसुहवदेपु० वेणादिकुटुंबयुतेन पितुः श्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीर्भवतु पूजाकर्तुः ॥

११०३. संवत् १५६० वर्षे ज्येष्ठवदि ७ बुधे श्रीश्रीमाल्ज्ञातीयसाहशिवाभा० लीलूसुतभा० पानाभार्यासा० नदाभा० जीवाई तत्पुत्रीचंपाईनाम्न्या श्रीधर्मनाथबिंब कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना सद्गुरूणामुपदेशेन श्रीस्तंभतीर्थे ॥

११०४. सं० अढाई ४१ सं० १६९६ वर्षे वैशाखशुदि ७ बुधे व० कालाभा० लालबाईनाम्न्या श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० च तपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

११०५. सं० १९८३ वर्षे ज्येष्ठशुदि १३ सोमे श्रीवीरसिद्धिमहास्थानवास्तव्यश्रीश्रीमाल्ज्ञातीयदो० श्रीवच्छभार्याश्रीआदेसुतदो० सीरंगाकेन वृद्धभ्रातृदो० सीधायुतेन मा० सरीयादेपुत्रहापीयामहितेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं स्वश्रेयसे पूर्णिमापक्षे श्रीसूरिभिः प्र० ॥

११०६ सं० १५११ वर्षे चैत्र० ९ गुरौ श्री श्रीमाल्ज्ञा- तीय[illegible]० कर्मा पुत्रेण [illegible] श्रेयोर्थं श्री[illegible]नाथबिंबं कारितं ॥

११०७. सं० १६१६ वर्षे वैशाखसुदि ६ बुधे वृद्धशाखीय ओसवालज्ञातीय[illegible] श्री[illegible] प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्री[illegible]सूरिभिः ॥

बोरपीपळी, श्रीमुनिसुव्रतस्वामिजिनालय

११०८. संवत् १६८१ वर्षे आषाढसुदि ७ रवौ श्रीअंचल- गच्छे पूज्य श्री श्रीकल्याणसागरसूरिश्वरविजयराज्ये [illegible] श्री[illegible]श्रीमहावीरबिंबं कारापितं श्रीजिनप्रतिमा श्रेयोस्तु सर्वेषां समाना श्रीम- [illegible]थं श्री ॥

११०९. सं० १५४९ वर्षे आषा० शु० २ शनौ बोरसि- [illegible]श्रीमाल[illegible]० पुत्रमाणिकसुतदे० करणा ......श्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणरत्नसूरिभिः ॥

१११०. संवत् १५४१ वर्षे वैशाखवदि ५ गुरौ श्रीमोढज्ञा- तीय० [illegible] भार्या[illegible]० पुत्र[illegible] कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथस्य चतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीवृद्धतपापक्षे भ० श्रीरत्नसिंहसूरिसंताने श्रीज्ञानसागरसूरिपट्टे भ० श्री............... ॥

बोरपीपळी, श्रीसंभवनाथजिनालय.

११११. संवत् १६२४ वर्षे फाल्गुनसुदि १० सोमे श्रीस्तं-

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१११६. संवत् १५६९ वर्षे माघसुदि १२ गुरौ श्रीमवंश- [illegible] ॥ (श्रीपार्श्वनाथबिंबं)

१११७. सं० १५३८ वर्षे वैशाखसुदि ११ गुरौ श्रीमच्च- [illegible] श्रीसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

१११८ संवत् १६१० वर्षे वैशाखसुदि ६ बुधे [illegible] श्रीश्रीमाल [illegible] ज्ञा० [illegible] श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं श्रीतपागच्छे श्रीविमलसूरिभि प्रतिष्ठितं ॥

१११९. संवत् १६६१ वर्षे माघसुदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा- [illegible] श्रीआगमगच्छे [illegible] ....कारित:
.........प्रतिष्ठ...   .॥

११२०. संवत् १५७६ वर्षे वैशाखसुदि १० गुरौ श्रीश्रीमा- [illegible] श्रीनमिनाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे [illegible] कारितं प्रतिष्ठितं विधिना श्रीवीरसिंह [illegible] ॥

११२१. सं० १५६१ वर्षे वैशाखसुदि ७ सोमे [illegible] ज्ञा० श्रीश्रीमालज्ञातीय [illegible]

व्हूआभगिनीबाईजीवानाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीधर्म्मनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे म० आणंदविमलसूरिपट्टप्रभावकभट्टारकश्रीविजयदानसूरिपट्टोदयगिरिदिनकरपातसाहिश्रीअकब्बरप्रतिबोधकप्रविहितम० श्रीहीरविजयसूरिपट्टे पातसाहिश्रीअकब्बरसमासमक्षजितवादिवृंदगोवलीवर्दमहिषमहिषीवधनिवृत्तिस्फुरन्मानकारकभट्टारकश्री५श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

११२२. सं० १५१० माघशु० ५ गुरौ श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञातीयसा० आसाभा०माजूसुतभोजाकेन भार्या२ धर्माई१ हंसाई२ पुत्रहीरासहितेन आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीवृद्धतपाश्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

११२३. संवत् १६३८ वर्षे माघशुदि १३ सोमे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीओसवंशज्ञातीयसा० उदयकर्णभार्याबाईअमरादेसुतसा० देवकर्णेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रेयोऽर्थं शुभं भवतु ॥

११२४. संवत् १६०...श्रीश्रीमाल्ज्ञातीयसा०सहिमासु०वर्धमानभा०अमरादेपुत्रनाकर श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं श्रीसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः ॥

११२५. सं० १५१२ वर्षे मार्गशुदि ५ गुरौ श्रीमाल्ज्ञाती० श्रे०संसा.........भा० रामतदेसुतधर्मकेन पि०मा०श्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्रति० ब्रह्माणगच्छे म० श्रीमुनिचंद्रसूरिभि का(?)रहवास्तव्यः ॥

११२६. संवत् १६९९ वर्षे माहशुदि १२ शुक्रे श्रीश्रीमालिज्ञातीय सा०मनामा०मनमादे श्रीआदिनाथः श्रीआणंदविमलसूरिपट्टारकश्रीविजयसूरि तपागच्छे सोरठ० प्र० ठ शुभं भवतु ॥

११२७. संवत् १५१९ वर्षे वैशाखशुदि १ गुरौ स्तंभतीर्थ

श्रीश्री[illegible]श्रा[illegible]प्र[illegible]को[illegible] सुत... [illegible]दि श्री[illegible]बिंब कारित [illegible] श्रीविजयदान-सूरि[illegible]भिः प्रतिष्ठितं ॥

११५८. सं० १६१७ व० पौषवदि १५ गुरु श्रीगूर्जरज्ञा-[illegible] दो० [illegible]श्रीविजयदान श्रीपा-र्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं [illegible] श्रीविजयदानसूरि तत्पट्टे श्री-हीरविजयसूरिभिः [illegible] शुभं भवतु [illegible]रतीसहि-[illegible] पूर्णचंद्र श्री ॥

११५९. संवत् १६७३ वर्षे [illegible] श्रीवनबाई कारितं श्रीपार्श्वनाथबिंब प्रतिष्ठितं तपगच्छे भट्टारकश्रीविजयसेनसूरिपट्टालंकार भट्टारकश्रीविजयदेवसूरिभिः ([illegible])

घोघपीपलां, श्रीनेमरनाथजिनालय.

११६०. संवत् १५१७ वर्षे फागुणशुदि ३ शुक्रे श्रीश्रीमा-[illegible] सा० [illegible]दापु० विजयचंद्रेण बहु-[illegible]श्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीपाधुरत्नसू-रिपट्टे श्रीसाधुसुंदरसूरिभिः ॥

११६१. संवत् १५५८ वर्षे फागुणशु० ११ गुरौ श्रीओस-वंशे सो० [illegible] सो० [illegible] भ्रातृ[illegible]श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

११६२. सं० १६४४ वर्षे ज्येष्ठशुदि १२ सोमे श्रीस्तंभ-[illegible] [illegible]हीरविजयसूरि[illegible] [illegible] कारितं श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्रतिष्ठितं च श्रीतपा-

गच्छाधिराजजगद्गुरुबिरुदधारकविराजमानश्रीहीरविजयसूरिपट्टालंकार श्री-विजयसेनसूरिभिः ॥

११३३. सं० १४६६ वर्षे वैशाखशुदि २ सोमे श्रीश्रीमा-लज्ञातीयपितामहमपरानिमित्तं श्रे० सुराकेन श्रीशांतिनाथः कारितः प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीधर्मदेवसूरिशिष्यश्रीपासचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

११३४. सं० १३६० वैशाखशुदि ११ प्राग्वाटज्ञा० महं० जगसीहभार्याभिणारदेवि तयोः श्रेयोऽर्थं.......श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविमलचंद्रसूरिभि ॥

११३५. संवत् १४६३ वर्षे वैशाखशुदि १० सोमे श्रीमाल-ज्ञातीयवरणीघरभार्याधाघलदेसुतमेनाकेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्य-बिंबं कारितं श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीवीरसूरिभि प्रतिष्ठितं ॥

११३६. संवत् १६५४ वर्षे पा० श्रीमरुस्थलसंप्र० ४२ वर्षे माघवदि ९ रवौ गगाईनाम्न्या श्रीसुमतिनाथबिंब आत्मश्रेयसे कारित प्रतिष्ठितं श्रीतपाम० श्रीहीरविजयसूरिपट्टालंकारश्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

११३७. संवत् १६५४ वर्षे ज्येष्ठशुदि १२ सोमे श्रीगंधा-रवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयसा० ना० ... ... सा० ... मा० धनजीमा० वरणीसु० हेमजी कारित श्री ... बिंब प्र० ... श्रीतपागच्छाधि-राजजगद्गुरुबिरुदधारकविराजमानश्री ९ श्रीहीरविजयसूरिपट्टालंकार श्रीविजयसेनसूरिभि ॥

११३८ संवत् १६५४ वर्षे पा० श्रीमरुस्थलप्रवर्तित ४२ व० माघवदि ९ रवौ वल्हाईनाम्न्या श्रीसंभवनाथबिंबं आत्मश्रेयसे कारितं प्रतिष्ठितं तपाभट्टारकश्रीहीरविजयसूरिपट्टालंकारश्रीविजयसेन-सूरिभिः प्र० ।

तीयठ० रामसीहभार्याबा० रामळदे तयोः पुत्रठ० मामाप्रियाबा० नान्हीसुतठ० हेमराजभा० तेमलदेयुतेन श्रीधर्म्मनाथबिंबं स्वश्रेयसे कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे भट्टा० श्रीज्ञानकलससूरिभिः ॥

११४७. संवत् १५३७ वर्षे वैशाखवदि २ सोमे श्रीश्रीमालीज्ञातीयसुगंधीमणोरमार्यारतनू सुतसुगंधी भोजाकेन भार्या भरमादे सु॰हाराधनादि समस्तकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसूरिभिः ॥

११४८. सं० १५०६ वर्षे मा० शु० १० रवौ प्राग्वाटज्ञातीयमं० ६४ भा० देईसुतसं० हेमाकेन भा० कपूरी भ्रातृसं० मूधाभा० कमलाईसु० पूनादिकुटुंबयुतेन श्रीअनंतनाथबिंबं कारितं श्रेयोऽर्थं प्रतिष्ठितं श्रीतप गच्छनायकश्रीजयचंद्रसूरिशिष्यश्रीउदयनंदिसूरिभिः ॥

११४९. संवत् १५४७ वर्षे माघशुदि १३ रवौ श्रीश्रीमालीज्ञा० प० मालाभा० पूरीसु० प० हांसाकेन भा० रूपाई भ्रातृव्यप० माभूभा० कबाई सु० पूनादिकुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपापक्षे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥

११५०. संवत् १६२० वर्षे ज्येष्ठादि ८ तथा ९ शुक्रे स्तंभायतत्रास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयवृद्धशाखायां संघवीदेवाभार्याबा० हीरादे राजाधिराजश्रीभानुः राजमाता श्रीसुभगाराणी तयोः पुत्रश्रीश्रीश्रीश्रीधर्मनाथस्य बिंबं धर्मसनाथं कारितं ॥

…नामोनी

गच्छवार संवत्क्रमथी सूची।

अञ्चल (विधिपक्ष) गच्छ।

	आचार्य नाम	लेखाङ्क
…२४	सागरचन्द्रसूरि	९२४
…१०	आमदेवसूरि	१८८
…६	हरिभद्रसूरि	१०११
…)२८	साधुसुन्दरसूरि	६६९
…२	जिनचन्द्रसूरि	९३०
	देवप्रभसूरि	५४७
	....प्रभसूरि	७२
	मय....सूरि	८४०
	....	९१४
	........प्रभसूरि	३६७
	मिनेश्वरसूरि	६२७
	रत्नप्रभसूरि	७४
	माण(न)देवसूरि	७२८
	श्रीसूरि	२३०
	विमलधर्मसूरि	८३१
	धर्मसूरि	७५
	धर्मदेवसूरि	४२९
	सोमतिलकसूरि	८२०

तीयठ० रामसीहभार्यावा० रानचंदे तयोः पुत्रठ० माजापियावा० नान्हीसुठ० हेमराजभा० तेमलदेयुतेन श्रीधर्मनाथबिंबं स्वश्रेयसे कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे भट्टा० श्रीज्ञानकलससूरिभिः ॥

११४७. संवत् १५३७ वर्षे वैशाखवदि २ सोमे श्रीश्रीमालीज्ञातीयसुगंधीमणोरभार्यारतनू सुतसुगंधी भोजाकेन भार्या भमारे सुतहाथावनादि समस्तकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसूरिभि. ॥

११४८. सं० १५०६ वर्षे मा० शु० १० रवौ प्राग्वाटज्ञातीयसं० १४ मा० देईसुतसं० हेमाकेन भा० कपूरी भ्रातृसं० मूपाभा० कमलाईसु० पूनादिकुटुंबयुतेन श्रीअनंतनाथबिंबं कारितं श्रेयोऽर्थं प्रतिष्ठितं श्रीतपगच्छनायकश्रीजयचंद्रसूरिशिष्यश्रीउदयनंदिसूरिभिः ॥

११४९. संवत् १५४७ वर्षे माघशुदि १३ रवौ श्रीश्रीमालीज्ञा० प० माल्हाभा० पूरीसु० प० हांसाकेन भा० रूपाई भ्रातृभा० भम्रूपा० रमाई सु० पूनादिकुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपापक्षे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥

११५०. संवत् १५२० वर्षे ज्येष्ठवदि ८ तथा ९ शुक्रे स्तंभतीर्थवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीयवृद्धशाखायां मगनीदेवाभार्यावा० हीरादे तत्कुक्षिसंभवश्रीमान् रतनाया श्रीसुरताणी तयोः पुत्रश्रीश्रीश्रीश्रीधर्मनाथस्य बिंबं धर्मार्थं कारितं ॥

प्रतिष्ठा करनार आचार्योनां नामोनी गच्छवार संवत्क्रमथी सूची ।

अञ्चल (विधिपक्ष) गच्छ ।

...वत्	आचार्य नाम	लेखाङ्क
१०२४	सागरचन्द्रसूरि	९२४
१२१०	आमदेवसूरि	१८८
१२२६	हरिभद्रसूरि	१०११
१२(५)२८	साधुसुन्दरसूरि	६६९
१२५२	जिनचन्द्रसूरि	९३०
१२५८	देवप्रभसूरि	५४७
१२५९	....प्रभसूरि	७२
१२६१	जय....सूरि	८४०
१२७०	....	९३४
१२७९	........प्रभसूरि	३६७
१२८१	जिनेश्वरसूरि	६२७
१२८७	रत्नप्रभसूरि	७४
...२९१	माण(न)देवसूरि	७२८
...२९४	धीसूरि	३३०
......	विजयधर्मसूरि	३१
...०८	धर्मसूरि	५
...०९	धर्मदेवसूरि	
...	सोमतिलकसूरि	

संवत्		आचार्य नाम
	१३१०	नागेन्द्रसूरि
"	१३११	श्रीसूरि
"	१३२२	श्रीसूरि
"	१३२८	वर्धमानसूरि
"	१३३०	........सूरि
"	१३३४	भाव(?)देवसूरि
"	१३४२	श्रीसूरि
"	१३४४	प्रद्युम्नसूरि
"	१३४५	पासदेव
"	१३४७(?)	मुनिरत्नसूरि
"	१३५०	विमलचन्द्रसूरि
"	१३५६	शान्तिप्रभसूरि
"		श्रीसूरि
"	"	श्रीसूरि
"	१३६३	ललितदेवसूरिशिष्य
"	१३६७	श्रीसूरि
"	१३७०	सुकवि(मति)सूरि
"	१३७१	श्रीपद्मसेनसूरि
"	"	मेरुप्रभसूरि
"	१३७२	श्रीचन्द्रसूरि
"	"	गुणप्रभसूरि
"	"	श्रीसूरि
"	१३७६	कमलप्रभसूरि
"	१३७९	धर्मघोषसूरि
"	१३८४	

आचार्यनाम	लेखाङ्क
श्रीसूरि	९८३, ६४६
,,	९९१
,,	६०६
भद्रसूरि	२८०
मेरुप्रभसूरि	८१९
हंसराजसूरि	७६
रत्नचन्द्रसूरि	१०४९
वज्रसेनसूरि	२३५
कर्पूरसेन(? ,,)	११८
मदनसूरि	४७३, ९२०
पृथ्वीचन्द्रसूरि	४८९
माणिक्यसूरि	१८२
सर्वानन्दसूरि	९१३
भावचन्द्रसूरि	३००
पुण्यप्रभसूरि (?)	१०८
अमररत्नसूरि	३४७
धर्मचन्द्रसूरि	९९५
रत्नशेखरसूरि	७६३
कमलचन्द्रसूरि	९४१
देवचन्द्रसूरि	४९६
वयरसेणसूरि	२८२
कमलचन्द्रसूरि	९३७
—घोषसूरि	३६०
श्रीसूरि	९८१

संवत्	आचार्यनाम	लेखांक
१४५४	देवप्रभसूरि	३९४
१४७६	श्रीसूरि	६००
१४७७	,,	८०७
१४७९	,,	८०९
,,	मानदेवसूरिमूर्ति	६९३
१४८०	गुणाकरसूरि	५२२
१४८१	श्रीसूरि	२७२
१४८६	मुनिसिंहसूरि } शीलरत्नसूरि }	८०९
१४८९	श्रीसूरि	२९५, २९६
१४९२	सर्वसूरि	८५६
१४९४	श्रीसूरि	८९३
१४९५	,,	४०३
१४९८	,,	९८२
१५०७	सुविहितसूरि	१८३
,,	श्रीसूरि	२१, ५७४
१५०८	,,	९७६
१५०९	,,	२९
१५१०	,,	७८१
१५११	,,	६७०
१५१२	सुविहितसूरि	९७२
,,	श्रीसंघ	९५६
१५१३	श्रीसूरि	९५८
१५१६	,,	८११

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५२५	श्रीसूरि	९५२
१५३१	"	८७१
१५३३	....	११०६
"	श्रीसूरि	११४७
१५४२	"	१७६
१५४४	"	६६०
१५४८	—भसूरि	९०५
१५४९	श्रीसूरि	७१२
१५५१	सद्गुरु	६०७
"	सर्वसाधु श्रीसूरि	९९४
१५५८	श्रीसूरि	११११
१५६३	सं‌सूरि	६०१
"	श्रीसूरि	६८
१५६५	गुणाकरसूरि	२११
१५६९	श्रीसूरि	१८
१५७१	"	२४८
१५७६	सं‌सूरि	८९७
१५७७	धनराजसूरि	११४
१५८०	श्रीसूरि	११९
१५८८	"	६
१५९८	सं‌सूरि	१९१, १९२
१६०–	श्रीसूरि	११६४
१६१०	"	१११०

संवत्	आचार्यनाम	लेखांक
१४९४	देवप्रभसूरि	३९४
१४७६	श्रीसूरि	१००
१४७७	,,	८०७
१४७९	,,	८०१
,,	भावदेवसूरिसूरि	१९१
१४८०	गुणाकरसूरि	९११
१४८१	श्रीसूरि	१७१
१४८२	मुनिसिंहसूरि } श्रीशालिसूरि }	८०९
१४८९	श्रीसूरि	१९५, २११
१४९१	सर्वसूरि	८९१
१४९४	श्रीसूरि	८९१
१४९५	,,	४०१
१४९८	,,	९८१
१५००	मुनिसिंहसूरि	१८१
,,	श्रीसूरि	११, ९०४
[illegible]	,,	९०१
[illegible]	,,	१९
[illegible]	,,	४८१
[illegible]	,,	१००
[illegible]	[illegible]	९०४
,,	[illegible]	००१
[illegible]	[illegible]	०९८
[illegible]	,,	८११

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५२५	श्रीसूरि	९५२
१५३१	"	८७१
१५३३	....	११०६
"	श्रीसूरि	११४७
१५४२	"	१७३
१५४४	"	६६०
१५४८	—मत्रसूरि	९०९
१५४९	श्रीसूरि	७१२
१५५१	सद्गुरु	६०७
"	सर्वसाधु श्रीसूरि	९५४
१५५८	श्रीसूरि	११३१
१५६३	सर्वसूरि	६०३
"	श्रीसूरि	६८
१५६५	गुणाकरसूरि	३११
१५६९	श्रीसूरि	३८
१५७१	"	२४८
१५७६	सर्वसूरि	८९७
१५७७	धनराजसूरि	१३४
१५८०	श्रीसूरि	२५९
१५८८	"	६
१५९८	सर्वसूरि	१९१, १९२
१६०—	श्रीसूरि	११२४
१६२०	"	११५०

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४६६	देवप्रभसूरि	४९४
१४७६	श्रीसूरि	६००
१४७७	,,	८०७
१४७९	,,	८०९
,,	भावदेवसूरिमूर्ति	१९१
१४८०	गुणाकरसूरि	९२२
१४८१	श्रीसूरि	३७३
१४८६	मुनिसिंहसूरि श्रीउदयनन्दसूरि	८०९
१४८९	श्रीसूरि	२९६, २९१
१४९२	सर्वसूरि	८५१
१४९४	श्रीसूरि	८९३
१४९५	,,	४०२
१४९८	,,	९८३
१५००	सुविहितसूरि	१८९
,,	श्रीसूरि	११, १७४
१५०८	,,	९७६
१५०९	,,	१९
१५१०	,,	७८१
१५११	,,	६००
१५१२	सुविहितसूरि	९०२
,,	श्रीसूरि	९९१
१५१३	श्रीसूरि	९१८
१५१५	,,	८११

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५२५	श्रीसूरि	९८२
१५३१	,,	८७१
१५३३	....	११०६
,,	श्रीसूरि	११४०
१५४२	,,	१७६
१५४४	,,	६६०
१५४८	—प्रभसूरि	६०५
१५४९	श्रीसूरि	७१३
१५५१	सद्गुरु	६०७
,,	सर्वसाधु श्रीसूरि	९५४
१५५८	श्रीसूरि	११११
१५६१	सर्वसूरि	१०५
,,	श्रीसूरि	६८
१५६५	गुणाकरसूरि	३११
१५६९	श्रीसूरि	१८
१५७१	,,	२४८
१५७६	सर्वसूरि	८९७
१५७७	धनराजसूरि	११४
१५८०	श्रीसूरि	१४८
१५८८	,,	६
१५९८	सर्वसूरि	१९१, ३९७
१६००	श्रीसूरि	११६४
१६१०	,,	११५०

अञ्चल (विधिपक्ष) गच्छ.

संवत्	आचार्यनाम	लेखांक
१३८३	....	३११
१४४६	मेरुतुङ्गसूरि	३०
१४६८	,,	३१
१४७२	महीतिलकसूरि	९२, ५१६
१४७३	जयकीर्तिसूरि	५१६
१४८४	,,	६०२
१४८७	,,	७२
१४९०	,,	८८६
१४९१	,,	९४३
१४९९	,,	७१
१५०४	जयकेसरिसूरि	५०, ९९०
१५०८	,,	२६, २२९, ८१०
१५१२	,,	६३७
१५१३	,,	१००६
१५१७	,,	७८४, ७९६
१५२०	,,	१३७, ४३४, १०७२
१५२१	,,	६८१, ७७५, ११४०
१५२२	,,	१८६, १००४, १०९९
१५२७	,,	५०४
१५२८	,,	२९९, ५१७, ६७२
१५२९	,,	५८०, १११७
१५३१	,,	५२५, ८३२
१५४२	सिद्धान्तसागरसूरि	३६५
१५४८	,,	६८४

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१९१६	देवरत्नसूरि	४९९
"	सिंहदत्तसूरि	१०१२
"	आणन्दप्रभसूरि	८८९
१९१८	देवरत्नसूरि	८२७
१९१९	हेमरत्नसूरि	१६०, १०८९
१९२०	"	९९९
"	आणन्दप्रभसूरि } गुणरत्नसूरि }	८२४
१९२१	मुनिरत्नसूरि	१००१
१९२५	देवरत्नसूरि	९१७
१९२७	"	४६८
१९२९	"	९४३, ९४७
"	अमररत्नसूरि	११४१
…३०	देवरत्नसूरि	१०१०
…३१	"	१११९
…३३	"	१०८
…३७	सिंहदत्तसूरि (आगमगच्छीय ?)	१९९
…४२	श्रीसूरि	११८
	जिनचन्द्रसूरि	९१, ८०९
…१	"	४१६, ५१९
…४	"	२४९
	विवेकरत्नसूरि	११३, ७०१
	"	८१
	जिनचन्द्रसूरि	८३४

आगमगच्छ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४२९	जयानन्दसूरि	६११
१४६२	अमरसिंहसूरि	३७०
१४७१	,,	३९८
१४७६	जयानन्दसूरि	४७०
१४८२	,,	६११
१४९६	,,	१०८६
१५०२	हेमरत्नसूरि	३३८
१५०६	हर्षतिलकसूरि सिंहदत्तसूरि	२८२
१५०७	हेमरत्नसूरि	९१७, ६८२
१५०८	हर्षतिलकसूरि	३४२
,,	सिंहदत्तसूरि	३१९, ८४२, ९०३
,,	हेमरत्नसूरि	३३०
१५०९	,,	३३१
१५१०	हर्षतिलकसूरि	९८८
,,	सिंहदत्तसूरि	६१९
१५१२	हेमरत्नसूरि	६९९
१५१३	साधुरत्नसूरि	८००
,,	देवरत्नसूरि	२९९, १०९८
१५१५	,,	९९३
,,	हेमरत्नसूरि	४०७
१५१६	,,	३३५

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४२२	देवगुप्तसूरि	६४१
१४३२	"	६३९
१४४९	"	९९७
१४६८	"	९६०
१४९९	कक्कसूरि	८२९
१५०४	"	१०२४
१५०८	"	२३१
१५०९	"	९७१
१५१८	"	७६९
१५२०	"	४७९, ७९३
१५२९	"	२९७, ९१९
१५३०	देवगुप्तसूरि	९४०
१५३३	"	१०३
१५३६	"	२३७
१५६३	श्रीसूरि	७७२
१५६८	श्रीसिद्धसूरि	९३४
१-२५	मुनिचन्द्रसूरि	४७४

कडूआमतीगच्छ।

१६८१	तेजपाल	१३६
१६८३	"	१८७

काशहृदगच्छ।

१४९१	देवचन्द्रसूरि	४०१

[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]सूरि	[illegible]
[illegible]	[illegible]सूरि	[illegible]
[illegible]	[illegible]सूरि	[illegible]
[illegible]	"	[illegible]
[illegible]	[illegible]सूरि	[illegible]
[illegible]	"	[illegible]
[illegible]	[illegible]सूरि	[illegible]
[illegible]	[illegible]सूरि	[illegible]
[illegible]	[illegible]सूरि	[illegible]
"	[illegible]सूरि	[illegible]
[illegible]	"	[illegible]
[illegible]	"	[illegible]
[illegible]	"	[illegible]
[illegible]	[illegible]सूरि	[illegible]
[illegible]	[illegible]सूरि	[illegible]
[illegible]	"	[illegible]

उपकेश (ओसवाल) गच्छ ।

११७२	कक्कुदाचार्य	९१७
१२५१	सिद्धसूरि	१०२४
१३७१	"	११९
१३८०	कक्कसूरि	३३१
१३८७	"	१४२
१४००	"	१०७१

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४२२	देवगुप्तसूरि	५४१
१४४२	”	६३१
१४७९	”	६९७
१४६८	”	९६०
१४९९	कक्कसूरि	८२१
१५०४	”	१०२४
१५०८	”	२११
१५०९	”	९७१
१५१८	”	७६९
१५२०	”	४७१, ७९१
१५२५	”	३९७, ९१९
१५३०	देवगुप्तसूरि	९४०
१५३३	”	९०९
१५३६	”	२३७
१५६३	श्रीसूरि	७७२
१५६८	श्रीसिद्धसूरि	९३४
१-२५	मुनिचन्द्रसूरि	४७४

कडूआमतीगच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१६८१	खेमराज	६११
१६८२	”	६८७

काशहृदगच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४६१	देवचन्द्रसूरि	४०१

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
	कृष्णर्षिगच्छ।	
१५२१	जयसिंहसूरि	४५९
	कोरण्टगच्छ।	
१३१२	सर्वदेवसूरि	२०४
१३३२	,,	१८९
१४९१	सावदेवसूरि	७४०
१४९६	,,	७६४
१५०९	,,	२०३, ६७१
१५१५	सोम (? ,,)	८६१
१५३०	,,	२१८
१५३१	,,	६१३, ७४८
१५४९	रत्न (? नन्न) सूरि	१२१
१५६९	नन्नसूरि	१०६६
१५७३	,,	७६९
१६११	,,	६५६
१६१२	,,	६९६
	खरतरगच्छ।	
१२५?	जिनचन्द्रसूरि	७३४
१२६६	,,	१०५४
१४४०	जिनोदयसूरि	६६७
१५०५	जिनभद्रसूरि	७३९

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५०९	,,	२९८, ९३०
,,	जिनसागरसूरि	४९५
१५१०	,,	९१६
१५१२	जिनभद्रसूरि	९८९, ६०८
१५१५	,,	४९१
१५१९	जिनचन्द्रसूरि	१६१, ३७९
,,	जिनहर्षसूरि	४८७
१५३०	,,	४४३, ६९०
१५२२	,,	९८१
१५३४	,,	१४८
१५३५	,,	७७, ६०१
१५३८	जिनचन्द्रसूरि	७७९, ९०६, ९१९, १००१
१५३२	,,	७१७
,,	जिनहर्षसूरि	३११
१५३३	,,	४२९
,,	जिनचन्द्रसूरि	३११
१५३४	जिनहर्षसूरि	४१०
१५३६	जिनचन्द्रसूरि	३४४
१५३	जिनराजसूरि	९१७
१५४४	जिनहर्षसूरि	९९७
१५५२	,,	७०७, ७१९
१५६१	जिनहंससूरि	४८२
१५६३	,,	९९१

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१३८७	,,	१०४१
१३९१	धर्मदेवसूरि	४९
१३९२ (?)	मानदेवसूरि	१०६८
१३९७	,,	२९६
१४०८	,,	६९०
१४३०	धर्मचन्द्रसूरि	१४
१४४६	पासचन्द्रसूरि	९२४
१४६६	,,	११२२
१४७७	गुणदेवसूरि	२६७
१४८७	जिनदेवसूरि	१०२९
१५०६	,, (चतुर्दशीपक्ष)	७९४
१५१३	रत्नदेवसूरि	३२
१५२४	रामचन्द्रसूरि	३१२

चैत्र (चान्द्रसमी) गच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५१८	लक्ष्मीसागरसूरि	६४५

चैत्रगच्छ (धारणपद्रीय).

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५०६	विजयदेवसूरि	९
१५१७	लक्ष्मीदेवसूरि	१९९
१५२८	,,	१५३

छत्रापल्लीयगच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१२९४	पद्मप्रभसूरि	३१३

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
[illegible]	[illegible]	[illegible]

जीरापल्लीगच्छ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	,,	[illegible]
[illegible]	,,	[illegible]
[illegible]	उदयचन्द्रसूरि	[illegible]

तपागच्छ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
[illegible]	देवसुन्दरसूरि	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	गुणाकरसूरि	[illegible]
[illegible]	सोमसुन्दरसूरि	[illegible]
[illegible]	,,	[illegible]
१४७९	,,	२८६
१४८०	,,	१०९
१४८३	,,	७८६
१४८६	,,	१९२, २६३, ८४८
१४८७	,,	८८
१४८८	,,	२८१, ३३८, ९९३, १०२०
१४८९	,,	१३५, ३६६
,,	मुनिसुन्दरसूरि	७१९
१४९०	सोमसुन्दरसूरि	१२, ६१९

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४९१	सोमसुन्दरसूरि	८१३
१४९१	,,	८१
१४९६	जयचन्द्रसूरि	२९६
१४९९	मुनिसुन्दरसूरि	४१४
१५०१	,,	४५०
१५०२	जयचन्द्रसूरि	७११
१५०३	,,	५, १०३, ३५८, ६९९, ६९९, ७४९
१५०४	,,	५३, ८५५
१५०५	,,	४६, ४८९, ४८८, ७९८
१५०६	,,	५१०, ९७९
,,	उदयनन्दि	११४८
,,	रत्नशेखरसूरि	१७, ३९६, ६४०
१५०७	,,	१०४७
१५०८	,,	७७, ८९, ३३६, ४०४, ९८९, १०४८, १०५३
१५०९	,,	७४१, १०१३, १०३७
,,	हेमहंससूरि	८३
१५१०	,,	१८०
,,	रत्नशेखरसूरि	३७, १८०
१५११	,,	५५, १५५, ३३५, ८३४
१५१२	,,	६६, ३४३, ४८९
,,	उदयनन्दिसूरि	३०९
१५१३	रत्नशेखरसूरि	११३, ४९१, ५१८, ६११

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
,,	हेमहंससूरि	४३०
१५१५	रत्नशेखरसूरि	३२, ६९, १४०, १६८, ९६६, ९७८
१५१७	,,	१७६, ९७६
१५७८	लक्ष्मीसागरसूरि	२१, २२४, ४१५
१५१९	,, पंडित पुण्यनन्दगणि	१९४
१५२०	सोमदेवसूरि	१०१५
,,	लक्ष्मीसागरसूरि	४०८, ५९५
,,	श्रीसूरि	७०८
१५२१	सोमदेवसूरि	६३२
,,	लक्ष्मीसागरसूरि	१४९, २५७, ४२८, ७२४, ७८८, १०९७
१५२२	,,	३९४, ६०२
,,	सोमदेवसूरि	३८२
१५२३	,,	१४५, १७८, २६५, ३५७, ३९३, ४२०, ८८५, ९५२
१५२४	,,	७३०, ८४२
१५२५	,,	१८, २५२, २६०, २९०, ३८४, ४१८, ४७८, ५४२, ९१८, १०८५, ११०२
१५२६	,,	२६४, ३०२, ८७२
,,	सोमजयसूरि	२१७
१५२७	लक्ष्मीसागरसूरि	४२५

संवत्	आचार्यनाम		लेखाङ्क
१५२८			
१५२९	"		७१८, ७४७, ७९६, ८१२, ८१३
१५३०	"		१९, ३६, ९९, २०९
१५३१	"		४१६, ७४१
	"	}	१०३१
	सुमतिसुन्दर (? साधु) सूरि	}	
१५३२			८३६
१५३३	"		१९१, ६७७, ८७३
१५३४	"		७७७, ९६१
१५३६	"		८४१
१५३७	"		२०६
१५४०	"		२९३, ४२३, ६१२, ८१४
	सुमतिसाधुसूरि		
१५४२			८८८
	लक्ष्मीसागरसूरि		
१५४३			३६९, ६६४
१५४६	"		४३९
	सुमतिसाधु		
१५४७			४८१
	"		३१६, ३९२, ४५४, ५५३, ६१४, ७१५, ११४९
१५५१	हेमविमलसूरि		
१५५३			१००८
१५५५	"		४९४
१५५६	"		३२७
	"		२८४, ३०६, ३३४, ६३४
"	इन्द्रनन्दिसूरि		
१५५८		निगम-गच्छीय.	८९८
१५६१	"		२३१
१५६२	"		१०६
०	"		३१

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
"	हेमविमलसूरि	४०१
"	जयकल्याणसूरि	२४६
१५६३	"	९६२
१५६५	"	६७१, ८४१
१५६६	"	२३९, ७११
१५६७	"	७३३
१५६८	हेमविमलसूरि	९०३, ९३६
१५७७	"	९०
१५८०	"	४३१
१५८१	आणन्दसागरसूरि	८३६
१५८४	हेमविमलसूरि	६७३
"	सौभाग्यहर्षसूरि	३३९
१५८७	हेमविमलसूरि	७९१
१५९२	विजयदानसूरि	३४४, ११२९
१५९५	आनन्दविमलसूरि	२७०, ३८०, ४९३
"	विजयदानसूरि	६२१, ९९२, ११२६
१५९६	"	४९६, ४९०
१५९८	"	१०८९, १०१९
१६०१ (?)	हीरविजयसूरि	५६३
१६०३	सोमविमलसूरि	३६१
१६०४	विजयदानसूरि	६९२, ७०३
१६०५	विमलसोम (? विजयदानसूरि)	२१९
१६१२	"	५४४, ६३०, ७१४, ११०७, १११८, ११२७

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१६१३	पं. धर्मविमलगणि	७१८
१६१५	विजयदेव (? दान)-सूरि	२१०, ३२०, ३११, ४०१
१६१६	,,	३९, ७८२
१६१७	विजयदानसूरि	४९७, ७९४, १०६२
,,	हीरविजयसूरि	६७९, ८६९, ९३१
१६२२	सोमविमलसूरि	६११, ७९२
,,	हीरविजयसूरि	२३३, ४२६, ५८१, ७४६, ७८०
१६२४	,,	६३, ७३१
१६२६	,,	२०९, ५७९, ५९४, ७८२, १०९०
१६२७	,,	८२८, ११२८
१६२८	,,	२४३, ४२१, ४९२
१६३०	,,	७८९
१६३१	,,	७८१
१६३२	,,	२११, २५०, ६६८, ९८४, १०२८
,,	विजयसेनसूरि	९६२
१६३७	हीरविजयसूरि	१७३, ६०४
१६३८	,,	२११, ११००, ११२१
१६४२	विजयसेनसूरि	३४१
१६४३	,,	१४६, १९९
१६४४	,,	७, २४२, ३११, ५३९, ५६९, ५८१, ६९८, ७३६, ८६०, १११३, ११४७

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१६४४	हीरविजयसूरि	९९८
१६५२	"	७६२, ८६०, ९११
१६५४	विजयसेनसूरि	११३६, ११३८
१६५६	"	३५, ५७७, ११०४
१६५८	"	५६१
१६५९	"	९१३
१६६०	नयविजयगणि	७५७
१६....	राजविजयसूरि	४४७
१६६१	विजयसेनसूरि	९१४, ९१५, ११२१
१६६२	"	११३, ८५४
१६६५	नयविमयगणि	९९७
१६६६	विजयदेवसूरि	४०६
१६६७	हेमसोम—विमलसोमसूरि	६१०, ६११, ६४२
१६६८	विजयसेनसूरि	९८०
१६७७	विजयसेनसूरिमूर्ति	७५८
"	विजयदेवसूरि	७२६, २७८, ८५९, ८६४, ९१०, ९७३, १०२२, १०३७, १०४३, १०५८, ११२९
१६७८	विजयराजगणि	१६७
१६८१	विजयदेवसूरि	५७८
"	विजयानन्दसूरि	२५४, २४१, ५८६
१६९१	विजयदेवसूरि	६५
१६९७	"	२८६
१७००	"	४५८

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१९०७	"	८०४
१९०८	विनयधर्मसूरि	७२२
१९०९	रत्नसिंहसूरि	४०१
१९१०	"	११२२
"	विनयधर्मसूरि	६२९, १०३१
१९११	रत्नसिंहसूरि	१०७
१९१२	विनयधर्मसूरि	३१९, ३२९, ८०२, ११४२
१९१३	रत्नसिंहसूरि	९६०
"	जिनरत्नसूरि	७०१
"	विनयरत्नसूरि	४२६
१९१५	जिनरत्नसूरि	३१४, ४००, ९१५
१९१६	"	८४९
"	रत्नसिंहसूरि	९६
१९१७	"	११७, ८६२
१९१९	उदयवल्लभसूरि	४९३
१९२०	जिनरत्नसूरि	७२७
१९२१	उदयवल्लभसूरि	३१२, ९८७
१९२४	ज्ञानसागरसूरि	११४, १९२, २११, २२२
१९२५	जिनरत्नसूरि	९०७
१९२७	"	२२७, ९०१
१९२८	ज्ञानसागरसूरि	४५१, ४९७
१९२९	"	१०७७
[illegible]	विनयरत्नसूरि	१०४०, १०९४
[illegible]	ज्ञानसागरसूरि	२११

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
[illegible]		१८५
१५११	"	१४९
१५११	उदयसागरसूरि	४०
१५१४	"	५८१, ५९९
१५१७	"	२७३, ६९२, ७२७
"	विमलसागरसूरि	१११०
१५४१	उदयसागरसूरि	१४५
१५४२	"	४९, १०५
१५४३	"	११०, ७८७
१५४४	धर्मरत्नसूरि	३६४
१५४७	"	६७४, १०२९
१५४९	उदयसागरसूरि	१११४
१५५२	"	९९२
१५५३	"	[illegible]
"	धर्मरत्नसूरि	१९०
"	उदयसागरसूरि	९९६
१५५४	लब्धिसागरसूरि	५९६
१५५९	"	५९७
१५६०	"	५९९
१५६१	धर्मरत्नसूरि	६८०, ७१२
"	लब्धिसागरसूरि	१०९१
१५६४	"	६९८, ८७९
१५६५	धर्मरत्नसूरि	५९९
"	"	३३३
१५६६	"	
१५६७	श्रीसूरि	

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५७३	उदयसागरसूरि	३११
"	सौभाग्यसागरसूरि	८११
१५७६	धन (धं ?) रत्नसूरि	१०३१
१५७९	सौभाग्यसागरसूरि	३१८
१५८४	"	२३४
१५९०	विद्यामण्डनसूरि	१०, ३८३
१६०४	अमररत्नसूरि	१३९
१६१४	सौभाग्यरत्नसूरि	११११
१६५४	वैराग्यसागरसूरि	८८०

थारापद्रीयगच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
[११]१२	सा(शा)लिभद्रसूरि	१०१२
१२५९	जिनदत्त(?)सूरि	९३८
"	शान्तिसूरिसन्तान	१०९
१२९३	मदनचन्द्रसूरि	७९
१३०४	पुरुषोत्तमसूरि	९९१
१३०९	मदनचन्द्रसूरि	५४९
१३(?)१५	विजयसिंहसूरि	७३१
	नरचन्द्रसूरि	१०१७

देवसूरिगच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१२७९	जयासेणसूरि	६२२

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
	द्विवन्दनीकगच्छ ।	
१९२२	सिद्धसूरि	४९२
१९२४	["]	३९०
	द्विवन्दनीकगच्छ ।	
१९२२	सिद्धसूरि	४९१
१९२४	[,,]	३९०
१९३१	"	९०९
१९९०	कक्कसूरि	७३५
१९९१	,,	९९१
१९९७	देवगुप्तसूरि	९९८
१६८९	कक्कसूरि	७२१
	धर्मघोषगच्छ ।	
१३०७	ज्ञानचन्द्रसूरि	५४८
१३०–	[,,]	८०१
१४९१	पद्मशेखरसूरि	७४९
१५०९	पद्माणंदसूरि	४१८
१५१२	साधुरत्नसूरि	१०९०
१५१४	"	८७५
१५१७	,,	१०६४
१५१८	"	८०, १०९, १०४६
१५१९	"	१०७५
१५१९	"	७११

संवत्	आचार्यनाम	लेखांक
११६०	पद्मचन्द्रसूरि	८६८
११४१	गुणचन्द्रसूरि	९०२
१५८(?)०	भद्रेश्वरसूरि	१८१

नाइ (गि)ल गच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखांक
१२०१	......	७९६

नागलशाखा ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखांक
१४१५	मानचन्द्रसूरि	९८९

नागरगच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखांक
१३९४	प्रद्युम्नसूरि	११

नागेन्द्रगच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखांक
१२१४	पजनू (पजून) सूरिभिः	८३३
१३३८	महेन्द्रसूरि	९४
१३४९	जिन[सिन]सूरि	७६०
१३८०	हेमचन्द्रसूरि	६७
१४२९	”	९२
१४३३	गुणाकरसूरि	२१२
१४—	”	६११
१४५२	उदयदेवसूरि	२४९
१४५६	...रत्नसूरि	६१२
१४८२	गुणमाकरसूरि	१०१६
१४९७	पद्माणन्दसूरि	११८

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४९९	"	९३८
१५१७	विनयप्रभसूरि	९७०
१५१९	गुणदेवसूरि	९३०
१५२७	"	८७०
१५३१	हेमरत्नसूरि	८३१, १००२, १८०१
"	पद्मानन्दसूरि	९११
१५३२	हेमसिंहसूरि	७११
१५६३	[मही]रत्नसूरि	५७८
१५७१	महीरत्नसूरि	७७०

नाण(ज्ञान)कीय (नाणावाल) गच्छ। १५

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१२११	सिद्धसेनसूरि	७९३
१४१०(१)	धनेश्वरसूरि	१०२१
१५२०	"	११११
१५२४	"	७०१
१५२९	"	११५
१५८१	....	

निर्वृत्तिगच्छ। ८१

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
११८९	पार्श्वदेवसूरि	

पल्लिकीय (पल्लीवाल) गच्छ। १११

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
११४१	....	८९९
११८१	अभयदेवसूरि	

સંવત્	આચાર્યનામ	લેખાંક
૧૫૦૧	યશોદેવસૂરિ	૪૮૧
૧૬૧૮	નન્નસૂરિ	૨૩૮
૧૬૬૬	ઉદ્યોતનસૂરિ	૪૪

પિપ્પ (પીપ)લ ગચ્છ।

સંવત્	આચાર્યનામ	લેખાંક
૧૩૯૬	આમદેવસૂરિ	૪૭
૧૪..	ધર્મપ્રભસૂરિ	૬૬૧
૧૪૦૧	ત્રિભુવનસૂરિ	૬૬૨, ૬૬૬, ૮૧૮
,,	ધર્મચંદ્રસૂરિ	૬૬૨
૧૪૬૬	રાજશેખરસૂરિ	૧૦૧
૧૪૦૦	ધર્મશેખરસૂરિ	૧૦૯૧
૧૪૧૦	ધર્મતિલકસૂરિ	૯૬૬
૧૪૯૧	ઉદયદેવસૂરિ	૬૩૮
૧૪૯૧	,,	૬૬૮
૧૫૦૨	વિનય (,,)	૪૦૬
૧૫૦૪	,,	૪૬૧
,,	[illegible]	[illegible]
[illegible]	,,	[illegible]
,,	[illegible]	[illegible]
[illegible]	,,	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]
,,	[illegible]	[illegible]

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५१७	रत्नदेवसूरि	१२१
१५२८	,,	९८७
१५५९	अमरचन्द्रसूरि } सर्वसूरि }	१०९१
१५११	धर्मसागरसूरि	८४६
१५१५	,, (त्रिभवीआ)	२६८
१५४८	पद्मानन्दसूरि	८९५
१५५२	देवप्रभसूरि	४१२
१५५२	धर्मवल्लभसूरि	७५५, १०६१
१५५४	शान्तिसूरि	३४०
१५५६	सर्वसूरि	८५८
१५५९	शान्तिसूरि (नराशीया)	३०१*
१५६०	,,	११०१

पूर्णिमापक्ष ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१२८७	कमलप्रभसूरि	१८४
१४०४	विद्याण(न)न्दसूरि	७१६
१४१८	विद्याधरसूरि	१०६०
१४२२	उदयाण(न)न्दसूरि	११०१
१४२३	सुमतिसिंहसूरि	९२२
१४२९	गुणभद्रसूरि	२८९
,,	,,	९४१
१४३२	रत्नशेखरसूरि	९९९

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४५९	पासचन्द्रसूरि	४८३
१४६५	विद्याशेखरसूरि	८६६
१४७२	जयतिलकसूरि	८३०
१४८३	गुणसागरसूरि	४६५, १०१४
१४८६	"	१०६७
"	हेमरत्नसूरि	१३९
१५०५	गुणसमुद्रसूरि	८१२
१५०६	"	१०७९
"	राजतिलकसूरि	९११
"	गुणसुन्दरसूरि	२३६
१५०७	"	४१२
"	गुणसमुद्रसूरि	४४१
१५०८	"	९५७
१५०९	"	१०३४
"	साधुरत्नसूरि	४०९
१५१०	सद्गुरु	६४७
"	गुणसमुद्रसूरि	९६४
१५११	"	१३८, १५७, ४६२
१५१२	मुनिसुन्दरसूरि	९१
"	साधुरत्नसूरि	७९०
१५१५	रत्नशेखरसूरि	४७९
"	साधुरत्नसूरि	९४९
१५१७	साधुसुन्दरसूरि	१०२६

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५१७	,,	९८३, ११३०
१५१८	पुण्यरत्नसूरि	१७०
,,	गुणसुन्दरसूरि (? मलधारि)	८९१
१५१९	......	८३३
१५२०	गुणसुन्दरसूरि	५८
१५२१	साधुसुन्दरसूरि	६१८
१५२२	पुण्यरत्नसूरि	५११
१५२३	रामतिलकसूरि	७९७
,,	गुणसुन्दरसूरि	१५८, ९६८
१५२४	,,	५५७, १११५
,,	पुण्यरत्न	१०८१
१५२५	साधुसुन्दरसूरि	२२६
१५३०	देवेन्द्रसूरि	९९४
,,	कमलप्रभसूरि	९७४
१५३१	गुणधीरसूरि	७५०
,,	पुण्यरत्नसूरि	४४०, ४४९
१५३२	साधुसुन्दरसूरि	१०३९
१५४३	लक्ष्मीप्रभसूरि	३३५
१५४८	गुणसुन्दरसूरि	२०८
१५४९	गुणरत्नसूरि	६६५, ११०९
१५५७	गुणतिलकसूरि	१७०
१५६०	पुण्यरत्नसूरि	७७४
१५६१	,,	१०१६
१५६८	सुमतिरत्नसूरि	४१९

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१९७२	देवेन्द्रसूरि	१०१
"	सद्गुरु	११२०
१९७५	लब्धिसुन्दरसूरि	६११
१९७६	सुमतिरत्नसूरि	१०९
१९७७	जिनहर्षसूरि	१
१९८०	सुमतिसागरसूरि	९७
१९८९	श्रीसूरि	११०९
१९९१	गुणाकरसूरि	३९२

पूर्णिमापक्ष (प्रधानशाखा)।

[illegible]	जयप्रभसूरि	[illegible]
[illegible]	"	[illegible]

पूर्णिमापक्ष (चतुर्थशाखा)।

[illegible]	विद्याचन्द्रसूरि	[illegible]
[illegible]	"	[illegible]

पूर्णिमापक्ष (भीमपल्लीय)।

[illegible]	जयचन्द्रसूरि	[illegible]
[illegible]	"	[illegible]
[illegible]	"	[illegible]
[illegible]	"	[illegible]
[illegible]	"	[illegible]
[illegible]	"	[illegible]
[illegible]	पूर्णचन्द्रसूरि	[illegible]
[illegible]	"	[illegible]

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
	पूर्णिमापक्ष (भृगुकच्छीय)।	
१५७५	सागरदत्तसूरि	१६
	पूर्णिमापक्ष (छापरीआ)	
१६१०	हर्षरत्नसूरि	६८८
	साधु पूर्णिमापक्ष ।	
१५०४	रामचन्द्रसूरि	१०९
१५०८	पूर्णचन्द्रसूरि	८९१
१५०९	,,	१०९९
१५६१	उदयचन्द्रसूरि	१०६९
	बृहद्गच्छ ।	
१२७९	धनेश्वरसूरि	९९९
१३९६	पद्मचन्द्रसूरि	८०२
१५२९	कमलप्रभसूरि	४३७
	बृहद्गच्छ (बोकडीया शाखा)।	
१४३०	धनेश्वरसूरि	६१४
१५१८	मलयचन्द्रसूरि	२८७
	बृहद्गच्छ (सत्यपुरी शाखा)	
१५१०	पासचन्द्रसूरि	९८४

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
	ब्रह्माणगच्छ ।	
११८१	यशोभद्रसूरि	३९८
१२१४	महेन्द्रसूरि	६३०
१२६३	विमलसूरि	९३०
१२७०	पजुन्नसूरिशिष्य	९१२
१३११	मानतुंगसूरि	३४६
१३३८	[illegible]	१६९
१३४६(?)	......सूरि	५१८
१३७०	महेन्द्रसूरि	५१२
१३७६	विमलसूरि	८३९
१३८२	[illegible]सूरि	१०९३
१३८६	बुद्धिसागरसूरि	२९९
१४२४	विमलसूरि	३०४
१४४७	मुनिचन्द्रसूरि	२६९
१४५९	देवेन्द्रसूरि	८६७
१४६६	वीरसूरि	११२५
१४९२	,,	५०८
१४९८	मुनिचन्द्रसूरि	३९०
१५०६	उदयप्रभसूरि	८३७
,,	बुद्धिसागरसूरि	८०८
१५०८	विमलसूरि	९८४
१५०९	पजुन्नसूरि	१९८
१५११	,,	२०७
,,	उदयप्रभसूरि	९९

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
,,	मुनिचन्द्रसूरि	९७७
१९१२	,,	११२९
१९१३	विमलसूरि	८४
१९१६	श्रीसूरि (,,)	४८०
१९१७	,,	९७
१९२०	,,	८१६
१९२३	वीरसूरि	९०१
,,	विमलसूरि	४४४
१९२४	,,	६८९
१९२८	वीरसूरि	९२९
,,	बुद्धिसागरसूरि	९००
१९३६	,,	९४६
,,	वीरसूरि	९२१
१९४९	शीलगुणसूरि	१८१, ४७६
१९५४	बुद्धिसागरसूरि	७०९
१९६१	मुनिचन्द्रसूरि	४
१९७९	वीरसूरि	७०४
१९८९	विमलसूरि	१०११
१९९२	श्रीसूरि	२४१

भायडहा (डा)र गच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१२२९	भावदेवसूरि	९२०
१२६३	वीरसूरि	११२
१२८०	जिनदेवसूरि	६११
१४१७	भावदेवसूरि	६२९
१४५१	भावदेवसूरि	११६, १०८८

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५६६	विजयसिंहसूरि	१०५७
१५७३	,,	७०, ९६९

मडा (ह) हडीय गच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१३९१	सोमतिलकसूरि	७६८
१४११	माण(न)देवसूरि	४६०
१४३५	उदयप्रभसूरि	४६२

मलधारिगच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१३९२	श्री तिलकसूरि	२७९
१३७१	,,	९१९
१३[७९]	,,	१०३८
१५०८	गुणसुन्दरसूरि	१२६, ४७२, ९९९
१५११	,,	७२०
१५१८	,,	८६१
१५२१	,,	१०३०
१५२९	गुणनिधानसूरि	२६१

मड्ड(धु)करगच्छ ।

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१४१०	गुणप्रभसूरि	१०४
[१४]३४	,,	१०३८
१५१८	धनप्रभसूरि	२८८

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
	मेरुतुङ्गसूरिशाखा ।	
१२८६	.. प्रभसूरि	९०
	राजगच्छ ।	
१४१०	हरिभद्रसूरि	९३२
१४२०	"	६४१
१४२८	प॰पद्मचन्द्रसूरि	९२६*
१४९१–९२	महचन्द्रसूरिमूर्ति मलयचन्द्रसूरिमूर्ति मुनितिलकसूरिमूर्ति	९६४
	रुद्रपल्लीयगच्छ ।	
१५१९	देवसुन्दरसूरि	३६६
	वडगच्छ ।	
१५१०	पूर्णचन्द्रसूरि	१९४
१६१९	उदयसिंह(सिंह)सूरि	८४७
	वायट(ड)गच्छ ।	
१२९१	जीवदेवसूरि	७७६, ९०७
१३७८	राशि(सि)लसूरि	२१०
१४१९	"	९२८
१४९२	जिनदत्तसूरि	१२२

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
	विद्याधरगच्छ ।	
१४४५	गुणप्रभसूरि	८७८
१४९०	देवप्रभसूरि	८१७
	संडेरगच्छ ।	
१३७१	श्री....सूरि	१०९९
१५०३	शान्तिसूरि	५५०
१५०६	,,	३५३
१५०८	,,	७५१
१५१७	ईश्वरसूरि	८५०
१५१९	,,	५४०
,,	शालिभद्रसूरि	१०६२
१५२१	,,	११४
१५५२	शान्तिसूरि	७९२
	साव(?)देवाचार्यगच्छ ।	
११६८		१०८३
	सिद्धान्तीगच्छ ।	
१५०७	सोमचन्द्रसूरि	७६७
	सुविहितगच्छ ।	
१५६३	सुविहितसूरि	१०१८

संवत्	आचार्यनाम	लेखाङ्क
१५७१	"	१०४९
१५७९	"	१६४
	सुधर्मागच्छ ।	
१६५८	विनयकीर्तिसूरि	१०४२
	हारीजगच्छ ।	
१३८३	महेन्द्रसूरि	३८
१५१७	महेसरसूरि	५१४
	दिगम्बर ।	
	मूलं(मूलसं)घ-देशायगण ।	
१४८५	कल्याणकीर्ति	११९
	मूलसंघ-बलात्कारगण सरस्वतीगच्छ ।	
१५११	भुवनकीर्ति	१२८
१५२५	विमलेन्द्रकीर्ति	१२९
	काष्ठासंघनन्दीतटगच्छ ।	
१५३१	आ. वीरसेन	१४४
"	सुमतिकीर्ति (दि०)	२२८
[१]८०२	हेमसूरि	४१



कुटुंबयुतेन निजश्रेयोर्थ श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छेश श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

९४. सं० १९११ वर्षे माघव० १ चांगव(?)द्रपाति उकेशश्रे० हरिभ्रम भा० मूंजी पुत्रश्रे० रावजेन भ्रातृमहिपाहाथाभा० करणूंगइतूहीरादेव्यादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे गच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

९५. सं० १९११ वर्षे फागुणवदि २ सोमे उपकेशज्ञा० व्य० दामा (?) भा० सूहवदे पु० राजसी भा० रांभउदे पुत्र सारंग-मल्देवाइतयुतेन आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्र० मलाणीयगच्छे भ० श्रीउदयप्रभसूरिभिः ॥

९६. सं० १९१६ वर्षे आषाढसु० ९ शुक्रे वीनापुरवासिश्री-ओसवालज्ञाति सा० अर्जन भा० अहिवदे सुत गनाकेन भा० माणिकि सुतवर्द्धन प्र० कुटुंबयुतेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीरत्नसिंहसूरिभिः॥

९७. संवत् १९१७ वर्षे पौषवदि ९ गुरू श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठिदेवसीभार्या आघूसुतमूडाकेन मातृपितृश्रेयसे श्री सुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबुद्धिसागरसूरिपट्टे श्रीविमलसूरिभिः सीतापुरवास्तव्य ।

९८. संवत् १९२० वर्षे ज्येष्ठसुदि १० बुधवारे श्रीश्रीमाल ज्ञा० सा० साभा भा० रांभ सु० सा० कडूआकेन आत्मश्रेयसे श्री मुनिसुव्रतबिंबं कारापितं प्र० पू० श्रीगुणसुंदरसूरिणामुपदेशेन ॥

९९. स्वस्ति संवत् १९२९ वर्षे ज्येष्टवदि ७ गुरौ स्तंभतीर्थ उसवालज्ञातीय साहदेवराज सु० सा० आसपालभा० अमरी सु० हेमराजेन स्वपित्रोः श्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं । प्र० तपापक्षे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ।

६०. सं० १६६४ वर्षे माहसुदि १३ शुक्रे पत्तनवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञातीयसा० नरपतिभार्यानागलदेसुतसा० श्रीराजेन भार्या सिरिआदे प्रमुखपरिवारकुटुंबयुतेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीउदयसागरसूरिभि ॥ श्रिये भूयात् ॥

६१. संवत् १६६६ वर्षे माघसु० १ बुधे प्राग्वाटवंशे सा० हरदासभार्या कपूरादे पुत्रसाहवर्द्धमानभार्या चांपलदे पुत्रसा० वीरपाल-मुख्यश्रावकेण भार्याविमलादे प्रमुखसुतसाहमालमहिदेन श्रीमदंचलगच्छेश-श्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

६२. संवत् १६ आ० ९१ वर्षे वैशाखवदि २ सोमे श्रीश्री-मालीज्ञातीयमं० हीरामा० हेमादे पु० मं० छाजकेन भा० रत्नादे पु० भाऊआमसुतप्रमुखसमस्तकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यमुख्यचतुर्वि-शतिपट्टः कारितः । श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लीयभ० श्रीपारिश्चंद्रसूरिपट्टे श्रीमुनिचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितः मारेजाग्रामवास्तव्य ॥

६३. सं० १६२४ वर्षे मा० शु० ६ सोमे श्रीअहम्मदावा-दवास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञातीयवृद्धशाखासा० नागाभार्यावइजीसुतसा० सह-सवीरेण भार्यारजाईसुत सा० देवचंद सा० सूरज सा० मनउरामप्रमु-खस्वकुटुंबयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छाधिराज श्रीविजयदानसूरिपट्टे श्रीहीरविजयसूरिभिः शुभं भवतु ।

६४. सं० १६६४ वर्षे माघव० ९ रवौ श्रीअंचलगच्छे श्री धर्ममूर्तिसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रीमालीज्ञातीय श्रे० रीड़ाभार्याकोडमदे-सुतस्य मंत्रीस श्रे० लदजी श्रे० भीमजीकेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं प्रतिष्ठा-पितं गांधीटोलाप्रतिष्ठायां भलाही ४३ वर्षे ।

कुटुंबयुतेन निजश्रेयोर्थ श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छेश श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

९४. सं० १५११ वर्षे माघव० १ चांगव(?)दवासि ऊकेशश्रे० हरिभ्रम भा० मूंनी पुत्रश्रे० रायवेन भ्रातृमहिपाहापाभा० कर-णूजदतूहीरादेव्यादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे गच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

९५. सं० १५११ वर्षे फागुणवदि २ सोमे उपकेशज्ञा० व्य० दामा (?) भा० सूहवदे पु० राजसी भा० रांभउदे पुत्र रुपारशे-मल्लदेवाइतयुतेन आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्र० ब्रह्माणीयगच्छे भ० श्रीउदयप्रभसूरिभिः ॥

९६. सं० १५१६ वर्षे आषाढसु० ९ शुक्रे वीजापुरवासिश्री-ओसवालज्ञाति सा० अर्जन भा० अहिवदे सुत गजाकेन भा० माणिकि सुतवर्द्धन प्र० कुटुंबयुतेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीरत्नसिंहसूरिभिः॥

९७. संवत् १५१७ वर्षे पौषवदि ९ गुरू श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठिदेवसीभार्या आघूसुतमूजाकेन मातृपितृश्रेयसे श्री सुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबुद्धिसागरसूरिपट्टे श्रीविमलसूरिभिः सीतापुरवास्तव्य ।

९८. संवत् १५२० वर्षे ज्येष्ठसुदि १० बुधवारे श्रीश्रीमाल ज्ञा० सा० साभा भा० रांभ सु० सा० कडूआकेन आत्मश्रेयसे श्री मुनिसुव्रतबिंबं कारापितं प्र० पू० श्रीगुणसुंदरसूरिणामुपदेशेन ॥

९९. स्वस्ति संवत् १५२९ वर्षे ज्येष्ठवदि ७ गुरौ स्तंभतीर्थे उसवालज्ञातीय माहदराज सु० सा० आमपाल० अवरी सु० हेम-राजेन स्वपित्रोः श्रेयसे श्रीचंद्रप्रभबिंबं कारितं । प्र० तपापक्षे श्रीलक्ष्मी-सागरसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ।

६०. सं० १५२४ वर्षे माघसुदि १३ बुधे मंडोवरवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञातीयव्य० सारंगभार्यासिंगारदेपुत्रसा० श्रीराजेन भार्या सिरियादे प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ चिरं नंदतु ॥

६१. संवत् १५९२ वर्षे माघशु० १ बुधे प्राग्वाटज्ञा० सा० हरदासभार्या धनादे पुत्रसा०रत्नपालभार्या भावलदे पुत्रसा० वीरपाल-प्रमुखकुटुंब भार्याविमलादे स्वपुण्यार्थं पुत्रादिपरिवारसहितेन श्रीवृद्धतपागच्छेश-श्रीजिनरत्नसूरिणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

६२. संवत् १६ शा० ९१ वर्षे वैशाखवदि २ सोमे श्रीश्री-मालीज्ञातीयमं० हीराभा० हेमादे पु० मं० रूपाकेन भा० रत्नादे पु० भाउलादिप्रमुखसमस्तकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं। श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीपदमीयम० श्रीचारित्रचंद्रसूरिपट्टे श्रीमुनिचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितः श्रीस्तम्भतीर्थवास्तव्य ॥

६३. सं० १६५४ वर्षे मा० शु० ९ सोमे श्रीअहम्मदाबा-दवास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञातीयवृद्धशाखायां० सावाभार्यारूपीसुतसा० सह-सकिरण भार्यामाईसुत सा० देवचंद सा० सूरजे सा० मच्छराजप्रमु-खकुटुंबयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छाधिराज श्रीविजयदानसूरिपट्टे श्रीहीरविजयसूरिभिः शुभं भवतु।

६४. सं० १६६४ वर्षे माघव० ९ रवौ श्रीअंचलगच्छे श्री धर्ममूर्तिसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रीमालीज्ञातीय श्रे० शीहाभार्याकोडमदे-सुत मंत्रीश श्रे० लखमी श्रे० भीमजीकेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं प्रतिष्ठा-पितं गांधीहांसाप्रतिष्ठायां अमारी ४२ वर्षे।

कुटुंबयुतेन निजश्रेयोथ श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं [illegible] श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

१४. सं० १५११ वर्षे माघ० १ [illegible] (?) [illegible] ऊकेशश्रे० हरिभ्रम भा० मूंनी पुत्रश्रे० राणेन भ्रातृपहिराहाभा० [illegible] पूनइ हीरादेव्यादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे गच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१५. सं० १५११ वर्षे फागुणवदि २ सोमे ऊकेश[illegible] [illegible]० दामा (?) भा० मूहादे पु० रामसी भा० रांभादे पुत्र [illegible] [illegible] युतेन आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्र० [illegible] भ० श्रीउदयप्रभसूरिभिः ॥

१६. सं० १५१६ वर्षे आषाढसु० ९ शुक्रे श्रीनागपुरीय[illegible] ओसवालज्ञाति सा० अर्जुन भा० अहिवदे पुत्र नगाकेन भा० [illegible] [illegible] प्र० कुटुंबयुतेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीब्रह्मदेवसूरिभिः

१७ संवत् १५१७ वर्षे पौषवदि ५ गुरु श्रीब्रह्माण[illegible] [illegible] [illegible] आत्मपुण्यार्थं मातृपितृश्रेयसे श्री [illegible] कारित प्रतिष्ठित श्रीबुद्धिसागरसूरिपट्टे श्रीविमलसूरि[illegible] [illegible]

१८. संवत् १५०० वर्षे ज्येष्ठसुदि १० बुधे [illegible] [illegible] [illegible] ॥

[illegible]

६०. सं० १६२४ वर्षे माघसुदि ११ बुधे मगोदीवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञातीयमा० नरपतिभार्यानागाईसुतमा० श्रीपालेन भार्या सिरिआदे प्रमुखपरिवृतकुटुंबयुतेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीउदयसागरसूरिभि ॥ श्रियै भूयात् ॥

६१. संवत् १६६२ वर्षे माघसु० १ बुधे प्र.ग्वाटवंशे सा० हरदासभार्या करमादे पुत्रसाहवर्द्धमानभार्या वांछलदे पुत्रसा० वीरपाल-सुश्रावकेण भार्याविमलादे प्रमुखकुटुंबसहमोकामदिनेन श्रीमदंचलगच्छेश-श्रीसिद्धांतसागरसूरिणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

६२. संवत् १६ आ० ९१ वर्षे वैशाखवदि २ सोमे श्रीश्री-मालीज्ञातीयमं० हीरामा० हेमादे पु० मं० एकाकेन मा० रत्नादे पु० भाऊआप्रमुखसमस्तकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथमुख्यचतुर्वि-शतिपट्टः कारितः । श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लीयभ० श्रीपारिसचंद्रसूरिपट्टे श्रीमुनिचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितः बारेजाग्रामवास्तव्य ॥

६३. सं० १६२४ वर्षे मा० शु० ६ सोमे श्रीअहम्मदावा-दवास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञातीयवृद्धशाखासा० जागाभार्यापद्मीसुतसा० सह-सवीरेण भार्याराजाईसुत सा० देवचंद सा० मूल सा० मच्छराजप्रमु-खकुटुंबयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छाधिराज श्रीविजयदानसूरिपट्टे श्रीहीरविजयसूरिभिः शुभं भवतु ।

६४. सं० १६१४ वर्षे माघव० ९ रवौ श्रीअंचलगच्छे श्री धर्म्ममूर्तिसूरिणामुपदेशेन श्रीश्रीमालीज्ञातीय श्रे० रीडाभार्याकोडमदे-सुत मन्त्रीस श्रे० लद्धजी श्रे० भीमजीकेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं प्रतिष्ठा-पितं गांधीहीरासप्रतिष्ठायां भंडारी ४२ वां ।

१५. संवत् १६९१ वर्षे फाल्गुनशु० १२ रवौ श्रीसंघपति-
[illegible] मा० [illegible] श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं
प्रतिष्ठितं च तपागच्छे [illegible] ॥
[illegible] ।

घीयाँवाडो, मनमोहनपार्श्वनाथजीना देहरासरमांना लेखो.

१६. सं० १५१२ वर्षे श्री[illegible] श्री
[illegible] मा० [illegible] श्री[illegible]बिंबं कारितं
[illegible] प्रतिष्ठितं [illegible] ।

१७. सं० १५८० वर्षे [illegible] १ [illegible] (?) श्रा०
[illegible] पु० [illegible] श्री[illegible]बिंबं का० [illegible]
[illegible] ।

१८. सं० १५६३ वर्षे [illegible] १२ [illegible] श्री[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ।

१९. सं० [illegible]
[illegible] (श्रा०) [illegible]
[illegible]
[illegible] ।

२० [illegible]
[illegible]

बगू पुत्रि(त्रि)का स्वकु० पु० स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीविजयसिंहसूरिभिः । श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्यः ।

७१. सं० १४९९ वर्षे का० सु० १२ सोमे प्राग्वाटवंशे विसा २० सा० द्रोणशाखायां सा० सोढा पु० सा० पीमा पु० सा० उदयसि पु० सा० व्हा पु० शांवंड भा० माल्हदे पु० सा० पारामापहिरामाभ्यां अंचलगच्छेशश्रीजयकीर्तिसूरीणामुपदेशेन निजश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० च श्रीसंघेन ।

७२. सं० १२९९ वैशाखसु० ३ प्राग्वाटज्ञा० कुणपालेन पितुः श्रे० राणकस्य श्रेयोऽर्थं पार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्री........गच्छे श्रीमदुदयसूरिभिः ।

७३. सं० १४८७ वर्षे माघसु० ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० वीरधवल भा० वीजलदेसु० भूमेन भा० भामलदेप्रमुखकुटुंबसहितेन स्वपुण्यार्थं संभवनाथबिंबं श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकीर्तिसूरीणामुपदेशेन का० प्र० श्रीसंघेन ॥

७४. सं० १२८७ चैत्रव० १ गुरौ वोराकद्रिय (!) गोत्रे ठ० सोढा भा० म० सु० रामकेन श्रीशान्तिनाथप्रतिमा का० प्र० च श्रीरत्नप्रभसूरिभिः ।

७५. १३०८ वर्षे विशाखव० ९ गुरौ मिहकेन मातृमहलादेवी श्रेयोऽर्थं........बिंबं का० श्रीसूरिभिः ।

७६. सं० १३९३ वर्षे फाल्गुणसु० ८ रवौ श्रीगूर्जर सा० ठ० रोता भा० मा० प्रतापदेव्याः सु० मं० देवसिंहेन मातृपित्रोः श्रेयसे श्रीयुगादिनाथबिंबं का० प्र० श्रीहंसराजसूरिभिः ।

७७. सं० १५१९ वर्षे माहसु० ११ भूमे ऊकेशवंशे साहूसखागोत्रे सांहूसुर भा० सोनलदे पु० सा० देवदत्त भा० रंगाई पुं०

सा० हरखासहितेन स्वपुण्यार्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसागरसूरिपट्टे श्रीजिनसुंदरसूरि तत्पट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः।

७८. सं० १२७७ वर्षे चैत्रवदि ८ शुक्रवारे श्रीऊपकेशज्ञा० सा० सुडा सु० ....घुघर भा० सामू पु० पीमानामाऊमाआत्मनी आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० ।

७९. सं० १२९३....शुदि १० रवौ........श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० श्रीजिनसूरिसंताने श्रीसदनसूरिभिः।

८०. सं० १९१८ वर्षे शाके १३ प्रवर्तमाने चैत्रशु० तृतीयादिने ओसवालज्ञा० साहशा पु० चिहासा० शीवा भा० शतारेया आत्मपुण्यार्थं श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० धर्मघोषगच्छे श्रीविजयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः । शुभं भवतु ।

८१. सं० १२८९ वर्षे वैशाखशु० ९ बुधे श्रीनिवृत्तिगच्छे हुवड(हुंबड)ज्ञा० [illegible] श्रीपद्मप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीपार्श्वदत्तसूरिभिः ।

८२. सं० १३०९ फाल्गुनव० ८ गुरौ [illegible] सा० [illegible] तत्पुत्र [illegible] ती....पु० [illegible] श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० त० ग० श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे श्रीदेवचंद्रसूरिभिः ।

८३. सं० १३०३ [illegible] ७ सोमे [illegible] [illegible] श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० [illegible]सूरिभिः ।

८४. सं० १५१३ वर्षे चैत्र० ५ [illegible] श्रीओसवाल[illegible] श्रे० [illegible] भा० [illegible] पु० [illegible] [illegible] भा०

...स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीजिनसूरिभिः ईडरनगरे ।

८५. सं० १५४७ वर्षे वै० सु० ६ शुक्रे प्रा० श्रे० वाघा भा० चांदू पु० सा० वईला पु० श्रीपालादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआगमगच्छे श्रीविवेकरत्नसूरीणामुपदेशेन श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० च श्रीसूरिभिः ।

८६. सं० १४८८ वर्षे वैशाखे प्राग्वाट ज्ञा० पाल्हा पु० सादा पीदा भ्रातृ भाभाभा० श्रीवाणिक्यमला स्वभर्तृश्रेयसे श्रीमल्लिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ।

८७. सं० १५९१ वै० सु० २ श्रीश्रीमाल मं० सांवल भा० बपू मं० गोविंदेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छेशश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्य । श्रीः ।

८८. सं० १४८७ वर्षे कार्ति. सु०..........प्राग्वाट पांचा भा० मयगी पु० सा० मारंगण भा० रूडू पु० साईआदियुतेन पितृश्रेयसे सुपार्श्वबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभिः श्रीः ।

८९. सं० १४०८ वर्षे आषाढव० ९ गुरौ प्राग्वाटज्ञा० श्रे० डुंगर भा० हीरादे पु० वेलाकेन भा० वीमलदेसहितेन पित्रोः श्रेयसे श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीजयचंद्रसूरीणामुपदेशेन ।

९०. सं० १५७७ वर्षे ज्येष्ठसु० ९ शनौ वारे प्राग्वाटज्ञा० दो० वच्छा भा० रामति पु० दो० सीपा श्रीराम श्रीरंग शाणा सिवा-प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० श्रीतपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः प्र० ।

९१. सं० १५११ वर्षे पौषव० ९ गुरु श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे०

गांगन भा० वानू सु० आयाकेन श्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षे श्रीमुनिसुंदरसूरीणामुपदेशेन।

९२. सं० १४७१ वर्षे माघशु० १० शनौ प्राग्वाटवंशे विसा० २० व्य० दोणशाखा ठ० सोढा पु० ठ० धीमा पु० ठ० उदयसिंह पु० ठ० लहा भा० हकू पु० सा० सांवडेन श्रीअंचलगच्छे श्रीमही-तिलकसूरीणामुपदेशेन पित्रोः श्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबमुख्यचतु-र्विंशतिपट्टः का० प्रतिष्ठितश्च।

९३. सं० ११९९....................श्रीवासुपूज्यबिंबं का० महासुदि १२।

९४. सं० १२२८ ज्येष्ठशु० १२ बुधे श्रीगल्लकज्ञा० ठ० राणाकेन निजपितुः ठ० आसाकस्य श्रेयोर्थं श्रीचतुर्विंशतिपट्टः का० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीउदयप्रभसूरिशिष्यश्रीमहेन्द्रसूरिभिः प्रतिष्ठितः।

श्रीआदीश्वरजीना देरासरना लेखो.

९५. सं० १५४२ वर्षे वै० सु० ३ गुरौ [illegible]गोत्रे गूर्जर ज्ञा० मं० आपा भा० मगादे पु० मं० कान्हा भा० [illegible] [illegible] श्रीअजितनाथबिंबं का० आगमगच्छे श्री[illegible]सूरिभिः।

९६. सं० १५०९ वर्षे माघ० ५ शुक्रे उकेशवंशे ठ० श्री-[illegible] भा० [illegible] पु० ठ० पु० [illegible] भा० [illegible] पु० [illegible] [illegible] श्री[illegible]बिंबं का० प्र० ....[illegible]।

९७. सं० १३३० वर्षे माघशु० १ गुरौ [illegible] श्री[illegible] [illegible] भा०....पु० [illegible] श्री[illegible] का० [illegible]।

९८. सं० १५१९ वर्षे माघशुदि ७ गुरौ श्रीश्रीमाल्ज्ञातीय श्रे० सिंघा भा० सहजलदे सुतचोटाकेन सुतमहिजासरवणादिल-कुटुंबयुतेन स्वभार्याअमकूश्रेयसे श्रीधर्मनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीपिप्पलगच्छे श्रीउदयदेवसूरिभिः ॥ शुभं भवतु ॥

९९. सं० १६०४ वर्षे फागुणशुदि ८ सोमे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीय श्रेष्ठिशापाभार्या हांसी सुतममतेण भा० रूपणिसहितेन पितृमातृश्रेयसे श्रीआदिनाथप्रमुखचतुर्विंशतिपट्टः कारितः ॥ श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लीयश्रीपासचंद्रसूरिपट्टे श्रीनयचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितः॥

१००. संवत् १५७० वर्षे पोषवदि ९ रवौ श्रीश्रीमाल्ज्ञातीय व० माला भा० माल्हणदे सु १ मीरा पु० भयवंत श्रीवंत उदयकर्ण व० विरा(पा)वरन० सहितेन कुटुंब० श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आग० शालकुमारसूरिभिः । अहिमदावादवास्तव्यः ॥

१०१. सं० १५७१ वर्षे माघवदि ६ शुक्रे श्रीश्रीमाल्ज्ञातीयमं० देपा भा० मचकू सु० जावड भावड भइनाकेन ओ० भावडश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं प्रति० पूर्णि० प्र० भट्टारकश्रीदेवेन्द्रसूरिभिः। थोथा ७४ श्री ॥

१०२. सं० १३३४ वर्षे वैशाखवदि ४ गुरौ [हीरा पु० थीमाकेन]..नाथ का० प्र० श्री भ० त० (भाव)देवसूरिभिः ॥

१०३. सं० १५०३ वर्षे प्रा० ज्ञातीय सा० लाला भा० रूटकू पुत्र सा० धरणाकेन भा० राणी पु० कुंरपालनरपालादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीजयचन्द्रसूरिभिः । कल्याणं ॥

१०४. सं. १४१० वर्षे पोषशु० ११ शु० श्रीमाल्ज्ञा०

गोत्रे भा० वानू सु० आशाकेन श्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षे श्रीमुनिसुंदरसूरीणामुपदेशेन।

९२. सं० १४७१ वर्षे माघसु० १० शनौ प्राग्वाटवंशे लिखा० २० भा० देवसाता ठ० सोजा पु० ठ० पीमा पु० ठ० उदयसिंह पु० ठ० सदा भा० हदू पु० सा० हांवेडेन श्रीअंचलगच्छे श्रीमेरु-तिलकसूरीणामुपदेशेन पित्रोः श्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबमुत्तम-श्रिलीपदः का० प्रतिष्ठितश्च।

९३. सं० ११९९......................श्रीवासुपूज्यबिंबं का० ...पूरि १२।

९४. सं० १२३८ ज्येष्ठसु० १२ बुधे श्रीमल्लसा० ठ० [illegible] विमलेपु ? [illegible] श्रेयोर्थं श्रीचतुर्विंशतिपट्टः का० [illegible] देवसूरिभिः प्रतिष्ठितः।

श्रीमादाणंदजीना देहराना लेखो.

९५. सं० १५४२ वर्षे [illegible] सु० १ बुधे [illegible] [illegible] [illegible] श्रीअजितनाथबिंबं का० आगमगच्छे [illegible]।

९६. [illegible] गुरौ [illegible] [illegible] [illegible]......[illegible]।

९७. सं० [illegible] [illegible] [illegible]

९८. सं० १५१५ वर्षे माघशुदि ७ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० सिंघा भा० सहजलदे सुतचोथाकेन सुतसहिजासरवणादिस्व-कुटुंबयुतेन स्वभार्याभमकूश्रेयसे श्रीधर्मनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीपिप्पलगच्छे श्रीउदयदेवसूरिभिः ॥ शुभं भवतु ॥

९९. सं० १५०४ वर्षे फागुणशुदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठिशाषाभार्या हांसी सुतसमधरेण भा० रूपणिसहितेन पितृमातृश्रेयसे श्रीआदिनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः ॥ श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लीयश्रीपासचंद्रसूरिपट्टे श्रीनयचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठित.॥

१००. संवत् १५७० वर्षे पोषवदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय म० माला भा० माल्हणदे सु । मीरा पु० जयवंत श्रीवंत उदयकर्ण व० विद्या(द्या)धरन० सहितेन कुटुंब० श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं भाग० शाकुमारसूरिभिः । अहिमदावादवास्तव्यः ॥

१०१. सं० १५७१ वर्षे माघवदि ३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयमं० देधा भा० मचकू सु० नाथड भावड जइताकेन ओ० मावडश्रेयोऽर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं प्रति० पूर्णि० प्र० भट्टारकश्रीदेवेन्द्रसूरिभिः । घोघा ७४ श्री ॥

१०२. सं० १३३४ वर्षे वैशाखवदि ४ गुरौ [हीरा पु० श्रीमाकेन]..नाथ का० प्र० श्री म० न० (माव)देवसूरिभिः ॥

१०३. सं० १५०३ वर्षे प्रा० ज्ञातीय सा० लाखा भा० लहकू पुत्र सा० धरणाकेन भा० राणी पु० कुंरपालनरपालादिकुटुंबयुतेन निमश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीमयचन्द्रसूरिभिः । कल्याणं ॥

१०४. सं. १३१० वर्षे ......

पितृपाल्हा मातृपाल्हणदे सुतेन...... .. ..श्रीपार्श्व-
नाथबिंबं का० मङ्कगच्छे प्र० श्रीगुणप्रभसूरिभिः ॥

१०५. सं० १३०४ वर्षे माहसुदि ६ गुरौ प्रा० ज्ञातीय
हादाभार्या हांसदे सुत कडुया गामसी लालाकेन पितुः पितृव्यनृपाति-
मित्तं च श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीमागुपु० म० श्रीश्री-
रामचंद्रसूरीणामुपदेशेन विधिना श्राद्धैः ॥

१०६. सं० १३४३ व० वै० शु० ३ दिने श्रीश्रीमाल्लज्ञातीय
मं० मोना भा० वीजू पु० वीरपाल भा० अधिकूनाम्न्या श्रीशीतल-
नाथबिंबं का० प्र० श्रीबृहत्तपा० श्रीउदयसागरसूरिभिः॥श्रीगंधारमंदिरे॥

१०७. सं० १९११ पोषवदि ६ गुरौ श्रीहूंबडज्ञातिक०
देवराज भा० वनू सुत हावा भा० जयतू नागाकेन हावाश्रेयोनिमित्तं
श्रीअजितनाथबिंबं कारितं बृहत्तपा० म० श्रीरत्नसिंहसूरिभि प्रतिष्ठितं॥

१०८. सं० १४१० वर्षे व० शु० १२ श्रीश्रीमालज्ञा० पितृ
विल्हा मातृविल्हमदेवी सु० मेघाकेन श्रीपार्श्वनाथबिंब का० प्र० श्रीपुन्य-
प्रभसूरिभिः ॥ (¹)

१०९. सं० १५[१]८ वर्षे माघवदि ५ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा०
ठ०.....................सु० ठ०....... .... श्रीपार्श्वनाथबिंब
का० भ० श्रीश्रीसाधुरत्नसूरिभिः प्र० करण्णं ।

११०. सं० १३६६ वर्षे माघसु० ६ बुधे प्राग्वाटज्ञा०
श्रे० दमाल सु० ठ० जोगी ठ० धरणाभ्यां मा(भ्रा)तृव्य सा० ठ०
सरसश्रेयसे श्रीमल्लिनाथबिंबं का० प्र० सूरिशिष्य श्रीशान्तिप्रभसूरिभिः ॥

१११. सं० १३७३ वै० शु० १३ प्राग्वाटज्ञा० पोल भा०
देमति पु० राण केन मा...............श्रीश्रेयसे श्रीशान्ति० का० प्र०
.....................श्रीचंद्रसूरिभिः ॥

११२. सं० १६६८ वर्षे फागुणसु० ८ सोमे ओसवालज्ञा० व्य० वाछा भा० वीमलदे पु० वमाग भा० हर्षीनाम्न्या स्वभर्तुः श्रेयसे श्रीनेमिनाथकुटुंबश्रीपार्श्वबिंबं का० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीवरहोपग० श्रीचारित्रचंद्रसूरिपट्टे भ० श्रीमुनिचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्र० विधिना सं- स्तम्भपुरवास्तव्यः ॥

११३. सं० १६६२ वर्षे वै० शु० २ बुधे.................. वास्तव्य..................भा० हीरादे प्रमुखनिजकुटुंबयुतेन महामहो- त्सवेन श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० च तपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिशिष्य- श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

११४. सं० १६६४ वर्षे वैशाखसुदि सोमे अहमदावादवा- स्तव्यः श्रीश्रीमालज्ञा० श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे भट्टारकश्रीज्ञानसागरसूरिभिः ॥

११५. सं० १६०१ वर्षे वैशाखसुदि ७ सोमे स्तंभतीर्थ- वास्तव्यः गाहलुभा भा० हीरादेवीश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीश्रीविजयसोम(? विजयसेन)सूरिभिः श्रीरस्तु ॥

११६. सं० १६९० व० माघसु० १२ सोमे श्रीश्रीमाल- ज्ञा०..................पिता पितामहश्रेयोऽर्थं सु० क०.................. श्रीसुमतिनाथबिंबं का० ॥

११७. सं० १५१७ वर्षे माघवदि ८ सोमे श्रीपत्तनवास्तव्य प्राग्वाटज्ञा० श्रे० पाल्हा भा० सरजूदेवी कुक्षिभवे सरजूपु० श्रे० धामणेन भा० अमरीयुतेन श्रीशांतिनाथबिंबं स्वश्रेयसे का० प्र० वृं० तपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

११८. सं० १२९७ श्रीगूर्जरज्ञा० सूराकुक्षा भा० कामल्पा श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीकर्पूरसेन (?) सूरिभिः ॥

नरसिंहजीनी पोळ, दादापार्श्वनाथजीना देहराना लेखो.

११९. सं० १४८८ वर्षे माघवदि ९ गुरौ डुंगरसी... कमजे भार्या हेली सतमगोत्रे श्रे० कणा भार्या..................शाली श्रीपूर्णतिलके वैपागगणेश· वृश्के गच्छे भुविजिनकीर्तिशिष्य ख्यात कल्याणकीर्तिगुरु । नद्गुरेगत· ॥

१२० सं. १४६९ वर्षे श्रीऊकेशवंशे सा० धीनाभार्या धनि... [illegible] सुमा० मोमराजेन भार्याभोजमिरिमहितेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारि प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीरत्नसुंदरसूरिपट्टशिष्यश्रीगुणरत्नसूरिभि· ॥

१२१. सं० १११० वर्षे माघशुदि ११ रवौ श्रीश्रीमाल... [illegible] सा० वाटू भा० रुपुरी सु० समीपाल भा० अमरी आत्म... श्रेयसे सु० नेमा... श्री ... बिंब का० पिप्पलगच्छे प्रतिष्ठितं श्री... [illegible] ॥ श्री... [illegible] ॥

१२२. सं० १४९३ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ ... . [illegible]

१२३. [illegible]

१२४. [illegible]

सुत कल्याणमल्ल सु० राउल प्र० श्रेयोऽर्थं श्रीभरनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीसू० श्रीधनराजसूरिभिः ॥

१२५. सं० १५११ वर्षे वैशाखसुदि ९ श्रीश्रीमालज्ञा० मं० जेसा भा० जग(ग)माई सुतवाघाकेन भा० आसी सुतगोईआ बलराज प्रमुखादिकुटुंबयुतेन स्वपितृश्रेयसे श्रीविमलनाथादिचतुर्विंशतीर्थी कारिता आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरिगुरूपदेशेन प्रतिष्ठिता च । वाछ-पेरावास्तव्यः ॥

१२६. सं० १५०८ वर्षे आसाढसुदि २ सोमे स्तंभतीर्थ-वास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञातीय सा० पाल्हाभा० देमाई सुतधीराकेन भगिनी रूपाई भार्या कपूराई प्रमुखकुटुंबयुतेन निजपितृश्रेयसे श्री वासुपूज्यबिंबं कारितं श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुंदरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

१२७. संवत् १५१० वर्षे चैत्रवदि ७ शनौ पितामहश्रव० सधारणश्रेयोऽर्थं पितृश्रव० छापग मातृश्रव० छलमादेविश्रेयोऽर्थं च सुत० श्रव० पाल्हणमाल्हणाभ्यां श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रति-ष्ठितं सूरिभिः ॥

१२८. सं. १५१६ वर्षे वैशाखसुदि १९ सोमे श्रीमूल-संघे बलात्कारगणे सरस्वतीगच्छे भ० श्रीकुंदकुंदाचार्यान्वये भ० श्रीस-कलकीर्तिदेवास्तत्पट्टे भ० श्रीभुवनकीर्तिगुरोरुपदेशात् हुंबडज्ञातीय श्रेष्ठिनरसिंगभार्या चांपलदे सुत श्रे० टाकरसी भा० हापू सुत साईआ माल्हा संघवी परबत भार्या दूबी एते श्रीयुगादिदेवाद्यप्रतिहार्य-चतुर्विंशतिका नित्यं प्रणमंति । शुभं भवतु ॥

१२९. सं० १५२१ वर्षे महासुदि १० सोमे श्रीमूलसंघे सर-स्वतीगच्छे बलात्कारगणे श्रीकुंदकुंदाचार्यान्वये भ० पद्मनंदिदेवास्तत्पट्टे भ० श्रीसकलकीर्तिदेवास्तत्पट्टे भ० श्रीविमलेंद्रकीर्तिभिः श्रीअजितनाथ-

चतुर्विंशतिका प्रतिष्ठिता । हूंबडज्ञातीयमं० वावा भा० रूपिणि सु० सं० गोवा भा० लाकू सु० सिवा भा० सहिमदे सु० हरदास जिणदास महिपाल हरपाल नगराज एते नित्यं प्रणमंति ॥ श्रीः ॥

१३०. सं० १४८३ वर्षे वैशाखशुदि ९ गुरौ ओ० ज्ञा० गो० आल्हा भा० सिगारदे पु० वरसिंग मूदाकेन पितृमातृश्रेयसे श्री चंद्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीजीरापल्लीगच्छे भट्टारकश्रीसालिभद्रसूरिपट्टे भ० श्रीउदयरत्नसूरिभिः ॥

१३१. सं० १३३९ चैत्रवदि ९ पल्लीवा(वा)लज्ञातीय श्रे० सांहा सहजमल्लो मातापित्रोः श्रेयोऽर्थं च पुत्रखखलपखाभ्यां श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविजयसेनसूरिशासने श्रीउदयप्रभसूरिभिः॥

१३२. सं० १३६३ वैशाखशुदि ९ बुधे श्रीभावडारगच्छे श्रा० अजुन भा० आल्हणदेवि पु० सागणेन मातृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीवीरसूरिभिः ॥

१३३. सं० १२९४ वर्षे आमरा मातृराजूश्रेयोऽर्थं सुत पद्मसिंहेन श्रीऋषभदेवबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं छत्रापल्लीयश्रीरत्नप्रभसूरिभिः॥

१३४. सं० १५२१ वर्षे माघशुदि १३ गुरौ उपकेश० खीमा भा० लराणीपुत्र उगामा० आल्हणदे पु० ऊदा पांदा पिथा स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीसंडेरगच्छे श्रीसालिसूरिभिः ।

१३५. सं १४८९ वर्षे प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० कर्मसी भा० कर्मादे सुतवरसिंहेन भा० आसू सुतमादादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

१३६. सं० १५४२ वर्षे वैशाखशुदि २ गुरौ गंधारवास्तव्यः श्रीश्रीमालज्ञातीयदो० धणपाल सु० दो० अभयसी सु० दो० महिराज भा० भाकू सु० नगराज भा० जसाई सु० माणिक भा० रुली एतैः

शनैश्चरवासरे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रथम आगमगच्छे श्रीसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

१३७. सं० १५२० वर्षे मार्ग. सुदि ९ शनौ श्रीप्राग्वाटज्ञातीय मं० राउल भा० फालू सुत नारद भा० अमकूसुश्राविकया सुतवहिराम अंबादासयुतया स्वयम्. श्रेयोऽर्थं श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरिणा-मुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

१३८. सं० १५११ वर्षे ज्येष्ठवदि १० सोमे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीय श्रे० घोटू भा० चाहणदे सु० मउडाकड (?) भा० तेजू भा० रांभणदूसणयुतेन पितृश्रेयोऽर्थं श्रीश्रेयांसबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुण-सागरसूरिपट्टे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रति० विधिना ॥

१३९. सं. १४८९ वर्षे ज्येष्ठसुदि ९ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० मारामं० राणो सु० मूरा भा० हीरू भ्रातृभोलायुतेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसागरसूरिश्रीहेम-रत्नसूरिभिः ॥

१४०. सं० १५१५ वर्षे..............सु० हा० स०..............सु० व्य० दूरा भा० हर्षी पुत्रजूठाकेन भा० देयू प्र० कुटुंबयुतेन पितामहश्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीरत्नशेखर-सूरिभिः ॥

१४१. सं० १४०८ वर्षे श्रीप्राग्वाटज्ञातीय महं चागसिंग ग्रिया सुहागदे तयोः सुत मनादा पत्नी श्रेयसे वसूसरिणि श्रीआदि-नाथपंचतीर्थी कारिता ॥

जानीचोरी, श्रीचन्द्रप्रभजिनालयना लेखो.

१४२. संवत् १६४२ वर्षे ज्येष्ठसुदि २ सोमे श्रीश्रीमालवृहद-

ज्ञातीय सा० राणाभार्या रामश्रदे सुत सा० चीवर स्वश्रेयसे श्री विमलनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीमत्तपागच्छाधिराजश्री५श्रीहीरविजयसूरिराजश्री५श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

१४३. संवत् १३८७ वर्षे माघशुदि १० शनौ श्रीउपकेशगच्छे खुरियागोत्रे सा० धीरात्मज सा० झांझणभार्या जयतश्रदे सुत छाडाआसाभ्यां मातृपित्रोः श्रे० श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्री कक्कुदाचार्यसंताने प्रभुश्रीकक्कसूरिभिः ॥

१४४. संवत् १९३१ वर्षे वैशाखवदि ८ शुक्रे श्रीकाष्ठासंघे नंदीतटगच्छे भ० श्रीसोमकीर्तिशिष्य आ० श्रीवीरसेन युक्ते प्रतिष्ठितं। नारसिंहज्ञातीयहद्धसोहगोत्रे व० हापा भा० रूपिणि सुत मनाभा० अमकू सुत गांगा श्रीवासुपूज्यं प्रणमति ॥ गमीच ॥

१४५. संवत् १९२२ वर्षे वैशाखशुदि ३ लाडुश्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० हरखचंदभा० हांईपुत्र्या श्रे० चांगाभार्या श्रीनोडीनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टप्रभाकरश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ आमलेश्वरग्रामे ॥

१४६ सं० १४४७ वर्षे फागुणशुदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयठ० मंडलिकभा० बा० तेजश्रदे सुत संघवी धर्मसी सं० सूरा सं० परबतनामइ सं० देवराजबिंबं कारापितं ॥ तपागच्छे भट्टारकश्रीदेवसुंदरसूरिभिः ॥

१४७. सं० १३३१ वर्षे वैशाखवदि ७ पडायपज्ञातीय ठ० जयतसिंह भा० जयतूत्यवइारिकया पुत्रत्र्यव० भानाप्रभृतिकुटुंबसमन्वितया आत्मश्रेयसे श्रीचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः ॥

१४८. संवत् १९२४ वर्षे खरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिआदिः मुहतागोत्रे स० भीमसी भा० नायकदे । अंबिकादेवी कारापिता ॥

जारंगोरी, श्रीमहावीरजिनालयना लेखो.

१८९. सं० १५११ वर्षे चैत्रसुदि ४ भद्रपूने प्राग्वाट ठ० अहुआ भा० कर्मदिपुत्र सं० नारद भा० पद्‌ पुत्र अपमेल भा० पदमाईप्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंब का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभि ॥

१९०. सं० १३८६ वर्षे माघवदि ६ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० कुमारपालपुत्र गुणपालश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीचैत्रगच्छे श्रीधर्मदेवसूरिपट्टे श्रीमानदेवसूरिभिः ॥

१९१. सं० १५३६ वैशाखशु० ३ प्रा० श्रे० अहुआ भा० रत्नदू० हरवाहेन भा० हीरादेप्र० श्रीत कोरिमादिपु० दुर्गा स्वश्रे० श्रीसंभवनाथबिंब का० प्रतिष्ठितं तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । लघुगच्छे ॥

१९२. सं० १५६४ व० वै० शु० ६ सोमे अल्पापलीय श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० धर्मपाल० कर्मादिपुत्रसांगेन भा० ९ भा० माई पु० रामपाल काना हासर मटिपसि स्वकुटुंबयुतेन श्रेयोर्थं श्री शीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः ॥

१९३. संवत् १५२८ आषाढसुदि (शुदि) द्वीप० श्रीमालज्ञातीय ठ० देवामा० मालूपुत्र ठ० वामिग भा० रहीपुत्र ठ० ओघाकेन स्वश्रेयसे भार्या ठ० हेमाप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीलक्ष्मीसागरसूरि(भि) प्रतिष्ठितं । कैवल्यगच्छे धारणाद्रीय ॥

१९४. सं० १५१० वर्षे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० भीमसी भा० हरखूपुत्र आल्हाकेन भा० कडतिगदे, पुत्र सहिसा शिवदास

ज्ञातीय सा० राणाभार्या रानलदे सुत सा० धीवर स्वश्रेयसे श्री विमलनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीमत्तपागच्छाधिराजश्री५श्रीहीरविजयसूरिराजश्री५श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

१४३. संवत् १३८७ वर्षे माघशुदि १० शनौ श्रीउपकेशगच्छे खुरियागोत्रे सा० धीरात्मज सा० झांझणभार्या जयतल्दे सुत छाडाआसाभ्यां मातृपित्रोः श्रे० श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्री कक्कुदाचार्यसंताने प्रभुश्रीकक्कसूरिभिः ॥

१४४. संवत १५३१ वर्षे वैशाखवदि ८ शुक्रे श्रीकाष्टासंघे नंदीतटगच्छे भ० श्रीसोमकीर्तिशिष्य आ० श्रीवीरसेन युक्ते प्रतिष्ठितं। नारसिंहज्ञातीयहद्दसोहगोत्रे व० हापा भा० रूपिणि सुत मनाभा० अमकू सुत गांगा श्रीवासुपूज्यं प्रणमति ॥ गमीच ॥

१४५. संवत् १५२३ वर्षे वैशाखशुदि ३ लाडुश्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० हरखचंदभा० हांईपुत्र्या श्रे० चांगाभार्या श्रीनोडीनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टप्रभाकरश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ आमलेश्वग्रामे ॥

१४६ सं० १४४७ वर्षे फागुणशुदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयठ० मंडलिकभा० बा० तेजलदे सुत संघवी धर्मसी सं० सूरा सं० परबतनामइ सं० देवराजबिंबं कारापितं ॥ तपागच्छे भट्टारकश्रीदेवसुंदरसूरिभिः ॥

१४७. सं० १३३१ वर्षे वैशाखवदि ७ पडायपज्ञातीय ठ० जयतसिंह भा० जयतूव्यवहारिकया पुत्रव्यव० भाचाप्रभृतिकुटुंबसमन्वितया आत्मश्रेयसे श्रीचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः ॥

१४८. संवत् १५२४ वर्षे खरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिआदिः मुहतागोत्रे स० भीमसी भा० नायकदे । अंबिकादेवी कारापिता ॥

मार्गतीर्थ, श्रीमार्गतीर्थमनात्पता लेखो.

१८९. सं० १५१३ वर्षे ज्येष्ठसुदि ४ मंदवारे प्राग्वाट ज्ञा० मडुआ भा० धर्मादेसुत सं० नागर भा० पडू सुत संघवेन भा० पद्मादेवुयुतपरिवारयुतेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभि ॥

१९०. सं० १५८८ वर्षे माघवदि ९ सोमे श्रीप्राग्वाटज्ञा-तीय सं० मूलाकेनात्मश्रेयसे पुत्रपौत्रयुतेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धगच्छे श्रीधर्मसुंदरसूरिपट्टे श्रीमानदेवसूरिभि ॥

१९१. सं० १५१५ वैशाखशु० ९ गु० श्रे० मडुआ भा० माल्हू० सुतलाकेन भा० हीराईयु० श्रीश्रेयांसादिकु० युतेन स्वश्रे-योऽर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं तपाश्रीरत्नशेखरसूरिभिः । कल्याणमस्तु ॥

१९२. सं० १५६४ व० वै० शु० ९ सोमे आगमगच्छीय श्रीश्रीमालज्ञातीयसा० कर्मणसा० धर्मादेवुत्रनागेन भा० ९ भा० भाई पु० रतनपाल कला हासम प्रभृतिभि स्वकुटुंबयुतेन श्रेयोऽर्थं श्री श्रीमन्नाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः ॥

१९३. संवत् १५२८ आषाढसुदि (शुदि) ९ श्री०श्रीमालज्ञातीय ठ० देवाभा० माहूसुत ठ० वाघिग भा० रहीपुत्र ठ० ओघाकेन स्वश्रेयसे भार्या० ठ० देमाल्हपुत्रपुत्रादिपरिवारयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीसूर्यदेवसूरि(भिः) प्रतिष्ठितं । चैत्रगच्छे पाटणवास्तव्य ॥

१९४. सं० १५१० वर्षे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० भीमसी भा० रामूसुत आल्हाकेन भा० कउतिगदे सुत सहिसा शिवदास

लखराजादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० वडगच्छे श्रीपूर्णचंद्रसूरिभिः ॥

१९५. सं० १५११ ज्येष्ठवदि १३ प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० देदा भा० रयणीसुत वडआ भा० चाईनाम्न्या स्वभ्रातृनावडश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिपट्टे श्रीश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१९६. सं० १५२७ वर्षे माहशुदि ९ शुक्रे हूंबडज्ञातीय मुखगोत्रे श्रे० कूंपा भा० रांकु सु० नरसिंगेन भा० नयणादेसु० शाणा सहितेन श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसिवदत्तसूरिभिः ॥

१९७. संवत् १५६४ वर्षे वैशाखवदि १२ बुधे श्रीश्रीवंशे सा० सिंहदत्त भा० मानूपुत्र सा० देवासुश्रावकेण भा० लखाईपुत्र हरिचंदप्रमुखकुटुंबसहितेन निजश्रेयोऽर्थं श्रीविधिपक्षगच्छे श्रीसद्गुरूणामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन। श्रीचंपकपुरे ॥

१९८. सं० १९२३ वर्षे महाशुदि ६ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय दो० गिरूआ भा० धर्मणि सु० भीमाकेन भार्याभर्मादेयुतेन आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारापितं प्र० श्रीपू० प्र० श्रीगुणसुंदरसूरीणामुपदेशेन विधिना था० ज्ञानकलशः (शैः) ॥

१९९. सं० १५९१ वर्षे वैशाखशुदि १३ गुरु श्रीश्रीमालज्ञातीयमहालक्ष्मीमूर्ति कारापिता ॥

घडीआलीपोळ, श्रीकुंथुनाथजिनालयना लेखो.

१९०. संवत् १५१९ वर्षे माहवदि ९ शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० धर्मा भा० रानक सुत हेमा राणा हेमा भा० श्रीमू राणा भा० देवू हे० सु० कामसी भा० मानू हेमाराणाभ्यां स्वकुटुंबयुतेन स्व-

विंबं. द्वितीये श्रीअजितनाथ बिंबयुगलमिदम्. । आगमगच्छे श्रीहेम-रत्नसूरीणामुपदेशेन कारितः प्रतिष्ठितश्च विधिना ॥ पंचतीर्थाकारः ॥

९६१. संवत् १५१९ वर्षे आषाढसुदि १ मंत्रिदलीय श्रीवागा गोत्रे ठ० भद्र भा० धर्मिणि पुत्र सं० आभडाख्येन पुत्र ठ० डमसेन प्रभृतीन युतेन देवराज सांगेन परिवारादियुतेन श्रीआदिनाथबिंबं का० सं० जिणदत्ती पु० सुदत्तश्रेयार्थ प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्री-जिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

शीतळवाडोनी, चिन्तामणिपार्श्वनाथजिनालयना लेखो.

९६२. सं० १५१२ वर्षे वै० शु० १० प्राग्वाट्ज्ञा० छूणा भा० दृमाद्र सुत ज्य० खीमाकेन भा० रोडू सा० भोजादिकुटुंबयु-तेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिभिः श्री सोमसुंदरसूरिशिष्यैः ॥

९६३. संवत् १६०१ वर्षे फागुणसुदि ५ रवौ वोसलदि-वास्तव्यः । श्रीश्रीमालज्ञातीयव० साषा भा० छडू पुत्री बा० रंभा कस्याचित्तं (?) प्रमुखपरिवारयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्री ५ विजयदानसूरिशिष्यश्री ५ राम(? हीर)विजय-सूरिभिः तपापक्षे ॥

९६४. सं. १५७९ वर्षे वैशाखसुदि ६ सोमे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीयपापर्गोत्रा मं० दापा भा० जीवणि पु० सरा भा० सूर्माई नाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं सुविहितसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ॥

९६५. सं० १५८५वर्षे ज्येष्ठसुदि ९ शुक्रे उप० ठाकुर(?)गोत्रे सा० देवा भा० पदी पु० सोमा तिहा रतना तिहा भा० रावडू पु०

दासांहीदा सुते पि० श्रे० श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० ज्ञानकी[य] गच्छे श्रीसिद्धसेनसूरिभिः ॥

१६६. सं० १२७३ वर्षे श्रीउपकेशगच्छे श्रीककुदाचार्यसंताने वैद्यशाखायां सा० हसल अरसीहश्रेयसे हसलपुत्र जवात भा० धामदे-धाम्यां श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

१६७. सं० १६७८ वर्षे आश्विनवदि १४ गुरुदिने श्रीऋषिमंडलयंत्रं प्राग्वाटज्ञातीयदोसी नानजी सुत दो० दवजी भार्या आसबाईसुत प्राग्वाटवंशविभूषण दो० केशवजीकेन ऋषिमंडलयंत्रं कारापितं स्वात्मश्रेयसे प्रतिष्ठितं भट्टारकप्रभुश्रीविजयसेनसूरिराज्ये आनंदपुरवास्तव्येन इति मंगलम्। उपाध्यायश्रीविजयराजगणिभिश्चिरं नंदतु ॥

म्हेतापोळ, नेमिनाथजिनालयना लेखो.

१६८. सं० १५१९ वर्षे वै० शु० १३ प्राग्वाटमं० महिराज भा० धर्मूसुत मं० आंबानगराजाभ्यां भा० संपूरीसुहासिणियुताभ्यां स्वमातुः श्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरि-श्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१६९. सं० १३३८ चैत्रवदि २ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० वयरसिंहसुत श्रे० खूणसिंहश्रेयोऽर्थं सुतसाजणतिजणाभ्यां श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं। प्रतिष्ठितं श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीवयरसेणोपाध्यायशिष्यैः ॥

१७०. सं० १५१८ वर्षे फागुणवदि १ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० शिवा भा० संसारदे सुतसहजाकेन स्वमातृपितृश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरिपट्टे श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना साकरग्रामे ॥

१७१. सं० १५७८ वर्षे माघसुदि ८ गुरौ श्रीश्रीमाली०

सं० कज्जा पूंजा सं० रूपा सं० राणा सं० जीवा सं० लखा सं० पहि-
राजप्रमुखकुटुंबेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीआगमगच्छे
श्रीशिवकुमारसूरिभि । सोढाख (माला.)

१७२. सं० १३......सुदि १० श्रीश्रीमालज्ञा० व्य०
नयणाभार्यादिल्हणदेविश्रेयोऽर्थं द्वि० भार्या मायलदेव्या पुत्र सुत
सा०........श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रति० पिप्पलाचार्यगच्छे श्रीसाढ़े-
वसूरिशिष्ये श्रीरत्नप्रभसूरिभि ॥

१७३. सं० १५४९ वर्षे वैशाखसुदि १० गुरौ श्रीश्रीमाल-
ज्ञातीयदो० नारदभार्याहांसलदेविपुत्रलालाकेन भगिनीमाणिकीश्रेयोऽर्थं
श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः । भंडारमंदिरे ॥

१७४. कोरंटीआ सा० धीरा भा० धीरादे सु० सा० रतना
भा० रंगी सु० लाखा भरह थापह सं० १५७९ ।

१७५. सं० १५११ वर्षे ज्येष्ठसु० ८ शुक्रे श्रीश्रीमाल
ज्ञा० व्य० पांचा भा० प्रीमलदे सु० सांगारसी श्रीशांतिनाथबिंबं का०
प्र० पिप्पलगच्छे श्रीरामशेखरसूरिभि. ॥

१७६. सं० १५१७ वर्षे वै० व० ९ शुक्रे....ज्ञा० व्य०
देदा भा० रूडी पु० सा० भाभाकेन भा० वादपुत्रेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्व-
नाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१७७. सं० १३४५ माघसुदि १० पितृनागदेवमातृमहम-
ल्लदेवीसुताय पु० नागकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

१७८. सं० १५९५ वर्षे वै० व० ४ गुरौ ओसवालज्ञाति
प्राग्वाटज्ञा० श्रे० माईआ भा० मेघू सु० श्रे० नाथाकेन भा० नाथ-
लदे पु० नारायणादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्र० तपा
श्रीहेमविमलसूरिभिः श्रीसुधानंदनसूरिशिष्यश्रीरत्नमंडनसूरिपरिवृतैः ॥

दासाहीदा युते पि० श्रे० श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० ज्ञानकी[य] गच्छे श्रीसिद्धसेनसूरिभिः ॥

१६६. सं० १३७३ वर्षे श्रीउपकेशगच्छे श्रीककुदाचार्यसंताने वैद्यशाखायां सा० हसल अरसीहश्रेयसे हसलपुत्र जनात भा० धार्मे॰ वाभ्यां श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

१६७. सं० १६७८ वर्षे आश्विनवदि १४ गुरुदिने श्रीऋषिमंडलयंत्रं प्राग्वाटज्ञातीयदोसी नानजी सुत दो० दवजी भार्या आसबाईसुत प्राग्वाटवंशविभूषण दो० केशवजीकेन ऋषिमंडलयंत्रं कारापितं स्वात्मश्रेयसे प्रतिष्ठितं भट्टारकप्रभुश्रीविजयसेनसूरिराज्ये आनंदपुरवास्तव्येन इति मंगलम् । उपाध्यायश्रीविनयराजगणिभिश्चिरं नंदतु ॥

म्हेतापोळ, नेमिनाथजिनालयना लेखो.

१६८. सं० १५१५ वर्षे वै० शु० १३ प्राग्वाटमं० महिराज भा० वर्जूसुत मं० आंबानगराजाभ्यां भा० संपूरीसुहासिणियुताभ्यां स्वमातुः श्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिश्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१६९. सं० १३३८ चैत्रवदि २ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० वयरसिंहसुत श्रे० रूपसिंहश्रेयोऽर्थं सुतसाजणतिमणाभ्यां श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीवयरसेणोपाध्यायशिष्यैः ॥

१७०. सं० १९१८ वर्षे फागुणवदि १ सोमे श्रीश्रीमाळज्ञातीयश्रे० शिवा भा० संसारदे सुतपद्माकेन स्वमातृपितृश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरिपट्टे श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना साकरग्रामे ॥

१७१. सं० १३७८ वर्षे माघसुदि ८ गुरौ श्रीश्रीमाळी॰

[illegible] सं॰ [illegible] सं॰ [illegible] सं॰ [illegible] [illegible] श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्र॰ श्रीआगमगच्छे श्रीशिवकुमारसूरिभिः । [illegible] ([illegible])

१७३. सं॰ १२ [illegible] सुदि १० श्रीश्रीमालज्ञा॰ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]...... श्री[illegible]बिंब [illegible] प्रति॰ [illegible] श्री[illegible] [illegible] श्री[illegible]सूरिभि ॥

१७४. सं॰ १५४६ वर्षे वैशाखसुदि १० गुरौ श्रीश्रीमाल- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः । [illegible] ॥

१७५. [illegible] सा॰ [illegible] भा॰ [illegible] पु॰ सा॰ [illegible] भा॰ [illegible] पु॰ [illegible] [illegible] [illegible] सं॰ १५७९ ।

१७६. सं॰ १५११ वर्षे ज्येष्ठसु॰ ८ गुरौ श्रीश्रीमाल [illegible] [illegible] भा॰ [illegible] पु॰ [illegible] श्रीशांतिनाथबिंबं का॰ प्र॰ [illegible] श्री[illegible]सूरिभि ॥

१७७. सं॰ १५१७ वर्षे वै॰ व॰ ९ [illegible]....सा॰ [illegible] [illegible] भा॰ [illegible] पु॰ सा॰ [illegible] भा॰ [illegible] [illegible] श्री[illegible] बिंबं का॰ प्र॰ [illegible]सूरिभिः ॥

१७८. सं॰ १५४५ माघसुदि १० [illegible] [illegible] पु॰ [illegible] श्री[illegible]नाथबिंबं का॰ प्र॰ श्रीसूरिभि. ॥

१७८. सं॰ १५९२ वर्षे वै॰ व॰ ४ गुरौ [illegible] [illegible] सं॰ [illegible] भा॰ [illegible] पु॰ सं॰ [illegible] भा॰ [illegible] पु॰ [illegible] श्री[illegible]बिंबं का॰ प्र॰ तपा श्री[illegible] श्री[illegible] ॥